

November 2023

IAS  BABA

One Stop Destination For UPSC/IAS Preparation

Baba's Monthly

**CURRENT AFFAIRS MAGAZINE**

*STATES IN COURT AGAINST THEIR GOVERNORS*

*REVAMPING INDIAN JUDICIARY*

*SKILLING INDIA FOR THE WORLD*

*DEEPFAKES*

*INCLUSIVE GROWTH AND \$5 TRILLION ECONOMY*

*NATIONAL SECURITY STRATEGY*

**& MORE ....**



हिंदी

**New Batch**

**IAS BABA**



# PRELIMS EXCLUSIVE PROGRAMME (PEP) 2024

*Most Comprehensive Prelims classroom Program*



**400+ Hours of Prelims Focused Classes**



**1:1 Personal Mentorship**



**125+ Daily Tests & Full Length Tests**



**Current Affairs - Classes, Handouts & Tests**



**PYQ Classes & CSAT Classes by Prelims Experts**



**Prelims Exclusive Handouts**

**ONLINE & OFFLINE**



**ADMISSIONS OPEN**

## विषय-सूची

### PRELIMS

#### राजव्यवस्था और शासन

- चुनावी बांड
- प्रवर्तन निदेशालय
- कोस्टा सेरेना
- वर्ल्ड फूड इंडिया 2023
- केन्द्रीय सूचना आयुक्त
- प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार
- राजस्व आसूचना निदेशालय
- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA)
- योग

#### अंतर्राष्ट्रीय संबंध

- भारत और पुर्तगाल
- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय
- भारत और ऑस्ट्रेलिया
- एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी)
- इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष
- भारत तथा भूटान
- अरोरा
- आसियान
- एशिया - प्रशांत महासागरीय आर्थिक सहयोग
- जिम्बाब्वे
- फिनलैंड

#### अर्थव्यवस्था

- धनशोधन निवारण अधिनियम
- नीति आयोग
- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)
- मुद्रास्फीति (INFLATION)
- G-20 शिखर सम्मेलन
- EPFO

#### भूगोल

- क्लाउड सीडिंग
- डीप ओशन मिशन
- भूकंप
- खरीफ़ फसलें
- यमुना

- हॉर्न ऑफ अफ्रीका
- अल नीनो (EL NINO)
- नायोबियम
- वानुअतु द्वीप
- पावना नदी
- ऊष्णकटिबंधी चक्रवात
- माउंट एटना
- सिल्कयारा सुरंग
- न्यूजीलैंड
- मृत सागर

#### पर्यावरण और पारिस्थितिकी

- अरलम वन्यजीव अभयारण्य
- हाथी गलियारा
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
- अनुकूलन गैप रिपोर्ट, 2023
- पैनकोरियस सेबेस्टियानी
- अवौस मोटला (Awaous Motla)
- अल्कलस फॉन्टिनालिस
- भारतीय साही (INDIAN PORCUPINE)
- बाघ
- वर्ल्ड आर्गेनाइज़ेशन फॉर एनिमल हेल्थ
- पेंटब्रश स्विफ्ट तितली
- एटनबरो इकिडना
- ओडोनाटा प्रजातियाँ
- माइसेना क्लोरोफोस
- लेमरू हाथी गलियारा (LEC)
- लॉड्राकॉन कार्स्टिकोला
- ओजोन
- निदिराना नोआदिहिंग
- डेब्रीगढ़ अभयारण्य
- ब्लैक स्टॉर्क
- हाइब्रिड पफिन्स

#### विज्ञान और प्रौद्योगिकी

- कार्बन नैनोफ्लोरेट
- डायबिटीज
- जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप
- शुक्र ग्रह

- खाज (स्कैबीज)
- हेलिकोप्टर पाइलरी
- ओरिऑनॉइड उल्का बौछार (Orionids Meteor Shower)
- क्रेब नेबुला
- शनि ग्रह
- निसार
- चंद्रयान-3
- यूक्लिडस्पेस टेलीस्कोप
- इंटीग्रल फील्ड अल्ट्रावॉयलेट स्पेक्ट्रोस्कोप एक्सपेरिमेंट (INFUSE)
- लुसी मिशन
- WASP-107B
- पिरोला
- हेल्थ
- डायरिया
- खसरा
- चिकनपॉक्स
- जीका
- मलेरिया
- स्वाइन फ्लू
- न्यूमोनिया

### इतिहास, कला एवं संस्कृति

- केरल पिरावी
- प्रधानमंत्री संग्रहालय
- बद्रीनाथ धाम
- रवीन्द्र भवन
- तमिल लंबाडी कढ़ाई
- संत मीराबाई

### रक्षा

- प्रचंड
- मिनिटमैन 3
- युद्धपोत "सूरत"
- INS उत्क्रोश
- जेरिको मिसाइल प्रणाली
- आईएनएस सुमेधा
- ओहियो क्लास पनडुब्बी

- 243वां कोर ऑफ़ इंजीनियर्स दिवस
- IGLA-S
- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड
- वज्र प्रहार
- सरकारी पहल, योजनाएँ और नीतियाँ, संगठन
- कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
- CBI
- OECD
- पीएम प्राइवेटजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) विकास मिशन
- 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट-2023'
- एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय
- डॉ एसएस बद्रीनाथ
- संविधान दिवस
- विकसित भारत संकल्प यात्रा
- मेरी माटी मेरा देश अभियान

### स्पोर्ट्स

- एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी
- आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023
- आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल 2023

### विविध

- राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार
- शारजाह अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला
- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय
- भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम दिवस
- राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2023
- सी बकथॉर्न
- राष्ट्रीय प्रेस दिवस
- राष्ट्रीय बाल दिवस
- मनोहर पर्रिकर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार
- ब्रिटिश अकादमी बुक पुरस्कार

### MAINS

#### PAPER 1

- सिनेमा के दृष्टिकोण से समाज (SOCIETY THROUGH CINEMA'S LENS)

**PAPER 2**

- कॉपीराइट लॉ
- मानवीय सहायता (HUMANITARIAN AID)
- संयुक्त राष्ट्र का युद्धविराम की मध्यस्थता पर मार्गदर्शन
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और उच्च शिक्षा
- राज्य अपने राज्यपालों के विरुद्ध न्यायालय में
- जबरन विस्थापन (FORCED DISPLACEMENT)
- CAG का महत्व
- विश्व के लिए कौशल भारत

**PAPER 3**

- साइबर हमले
- राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति
- डीपफेक
- समावेशी विकास और \$5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था
- जलवायु अनुकूल कृषि (सीएसए)
- शहरी प्रदूषण से निपटने के लिये विद्युतीकरण की राह
- पराली जलाना (STUBBLE BURNING)

**PAPER 4**

- आरबीआई गवर्नर

**Practice Questions**

## PRELIMS



## राजव्यवस्था और शासन



## चुनावी बांड

**संदर्भ:** हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड का इस्तेमाल फ़ायदे के व्यापार के लिए किए जाने की संभावना को हरी झंडी दिखाई

**पृष्ठभूमि:-**

- 31 अक्टूबर को एक संविधान पीठ ने सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के साथ पक्षपात करने या गुमनाम रूप से समझौता करने के लिए प्रभावशाली संस्थाओं द्वारा नियमित बैंकिंग द्वारा उनके लिए चुनावी बांड खरीदने के लिए सत्यापित खातों वाले व्यक्तियों को गुप्त रूप से स्थापित करने का परिदृश्य उठाया।

**चुनावी बांड के बारे में:-**

- चुनावी बांड एक वचन पत्र की तरह होता है जिसे ऐसे व्यक्ति द्वारा खरीदा जा सकता है जो भारत का नागरिक है या भारत में निगमित या स्थापित है।
- कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से चुनावी बांड खरीद सकता है।
- बांड बैंक नोटों की तरह होते हैं जो धारक को मांग पर देय होते हैं और ब्याज मुक्त होते हैं।

**ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:-**

- चुनावी बांड प्रणाली 2017 में एक वित्त विधेयक के माध्यम से पेश की गई थी।
- इसे 2018 में लागू किया गया था।

**पात्रता:-**

- केवल वे राजनीतिक दल जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए), 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत हैं और जिन्हें पिछले आम चुनाव में लोक सभा या विधान सभा के लिए डाले गए वोटों में से कम से कम एक प्रतिशत वोट मिले हों। राज्य, चुनावी बांड प्राप्त करने के लिए पात्र होगा।

**मुख्य विशेषताएं:-**

- भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये के मूल्यवर्ग में बांड जारी करता है।
- यह धारक को मांग पर और ब्याज मुक्त देय है।
- इसे भारतीय नागरिकों या भारत में स्थापित संस्थाओं द्वारा खरीदा जाता है।
- इसे व्यक्तिगत रूप से या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से खरीदा जा सकता है।
- यह जारी होने की तारीख से 15 कैलेंडर दिनों के लिए वैध है।
- भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अधिकृत जारीकर्ता है।
  - चुनावी बांड नामित एसबीआई शाखाओं के द्वारा जारी किए जाते हैं।
- चुनावी बांड डिजिटल या चेक के माध्यम से खरीदे जा सकते हैं।
- नकदीकरण केवल राजनीतिक दल के अधिकृत बैंक खाते के माध्यम से।
  - राजनीतिक दलों को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के साथ अपने बैंक खाते का खुलासा करना होता है।

**लाभ:-**

- जवाबदेही सुनिश्चित करना:** चुनावी बांड के माध्यम से डोनेशन केवल ईसीआई के साथ बताए गए पार्टी बैंक खाते में जमा किया जाना।
- नकदी को हतोत्साहित करना:** खरीदारी केवल सीमित संख्या में अधिसूचित बैंकों के माध्यम से ही संभव होगी और वह भी चेक और डिजिटल भुगतान के माध्यम से।
- अधिक पारदर्शिता:** यह राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग, नियामक अधिकारियों और आम जनता के साथ अधिक पारदर्शी तरीके से काम करने में मदद करता है।

**चुनावी बांड के नुकसान:-**

- **जानने के अधिकार में बाधा:** मतदाताओं को यह नहीं पता होगा कि किस व्यक्ति, कंपनी या संगठन ने किस पार्टी को और किस हद तक वित्त पोषित किया है। चुनावी बांड की शुरुआत से पूर्व, राजनीतिक दलों को अपने सभी दानदाताओं के विवरण का खुलासा करना पड़ता था, जिन्होंने 20,000 रुपये से अधिक का डोनेट किया है।
  - यह परिवर्तन नागरिक के 'राइट टू नो (Right to Know)' का उल्लंघन करता है और राजनीतिक वर्ग को और भी अधिक गैर-जिम्मेदार बनाता है।
- **अनधिकृत दान:** ऐसी स्थिति में जहां चुनावी बांड के माध्यम से प्राप्त योगदान की सूचना नहीं दी जाती है, और यह पता नहीं लगाया जा सकता है कि क्या राजनीतिक दल ने आरपीए, 1951 की धारा 29 बी के तहत प्रावधान का उल्लंघन करते हुए कोई डोनेशन लिया है, जो राजनीतिक दलों को सरकारी कंपनियों और विदेशी स्रोतों से डोनेशन लेने से मना करता है।
- **क्रोनी-पूँजीवाद की ओर ले जाना:** यह व्यवसायों के लिए टैक्स हेवेन में जमा अपनी नकदी को किसी चीज के बदले में दिए गए लाभ या लाभ के लिए राजनीतिक दलों तक पहुंचाने का एक सुविधाजनक माध्यम बन सकता है।
  - बेनामी फंडिंग से काले धन का प्रसार हो सकता है।

**अवश्य पढ़ें:** चुनावी सत्यनिष्ठा पर सहयोग

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### प्रवर्तन निदेशालय

**संदर्भ:** प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछताछ करने वाला है।

**पृष्ठभूमि:-**

- दिल्ली में मामले के जांच अधिकारी के सामने पेश होने के बाद जांच एजेंसी दिल्ली के मुख्यमंत्री का बयान दर्ज करेगी।

**प्रवर्तन निदेशालय के बारे में:-**

- **स्थापना:** वर्ष 1956 में
- **मंत्रालय:** राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- प्रवर्तन निदेशालय एक बहु-विषयक संगठन है जिसकी स्थापना की गई है।
- यह एक कानून प्रवर्तन संगठन है जिसे आर्थिक कानूनों को लागू करने और भारत में मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी मुद्रा अनियमितताओं जैसे आर्थिक अपराध से निपटने का काम सौंपा गया है।

**कार्य:-**

- निदेशालय के कार्यों में निम्नलिखित अधिनियमों का प्रवर्तन शामिल है:-
  - धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA)
  - विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा): यह एक नागरिक कानून है, जो निदेशालय को अर्ध न्यायिक शक्तियाँ देता है। यह निदेशालय को विनिमय नियंत्रण कानून के संदिग्ध उल्लंघनों की जांच करने के साथ दोषी पर जुर्माना लगाने की भी शक्ति देता है।
  - विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम 1973
  - 1974 विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत प्रायोजक संगठन
  - भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (FEOA): भारत का 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम 2018 कानून' अधिकारियों को गैर दोषी-आधारित कुर्की और 'भगोड़े आर्थिक अपराधी' की संपत्ति को जब्त करने का अधिकार देता है जिसके खिलाफ अनुसूचित अपराध के संबंध में गिरफ्तारी का वारंट भारत में किसी भी अदालत से जारी किया गया हो। यह उन भगोड़े आर्थिक अपराधियों पर लागू होता है जिसने आपराधिक अभियोजन या न्यायिक प्रक्रियाओं से बचने के लिए देश छोड़ दिया हो।

**संरचना:-**

- **प्रवर्तन निदेशक:-**
  - केंद्रीय सतर्कता आयुक्त की अध्यक्षता वाली एक समिति की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है और इसके सदस्यों में सतर्कता आयुक्त, गृह सचिव, सचिव डीओपीटी और राजस्व सचिव शामिल होते हैं।
  - कार्यकाल: 5 वर्ष तक
- **अन्य अधिकारियों की भर्ती:-**

- अन्य अधिकारियों को अन्य जांच एजेंसियों से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से भर्ती किया जा सकता है।
- यह भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पुलिस, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क और आयकर विभागों के प्रतिनिधियों से बना है।

#### ईडी की शक्तियां:-

- ईडी जांच अधिकारी (आईओ) के समक्ष दर्ज किए गए बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अदालत में सबूत के रूप में स्वीकार्य हैं।
- PMLA के तहत सभी अपराध, जिनसे ईडी निपटता है, उन्हें गैर-जमानती के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- ईडी की हिरासत में व्यक्तियों को उनकी स्थिति की परवाह किए बिना, निकटतम पुलिस स्टेशन के लॉक-अप में भेजा जाता है।
- एक बार जब ईडी किसी आरोपी की संपत्ति को जब्त कर लेता है, तो उन संपत्तियों को पुनः प्राप्त करना एक लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया होती है।
- नियमित आपराधिक कानून के विपरीत, पीएमएलए के तहत, सबूत का वेटेज अभियोजक के बजाय अभियुक्त पर होता है।
- आरोपी व्यक्तियों को अपने बचाव में सबूत प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है, जिससे ईडी की जांच से निपटना कठिन हो जाता है।

#### MUST READ: [CBI and ED](#)

SOURCE: [AIR](#)

### कोस्टा सेरेना

**संदर्भ:** केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री, सर्बानंद सोनोवाल जल्द ही मुंबई में भारत में पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रूज लाइनर 'कोस्टा सेरेना' की घरेलू नौकायन का शुभारंभ करेंगे।

#### पृष्ठभूमि:-

- कोस्टा क्रूज द्वारा अगले 2 महीनों की यात्राओं में लगभग 45,000 यात्रियों को ले जाने की उम्मीद है।

#### कोस्टा सेरेना के बारे में:-

- कोस्टा सेरेना इतालवी क्रूज लाइन, कोस्टा क्रोशिएरे के लिए एक कॉनकार्डिया श्रेणी का क्रूज जहाज है।
- सेरेना नाम का उद्देश्य सद्भाव और शांति का प्रतीक था।
- कोस्टा सेरेना का निर्माण सेखी पोनेंटे में फिनकैंटिएरी द्वारा किया गया था।
- कोस्टा सेरेना भारत में अपनी शुरुआत करेगी और नवंबर एवं दिसंबर 2023 में भारत में नौकायन करेगी। (हरित समुद्री क्षेत्र)
- इस तरह की क्रूज पहल 'देखो अपना देश' का हिस्सा है, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा मध्यम वर्ग से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन की तुलना में घरेलू पर्यटन को प्राथमिकता देने की अपील पर शुरू किया गया था।

**अवश्य पढ़ें:** अंतर्राष्ट्रीय समुद्री अभ्यास/कटलैस एक्सप्रेस 2023 (IMX/CE-23) और INS त्रिकंद

SOURCE: [AIR](#)

### वर्ल्ड फूड इंडिया 2023

**संदर्भ:** प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मेगा फूड इवेंट 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किये।

#### आयोजन की मुख्य बातें:-

- दिनांक: 3 नवंबर, 2023
- स्थान: भारत मंडपम, नई दिल्ली
- द्वारा आयोजित: खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI)
- इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किये।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत को 'दुनिया की खाद्य टोकरी' के रूप में प्रदर्शित करना और 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाना है।
- प्रधानमंत्री एक लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों एसएचजी सदस्यों के लिए बीज पूंजी सहायता वितरित किये।
- इस समर्थन से एसएचजी को पैकेजिंग और गुणवत्तापूर्ण विनिर्माण में सुधार करने और बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी।
- प्रधानमंत्री वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के हिस्से के रूप में फूड स्ट्रीट का भी उद्घाटन किये।
- इसमें क्षेत्रीय व्यंजन और शाही पाक विरासत शामिल होगी।
- 200 से अधिक शेफ हिस्सा लिए और पारंपरिक भारतीय व्यंजन पेश किये गए, जिससे यह एक अनूठा पाक अनुभव बना।
- प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों के सीईओ सहित 80 से अधिक देशों के प्रतिभागी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिए।



- वर्ल्ड फूड इंडिया के इस संस्करण में, नीदरलैंड 'साझेदार देश' होगा, और जापान और वियतनाम को 'फोकस देश' के रूप में नामित किया गया है।

#### वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के बारे में:-

- द्वारा आयोजित: खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI)।
- वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 भारतीय खाद्य अर्थव्यवस्था का प्रवेश द्वार है, जो भारतीय और विदेशी निवेशकों के बीच साझेदारी को सुगम बनाता है।
- यह वैश्विक खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माताओं, उत्पादकों, खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं, निवेशकों, नीति निर्माताओं और संगठनों का अपनी तरह का अद्वितीय आयोजन होगा।
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने खाद्य अर्थव्यवस्था में बदलाव की थीम के साथ 2017 में वर्ल्ड फूड इंडिया का पहला संस्करण लॉन्च किया।

#### फोकस स्तंभ:-

- श्री अन्न (मिलेट्स): विश्व के लिए भारत के सुपर फूड का लाभ उठाना।
- एक्सपोनेंशियल फूड प्रोसेसिंग: भारत को वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना।
- सामरिक खंड: विकास के लिये संभावनाओं को खोलना
- कुशल पारिस्थितिकी तंत्र: समावेशन के साथ अवसरों का दोहन
- सतत् विकास: समृद्धि के लिये प्रसंस्करण

अवश्य पढ़ें: खाद्य सुरक्षा

SOURCE: [AIR](#)

#### केन्द्रीय सूचना आयुक्त

**संदर्भ:** हाल ही में सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया ने केन्द्रीय सूचना आयोग के नए मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ ली।

#### पृष्ठभूमि:-

- राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। वर्तमान में श्री सामरिया केन्द्रीय सूचना आयोग में सूचना आयुक्त के पद पर कार्यरत थे।

#### केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के बारे में:-

- स्थापना: वर्ष 2005 में
- इसका गठन वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत किया गया था।
- आरटीआई अधिनियम 2005 प्रत्येक राज्य में एक केन्द्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोग के गठन का प्रावधान करता है।
- क्षेत्राधिकार: आयोग का विस्तार सभी केन्द्रीय सार्वजनिक प्राधिकरणों तक है।
- सूचना का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में संशोधन किया।
- 2005 के आरटीआई अधिनियम ने मूल कानून में केन्द्रीय और राज्य स्तर पर मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) और सूचना आयुक्तों (आईसी) के कार्यकाल, सेवा की शर्तों और वेतन को निर्दिष्ट किया।

#### संरचना:-

- केन्द्रीय सूचना आयोग में शामिल होंगे:
- मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी)
- सदस्य: केन्द्रीय सूचना आयुक्तों (आईसी) की इतनी संख्या, दस से अधिक नहीं, जितनी आवश्यक समझी जाए।
- सदस्य कानून, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, प्रबंधन, पत्रकारिता, जन मीडिया या प्रशासन और शासन में व्यापक ज्ञान और अनुभव के साथ सार्वजनिक जीवन में प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे।
- CIC या IC कोई सांसद या विधायक नहीं होगा या कोई व्यवसाय करने वाले या कोई पेशा अपनाने वाले किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े लाभ के किसी अन्य पद पर नहीं होगा।
- नियुक्ति: आयोग के सदस्यों की नियुक्ति एक समिति द्वारा की जाती है जिसमें प्रधान मंत्री (अध्यक्ष के रूप में), लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और प्रधान मंत्री द्वारा नियुक्त एक केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।

- **कार्यकाल:** सीआईसी और आईसी (केंद्रीय और राज्य स्तर पर) तीन साल की अवधि के लिए पद संभालेंगे।
- **इस्तीफा:** सीआईसी या आईसी, किसी भी समय, राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर से लिखकर, अपने कार्यालय से इस्तीफा दे सकता है।
- **निष्कासन:** सीआईसी या आईसी को सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर केवल राष्ट्रपति के आदेश से पद से हटाया जा सकता है।
- सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्वारा दिए गए संदर्भ पर रिपोर्ट दी कि उल्लिखित आधारों पर उन्हें हटा दिया जाना चाहिए।
  - यदि ऐसे व्यक्ति को दिवालिया घोषित कर दिया जाता है, कुछ अपराधों के लिए दोषी ठहराया जाता है तो राष्ट्रपति उन्हें पद से हटा भी सकते हैं।
  - वे पुनर्नियुक्ति के पात्र नहीं हैं।

#### शक्ति एवं कार्य:-

- आरटीआई अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी के संबंध में किसी भी व्यक्ति से शिकायत प्राप्त करना और उसकी जांच करना।
- यदि उचित आधार (सुओ-मोटो पावर) हो तो यह किसी भी मामले की जांच का आदेश दे सकता है।
- पूछताछ करते समय आयोग को समन भेजने, दस्तावेजों की आवश्यकता आदि के संबंध में सिविल कोर्ट की शक्तियां प्राप्त हैं।
- सूचना देने हेतु द्वितीय अपील में निर्णय।
- रिकॉर्ड रखने के लिए दिशा-निर्देश।
- जुर्माना लगाना और वार्षिक तैयारी सहित निगरानी और रिपोर्टिंग।

**MUST READ:** [Its time to review the Right To Information \(RTI\) Act](#)

**SOURCE:** [AIR](#)

#### प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

**संदर्भ:** हाल ही में, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

#### पृष्ठभूमि:-

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त, 2023 तक बढ़ा दी है।

#### प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के बारे में:-

**Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2023 by Ministry of Women & Child Development**

**Award**



**IMAGE SOURCE:** [noticebard.com](#)

- पुरस्कार की घोषणा 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' पर की जाती है।
  - **वीर बाल दिवस:** गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों की शहादत को श्रद्धांजलि है। (यूपीएससी सीएसई: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व)
- पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में हर साल जनवरी में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में दिए जाते हैं।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** इसे वर्ष 1979 में राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार के रूप में स्थापित किया गया था, वर्ष 2018 में इसका नाम बदलकर बाल कल्याण पुरस्कार कर दिया गया।
- **उद्देश्य:** यह हमारे बच्चों की ऊर्जा, दृढ़ संकल्प, क्षमता, जोश और उत्साह का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जाता है।
- **क्षेत्र:** यह राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला और संस्कृति एवं नवाचार

के क्षेत्र में दिया जाता है।

- **पुरस्कृत:** महिला एवं बाल विकास मंत्रालय।

**पात्रता:-**

- भारत का कोई भी बच्चा, जो भारतीय नागरिक है और भारत में रह रहा है तथा जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक नहीं है (आवेदन/नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि पर) पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकता है।
- कार्य/घटना/उपलब्धि विचाराधीन वर्ष के लिए आवेदन/नामांकन की प्राप्ति की अंतिम तिथि से 2 वर्ष के भीतर की होनी चाहिए।
- आवेदक को पहले किसी भी श्रेणी में उसी पुरस्कार का पूर्व प्राप्तकर्ता नहीं होना चाहिए (असाधारण उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय बाल पुरस्कार सहित, जैसा कि मंत्रालय द्वारा पहले प्रदान किया गया था)।

**नामांकन इस प्रकार किया जा सकता है:-**

- राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, जिला कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट, और पंचायती राज संस्थान।
- सभी केंद्रीय और राज्य स्कूल बोर्ड, केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय संगठन, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग और बाल विकास संस्थान।
- सामाजिक न्याय मंत्रालय, विकलांगता विभाग (Department of Disabilities), शिक्षा मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग, सभी राज्य स्कूल शिक्षा विभाग, युवा मामले मंत्रालय, खेल विभाग, भारतीय खेल प्राधिकरण, संस्कृति मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पर्यावरण और वन मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय और प्रेस सूचना ब्यूरो।

**राष्ट्रीय चयन समिति**

**चयन प्रक्रिया**

- प्राप्त आवेदनों की सबसे पहले स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा जांच की जाती है।
- अंतिम चयन राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा किया जाता है।

**बनावट:-**

- पदक
- 1,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार
- प्रमाणपत्र और प्रशस्ति पत्र

**पुरस्कार विजेताओं की संख्या**

- पुरस्कार विजेताओं की संख्या 25 है।
- हालाँकि, राष्ट्रीय चयन समिति के विवेक पर इस अधिकतम संख्या में किसी भी छूट की अनुमति दी जा सकती है।

**प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दो श्रेणियों के अंतर्गत दिया जाता है:-**

- **बाल शक्ति पुरस्कार**
  - यह हर साल भारत सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों जैसे नवाचार, शैक्षिक उपलब्धियों, सामाजिक सेवा, कला और संस्कृति, खेल और बहादुरी में बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए दिया जाता है।
  - पात्रता: कोई बच्चा जो भारत में रहने वाला भारतीय नागरिक है और उसकी उम्र 5-18 वर्ष के बीच है।
  - बनावट: एक पदक, 1,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार, 10,000 रुपये के पुस्तक वाउचर, एक प्रमाण पत्र और एक प्रशस्ति पत्र।
- **बाल कल्याण पुरस्कार**
  - यह उन व्यक्तियों और संस्थानों को मान्यता के रूप में दिया जाता है, जिन्होंने बाल विकास, बाल संरक्षण और बाल कल्याण के क्षेत्र में बच्चों की सेवा में उत्कृष्ट योगदान दिया है।
  - पात्रता: कोई व्यक्ति जो भारत में रहने वाला भारतीय नागरिक है और उसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए (संबंधित वर्ष के 31 अगस्त तक)।
  - उसे कम से कम 7 वर्ष तक बच्चों के हित के लिए कार्य करना चाहिए।
  - संस्था पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त पोषित नहीं होनी चाहिए और 10 वर्षों से बाल कल्याण के क्षेत्र में होनी चाहिए और क्षेत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए।

- प्रत्येक दो श्रेणियों - व्यक्तिगत और संस्थान - में नकद पुरस्कारों के साथ तीन पुरस्कार दिए जाते हैं।

अवश्य पढ़ें : पद्म पुरस्कार

SOURCE: [AIR](#)

### राजस्व आसूचना निदेशालय

**संदर्भ:** हाल ही में, राजस्व खुफिया निदेशालय ने सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 25 करोड़ रुपये मूल्य का 48 किलोग्राम से अधिक सोने का पेस्ट जब्त किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- डीआरआई ने कहा कि उसने चार लोगों को गिरफ्तार कर एक तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है।
- इसमें कहा गया है कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई अधिकारियों ने एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट से शारजाह से आ रहे तीन यात्रियों को पकड़ा, जिन पर पेस्ट के रूप में सोना ले जाने का संदेह था।

**राजस्व आसूचना निदेशालय के बारे में:-**

- यह भारत की शीर्ष तस्करी विरोधी एजेंसी है।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड, वित्त मंत्रालय
  - वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद वर्ष 2018 में केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) का नाम बदलकर केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) कर दिया गया।
- स्थापना: वर्ष 1957 में
- उद्देश्य: इसका काम नशीली दवाओं की तस्करी और वन्य जीवन और पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील वस्तुओं में अवैध अंतरराष्ट्रीय व्यापार सहित प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी का पता लगाना और उस पर अंकुश लगाना है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सीमा शुल्क की चोरी से संबंधित वाणिज्यिक धोखाधड़ी का मुकाबला करना है।
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- DRI को तस्करी विरोधी राष्ट्रीय समन्वय केंद्र (एससीओर्ड) के लिए प्रमुख एजेंसी के रूप में भी नामित किया गया है। (यूपीएससी सीएसई: भारत में सीमा पार तस्करी की समस्या)

**DRI के कार्य:-**

- प्रतिबंधित वस्तुओं, नशीले पदार्थों की तस्करी, कम चालान आदि के बारे में खुफिया जानकारी का संग्रह।
- कार्रवाई के लिए क्षेत्रीय संरचनाओं तक ऐसी खुफिया जानकारी का विश्लेषण और प्रसार करना और जहां आवश्यक हो, ऐसी खुफिया जानकारी पर कार्य करना।
- महत्वपूर्ण बरामदगी और जांच मामलों पर नजर रखना।
- उन जांचों को संबद्ध करना या अपने हाथ में लेना जिनके लिए निदेशालय द्वारा विशेषीकृत संचालन की आवश्यकता होती है।
- महत्वपूर्ण जांच/अभियोजन मामलों का मार्गदर्शन करना।
- तस्करी विरोधी मामलों पर विदेशों, भारतीय मिशनों और विदेश में प्रवर्तन एजेंसियों के साथ संपर्क बनाए रखना।
- सी.बी.आई. के साथ संपर्क बनाए रखना। और उनके माध्यम से इंटरपोल के साथ भी।
- सीमा शुल्क अधिनियम के तहत पंजीकृत मामलों को आयकर अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए आयकर विभाग को संदर्भित करना।
- बरामदगी और कीमतों/दरों आदि के आँकड़े रखना।
- तस्करी से निपटने के लिए कानून और प्रक्रियाओं में खामियों का अध्ययन करना और उनके लिए उपाय सुझाना।

**MUST READ:** [CBI and ED](#)

SOURCE: [AIR](#)

### नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA)

**संदर्भ:** हाल ही में केंद्र सरकार ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) के अधिकारी अनिल गिल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

**पृष्ठभूमि:-**

- यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के आरोपों की आरंभिक जांच करने के लिए डीजीसीए द्वारा स्थापित एक सतर्कता समिति द्वारा की गई थी।

### नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के बारे में:-

- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है।
  - इसका गठन विमान (संशोधन) अधिनियम, 2020 के तहत किया गया था।
- यह नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अंतर्गत आता है। (नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के नए महानिदेशक नियुक्त)
- इसका उद्देश्य भारत में नागरिक उड्डयन को विनियमित करना है।
- यह मुख्य रूप से नागरिक उड्डयन में सुरक्षा मुद्दों से संबंधित है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
  - इसके क्षेत्रीय कार्यालय भारत के विभिन्न हिस्सों में हैं।
- **अधिदेश:** डीजीसीए भारत से/भारत के भीतर हवाई परिवहन सेवाओं के विनियमन और नागरिक हवाई नियमों, हवाई सुरक्षा और उड़ान योग्यता मानकों को लागू करने के लिए उत्तरदायी है। (नागरिक उड्डयन उद्योग में सुधार)
- **कार्य:-**
  - नागरिक विमानों का पंजीकरण करना।
  - भारत में पंजीकृत नागरिक विमानों के लिए उड़ानयोग्यता के मानक तैयार करना और ऐसे विमानों को उड़ानयोग्यता प्रमाणपत्र प्रदान करना।
  - पायलटों, विमान रखरखाव इंजीनियरों और उड़ान इंजीनियरों को लाइसेंस देना और उस उद्देश्य के लिए परीक्षण और जांच आयोजित करना।
  - हवाई यातायात नियंत्रकों को लाइसेंस देना।
  - दुर्घटनाओं/घटनाओं की जांच करना।
  - दुर्घटना रोकथाम के उपाय करना।
  - नागरिक और सैन्य हवाई यातायात एजेंसियों द्वारा हवाई क्षेत्र के लचीले उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय करना।
  - भारतीय हवाई क्षेत्र के माध्यम से नागरिक उपयोग के लिए अधिक हवाई मार्गों के प्रावधान के लिए आईसीएओ के साथ बातचीत करना।
  - विमान के स्वदेशी डिजाइन और निर्माण को बढ़ावा देना।

**अवश्य पढ़ें :** अंतर्राष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी योजना (आईएसीएस) योजना

**SOURCE:** [AIR](#)

### योग

**संदर्भ:** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान-एम्स, नई दिल्ली द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार योग का अभ्यास करने से मिर्गी से पीड़ित वयस्कों में हीनता की भावना कम हो सकती है।

### पृष्ठभूमि:-

एम्स के न्यूरोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. मंजरी त्रिपाठी ने ये जानकारी दी।उनका कहना है कि योगाभ्यास मिर्गी से पीड़ित लोगों में मिर्गी के प्रति हीनता के विचार को कम करके जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाता है।

### योग के बारे में:-

## INTERNATIONAL YOGA DAY LOGO MEANING



IMAGE SOURCE: [WordPress.com](http://WordPress.com)

- 'योग' शब्द संस्कृत से निकला है और इसका अर्थ है जुड़ना या एकजुट होना, जो शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक है।
- योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी।
- इसे 2016 में यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में रखा गया था।
  - मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को सूची: इसमें अभिव्यक्ति के ऐसे रूप शामिल हैं जो अमूर्त विरासत की विविधता को प्रदर्शित करते हैं और इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं।
  - इस सूची में योग सहित भारत की 13 अमूर्त विरासतें शामिल हैं। (महाराष्ट्र में यूनेस्को विरासत स्थल)

### संबंधित पहल

#### एम-योग ऐप:-

- ऐप विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारत सरकार के आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष मंत्रालय) मंत्रालय के बीच सहयोग का एक कार्य है।

#### अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY) के लिए नई वेबसाइट:-

- यह वेब पोर्टल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से संबंधित सभी अद्यतन और प्रासंगिक जानकारी प्रदान करता है।

#### एक खेल के रूप में योग:-

- युवा मामले और खेल मंत्रालय ने विभिन्न खेल विषयों के वर्गीकरण की समीक्षा करने के बाद, योग को एक खेल अनुशासन के रूप में मान्यता दी और 2015 में इसे 'प्राथमिकता' श्रेणी में रखा।

#### कॉमन योग प्रोटोकॉल:-

- यह आयुष मंत्रालय की एक पहल है।

#### योग में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम:-

- ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्किल काउंसिल (B & WSSC) के पास सीबीएसई स्कूलों के लिए योग में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम हैं।

#### कौशल विकास पहल:-

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) जैसी विभिन्न कौशल पहलों के माध्यम से हजारों उम्मीदवारों को योग प्रशिक्षक और प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।
  - PMKVY: यह कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की प्रमुख योजना है।

#### फिट इंडिया मूवमेंट:-

- योग भी फिट इंडिया मूवमेंट का एक हिस्सा है।
  - फिट इंडिया मूवमेंट: एक राष्ट्रव्यापी अभियान जिसका उद्देश्य लोगों को अपने रोजमर्रा के जीवन में शारीरिक गतिविधियों और

खेलों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अवश्य पढ़ें: भारत की यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में नई साइटें जोड़ी गईं

SOURCE: [AIR](#)



## अंतर्राष्ट्रीय संबंध



### भारत और पुर्तगाल

**संदर्भ:** हाल ही में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पुर्तगाल में भारतीय समुदाय को संबोधित किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- डॉ. जयशंकर के साथ पुर्तगाल के विदेश मंत्री जोआओ क्रेविन्हो भी शामिल हुए।
- अपने संबोधन में, विदेश मंत्री ने भारत-यूरोपीय संघ संबंधों को बढ़ावा देने में पुर्तगाल के योगदान पर प्रकाश डाला।

**भारत और पुर्तगाल के बारे में:-**



**IMAGE SOURCE:** [pinterest.ca](https://www.pinterest.ca)

- दक्षिणी यूरोप में पुर्तगाल भारत के लिए एक महत्वपूर्ण देश है। (भारत-पुर्तगाली द्विपक्षीय संबंध)
- पिछले 15 वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति देखी गई है।
- पुर्तगाल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का समर्थक है।
- दोनों देश अन्य बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और उम्मीदवारी के लिए एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

**ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:-**

- वर्ष 1947: भारत और पुर्तगाल के बीच संबंध 1947 में भारत की आजादी के बाद शुरू हुए।
- वर्ष 1949 राजनयिक संबंध स्थापित किये गये।
- हालाँकि, पुर्तगाल द्वारा भारत के पश्चिमी तट पर गोवा, दमन और दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली के अपने परिक्षेत्रों को सौंपने से इनकार करने के बाद, द्विपक्षीय संबंध एक परेशानी भरे दौर से गुजरे।
- वर्ष 1955 तक राजनयिक संबंध पूरी तरह से टूट चुके थे।
- भारतीय सैन्य बलों ने वर्ष 1961 में ऑपरेशन विजय के माध्यम से गोवा को मुक्त कराया था।
- वर्ष 1974: भारत और पुर्तगाल ने गोवा, दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली पर भारत की संप्रभुता को मान्यता देते हुए एक संधि पर हस्ताक्षर किए।
- संधि पर हस्ताक्षर भारत और पुर्तगाल के बीच द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था।
- वर्ष 1977: आर्थिक मामलों पर भारत-पुर्तगाल संयुक्त आयोग की स्थापना की गई और अब तक इसकी चार बार बैठक हो चुकी है।
- वर्ष 2017-18: द्विपक्षीय व्यापार कुल 937 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। भारतीय निर्यात 747 मिलियन अमेरिकी डॉलर और पुर्तगाली निर्यात 190 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

**महत्व:-**



- हाल के दिनों में भारत और पुर्तगाल ने समुद्री परिवहन, बंदरगाह विकास, ऑडियो-विज़ुअल सह-उत्पादन और औद्योगिक एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों सहित क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।
- व्यापार संतुलन लगातार भारत के पक्ष में रहा है।

**MUST READ:** [Russia-Ukraine war](#)

**SOURCE:** [AIR](#)

### अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय

**संदर्भ:** हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने क्यूबा के खिलाफ अमेरिका के आर्थिक और व्यापार प्रतिबंध के खिलाफ मतदान किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- कुल 187 राज्यों ने प्रतिबंध के खिलाफ रखे गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, केवल अमेरिका और इजराइल ने इसके खिलाफ मतदान किया और यूक्रेन अनुपस्थित रहा।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने चिंता व्यक्त की कि 1992 के उसके प्रस्तावों के बावजूद क्यूबा के खिलाफ आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और ऐसे उपायों का प्रतिकूल प्रभाव क्यूबा के लोगों और अन्य देशों में रहने वाले क्यूबा के नागरिकों पर पड़ रहा है।
- अमेरिकी प्रतिनिधि ने कहा कि राष्ट्र क्यूबा के लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचानता है, उन्होंने बताया कि प्रतिबंधों में क्यूबा को खाद्य पदार्थ, दवाओं और अन्य मानवीय वस्तुओं के निर्यात से संबंधित छूट और प्राधिकरण शामिल हैं।
- महासभा ने सभी राज्यों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों के अनुरूप, ऐसे प्रतिबंधात्मक कानूनों और उपायों को प्रख्यापित करने और लागू करने से परहेज करने के लिए अपना आह्वान दोहराया।
- क्यूबा के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिबंध अमेरिकी व्यवसायों और अमेरिकी कानून के तहत आयोजित या अमेरिकी नागरिकों के बहुमत वाले व्यवसायों को क्यूबा के हितों के साथ व्यापार करने से मना करता है।
- क्यूबा के खिलाफ अमेरिका का आर्थिक और व्यापार प्रतिबंध पहली बार 1960 में लगाया गया था। (अमेरिका-क्यूबा संबंध)

**क्यूबा के बारे में:-**



**IMAGE SOURCE:** [WorldAtlas](#)

- महाद्वीप: उत्तरी अमेरिका
- राजधानी: हवाना
- पड़ोसी देश: जमैका, हैती, बहामास, डोमिनिकन गणराज्य।
- क्यूबा, वेस्ट इंडीज का एक देश है।
- यह द्वीपसमूह का सबसे बड़ा एकल द्वीप है।
- क्यूबा की प्रमुख भाषा स्पेनिश है।

- क्यूबा एक बहुसांस्कृतिक, मुख्यतः शहरी राष्ट्र है।
- पहाड़ों और पहाड़ियों के समूह क्यूबा द्वीप के लगभग एक-चौथाई हिस्से को कवर करते हैं।
- मुख्य द्वीप के लगभग दो-तिहाई हिस्से को कवर करने वाले मैदानों का उपयोग गन्ने और तंबाकू की खेती तथा पशुधन पालन के लिए बड़े पैमाने पर किया गया है।
- क्यूबा की स्थलाकृति और भूविज्ञान ने मिट्टी के कम से कम 13 अलग-अलग समूहों का निर्माण किया है, जिनमें से अधिकांश उपजाऊ हैं और सालभर खेती की जाती है।
- वार्षिक औसत तापमान 79 डिग्री फ़ारेनहाइट (26 डिग्री सेल्सियस) है।
- उष्णकटिबंधीय पौधों के जीवन में हजारों फूल वाले पौधों की प्रजातियां शामिल हैं, जिनमें से आधी द्वीपसमूह के लिए स्थानिक हो सकती हैं।
- क्यूबा में पशु जीवन प्रचुर और विविध है, जो कई छोटे स्तनधारियों और सरीसृपों, 7,000 से अधिक कीट प्रजातियों और भूमि, नदी और समुद्री मोलस्क की 4,000 प्रजातियों का निवास स्थान है।

#### भारत-क्यूबा संबंध:-

- भारत-क्यूबा संबंध पारंपरिक रूप से मधुर और मैत्रीपूर्ण रहे हैं।
- भारत 1959 की क्रांति के बाद क्यूबा को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था।
- दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र, NAM, WTO, आदि जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे के साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए रखा है।
- भारत संयुक्त राष्ट्र महासभा में क्यूबा के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने के प्रस्ताव का समर्थन करता है।
- क्यूबा पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में भारत को शामिल करने का समर्थन करता है।
- भारत और क्यूबा ने द्विपक्षीय व्यापार, सांस्कृतिक, एस एंड टी, मानकीकरण, खेल, नवीकरणीय ऊर्जा और उपभोक्ता संरक्षण और सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम पर समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

#### व्यावसायिक संबंध:-

- भारत-क्यूबा दो-तरफा व्यापार जो 1980 के दशक में लगभग 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर सालाना हुआ करता था, पूर्व USSR के विलुप्त होने और 1990 के दशक में भारत की आर्थिक नीतियों में बदलाव के बाद भारी गिरावट देखी गई।

#### आर्थिक संबंध:-

- क्यूबा को भारत की प्रमुख निर्यात वस्तुएं फार्मास्युटिकल उत्पाद, कार्बनिक रसायन, प्लास्टिक और रबर आर्टिकल, मशीनरी और यांत्रिक उपकरण आदि हैं, जबकि क्यूबा से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं फार्मास्युटिकल उत्पाद, तंबाकू आइटम, कच्ची खाल और चमड़ा, आदि हैं।

#### सांस्कृतिक संबंध:-

- योग और विपश्यना ध्यान का अभ्यास किया जाता है और पूर्व सरकार के स्वास्थ्य पाठ्यक्रम का हिस्सा है।

#### MUST READ: [Indo-Pacific Relations](#)

SOURCE: [AIR](#)

#### भारत और ऑस्ट्रेलिया

**संदर्भ:** हाल ही में, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने नई दिल्ली में टू-प्लस टू संवाद में कई क्षेत्रों में बहुआयामी संबंधों को गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

#### पृष्ठभूमि:-

- दूसरी भारत-ऑस्ट्रेलिया टू प्लस टू वार्ता नई दिल्ली में आयोजित की गई।

#### भारत और ऑस्ट्रेलिया के बारे में:-

- जून 2020 में ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंध को व्यापक सामरिक साझेदारी (सीएसपी) में अपग्रेड किया गया।
- यह आपसी समझ, विश्वास, नजदीकी संबंध और स्थिर, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक के साझा दृष्टिकोण पर आधारित है।

#### राजनयिक संबंध:-

- ऑस्ट्रेलिया और भारत ने 1943 में राजनयिक संबंध स्थापित किए जब लेफ्टिनेंट-जनरल सर इवेन मैके को भारत में ऑस्ट्रेलिया का पहला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया।

- ऑस्ट्रेलिया में भारत के पहले उच्चायुक्त सर रघुनाथ पी परांजपे 1945 में कैनबरा पहुंचे।
- ऑस्ट्रेलिया उन तीन देशों में से एक है जिसके साथ भारत वार्षिक नेता-स्तरीय शिखर सम्मेलन आयोजित करता है।
- ऑस्ट्रेलिया और भारत के प्रधान मंत्री क्वाड, G20 और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैठकों में भी नियमित रूप से बातचीत करते हैं।
- इसके अलावा, ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय विदेश और रक्षा मंत्री हर दूसरे साल '2+2' प्रारूप में रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलते हैं।

#### लोगों से लोगों का संबंध:-

- भारतीय समुदाय ऑस्ट्रेलिया का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला, विदेशों में जन्मा समूह है।
- 2021 की जनगणना में, भारतीय विरासत की रिपोर्ट करने वाले लोगों की संख्या 976,000 थी।
- इनमें से 673,000 भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई थे, जो ऑस्ट्रेलियाई आबादी का 2.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते थे।
- भारत ऑस्ट्रेलिया में कुशल प्रवासियों का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है।
- भारत अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत भी है।

#### आर्थिक संबंध:-

- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, भारत नाममात्र के संदर्भ में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और क्रय शक्ति समानता के आधार पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- आईएमएफ का अनुमान है कि भारत की जीडीपी 2023 में 5.9 प्रतिशत और 2025 में 6.2 प्रतिशत बढ़ेगी।
- वर्ष 2022 में, भारत ऑस्ट्रेलिया का छठा सबसे बड़ा दो-तरफा सामान और सेवा व्यापार भागीदार एवं चौथा सबसे बड़ा सामान और सेवा निर्यात बाजार था।
- वर्ष 2022 में भारत के साथ दो-तरफा वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार 48.4 बिलियन डॉलर था।
- वर्ष 2022 में ऑस्ट्रेलिया का भारत को निर्यात कुल \$34.8 बिलियन और भारत से आयात कुल \$13.5 बिलियन था।
- वर्ष 2022 में ऑस्ट्रेलिया का भारत में निवेश का स्टॉक 17.6 बिलियन डॉलर था।
- ऑस्ट्रेलिया में भारत का कुल निवेश 34.5 अरब डॉलर था।

#### पर्यावरणीय संबंध:-

- मई 2023 में प्रधान मंत्री मोदी की सिडनी यात्रा के दौरान, ऑस्ट्रेलिया और भारत ऑस्ट्रेलिया-भारत ग्रीन हाइड्रोजन टास्कफोर्स के लिए संदर्भ की शर्तों पर सहमत हुए।
- टास्क फोर्स में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और तैनाती में ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय विशेषज्ञ शामिल होंगे।
- यह मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के प्रधानमंत्रियों द्वारा स्वागत किए गए भारत-ऑस्ट्रेलिया सौर कार्यबल के कार्य का पूरक है।
- सौर कार्यबल सौर पीवी परिनियोजन में तेजी लाने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ाने के अवसरों पर सलाह प्रदान करता है।
- ऑस्ट्रेलिया-भारत ग्रीन स्टील साझेदारी भारत की बढ़ती इस्पात आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद कर रही है, साथ ही नवीन प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण का समर्थन कर रही है जो इस्पात उत्पादन में दक्षता और पर्यावरणीय परिणामों में सुधार करती है।

#### शिक्षा-संबंध:-

- शिक्षा ऑस्ट्रेलिया का भारत को सबसे बड़ा सेवा निर्यात है, जिसका मूल्य 2022 में 4.4 बिलियन डॉलर था।
- मई 2023 तक, लगभग 88,000 भारतीय वीजा धारक ऑस्ट्रेलिया में पढ़ रहे थे।

#### रक्षा संबंध:-

- भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया की रक्षा भागीदारी ने 2022 में महत्वपूर्ण गति पकड़ी और लगातार बढ़ती रही।
- 2020 में हमारे सीएसपी और 2021 में म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद से, हमने रक्षा अभ्यास, रणनीतिक संवाद और प्रशिक्षण आदान-प्रदान का एक नियमित पैटर्न स्थापित किया है।
- वर्ष 2023 में पहली बार, ऑस्ट्रेलिया मालाबार अभ्यास की मेजबानी करेगा - जो भारत, अमेरिका और जापान के साथ एक संयुक्त प्रशिक्षण पहल है।

- हम नियमित रूप से अभ्यास ऑस्ट्राहिया और ऑसिन्डेक्स , द्विपक्षीय सेना और नौसेना अभ्यास के दौरान एक साथ अभ्यास करते हैं, और समुद्री डोमेन जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने समुद्री गश्ती विमान की तैनाती का संचालन जारी रखते हैं।

**अवश्य पढ़ें :** भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता

**SOURCE:** [AIR](#)

### एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी)

**संदर्भ:** भारत ने हाल ही में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) जनरल कॉन्फ्रेंस (जीसी) का अध्यक्ष फिर से चुना।

**पृष्ठभूमि:-**

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा कि एआईबीडी के इतिहास में यह पहली बार है।
- इस कदम से एशिया प्रशांत और दुनिया भर के प्रसारण संगठनों को भारत पर भरोसा दिखा।

**परिचय:-**

- स्थापना: वर्ष 1977 में
- मेजबान: मलेशिया सरकार
- सचिवालय: कुआलालंपुर
- उद्देश्य: नीति और संसाधन विकास के माध्यम से एशिया प्रशांत क्षेत्र में एक जीवंत और सामंजस्यपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वातावरण हासिल करना।
- सदस्यता: इसमें 44 देशों के 92 सदस्य संगठन हैं, जिनमें 26 सरकारी सदस्य (देश) शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व 48 प्रसारण प्राधिकरण और प्रसारक करते हैं।
- इसमें एशिया, प्रशांत, यूरोप, अफ्रीका, अरब राज्यों और उत्तरी अमेरिका के 28 देश और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 44 सहयोगी (संगठन) भी हैं।
- भारत इस संगठन के संस्थापक सदस्यों में से एक है।
- प्रतिनिधि निकाय: प्रसार भारती एआईबीडी में भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रतिनिधि निकाय है।
- इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में की गई थी।
- यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विकास के क्षेत्र में एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएन-ईएससीएपी) के देशों की सेवा करने वाला एक अद्वितीय क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन है।
- संस्थान अपने सदस्य देशों के राष्ट्रीय प्रसारण संगठनों के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के भीतर उपलब्ध बौद्धिक और तकनीकी संसाधनों को जुटाकर इस जनादेश को पूरा करना चाहता है।
- यह एक अच्छी तरह से स्थापित बुनियादी ढांचे और नेटवर्किंग तंत्र के माध्यम से करता है जिसमें सरकारी एजेंसियां, गैर-सरकारी संगठन, उच्च शिक्षा संस्थान, निजी क्षेत्र और व्यक्तिगत पेशेवर शामिल हैं।

**अवश्य पढ़ें:** ब्रॉडकास्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड नेटवर्क डेवलपमेंट (बीआईएनडी) योजना

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष

**संदर्भ:** हाल ही में, फिलिस्तीन स्थित हमास आतंकवादियों ने हाल के दिनों में गाजा पट्टी के पास के शहरों में जमीन, हवा और समुद्र के माध्यम से घुसपैठ करते हुए इजरायल पर रॉकेटों की बौछार कर दी।

- हमास या इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन: यह एक उग्रवादी समूह है जो गाजा पट्टी पर शासन करता है।
  - यह 1987 में गाजा और वेस्ट बैंक पर इजरायली कब्जे के खिलाफ पहले फिलिस्तीनी इतिफादा या विद्रोह के दौरान मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा के रूप में उभरा।
  - इसकी स्थापना फिलिस्तीनी मौलवी शेख अहमद यासीन ने की थी।
  - इसकी सैन्य शाखा, इज्जेदीन अल-कसम ब्रिगेड, की स्थापना 1991 के आसपास हुई थी।

**इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के बारे में:-**

**युद्ध की पृष्ठभूमि:-**



IMAGE SOURCE: [express.co.uk](https://www.express.co.uk)

- इजरायली और फ़िलिस्तीनी दोनों ही क्षेत्र पर आत्मनिर्णय और संप्रभुता के लिए संघर्ष कर रहे हैं, और अपने हितों के लिए संबंधित आंदोलनों को बढ़ा रहे हैं।
- फ़िलिस्तीनी और इजरायली दोनों जॉर्डन नदी और भूमध्य सागर के बीच के क्षेत्र को अपना मानते हैं, और ईसाई, यहूदी तथा मुस्लिम सभी भूमि के कुछ हिस्सों को पवित्र मानते हैं।
- पिछले सात दशक से यहाँ युद्ध और विद्रोह हो रहा है। (15वाँ भारत-इजराइल संयुक्त कार्य समूह)

ऐतिहासिक समयरेखा:-

- **ओटोमन साम्राज्य:** ओटोमन साम्राज्य ने 16 वीं शताब्दी की शुरुआत से मध्य पूर्व के उस हिस्से को नियंत्रित किया था जब तक कि प्रथम विश्व युद्ध के बाद अधिकांश क्षेत्र का नियंत्रण ब्रिटिशों को नहीं दे दिया गया था।
- **वर्ष 1916 में:** ब्रिटेन और फ्रांस के बीच गुप्त रूप से हुई साइक्स-पिकोट समझौते में मध्य पूर्व को प्रभाव क्षेत्र में विभाजित करने की योजना बनाई गई थी, और यह निर्धारित किया गया था कि विचाराधीन भूमि का अंतर्राष्ट्रीयकरण किया जाना था।
- **वर्ष 1917 में:** ब्रिटेन के विदेश सचिव, लॉर्ड आर्थर बालफोर ने "फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिए एक राष्ट्रीय घर की स्थापना" के लिए अपनी सरकार का समर्थन व्यक्त किया।

**वर्ष 1947: संयुक्त राष्ट्र संकल्प**

- वर्ष 1947: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, फ़िलिस्तीन के लिए ब्रिटिश जनादेश के अंत के करीब, 1947 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 181 पारित किया, जिसमें भूमि को दो स्वतंत्र राज्यों - एक अरब और एक यहूदी - में विभाजित करने का आग्रह किया गया।
- धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण येरूशलम को विशेष अंतरराष्ट्रीय प्रशासन के अधीन होना है।
- अरब पक्ष द्वारा यह तर्क देकर योजना को अस्वीकार करने के बाद इसे लागू इसलिए नहीं किया गया कि यह उनकी बहुसंख्यक आबादी के लिए प्रतिकूल है।
- क्षेत्रीय संघर्ष में हिंसा बढ़ रही है।

**वर्ष 1948: इजराइल ने स्वतंत्रता की घोषणा की।**

- इजराइल ने मई 1948 में स्वतंत्रता की घोषणा की।
- अगले दिन, फिलिस्तीनी गुटों के साथ गठबंधन वाले अरब राज्यों के गठबंधन ने इजरायली सेना पर हमला किया, जो कई अरब-इजरायल युद्धों में से पहला था।
- अंत में, इजराइल ने क्षेत्र के और भी बड़े हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लिया - इसमें वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी के क्षेत्र शामिल नहीं हैं।

**वर्ष 1967: छह दिवसीय युद्ध**

- वर्ष 1967 के जून में लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों के बीच एक युद्ध छिड़ गया, जिसे "छह-दिवसीय युद्ध" या 1967 के अरब-इजरायल युद्ध के रूप में जाना जाता है, जिसमें मिस्र द्वारा अकाबा की खाड़ी में शिपिंग की निरंतर नाकाबंदी भी शामिल थी।
- इजराइल ने अंततः गाजा पट्टी, सिनाई, वेस्ट बैंक, गोलान हाइट्स और मुख्य रूप से फिलिस्तीनी पूर्वी येरूशलम पर नियंत्रण कर लिया।
- अरब सेनाओं को भारी क्षति उठानी पड़ी।

**वर्ष 1987: पहला इतिफादा**

- फिलिस्तीनी विद्रोह, या इतिफादा, वेस्ट बैंक, गाजा और इजराइल में इजरायली कब्जे के खिलाफ बड़े पैमाने पर स्वाभाविक झड़पें (spontaneous clashes), विरोध प्रदर्शन और नागरिक अवज्ञा होता है, जिससे कठोर इजरायली सैन्य कार्रवाई होती है।
- यह कई वर्षों से जारी है, दोनों पक्षों में कई लोग मारे गए या घायल हुए।

**1993: ओस्लो समझौता**

- दो समझौतों में से पहला, जिसे ओस्लो समझौते के रूप में जाना जाता है, इजराइल और फिलिस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) के बीच हस्ताक्षरित किया गया था।
- इसने पिछले संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के आधार पर एक शांति प्रक्रिया निर्धारित की।
- इसने वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में सीमित फिलिस्तीनी स्व-शासन के विस्तार की रूपरेखा तैयार की।
- वर्ष 1995 में एक अनुवर्ती समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- हालाँकि, वेस्ट बैंक में इजरायली बस्तियाँ और यरूशलेम की स्थिति जैसे प्रमुख मुद्दे अनसुलझे रह गए थे।

**2006: गाजा में हमास निर्वाचित**

- इजराइल ने वर्ष 2005 में गाजा से अपनी सेना वापस ले ली।
- फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास ने अगले वर्ष विधायी चुनाव जीता, जिससे पश्चिमी तट पर अधिक उदार फतह पार्टी के नियंत्रण के साथ राजनीतिक तनाव उत्पन्न हो गया।

**वर्ष 2017: अमेरिका ने येरुशलम को राजधानी के रूप में मान्यता दी**

- डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने यरूशलेम को इजराइल की राजधानी के रूप में मान्यता दी और घोषणा की कि वह अमेरिकी दूतावास को तेल अवीव से स्थानांतरित करने की योजना बना रहा है, जिससे फिलिस्तीनियों में नाराजगी है।

**2023: हाल की घटनाएँ:-**

- **जनवरी 2023:** इजरायली सेना ने फिलिस्तीनी शहर जेनिन पर हमला किया, गोलीबारी में नौ लोगों की मौत हो गई।
- **ग्रीष्म 2023:** जवाबी हमलों की बाढ़
- इजराइल ने मई में गाजा पट्टी पर आश्चर्यजनक हवाई हमले शुरू किए।
- **अक्टूबर 2023:** हमास द्वारा इजराइल पर हमला किया गया।
- इजराइल के प्रधान मंत्री, नेतन्याहू ने 1973 के योम किप्पुर युद्ध की शुरुआत की 50 वीं वर्षगांठ के एक दिन बाद हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए एक आश्चर्यजनक हमले के बाद 8 अक्टूबर को औपचारिक रूप से हमास पर युद्ध की घोषणा की।

**अवश्य पढ़ें :** भारत-इजरायल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास एवं प्रौद्योगिकी नवाचार कोष (I4F)

**SOURCE:** [HINDUSTAN TIMES](https://www.hindustanimes.com)

**भारत तथा भूटान**

**संदर्भ:** हाल ही में भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भारत की आठ दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हाल ही में गुवाहाटी पहुंचे।

**पृष्ठभूमि:-**

- असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में गोपीनाथ बोरदोलोई हवाई अड्डे पर भूटानी राजा का स्वागत किया। असम के राज्यपाल, जगदीश मुखी और मुख्यमंत्री अतिथि गणमान्य व्यक्ति से मुलाकात किये।

**भारत और भूटान के बारे में:-**



IMAGE SOURCE: [WorldAtlas](https://www.worldatlas.com)

- भारत और भूटान के बीच ऐतिहासिक अतीत की साझा सांस्कृतिक विरासत पर आधारित सौहार्दपूर्ण संबंध हैं।
- **भौगोलिक महत्व:** भूटान की सीमा चार भारतीय राज्यों: असम, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के साथ लगती है।

**ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:-**

- वर्ष 1910: भूटान ने ब्रिटिश भारत के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किये।
  - इस संधि के अनुसार, अंग्रेजों ने भूटान की रक्षा और विदेशी मामलों का मार्गदर्शन किया।
- वर्ष 1947: भूटान भारत की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाला पहला देश था।
- वर्ष 1968: वर्ष 1968 में थिम्पू में भारत के एक विशेष कार्यालय की स्थापना के साथ भारत और भूटान के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए।
- वर्ष 1949: भारत-भूटान द्विपक्षीय संबंधों का मूल ढांचा दोनों देशों के बीच वर्ष 1949 में हस्ताक्षरित मित्रता और सहयोग संधि है।
- वर्ष 2007: इसे फरवरी 2007 में संशोधित किया गया।
- वर्ष 2018: भारत और भूटान के बीच औपचारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना की स्वर्ण जयंती मनाई गई।

**भारत-भूटान शांति और मित्रता संधि, 1949:-**

- यह संधि अन्य बातों के अलावा, सतत शांति और मित्रता, मुक्त व्यापार और वाणिज्य एवं एक-दूसरे के नागरिकों के लिए समान न्याय प्रदान करती है।
- वर्ष 2007 में संधि पर फिर से बातचीत की गई और विदेश नीति पर भारत का मार्गदर्शन लेने की आवश्यकता को समाप्त करते हुए भूटान की संप्रभुता को प्रोत्साहित करने के प्रावधान शामिल किए गए।
- अद्यतन संधि, राष्ट्रीय मुद्दों पर घनिष्ठ सहयोग प्रदान करने के अलावा, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों में मजबूत सहयोग प्रदान करती है।

**राजनयिक संबंध:-**

- दोनों देशों के उच्चतम स्तर के सरकारी पदाधिकारियों के बीच नियमित यात्राएं एक परंपरा बन गई हैं।

**सुरक्षा संबंध:-**

- दोनों देशों ने विद्रोहियों के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान चलाया है।
- सबसे उल्लेखनीय 2004 में, रॉयल भूटानी सेना ने उल्फा (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) के खिलाफ ऑपरेशन चलाया था।

**आर्थिक सहयोग:-**

- भूटान की मुद्रा भारतीय रुपया है।
- भारत भूटान का एकल सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना हुआ है।
- वर्ष 2016 में एक नये व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।
- इस समझौते का उद्देश्य व्यापार से संबंधित दस्तावेजीकरण में कटौती करना और भूटान में अतिरिक्त व्यापारिक बिंदु स्थापित करना है।
- भारत ने भूटान को उसकी पंचवर्षीय योजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता प्रदान की है।

- जलविद्युत क्षेत्र में, भूटान में कई जलविद्युत परियोजनाएं भारत की सहायता से विकसित की गई हैं।
- भारत भूटान से लगभग 1540 मेगावाट जल विद्युत आयात करता है।
- भारत ने भूटान को रुपये की तरलता की कमी से उबरने में मदद के लिए 1000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त ऋण सुविधा प्रदान की है।

#### सांस्कृतिक एवं शैक्षिक सहयोग:-

- भारत ने भारतीय संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले भूटानी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की है।

#### पर्यावरण सहयोग:-

- भारत हिमालय को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय मिशन में भूटान को शामिल करने पर विचार कर रहा है।
- इस परियोजना का लक्ष्य हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करना है जो कई पारिस्थितिक समस्याओं के कारण खतरे में पड़ गया है।

#### चुनौतियाँ:-

- ऐसे उदाहरण हैं जब भारत ने भूटान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किया है।
  - इससे भूटानियों के मन में भारत के प्रति नकारात्मक धारणा उत्पन्न हुई है।
- भारत के पवन, सौर आदि जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर रुख करने के मद्देनजर भूटान की जलविद्युत परियोजनाओं की लाभप्रदता के बारे में चिंता।
- आंतरिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से, दक्षिण-पूर्व भूटान के घने जंगलों में उग्रवादी संगठनों द्वारा शिविरों की अवैध स्थापना दोनों देशों के लिए चिंता का कारण है।
- चुंबी घाटी और डोकलाम जैसे महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्रों पर चीन का लगातार दावा और भूटान के साथ मजबूत राजनयिक और आर्थिक संबंध स्थापित करने के उसके निरंतर प्रयास भारत के लिए लगातार चिंता का विषय रहे हैं।

#### MUST READ: [India-Bhutan: Kholongchhu project](#)

#### SOURCE: [AIR](#)

#### अरोरा

**संदर्भ:** हाल ही में, नासा ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से खींची गई अरोरा की एक अविश्वसनीय तस्वीर साझा की।

#### पृष्ठभूमि:-

- नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से ली गई अरोरा की एक उल्लेखनीय सुंदर छवि साझा की, जब यह अमेरिकी राज्य यूटा के ऊपर से उड़ान भर रही थी।

#### अरोरा के बारे में:-

- अरोरा एक अंतरिक्ष मौसम घटना है जो तब घटित होती है जब विद्युत आवेशित इलेक्ट्रॉन और प्रोटॉन ऊपरी वायुमंडल में तटस्थ परमाणुओं से टकराते हैं।
- अरोरा आकाश में प्रकाश का एक प्रदर्शन है जो मुख्य रूप से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (आर्कटिक और अंटार्कटिक) में देखा जाता है।
- इसे ध्रुवीय प्रकाश के नाम से भी जाना जाता है।
- उत्तरी गोलार्ध में, इस घटना को नॉर्डन लाइट्स (अरोरा बोरेलिस) कहा जाता है, जबकि दक्षिणी गोलार्ध में; इसे साउथर्न लाइट्स (अरोरा ऑस्ट्रेलिस) कहा जाता है।
- अरोरा पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल (80 किमी से ऊपर) में फोटॉनों के उत्सर्जन से, आयनित नाइट्रोजन परमाणुओं से एक इलेक्ट्रॉन पुनः प्राप्त करने से, और ऑक्सीजन और नाइट्रोजन परमाणुओं से इलेक्ट्रॉनों के उत्तेजित अवस्था से जमीनी अवस्था में लौटने से उत्पन्न होता है।
- सूर्य से आने वाली सौर हवा आवेशित प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉनों की उत्पत्ति है जो ऑक्सीजन और नाइट्रोजन को उत्तेजित करती हैं और अरोरा का कारण बनती हैं।
- अरोरा का रंग परमाणु के प्रकार पर निर्भर करता है जो उत्तेजित है और उसके इलेक्ट्रॉन उन उत्तेजित अवस्थाओं से जमीनी अवस्था में कैसे लौटते हैं।
- उच्च-ऊर्जा वाले इलेक्ट्रॉन ऑक्सीजन के कारण ग्रीन लाइट (अरोरा का सबसे परिचित रंग) उत्सर्जित करते हैं, जबकि कम-ऊर्जा वाले इलेक्ट्रॉन लाल रोशनी का कारण बनते हैं।
- नाइट्रोजन आमतौर पर नीली रोशनी छोड़ती है।



- इन रंगों के मिश्रण से बैंगनी, गुलाबी और सफेद रंग भी बन सकते हैं।
- ऑक्सीजन और नाइट्रोजन भी पराबैंगनी प्रकाश उत्सर्जित करते हैं, जिसे उपग्रहों पर लगे विशेष कैमरों द्वारा पता लगाया जा सकता है।
- अरोरा कोई ऐसी चीज़ नहीं है जो पृथ्वी पर घटित होती है।
- यदि किसी ग्रह पर वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र है, तो संभवतः उसमें ध्रुवीय किरणें होती हैं।
  - मंगल पर पृथक अरोरा: पृथ्वी पर औरोरस के विपरीत, जो केवल उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के पास देखे जाते हैं, मंगल पर पृथक अरोरा (डीए) रात के समय ग्रह के चारों ओर दिखाई देते हैं। (मंगल का पृथक अरोरा)
  - शनि और बृहस्पति पर अरोरा देखे गए हैं।

**MUST READ:** [Aditya-L1 Mission](#)

**SOURCE:** [THE INDIAN EXPRESS](#)

### आसियान

**संदर्भ:** हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 10वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की मीटिंग -प्लस (ADMM Plus) में भाग लिया।

**पृष्ठभूमि:-**

- यह 16 नवंबर से 17 नवंबर, 2023 तक जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित किया जाएगा।
- वर्ष 2017 से, आसियान और प्लस देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एडीएमएम-प्लस मंत्री सालाना बैठक कर रहे हैं।

**आसियान के बारे में:-**

- **स्थापना:** 8 अगस्त 1967
- **सचिवालय:** जकार्ता, इंडोनेशिया
- **सदस्य:** इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया।
- बैंकॉक घोषणा, 1967 ने औपचारिक रूप से आसियान की स्थापना की।
- पहला आसियान शिखर सम्मेलन 1976 में हुआ था।
- दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) एक क्षेत्रीय संघ है जिसकी स्थापना बढ़ते संघर्षों के बीच एशिया के उपनिवेशवाद के बाद के राज्यों के बीच सामाजिक स्थिरता और राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए की गई थी।
- “एक दृष्टिकोण, एक पहचान, एक समुदाय” इसका आदर्श वाक्य है।
- 8 अगस्त को आसियान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

**आसियान का संस्थागत तंत्र:-**

- आसियान शिखर सम्मेलन: क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करने और नीति निर्देश निर्धारित करने के लिए इसकी सालाना बैठक होती है।
- आसियान समन्वय परिषद (एसीसी): यह आसियान समझौतों और निर्णयों के कार्यान्वयन की देखरेख करती है।
- आसियान सचिवालय: यह आसियान की गतिविधियों और पहलों का समर्थन और सुविधा प्रदान करता है।
- आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ): यह आसियान सदस्य देशों और उनके सहयोगियों के बीच राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों पर बातचीत और सहयोग का एक मंच है।
- निर्णय लेना: यह परामर्श और सर्वसम्मति के माध्यम से किया जाता है।

**भारत के लिए आसियान का महत्व:-**

- भारत को आर्थिक और सुरक्षा दोनों कारणों से आसियान देशों के साथ घनिष्ठ राजनयिक संबंध की आवश्यकता है।
- आसियान देशों के साथ कनेक्टिविटी से भारत इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति में सुधार कर सकता है। (भारत-आसियान सम्मेलन)
- ये कनेक्टिविटी परियोजनाएं पूर्वोत्तर भारत को केंद्र में रखती हैं, जिससे पूर्वोत्तर राज्यों की आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित होती है।
- आसियान देशों के साथ बेहतर व्यापार संबंधों का मतलब क्षेत्र में चीन की उपस्थिति और भारत के लिए आर्थिक वृद्धि और विकास का प्रतिकार होगा।
- आसियान इंडो-पैसिफिक में नियम-आधारित सुरक्षा वास्तुकला में एक केंद्रीकृत स्थान रखता है, जो भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका अधिकांश व्यापार समुद्री सुरक्षा पर निर्भर है।
- पूर्वोत्तर में उग्रवाद का मुकाबला करने, आतंकवाद, कर चोरी आदि से निपटने के लिए आसियान देशों के साथ सहयोग आवश्यक है।

**MUST READ: [India-ASEAN FTA](#)**SOURCE: [AIR](#)**एशिया - प्रशांत महासागरीय आर्थिक सहयोग****संदर्भ:** हाल ही में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन हुआ।**पृष्ठभूमि:-**

- हाल के दिनों में सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, राष्ट्रपति बिडेन ने महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उद्योग को मजबूत करने के लिए भारत, जापान, कोरिया गणराज्य और सिंगापुर के साथ मिलकर कार्य करने के महत्व पर जोर दिया।

**APEC के बारे में:-**

- स्थापना:** वर्ष 1989
- मुख्यालय:** सिंगापुर
- सदस्य:** 21
- सदस्य राष्ट्र:** ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, चीन, हांगकांग, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मैक्सिको, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, पेरू, फिलीपींस, रूस, सिंगापुर, चीनी ताइपे, थाईलैंड, वियतनाम और संयुक्त राज्य।
- भारत सदस्य नहीं है।
- यह एक अंतर-सरकारी मंच है जो पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त व्यापार को बढ़ावा देता है। (APEC वर्चुअल बैठक आयोजित)
- इसकी शुरुआत 1989 में एशिया-प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं की बढ़ती परस्पर निर्भरता और दुनिया के अन्य हिस्सों में क्षेत्रीय व्यापार गुटों के आगमन के जवाब में की गई थी।
- इसका उद्देश्य यूरोप से परे कृषि उत्पादों और कच्चे माल के लिए नए बाजार स्थापित करना था।

**एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) के कार्य:-**

- APEC एशिया-प्रशांत के सभी निवासियों को बढ़ती अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने के लिए कार्य करता है।
- APEC परियोजनाएं ग्रामीण समुदायों के लिए डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती हैं और स्वदेशी महिलाओं को अपने उत्पादों को विदेशों में निर्यात करने में मदद करती हैं।
- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को पहचानते हुए, APEC सदस्य ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और वन और समुद्री संसाधनों के स्थायी प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए पहल भी लागू करते हैं।

**भारत और APEC:-**

- भारत पिछले 25 वर्षों में APEC सदस्यों के विदेशी निवेश के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य रहा है, जिसमें तीन APEC अर्थव्यवस्थाएं- सिंगापुर, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत में FDI प्रवाह प्रदान करने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल हैं।
- भारत को वर्ष 2007 में APEC की सदस्यता से इस आधार पर वंचित कर दिया गया था कि इसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक प्रणाली में एकीकृत नहीं थी।
- भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे बड़ी और अब सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है।
- APEC अर्थव्यवस्थाएं, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत हिस्सा हैं, धीमी विकास का अनुभव कर रही हैं और उन्हें नए बाजार लाने के अवसरों की तलाश करनी चाहिए।
- भारत को 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का भी अनुमान है और अगले दशक में बुनियादी ढांचे में 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक निवेश की आवश्यकता होगी।

**MUST READ: [APEC summit, 2021](#)**SOURCE: [AIR](#)**ज़िम्बाब्वे****संदर्भ:** हाल ही में, जिम्बाब्वे ने अपने पहले उपयोगिता भूतापीय विद्युत संयंत्र के निर्माण की घोषणा की।**पृष्ठभूमि:-**

- इस परियोजना का लक्ष्य जिम्बाब्वे की जलविद्युत ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करना है, जो जलवायु परिवर्तन के कारण खतरे में हैं।

जिम्बाब्वे के बारे में:-

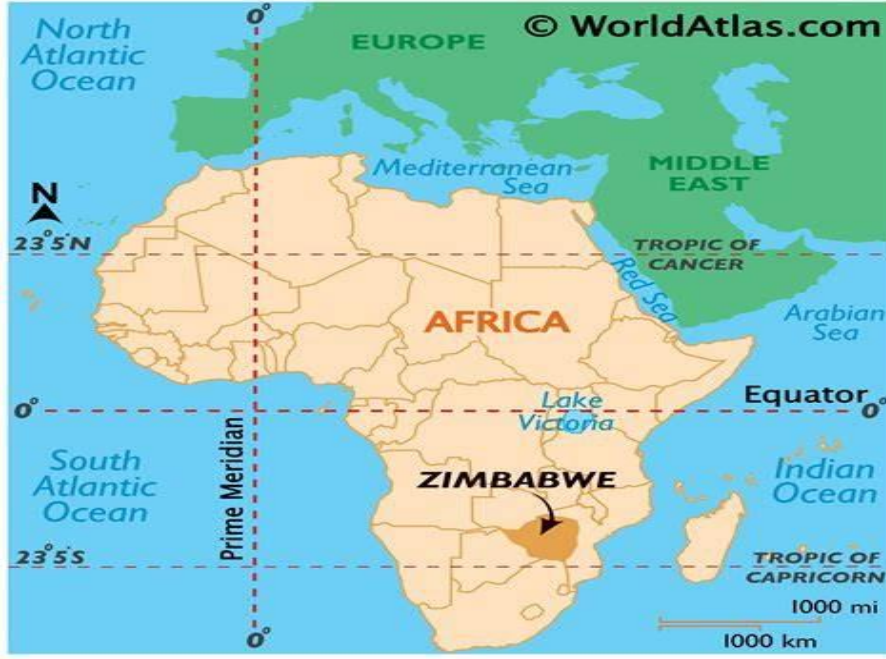


IMAGE SOURCE: [WorldAtlas](https://www.worldatlas.com)

- स्थान: दक्षिणी अफ्रीका
- राजधानी: हरारे
- जिम्बाब्वे एक स्थलरुद्ध देश है।
- जिम्बाब्वे की सीमाएँ जाम्बिया, मोजाम्बिक, दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना से लगती हैं।
- देश में विविध परिदृश्य हैं, जिनमें सवाना, पहाड़ (जैसे पूर्वी हाइलैंड्स), और पठार शामिल हैं।
- इसमें जम्बेजी नदी पर प्रतिष्ठित विक्टोरिया झरना है।
- जिम्बाब्वे, मकर रेखा के उत्तर में स्थित है।
- यह पूरी तरह से उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के भीतर है लेकिन उपोष्णकटिबंधीय परिस्थितियों का आनंद लेता है।
- इसमें सवाना घास के मैदानों का प्रभुत्व है।

प्रमुख नदियाँ:-

- **जम्बेजी नदी:** अफ्रीका की सबसे बड़ी नदियों में से एक, जम्बेजी जिम्बाब्वे से होकर बहती है, जो प्रतिष्ठित विक्टोरिया फॉल्स का निर्माण करती है, जो दुनिया के सबसे बड़े झरनों में से एक है।
- **लिम्पोपो नदी:** दक्षिण अफ्रीका के साथ जिम्बाब्वे की दक्षिणी सीमा का हिस्सा है और इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत के रूप में कार्य करती है।
- **सेव रिवर:** दक्षिणपूर्वी जिम्बाब्वे में एक प्रमुख नदी, यह क्षेत्र में कृषि और वन्य जीवन का समर्थन करने वाला एक प्रमुख जलमार्ग है।

पर्वत एवं उच्चभूमियाँ:-

- **पूर्वी हाइलैंड्स:** मोजाम्बिक की सीमा से लगे इस पहाड़ी क्षेत्र में ऊंची चोटियाँ, हरे-भरे जंगल और उपजाऊ घाटियाँ हैं। माउंट न्यांगानी जिम्बाब्वे की सबसे ऊंची चोटी है, जो पूर्वी हाइलैंड्स का हिस्सा है।
- **चिमनिमानी पर्वत (Chimanimani Mountains):** पूर्वी हाइलैंड्स की एक उपश्रेणी, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, विविध वनस्पतियों और लोकप्रिय लंबी पैदल यात्रा ट्रेल्स के लिए जानी जाती है।
- **माटोबो पहाड़ियाँ:** दक्षिण-पश्चिम में स्थित, ये ग्रेनाइट पहाड़ियाँ अपनी अनूठी चट्टान संरचनाओं, प्राचीन चट्टान कला और स्थानीय समुदायों के लिए आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं।

MUST READ: [India-Africa Relationship](#)

SOURCE: [DOWN TO EARTH](#)

## फिनलैंड

**संदर्भ:** हाल ही में, फिनलैंड ने घोषणा की कि वह प्रवासन पर अपनी चिंताओं के कारण रूस के साथ अपनी अंतिम शेष सड़क सीमा को बंद कर देगा।

### पृष्ठभूमि:-

- फ़िनिश प्रधान मंत्री पेतेरी ओर्पो ने कहा है, कि फ़िनलैंड प्रवासन पर अपनी चिंताओं के कारण रूस के साथ अपनी अंतिम शेष सड़क सीमा को बंद कर देगा, क्योंकि देश ने मास्को पर फ़िनलैंड की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया है।

### फिनलैंड के बारे में:-



IMAGE SOURCE: [BRITANNICA](#)

- राजधानी: हेलसिंकी
- फिनलैंड, उत्तरी यूरोप में स्थित एक देश है।
- फिनलैंड दुनिया के सबसे उत्तरी और भौगोलिक दृष्टि से सुदूर देशों में से एक है।
- यह गंभीर जलवायु के अंतर्गत है।
- फिनलैंड पश्चिमी और पूर्वी यूरोप के बीच एक प्रतीकात्मक उत्तरी सीमा बनाता है।

### द्विपक्षीय संबंध:-

- फिनलैंड के भारत के साथ उत्कृष्ट संबंध हैं।
- वर्ष 1947 में देश को आजादी मिलने के बाद फिनलैंड ने 1949 में भारत के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए।
- हाल के वर्षों में, देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक सहयोग का सुदृढीकरण संयुक्त पहल और प्रतिनिधिमंडलों के सक्रिय आदान-प्रदान में वृद्धि में परिलक्षित हुआ है।

### व्यापार एवं आर्थिक संबंध:-

- भारत के साथ फिनलैंड के व्यापार और आर्थिक संबंध फिनलैंड से भारत में कागज, मशीनरी, उपकरण और उद्योग सेवाओं के निर्यात पर निर्भर हैं।
- फिनलैंड को भारत का निर्यात फार्मास्युटिकल, रसायन और कपड़ा उत्पादों पर केंद्रित है।
- **सेवाएँ** - विशेष रूप से आईसीटी और डिजिटल समाधान के क्षेत्र में भी फिनलैंड को भारतीय निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका है। (फिनलैंड को दुनिया का सबसे युवा प्रधान मंत्री मिला)

**MUST READ:** [Finlandization](#)

**SOURCE:** [AIR](#)



## अर्थव्यवस्था



### धनशोधन निवारण अधिनियम

**संदर्भ:** हाल ही में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA) के प्रावधानों के तहत PHED घोटाले के संबंध में राजस्थान के शीर्ष नौकरशाहों की संपत्तियों की खोज शुरू की।

#### पृष्ठभूमि:-

- FIR के अनुसार, श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी के मालिक पदमचंद्र जैन और श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल तथा अन्य लोग अवैध सुरक्षा प्राप्त करने, निविदाएं प्राप्त करने, बिल स्वीकृत कराने और कवर करने के लिए लोक सेवकों को रिश्वत देने में शामिल थे। पीएचईडी विभाग से उनके द्वारा प्राप्त विभिन्न निविदाओं और निष्पादित कार्यों के संबंध में अनियमितताएं सामने आईं।

#### धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के बारे में:-

- अधिनियमित: जनवरी 2003
- इसके तहत बनाए गए नियमों के साथ यह अधिनियम 1 जुलाई 2005 से लागू हो गया है।
- उद्देश्य: मनी लॉन्ड्रिंग की घटनाओं को रोकना और भारत में 'अपराध की आय' के उपयोग पर रोक लगाना है।
- यह एक आपराधिक कानून है।
- इसे मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए वियना कन्वेंशन में भारत की प्रतिबद्धता के कारण प्रस्तुत किया गया था।
- इसका उद्देश्य देशों की वित्तीय प्रणालियों पर अंतरराष्ट्रीय परिणामों वाले अपराध की आय के मनी लॉन्ड्रिंग के खतरे से सख्ती से निपटना है।
  - मनी लॉन्ड्रिंग: अवैध रूप से प्राप्त आय की पहचान छिपाना या प्रच्छन्न करना ताकि ऐसा प्रतीत हो कि वे वैध स्रोतों से आयी हैं।
- यह मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए भारत में कानूनी ढांचे का मूल है।
- इस अधिनियम के प्रावधान सभी वित्तीय संस्थानों, बैंकों (आरबीआई सहित), म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों और उनके वित्तीय मध्यस्थों पर लागू होते हैं।
- इसमें ऐसी गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति की संपत्ति की अस्थायी कुर्की और जब्त करने का प्रावधान किया गया है।
- अधिनियम किसी भी व्यक्ति की संपत्ति की प्रोविशनल कुर्की और जब्ती (180 दिनों से अधिक की अवधि के लिए) का प्रावधान करता है।
- अधिनियम ने निदेशक को लेन-देन के रिकॉर्ड या जांच के प्रयोजनों के लिए आवश्यक कोई अतिरिक्त जानकारी मांगने की शक्तियां प्रदान की हैं।
- PMLA (संशोधन) अधिनियम, 2012
  - इसमें 'रिपोर्टिंग इकाई' की अवधारणा को जोड़ा गया जिसमें एक बैंकिंग कंपनी, वित्तीय संस्थान, मध्यस्थ आदि शामिल होंगे।
  - PMLA, 2002 में 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया गया था, लेकिन संशोधन अधिनियम ने इस ऊपरी सीमा को हटा दिया है।

**जरूर पढ़ें:** PMLA पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

**SOURCE:** [THE INDIAN EXPRESS](#)

### नीति आयोग

**संदर्भ:** हाल ही में नीति आयोग ने "समृद्धि के लिए समावेशी व्यापार" विषय पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया।

#### पृष्ठभूमि:-

- नीति आयोग ने "समृद्धि के लिए समावेशी व्यापार" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- दिनांक: 6 नवंबर 2023
- स्थान: होटल ताज महल, नई दिल्ली

- यह कार्यशाला G20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा (NDLD) में चर्चा किए गए विभिन्न विषयों पर आयोजित होने वाली 10 फीडर विषयगत कार्यशालाओं की श्रृंखला का हिस्सा है।

#### नीति आयोग के बारे में:-

- स्थापना: वर्ष 2015 में
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- नीति आयोग की स्थापना 1 जनवरी 2015 को हुई थी।
- नीति आयोग से पहले 15 मार्च 1950 को एक योजना आयोग का गठन किया गया था।
- योजना आयोग गैर-संवैधानिक था।
- यह एक सलाहकार थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है।
- यह योजना के लिए 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण पर केंद्रित है।
- इसके पास नीतियां थोपने का अधिकार नहीं है।

#### नीति आयोग का उद्देश्य:-

- क्षेत्रों के राष्ट्रीय विकास के लिए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की साझा दृष्टि और भागीदारी।
- सहकारी संघवाद
- विश्वसनीय योजना
- कमजोर वर्गों पर ध्यान केंद्रित करना
- रणनीतियाँ और दीर्घकालिक नीतियाँ बनाना
- ज्ञान सृजन के लिए नवाचार
- प्रौद्योगिकी उन्नयन

#### नीति आयोग की संरचना:-

- अध्यक्ष: प्रधान मंत्री
- उपाध्यक्ष: प्रधान मंत्री द्वारा नियुक्त किया जाता है
- गवर्निंग काउंसिल: सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल।
- क्षेत्रीय परिषद: विशिष्ट क्षेत्रीय मुद्दों को संबोधित करने के लिए, जिसमें मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल शामिल होते हैं, जिसकी अध्यक्षता प्रधान मंत्री या उनके नामित व्यक्ति करते हैं।
- तदर्थ सदस्यता: अग्रणी अनुसंधान संस्थानों से रोटेशन के आधार पर पदेन क्षमता में 2 सदस्य।
- पदेन सदस्यता: केंद्रीय मंत्रिपरिषद से अधिकतम चार को प्रधान मंत्री द्वारा नामित किया जाता है।
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी: भारत सरकार के सचिव के पद पर एक निश्चित कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- विशेष आमंत्रित सदस्य: प्रधान मंत्री द्वारा नामांकित विशेषज्ञ और डोमेन ज्ञान वाले विशेषज्ञ।

#### कार्य:-

- नीति निर्धारण
- जाचना और परखना
- अंतर-सरकारी समन्वय
- सुधारों को बढ़ावा देना
- अनुसंधान और ज्ञान साझा करना

**अवश्य पढ़ें:** नीति आयोग-ट्राइफेड ने सफल कार्यान्वयन के लिए हाथ मिलाया

**SOURCE:** [AIR](#)

#### औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)

**संदर्भ:** हाल ही में, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि दर साल-दर-साल बढ़ते हुए 3 महीने के निचले स्तर पर चली गई।

**पृष्ठभूमि:-**

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि सितंबर 2023 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 4.5 प्रतिशत बढ़ा।

**औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के बारे में:-**

- प्रकाशन समय: मासिक (आईआईपी)
- द्वारा प्रकाशित: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)
- मंत्रालय: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
- आधार वर्ष: 2011-2012
- IIP एक संकेतक है जो एक निश्चित अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादों के उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन को मापता है।
- यह एक समग्र संकेतक है जो निम्नलिखित के अंतर्गत वर्गीकृत उद्योग समूहों की विकास दर को मापता है:
  - व्यापक क्षेत्र: खनन, विनिर्माण और बिजली।
  - इन तीन क्षेत्रों का सापेक्ष भार 77.6% (विनिर्माण), 14.4% (खनन) और 8% (बिजली) है।
  - आठ प्रमुख उद्योग: बिजली, कच्चा तेल, कोयला, सीमेंट, इस्पात, रिफाइनरी उत्पाद, प्राकृतिक गैस और उर्वरक।
  - वे आईआईपी में शामिल वस्तुओं के भार का लगभग 40 प्रतिशत शामिल करते हैं।
  - आठ प्रमुख क्षेत्र के उद्योग अपने भार के घटते क्रम में: रिफाइनरी उत्पाद > बिजली > इस्पात > कोयला > कच्चा तेल > प्राकृतिक गैस > सीमेंट > उर्वरक।
  - उपयोग-आधारित क्षेत्र: बुनियादी सामान, पूंजीगत सामान और मध्यवर्ती सामान।

**महत्व:-**

- सूचकांक औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन की मात्रा में समय के साथ सापेक्ष परिवर्तन को इंगित करता है।
- यह वर्तमान औद्योगिक उत्पादन की प्रवृत्ति को मापने का एक प्रभावी उपकरण है।
- इसका उपयोग नीति-निर्माण उद्देश्यों के लिए वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक आदि सहित सरकारी एजेंसियों द्वारा किया जाता है। (नई औद्योगिक नीति का मसौदा)

**अवश्य पढ़ें :** औद्योगिक क्रांति 4.0

**स्रोत:** द इंडियन एक्सप्रेस

### मुद्रास्फीति (INFLATION)

**संदर्भ:** वर्ष 2023 में खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर 5.02% की तुलना में अक्टूबर 2023 में घटकर 4.87% हो गई।

**पृष्ठभूमि:-**

- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति इस साल सितंबर में 5.02 प्रतिशत की तुलना में अक्टूबर में कम होकर 4.87 प्रतिशत हो गई।

**मुद्रास्फीति के बारे में:-**

- मुद्रास्फीति एक समयावधि में किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर में निरंतर वृद्धि को संदर्भित करती है।
- यह दैनिक या आम उपयोग की अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं, जैसे खाद्य पदार्थ, कपड़े, आवास, मनोरंजन, परिवहन, उपभोक्ता सामग्री आदि की कीमतों में वृद्धि है।
- मुद्रास्फीति समय के साथ वस्तुओं और सेवाओं की एक टोकरी में औसत मूल्य परिवर्तन को मापती है।
- वस्तुओं की इस टोकरी के मूल्य सूचकांक में विपरीत और दुर्लभ गिरावट को 'अपस्फीति' कहा जाता है।
- मुद्रास्फीति किसी देश की मुद्रा की एक इकाई की क्रय शक्ति में कमी का सूचक है।
- इसे प्रतिशत में मापा जाता है।

**भारत में मुद्रास्फीति के उपाय:-**

- भारत में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय मुद्रास्फीति को मापता है।
- भारत में मूल्य स्तर में बदलाव को मापने के लिए मुद्रास्फीति सूचकांकों के दो मुख्य सेट हैं:
  - थोक मूल्य सूचकांक (WPI) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI)

- GDP डिफ्लेटर का उपयोग मुद्रास्फीति को मापने के लिए भी किया जाता है।

#### मुद्रास्फीति का प्रभाव:-

- लोगों की क्रय शक्ति कम हो जाती है
- समग्र मांग को कम करता है
- बचतकर्ता को नुकसान होता है और उधारकर्ता को मदद मिलती है
- सरकार को ऋण दायित्वों को पूरा करने में मदद करता है: अल्पावधि में, सरकार, जो अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी उधारकर्ता है, को उच्च मुद्रास्फीति से लाभ होता है।
- अल्पावधि में, कॉर्पोरेट, विशेष रूप से बड़े और प्रमुख, उच्च लाभप्रदता का आनंद ले सकते हैं क्योंकि वे कीमतों को उपभोक्ताओं पर पास करने की स्थिति में हो सकते हैं।
- विनिमय दर बिगड़ जाती है।

**MUST READ:** [Inflation Targeting as Monetary Policy](#)

**SOURCE:** [AIR](#)

### G-20 शिखर सम्मेलन

**संदर्भ:** विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने हाल ही में कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाई गईं नई दिल्ली नेताओं की घोषणा को याद रखा जाएगा।

#### पृष्ठभूमि:-

- उन्होंने दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के विदेश मंत्रियों के सत्र में अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में यह बात कही।
- विदेश मंत्री ने 78 देशों में विकास परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से ग्लोबल साउथ के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं मांग-संचालित, परिणाम-उन्मुख, पारदर्शी और टिकाऊ हैं।
- उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चूंकि भारत डिजिटल डिलीवरी को अपनाता है, हरित विकास को बढ़ावा देता है और किफायती स्वास्थ्य पहुंच सुनिश्चित करता है, इसलिए इसकी अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के केंद्र में हमेशा ग्लोबल साउथ रहेगा।

#### G20 शिखर सम्मेलन के बारे में:-

- **स्थापना:** वर्ष 1999 (G20)
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** G20 फोरम की स्थापना वाशिंगटन डीसी में एक बैठक के बाद सात देश - कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यू.के. और यू.एस. के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों द्वारा की गई थी।
- **सदस्य:** अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यू.के., यू.एस. और यूरोपीय संघ।
- **G20 की अध्यक्षता:** यह प्रत्येक वर्ष सदस्यों के बीच बदलती रहती है।
  - **ट्रोइका-** अध्यक्षता धारण करने वाला देश पिछले वर्ष के अध्यक्ष और अगले वर्ष के होने वाले अध्यक्ष देशों के साथ सामंजस्य स्थापित करके कार्य करता है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को ट्रोइका कहते हैं।
  - भारत ने 2022 में इंडोनेशिया से G20 समूह की अध्यक्षता ग्रहण की और एक वर्ष के लिए इस पद पर रहेगा।
  - भारत की अध्यक्षता के दौरान, भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील ट्रोइका बनाएंगे।
- G20 का कोई स्थायी सचिवालय या मुख्यालय नहीं है।

**MUST READ:** [G20 Presidency](#)

**SOURCE:** [AIR](#)

### EPFO

**संदर्भ:** हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सितंबर 2023 के दौरान 17.21 लाख शुद्ध सदस्य जोड़े।

#### पृष्ठभूमि:-

- यह पिछले अगस्त महीने की तुलना में 21 हजार 475 नेट सदस्यों की वृद्धि है।



### कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के बारे में:-

- ईपीएफओ भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है।
- ईपीएफओ ग्राहकों और वित्तीय लेनदेन की मात्रा के मामले में दुनिया के सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा संगठनों में से एक है।
- यह 15 नवंबर 1951 को कर्मचारी भविष्य निधि अध्यादेश की घोषणा के साथ अस्तित्व में आया।
- इसे 1952 के कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था।
- कर्मचारी भविष्य निधि विधेयक को कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि की व्यवस्था प्रदान करने के लिए एक विधेयक के रूप में वर्ष 1952 में संसद में पेश किया गया था।
- इस अधिनियम को अब कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के रूप में जाना जाता है जो पूरे भारत में लागू होता है।
- इसके तहत बनाए गए अधिनियम और योजनाओं को एक त्रि-पक्षीय बोर्ड द्वारा प्रशासित किया जाता है जिसे केंद्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि के रूप में जाना जाता है।
- **केंद्रीय न्यासी बोर्ड:**
  - इसमें सरकार (केंद्र और राज्य दोनों), नियोक्ता और कर्मचारियों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
  - यह भारत में संगठित क्षेत्र में लगे कार्यबल के लिए एक अंशदायी भविष्य निधि, एक पेंशन योजना और एक बीमा योजना का प्रबंधन करता है।
  - इसे कर्मचारी पीएफ संगठन (ईपीएफओ) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें देश भर में 138 स्थानों पर कार्यालय शामिल हैं।
- संगठन के पास एक अच्छी तरह से सुसज्जित प्रशिक्षण सेट-अप है जहां संगठन के अधिकारी और कर्मचारी और साथ ही नियोक्ता और कर्मचारियों के प्रतिनिधि प्रशिक्षण और सेमिनार के सत्र में भाग लेते हैं।
- **विजन:** एक नवाचार-संचालित सामाजिक सुरक्षा संगठन जिसका लक्ष्य सार्वभौमिक कवरेज का विस्तार करना और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने हितधारकों को निर्बाध (निर्बाध और निर्बाध) सेवा वितरण सुनिश्चित करना है।

### EPFO के तहत योजनाएं:-

- **ईपीएफ योजना 1952**
  - यह सेवानिवृत्ति और मृत्यु पर संचय और ब्याज का प्रावधान करता है।
  - यह शिक्षा, विवाह, बीमारी और घर निर्माण के लिए आंशिक निकासी की अनुमति है। (निधि आपके निकट 2.0)
- **पेंशन योजना 1995 (ईपीएस)**
  - यह सेवानिवृत्ति/सेवानिवृत्ति, विकलांगता, उत्तरजीवी, विधवा (एर) और बच्चों के लिए मासिक लाभ प्रदान करता है।
  - यह विकलांगता पर न्यूनतम पेंशन प्रदान करता है।
  - यह पूर्ववर्ती पारिवारिक पेंशन योजना, 1971 के प्रतिभागियों को पूर्व सेवा लाभ प्रदान करता है।
- **बीमा योजना 1976 (ईडीएलआई)**
  - यह उस कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में लाभ प्रदान करता है जो मृत्यु के समय योजना का सदस्य था।
  - यह वेतन से 20 गुना अधिक लाभ राशि प्रदान करता है।
    - अधिकतम लाभ 6 लाख है।

**MUST READ:** [EPFO's New Facility on UMANG App started](#)

**SOURCE:** [AIR](#)



## भूगोल



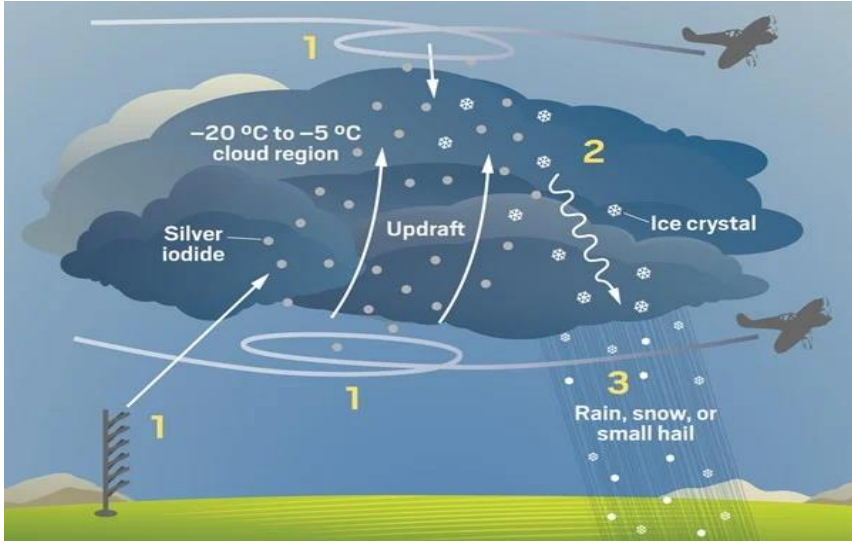
### क्लाउड सीडिंग

**संदर्भ:** पुणे में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ने प्रदर्शित किया है कि क्लाउड सीडिंग प्रभावी ढंग से वर्षा उत्पन्न कर सकती है।

#### पृष्ठभूमि:-

- सोलापुर शहर में क्लाउड सीडिंग प्रयोग किया गया, जो पश्चिमी घाट किनारे पर स्थित है, जहाँ अपेक्षाकृत कम वर्षा होती है, जिससे यहाँ पानी की कमी हो जाती है।

#### क्लाउड सीडिंग के बारे में:-



#### IMAGE SOURCE: IASBABA

- कृत्रिम वर्षा, या क्लाउड सीडिंग, विविध अनुप्रयोगों के साथ एक आकर्षक और व्यावहारिक मौसम संशोधन तकनीक है।
- इस कार्य का लक्ष्य बादलों से गिरने वाली वर्षा की मात्रा या प्रकार को बदलना है।

#### तंत्र:-

- यह हवा में उन पदार्थों को फैलाकर बादलों से गिरने वाली वर्षा की मात्रा या प्रकार को बदलने का एक तरीका है जो बादल संघनन के रूप में काम करता है।
- ड्रोन बादलों में चार्ज होकर इलेक्ट्रिक शॉक उत्पन्न करते हैं जिसके कारण ये आपस में चिपक जाते हैं और बारिश का कारण बनते हैं।
- सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ और पोटेशियम आयोडाइड क्लाउड-सीडिंग प्रक्रिया शुरू करने के लिए उपयोग की जाने वाली सबसे आम वस्तुएं हैं।

#### प्रकार:-

क्लाउड सीडिंग की तीन विधियाँ हैं: स्टेटिक, डायनामिक और हीड्रोस्कोपिक।

- स्टेटिक क्लाउड सीडिंग:** इसमें सिल्वर आयोडाइड जैसे रसायन को बादलों में फैलाया जाता है।
- डायनामिक क्लाउड सीडिंग:** इसका उद्देश्य ऊर्ध्वाधर वायु राशियों को बढ़ावा देना है जो बादलों से गुजरने हेतु अधिक जल को प्रोत्साहित करता है, जिससे वर्षा की मात्रा बढ़ जाती है।
- हाइड्रोस्कोपिक क्लाउड सीडिंग:** बादलों के निचले हिस्से में ज्वालाओं या विस्फोटकों के माध्यम से नमक को फैलाया जाता है, और जैसे ही यह पानी के संपर्क में आता है नमक कणों का आकार बढ़ने लगता है।

#### लाभ:-

- क्लाउड सीडिंग अधिक वर्षा उत्पन्न करने में मदद कर सकती है। (बादल फटना)
- यह भूमि को रहने के लिए अधिक उपयुक्त बना सकती है।

- यह विशिष्ट स्थानों में मौसम के पैटर्न को नियंत्रित करने में मदद करती है।

#### हानि:-

- क्लाउड सीडिंग के काम करने के लिए विशिष्ट वायुमंडलीय स्थितियाँ मौजूद होनी चाहिए: यह तभी काम करता है जब वातावरण में पहले से पर्याप्त बादल मौजूद हों।
- क्लाउड सीडिंग की प्रभावशीलता की अभी भी समीक्षा चल रही है।
- यह एक महंगा उद्यम है।

**MUST READ:** [Cloud Wars](#)

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### डीप ओशन मिशन

**संदर्भ:** हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि भारत के 'डीप ओशन मिशन' को अंतरिक्ष में जाने से भी कठिन चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

#### पृष्ठभूमि:-

- यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है।

#### इसके बारे में:-

- लॉन्च: वर्ष 2021 में
- मंत्रालय: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
- डीप ओशन मिशन (डीओएम) समुद्र की गहराई का पता लगाने और उसका दोहन करने की भारत की महत्वाकांक्षी खोज है।
- इस पहल के हिस्से के रूप में, भारत पहली बार तीन सदस्यीय दल के साथ स्वदेशी रूप से विकसित पनडुब्बी का उपयोग करके समुद्र में 6,000 मीटर की गहराई तक जाएगा।
- मिशन को पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित तरीके से समुद्र तल से कई टन मूल्यवान खनिजों तक पहुंचने और परिवहन करने के लिए प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होगी।
- DOM भारत सरकार की ब्लू इकोनॉमी पहल का समर्थन करने के लिए एक मिशन-मोड परियोजना है।
  - नीली अर्थव्यवस्था: इसमें आर्थिक विकास, बेहतर आजीविका और नौकरियों तथा महासागर पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य के लिए समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग शामिल है।
- यह भारत का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है और चरणबद्ध तरीके से पांच साल की अवधि में लगभग 4,077 करोड़ रुपये की लागत से 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।

#### 6 स्तम्भ:-

##### मिशन के छह स्तंभ हैं:-

- **मानवयुक्त सबमर्सिबल वाहन का विकास:** तीन लोगों को समुद्र में 6,000 मीटर की गहराई तक ले जाने के लिये वैज्ञानिक सेंसर और उपकरणों के साथ एक मानवयुक्त पनडुब्बी विकसित की जाएगी।
- समुद्री जलवायु परिवर्तन सलाहकार सेवाओं का विकास, जिसमें भविष्य के जलवायु अनुमानों को समझने और प्रदान करने के लिए समुद्री अवलोकनों और मॉडलों की एक श्रृंखला शामिल है।
- गहरे समुद्र में जैव विविधता की खोज एवं संरक्षण के लिये तकनीकी नवाचार।
- **गहरे समुद्र में सर्वेक्षण और अन्वेषण:** इस घटक का प्राथमिक उद्देश्य हिंद महासागर के मध्य-महासागरीय भागों के साथ बहु-धातु हाइड्रोथर्मल सल्फाइड खनिज के संभावित स्थलों का पता लगाना और उनकी पहचान करना है।
- महासागर से ऊर्जा और मीठा पानी।
- **महासागर जीवविज्ञान हेतु उन्नत समुद्री स्टेशन:** इस घटक का उद्देश्य महासागरीय जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग में मानव क्षमता एवं उद्यम का विकास करना है। यह घटक ऑन-साइट बिजनेस इन्क्यूबेटर सुविधाओं के माध्यम से अनुसंधान को औद्योगिक अनुप्रयोग और उत्पाद विकास में परिवर्तित करेगा।
- 'न्यू इंडिया 2030' दस्तावेज भारत के विकास के छठे मुख्य उद्देश्य के रूप में नीली अर्थव्यवस्था को रेखांकित करता है। वर्ष 2021-2030 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'समुद्र विज्ञान दशक' के रूप में नामित किया गया है।

- DOM प्रधान मंत्री के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PMSTIAC) के तहत नौ मिशनों में से एक है।
- यह जरूरी है कि DOM भारत में नीली अर्थव्यवस्था प्राथमिकता क्षेत्र, नीले व्यापार और नीले विनिर्माण का समर्थन करे।

**महत्व:-**

- महासागरीय संसाधनों का लाभ उठाना।
- ऐसे मिशनों में आवश्यक तकनीक और विशेषज्ञता अब केवल पांच देशों - अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान और चीन में उपलब्ध है।
  - भारत अब इसे पाने वाला छठा देश होगा।

**MUST READ:** [Deep-Sea Mining](#)

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### भूकंप

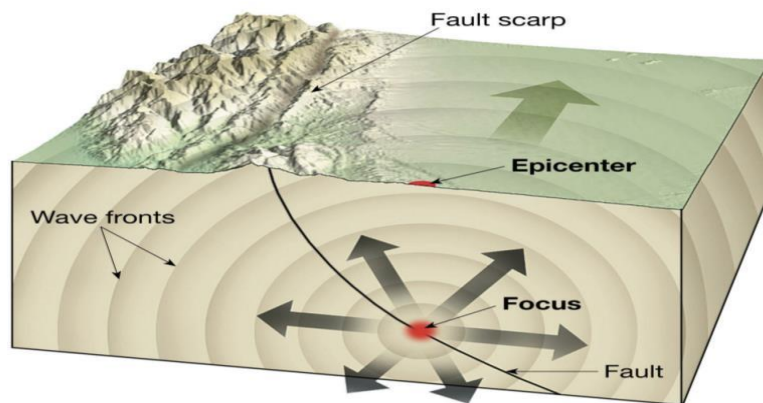
**संदर्भ:** हाल ही में नेपाल में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया।

**पृष्ठभूमि:-**

- अधिकारियों ने बताया कि नेपाल में कल देर रात देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में आए 6.4 तीव्रता के भूकंप में कम से कम 128 लोग मारे गए और 140 घायल हो गए।

**भूकंप के बारे में:-**

## Earthquake focus and epicenter



**IMAGE SOURCE:** [SlideServe](#)

- भूकंप पृथ्वी की सतह का हिलना या कांपना है।
- यह भूकंपीय तरंगों या भूकंप तरंगों के कारण होता है जो पृथ्वी की पपड़ी (उथले-फोकस वाले भूकंप) या ऊपरी मेंटल (कुछ उथले-फोकस और सभी मध्यवर्ती और गहरे-फोकस वाले भूकंप) में अचानक गति (ऊर्जा की अचानक रिहाई) के कारण उत्पन्न होती हैं। )।
- सिस्मोग्राफ, या सिस्मोमीटर, भूकंप का पता लगाने और रिकॉर्ड करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक उपकरण है।
- हाइपोसेंटर/फोकस: वह बिंदु जहां ऊर्जा रिलीज होती है।
- अधिकेंद्र: फोकस के ठीक ऊपर सतह पर स्थित बिंदु होता है।
- आइसोसेस्मिक रेखा: सतह पर सभी बिंदुओं को जोड़ने वाली एक रेखा जहां तीव्रता समान होती है।

**भूकंप के कारण:-**

- डिफॉल्ट क्षेत्र
- प्लेट टेक्टोनिक
- ज्वालामुखी गतिविधि
- मानव-प्रेरित भूकंप

**भूकंप के प्रकार:-**

### टेक्टोनिक भूकंप

- टेक्टोनिक भूकंप सबसे आम हैं।
- पृथ्वी चार मूल परतों (आम तौर पर तीन) से बनी है: एक ठोस परत, एक गर्म, लगभग ठोस मेंटल, एक तरल बाहरी कोर और एक ठोस आंतरिक कोर।
- टेक्टोनिक प्लेटें (लिथोस्फेरिक प्लेटें) लगातार खिसक रही हैं क्योंकि वे चिपचिपी, या धीरे-धीरे बहने वाली, मेंटल परत के नीचे बहती हैं।
- जब टेक्टोनिक प्लेटें हिलती हैं, तो यह (अनातोलियन प्लेट) पर भी हलचल का कारण बनती है।
- इस प्रकार, अभिसरण, अपसारी और रूपांतरित सीमाओं के साथ भ्रंश रेखा के साथ भूमि का खिसकना भूकंप का कारण बनता है।

### ज्वालामुखीय भूकंप

- मैग्मा (पिघली हुई चट्टान) के अंतःक्षेपण या निष्कासन के कारण ठोस चट्टान में तनाव परिवर्तन से उत्पन्न भूकंप को ज्वालामुखी भूकंप कहा जाता है।

### मानव प्रेरित भूकंप

- तीव्र खनन गतिविधि वाले क्षेत्रों में, कभी-कभी भूमिगत खदानों की छतें गिर जाती हैं जिससे मामूली झटके आते हैं। इन्हें पतन भूकंप कहा जाता है।
- रासायनिक या परमाणु उपकरणों के विस्फोट के कारण भी ज़मीन हिल सकती है। ऐसे झटकों को विस्फोट भूकंप कहा जाता है।

**MUST READ:** [\(Volcano\)](#)

**SOURCE:** [AIR](#)

### खरीफ़ फसलें

**संदर्भ:** हाल ही में, पूरे भारत में तीव्र और अभूतपूर्व वर्षा से खरीफ़ फसलों को भारी नुकसान हुआ।

**पृष्ठभूमि:-**

- इसने विभिन्न क्षेत्रों में रिकॉर्ड-तोड़, अत्यधिक भारी वर्षा, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिमी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में, अब पहले से ही बोई गई फसलों के खेतों में पानी भर जाने से भारी नुकसान हुआ है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने किसानों को सलाह दी कि वे अपने खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें ताकि खड़ी फसलों को सड़ने से बचाया जा सके।

**भारत मौसम विज्ञान विभाग के बारे में**

- स्थापना: वर्ष 1875 में
- मंत्रालय: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- यह मौसम संबंधी टिप्पणियों, मौसम पूर्वानुमान और भूकंप विज्ञान के लिए जिम्मेदार प्रमुख एजेंसी है।
- आईएमडी विश्व मौसम विज्ञान संगठन के छह क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्रों में से एक है।
  - नई दिल्ली में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र (आरएसएमसी) उत्तरी हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवातों के नामकरण के लिए उत्तरदायी है।

**खरीफ़ फसलों के बारे में:-**

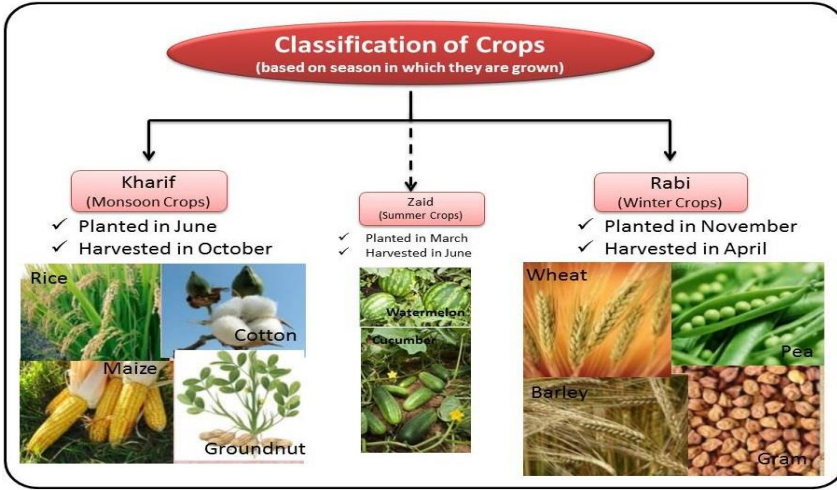


IMAGE SOURCE: [blogspot.com](https://www.blogspot.com)

- भारत एक प्रायद्वीपीय देश है जहाँ की जलवायु अधिकतर मानसून द्वारा संचालित होती है।
- इसी कारण से, भारत विभिन्न प्रकार की ऋतुओं से संपन्न है।
- ये मौसम, बदले में, फसलों को अलग-अलग मौसम की स्थिति प्रदान करते हैं, जिससे अंततः अलग-अलग फसल पैटर्न बनते हैं।
- मौसम के आधार पर, फसलों को निम्नलिखित में वर्गीकृत किया गया है:
  - खरीफ फसलें
  - रबी फसलें
  - जायद फसलें
- खरीफ फसलों की खेती और कटाई मानसून के मौसम में की जाती है।
- नामकरण: "खरीफ" शब्द शरद ऋतु के लिए अरबी है क्योंकि मौसम शरद ऋतु या सर्दियों की शुरुआत के साथ मेल खाता है।
- बुआई और कटाई: इन्हें मानसून के मौसम की शुरुआत में बोया जाता है और किसान मौसम के अंत में इनकी कटाई करते हैं।
- समय अवधि: देश के हर राज्य में खरीफ का मौसम अलग-अलग होता है लेकिन आम तौर पर जून से सितंबर तक होता है।
- खरीफ फसलों की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि उन्हें उचित विकास के लिए बहुत अधिक पानी और गर्म मौसम की आवश्यकता होती है।
- खरीफ फसलों के उदाहरण: चावल, कपास, मक्का आदि। (यूपीएससी सीएसई: सरकार ने खरीफ सीजन के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी की घोषणा की)
  - भारत दुनिया में चीन के बाद चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
  - विश्व के चावल उत्पादन का लगभग 20% भारत में होता है।

अवश्य पढ़ें: भारतीय कृषि बीमा कंपनी (एआईसी)

SOURCE: [DOWN TO EARTH](https://www.downtoearth.org.in)

### यमुना

**संदर्भ:** हालिया रिपोर्टों के अनुसार, यमुना नदी के आसपास के निचले इलाकों से लोगों की निकासी जल्द ही शुरू होने वाली है।

**पृष्ठभूमि:-**

- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि नदी के 206 मीटर के निशान को छूते ही यमुना के आसपास के निचले इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया जाएगा।

**यमुना के बारे में:-**

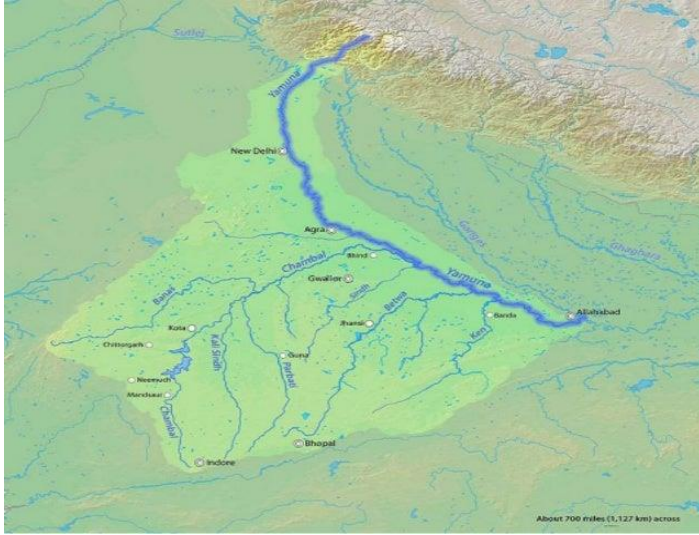


IMAGE SOURCE: [SlideShare](#)

- **उत्पत्ति:** इसका उद्गम यमुनोत्री ग्लेशियर से हुआ है।
  - **यमुनोत्री ग्लेशियर:** यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में दक्षिण-पश्चिमी ढलान या बंदरपूछ चोटी पर स्थित है।
- अंत में यमुना प्रयागराज (इलाहाबाद) के निकट गंगा (गंगा) नदी में मिल जाती है।
- जल निकासी बेसिन: यह उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा राज्यों से होकर बहती है और दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है।
- यह उत्तरी मैदानी भाग में गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- **कुल लंबाई:** उद्गम से लेकर इलाहाबाद तक 1,376 किमी है।
- यह भारत-गंगा के मैदान में अपने और गंगा के बीच अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़, यमुना-गंगा दोआब क्षेत्र का निर्माण करती है।
- **महत्वपूर्ण शहर:** भागपत, दिल्ली, नोएडा, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, हमीरपुर और इलाहाबाद शहर इसके तट पर स्थित हैं। (यूपीएससी सीएसई: सतलज-यमुना लिंक नहर परियोजना)
- यमुना की सहायक नदियाँ:-
  - उत्तराखंड के देहरादून के पास यमुना अपनी सबसे बड़ी सहायक नदी टोंस नदी से मिलती है।
  - दाहिने तट की सहायक नदियाँ: चंबल, हिंडन, सारदा और गिरि नदियाँ।
  - चंबल नदी, यमुना की सबसे बड़ी सहायक नदी है। (यूपीएससी सीएसई: राष्ट्रीय चंबल अभियारण्य)
  - बाएं तट की सहायक नदियाँ: बेतवा और सिंधा।

अवश्य पढ़ें: यमुना प्रदूषण

SOURCE: [THE HINDU](#)

### हॉर्न ऑफ अफ्रीका

**संदर्भ:** हाल ही में, हॉर्न ऑफ अफ्रीका को अल नीनो से जुड़ी 'औसत से अधिक' बारिश के कारण घातक बाढ़ का सामना करना पड़ा।

**पृष्ठभूमि:-**

- अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में भारी बारिश के कारण ग्रेटर हॉर्न ऑफ अफ्रीका में कई लोगों के मारे जाने, लाखों की संपत्ति नष्ट होने और आबादी के स्थांतरित होने की आशंका है।

**हॉर्न ऑफ अफ्रीका के बारे में:-**



IMAGE SOURCE: [iStock](https://www.istock.com)

- देश: सोमालिया, इथियोपिया, इरिट्रिया और जिबूती।
- स्थान: यह अफ्रीकी महाद्वीप के उत्तर-पूर्व में है।
- यह लाल सागर की दक्षिणी सीमा पर स्थित है।
- यह गार्डाफुई चैनल, अदन की खाड़ी और हिंद महासागर में सैकड़ों किलोमीटर तक फैला हुआ है।
- यह भूमध्य रेखा और कर्क रेखा से समान दूरी पर है।
- यह अरब सागर में सैकड़ों किलोमीटर तक फैला हुआ है।
- यह अदन की खाड़ी के दक्षिण में स्थित है।
- हॉर्न ऑफ अफ्रीका एक यूनेस्को जैव विविधता हॉटस्पॉट है और दो पूरी तरह से शुष्क क्षेत्रों में से एक है।
  - जैव विविधता हॉटस्पॉट: जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए, किसी क्षेत्र को दो सख्त मानदंडों को पूरा करना होता है :-
    - इसमें संवहनी पौधों की कम से कम 1,500 प्रजातियाँ शामिल हैं जो पृथ्वी पर कहीं और नहीं पाई जाती हैं (जिन्हें "स्थानिक" प्रजाति के रूप में जाना जाता है)।
    - अपनी प्राथमिक मूल वनस्पति का कम से कम 70 प्रतिशत नष्ट हो चुकी हो।
- ग्रेटर हॉर्न ऑफ अफ्रीका क्षेत्र में बुरुंडी, जिबूती, इरिट्रिया, इथियोपिया, केन्या, रवांडा, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सूडान, तंजानिया और युगांडा देश शामिल हैं।

अल नीनो के बारे में:-



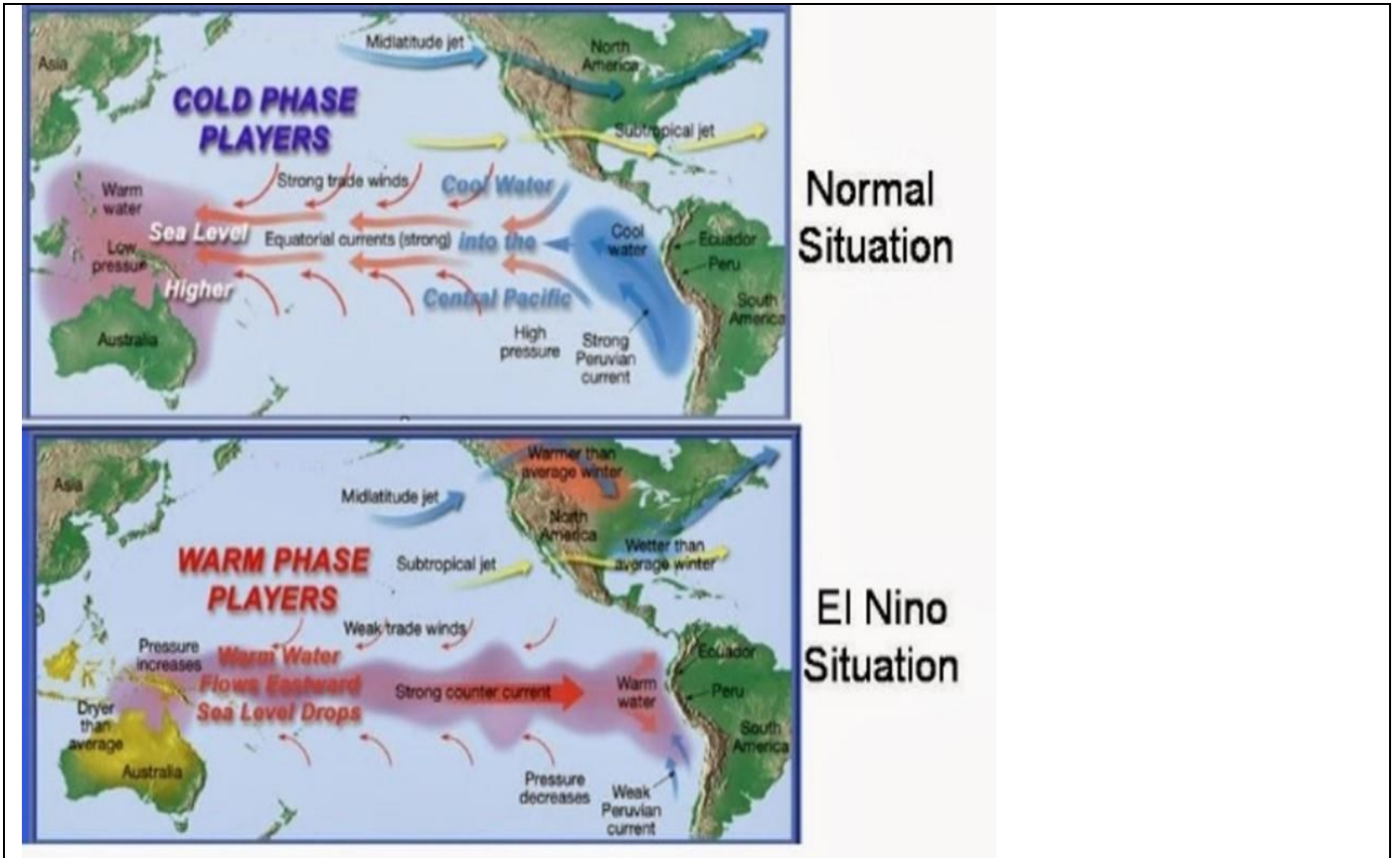


IMAGE SOURCE: [IASBABA](#)

- अल नीनो मध्य-पूर्व भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्री जल का गर्म होना है जो हर कुछ वर्षों में होता है।
- अल नीनो के दौरान, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में सतह का तापमान बढ़ जाता है, और भूमध्य रेखा के पास चलने वाली व्यापारिक हवाएँ, पूर्व-पश्चिम हवाएँ कमजोर हो जाती हैं।
- आम तौर पर, पूर्वी व्यापारिक हवाएँ अमेरिका से एशिया की ओर बहती हैं।
- अल नीनो के कारण, ये कमजोर हो जाती हैं और दिशा बदलकर पछुआ हवाओं में बदल जाते हैं, जिससे पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र से गर्म पानी अमेरिका की ओर आता है।
- यह हर 3-6 साल में होता है।
- यह लगभग 9-12 महीने तक रहता है।
- इससे सूखा, बाढ़ और तापमान में बदलाव होता है।
- इससे सामान्य से कम वर्षा होती है, जो भारत के कृषि क्षेत्र को प्रभावित करती है।

अल नीनो के प्रभाव:-

- खाद्य श्रृंखला में व्यवधान
- समग्र पारिस्थितिकी तंत्र में व्यवधान
- गर्म पानी उष्णकटिबंधीय प्रजातियों को ठंडे क्षेत्रों की ओर ले जाता है, जिससे कई पारिस्थितिक तंत्र बाधित होते हैं।
- वायु और मौसम के पैटर्न में बदलाव

अवश्य पढ़ें: भारत-अफ्रीका: चुनौतियाँ और आगे की राह

SOURCE: [DOWN TO EARTH](#)

### अल नीनो (EL NINO)

संदर्भ: खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने हाल ही में सबसे अधिक जोखिम वाली और कमजोर आबादी की कृषि आजीविका और खाद्य सुरक्षा पर जलवायु घटना एल नीनो के अनुमानित प्रभावों को कम करने के लिए एक योजना शुरू की है।

पृष्ठभूमि:-

- WMO द्वारा अप्रैल 2024 तक अल नीनो के बने रहने की भविष्यवाणी के बाद इसने एक प्रत्याशित कार्य योजना जारी की।

अल नीनो के बारे में:-

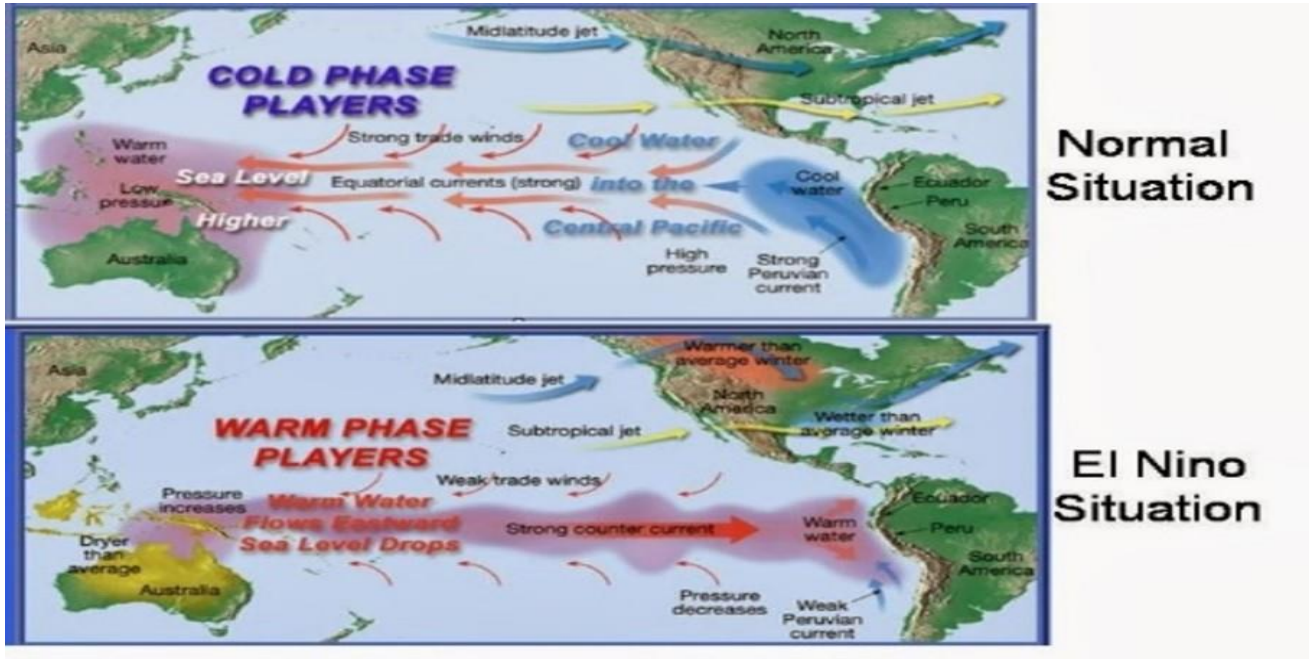


IMAGE SOURCE: [IASBABA](#)

- अल नीनो मध्य-पूर्व भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्री जल का गर्म होना है जो हर कुछ वर्षों में होता है।
- अल नीनो के दौरान, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में सतह का तापमान बढ़ जाता है, और व्यापारिक हवाएँ - पूर्वी-पश्चिमी हवाएँ जो भूमध्य रेखा के पास चलती हैं - कमजोर हो जाती हैं।
- आम तौर पर, पूर्वी व्यापारिक हवाएँ अमेरिका से एशिया की ओर चलती हैं।
- अल नीनो के कारण, वे कमजोर होकर और दिशा बदलकर पछुआ हवाओं में बदल जाती हैं, जिससे पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र से गर्म पानी अमेरिका की ओर आता है।
- यह हर 3-6 साल में होता है और लगभग 9-12 महीने तक रहता है।
- इससे सूखा, बाढ़ और तापमान में बदलाव हो सकता है।
- इससे सामान्य से कम वर्षा होती है, जो भारत के कृषि क्षेत्र को प्रभावित करती है।

अल नीनो के परिणाम:-

- खाद्य श्रृंखला में व्यवधान: सामान्य परिस्थितियों में, ऊपर उठने की वजह से गहराई से पानी सतह पर आता है, जो ठंडा और पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अल नीनो के दौरान, ऊपर उठने की प्रक्रिया कमजोर हो जाती है या पूरी तरह से रुक जाती है।
- परिणामस्वरूप, समुद्र के गहरे हिस्सों से पोषक तत्व दुर्लभ हो जाते हैं, जिससे तट पर फाइटोप्लैंकटन की मात्रा में कमी आ जाती है।
- परिणामस्वरूप, इसका मछली की प्रजातियों पर सीधा प्रभाव पड़ता है जो अपने भोजन स्रोत के रूप में फाइटोप्लैंकटन पर निर्भर होते हैं, अंततः जिसके परिणामस्वरूप पूरी खाद्य श्रृंखला प्रभावित होती है।
- समग्र पारिस्थितिकी तंत्र में व्यवधान: गर्म पानी उष्णकटिबंधीय प्रजातियों को ठंडे क्षेत्रों की ओर ले जाता है, जिससे कई पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होते हैं।
- हवा और मौसम के पैटर्न में बदलाव: चूंकि प्रशांत महासागर पृथ्वी के लगभग एक-तिहाई हिस्से को कवर करता है, इसलिए इसके तापमान में बदलाव और उसके बाद हवा के पैटर्न में बदलाव से वैश्विक मौसम पैटर्न बाधित होता है।
- अल नीनो उत्तरी अमेरिका और कनाडा में शुष्क, गर्म सर्दियों का कारण बनता है और अमेरिकी खाड़ी तट और दक्षिणपूर्वी अमेरिका में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है।
- यह इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में भी सूखा लाता है।

अवश्य पढ़ें: मॉनसून ट्रफ (Monsoon trough)

SOURCE: [DOWN TO EARTH](#)

नायोबियम

**संदर्भ:** हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों लिथियम, नायोबियम और रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) के संबंध में रॉयल्टी की दर तय करने के लिए खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 ('एएमएमडीआर अधिनियम') की दूसरी अनुसूची में संशोधन को मंजूरी दे दी है।

**पृष्ठभूमि:-**

- अन्य दो लिथियम और दुर्लभ मृदा तत्व थे।

**नायोबियम के बारे में:-**

- नाइओबियम एक सुंदर, सफेद धातु है जो वायु और एलिमेंट्स के संपर्क में आने पर नीले, पीले और हरे रंग के विभिन्न रंगों में बदल जाती है।
- यह एक दुर्लभ, सॉफ्ट, तन्य (ductile), लचीली, भूरे-सफेद धातु है।
- इसका गलनांक अपेक्षाकृत उच्च होता है और तात्विक रूप में इसका गलनांक 2,468 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।
- नाइओबियम का घनत्व अधिकांश अन्य दुर्लभ धातुओं (refractory metals) की तुलना में कम है। (दुर्लभ पृथ्वी धातु)
- यह संक्षारण रोधी है।
- इसमें उच्च अतिचालकता गुण होता है।
- वायु के संपर्क में आने पर यह आमतौर पर ढांकती हुई ऑक्साइड की परतें बनाती है।
- आकार की दृष्टि से यह टैंटलम परमाणुओं के लगभग समान है और लैथेनाइड कॉन्ट्रैक्शन (contractions) प्रदर्शित करती है।
- यह प्रकृति में स्वतंत्र रूप से नहीं बल्कि कोलंबाइट और टैंटलाइट जैसे खनिजों में पाया जाता है।
- व्यावसायिक रूप से, नाइओबियम को पहले ऑक्साइड (Nb<sub>2</sub>O<sub>5</sub>) बनाकर निकाला जाता है।
- फिर कार्बन या हाइड्रोजन का उपयोग करके ऑक्साइड को कम किया जाता है।
- इसके लिए ब्राजील दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, कनाडा बहुत पीछे है।

**अनुप्रयोग:-**

- इसका उपयोग उच्च तापमान प्रतिरोधी मिश्र धातुओं और विशिष्ट स्टेनलेस स्टील्स के निर्माण में किया जाता है।
- इसका उपयोग पार्टिकल एक्सेलरेटर के लिए उनके शुद्ध रूप में सुपरकंडक्टिंग त्वरक (superconducting accelerating) संरचनाओं के निर्माण के लिए भी किया जाता है।
- क्योंकि ये मानव ऊतक के साथ प्रतिक्रिया नहीं करते हैं, सर्जिकल प्रत्यारोपण में नाइओबियम मिश्र धातुओं का उपयोग किया जाता है।
- नाइओबियम कार्बाइड का उपयोग काटने के औजारों के निर्माण में किया जाता है।
- अत्यधिक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करने में सक्षम सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट के तारों के रूप में, नाइओबियम-टिन और नाइओबियम-टाइटेनियम मिश्र धातुओं का उपयोग किया जाता है।

**अवश्य पढ़ें:** भारतीय खान ब्यूरो

**SOURCE:** [THE NEW INDIAN EXPRESS](#)

**वानुअतु द्वीप**

**संदर्भ:** हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पास वानुअतु द्वीप समूह में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया।

**वानुअतु द्वीप समूह के बारे में:-**

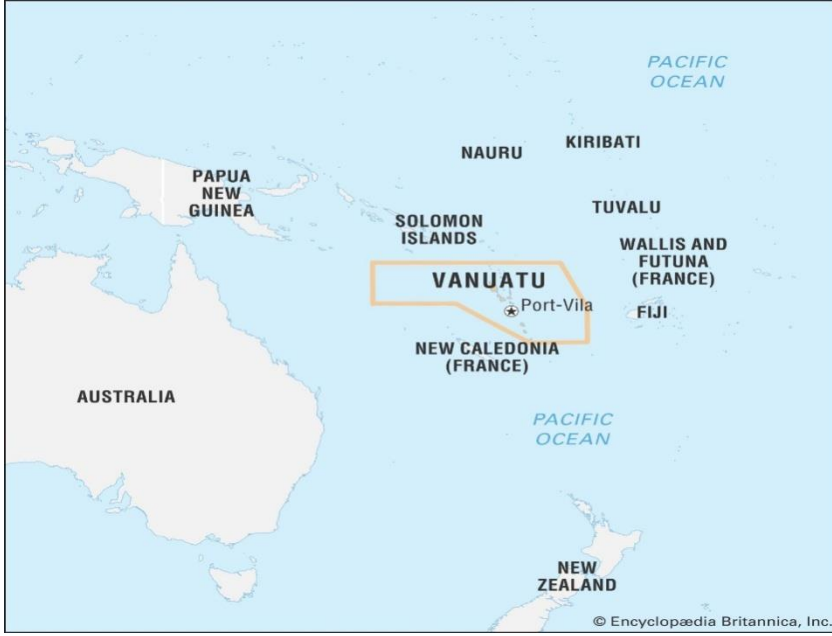


IMAGE SOURCE: [BRITANNICA](#)

- वानुअतु, दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित एक देश है।
- इसमें 13 प्रमुख और कई छोटे द्वीपों की एक श्रृंखला शामिल है जो फिजी के पश्चिम में लगभग 500 मील (800 किमी) और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व में 1,100 मील (1,770 किमी) पर स्थित है।
- वानुअतु (आधिकारिक तौर पर, वानुअतु गणराज्य) 6 प्रांतों में विभाजित है।
- ये प्रांत हैं मालम्पा, पेनामा, सानमा, शेफा, ताफिया और तोरबा।
- इन प्रांतों को आगे नगर पालिकाओं में विभाजित किया गया है।
- स्वदेशी आबादी, जिसे नी-वानुअतु कहा जाता है, भारी मात्रा में मेलानेशियन है, हालांकि कुछ बाहरी द्वीपों में पॉलिनेशियन आबादी है।
- निर्वाह कृषि परंपरागत रूप से वानुअतु का आर्थिक आधार रही है, साथ ही द्वीपों के अंदर और उनके बीच एक विस्तृत विनिमय नेटवर्क भी रहा है।
- आजादी के बाद से, वानुअतु की पर्यटन और अपतटीय वित्तीय सेवाएं विदेशी आय के सबसे बड़े अर्जक के रूप में उभरी हैं।
- लापिटा साइट वर्ष 2008 में वानुअतु का पहला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया।

अवश्य पढ़ें: ज्वालामुखी

SOURCE: [TIMES NOW](#)

### पावना नदी

**संदर्भ:** हाल ही में, पावना नदी को प्रदूषित करने के कारण एक लॉन्ड्री मालिक पर मामला दर्ज किया गया था।

**पृष्ठभूमि:-**

- कथित तौर पर पावना नदी में अनुपचारित दूषित पानी छोड़ने के लिए तथावडे के एक लॉन्ड्री मालिक पर मामला दर्ज किया गया था।

**पावना नदी के बारे में:-**

- स्थान: पुणे जिला, महाराष्ट्र
- यह एक प्रमुख नदी है जो पुणे शहर से होकर बहती है।
- यह इसे पिंपरी-चिंचवड जिले से अलग करता है।
- यह लोनावाला से लगभग 6 किलोमीटर दक्षिण में पश्चिमी घाट से आती है।
- यह भीमा नदी की एक सहायक नदी है जो पुणे में मुला नदी से मिलती है।
- पहले पूर्व की ओर बहते हुए, यह दक्षिण की ओर मुड़ती है और मुला नदी में शामिल होने से पहले देहु, चिंचवड, पिंपरी और दापोडी के उपनगरों से होकर गुजरती है।
- इस नदी पर पावना नगर में "पावना नगर बांध" बनाया जा रहा है।

- यह एक गुरुत्वाकर्षण भूगर्भ भराव है।
- इसकी कुल भंडारण क्षमता 30,500.00 किमी<sup>3</sup> है और इसकी लंबाई 1,329 मीटर (4,360 फीट) और ऊंचाई 42.37 मीटर (139.0 फीट) है।

अवश्य पढ़ें: तीस्ता नदी

SOURCE: [HINDUSTAN TIMES](#)

### उष्णकटिबंधी चक्रवात

संदर्भ: हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि उष्णकटिबंधीय चक्रवात जितना हम सोचते हैं उससे कहीं अधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

पृष्ठभूमि:-

- भारत कार्बन की उच्च सामाजिक लागत का सामना करने वाले देशों में से एक है।

उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के बारे में:-

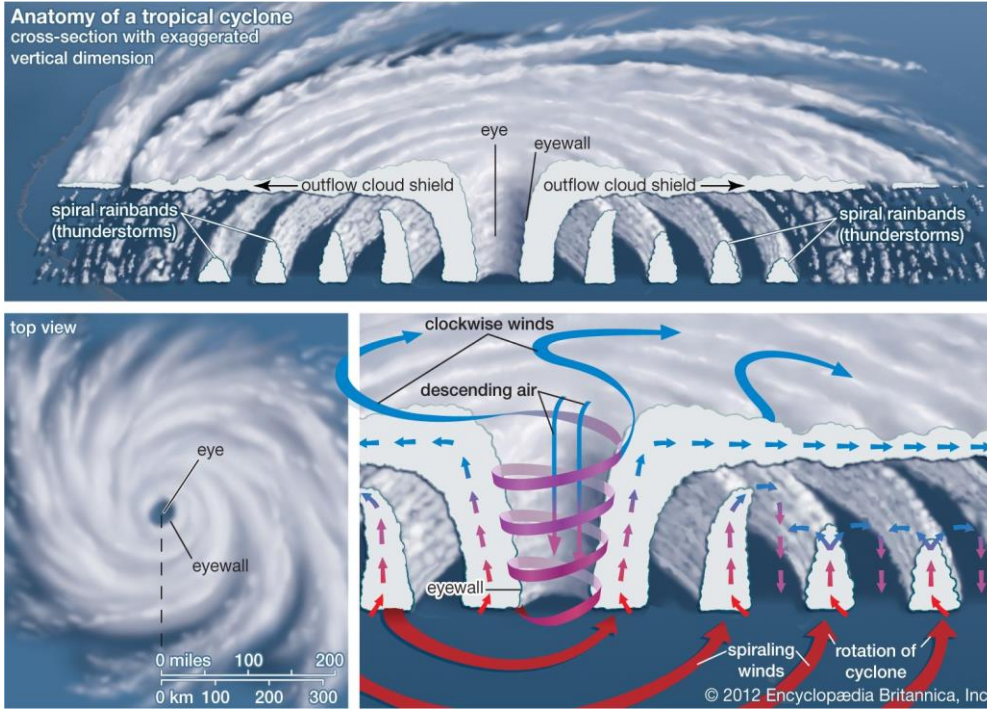


IMAGE SOURCE: [Britannica](#)

- चक्रवात हवाओं (या वायु द्रव्यमान) का एक पैटर्न है जो कम दबाव प्रणाली को प्रसारित करता है।
- यह उत्तरी गोलार्ध में वामावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त घूमता है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात एक तीव्र गोलाकार तूफान है जो गर्म उष्णकटिबंधीय महासागरों में उत्पन्न होता है।
- कम वायुमंडलीय दबाव, तेज हवाएँ और भारी बारिश इसकी विशेषताएँ हैं।
- ये थोड़े गर्म समुद्री जल के ऊपर बनते हैं।
- चक्रवात के निर्माण के लिए समुद्र की ऊपरी परत का तापमान, लगभग 60 मीटर की गहराई तक, कम से कम 28°C होना आवश्यक है।
- अप्रैल-मई और अक्टूबर-दिसंबर की अवधि चक्रवातों के लिए अनुकूल होता है। (बम चक्रवात)
- फिर, जल के ऊपर हवा के निम्न स्तर को 'वामावर्त' घुमाव (उत्तरी गोलार्ध में; दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त) की आवश्यकता होती है।
- इन अवधियों के दौरान, बंगाल की खाड़ी में एक ITCZ था।

MUST READ: [\(Colour Coded Weather Warning\)](#)

SOURCE: [DOWN TO EARTH](#)

### माउंट एटना

संदर्भ: हाल ही में, इटली के माउंट एटना विस्फोट को अंतरिक्ष से राख के रूप में कैचर किया गया, और इसमें से लावा निकला था।

पृष्ठभूमि:-

- यह घटना इतनी महत्वपूर्ण थी कि इसे कॉपरनिकस सेंटिनल-2 मिशन द्वारा अंतरिक्ष से देखा गया, जिसने अधिग्रहण के समय लावा

प्रवाह को उजागर करने के लिए शॉर्टवेव-इन्फ्रारेड बैंड का उपयोग किया।

माउंट एटना के बारे में:-



IMAGE SOURCE: [BRITANNICA](#)

- माउंट एटना भूमध्यसागरीय द्वीप का सबसे ऊँचा पर्वत है।
- यह लगभग 3,326 मीटर ऊँचा है।
- यह सिसिली के पूर्वी तट पर है।
- यह आल्प्स के दक्षिण में इटली की सबसे ऊँची चोटी है।
- यह दुनिया का सबसे सक्रिय स्ट्रेटोवोलकानो भी है।
- इसकी दर्ज ज्वालामुखी गतिविधि 1500 ईसा पूर्व की है। तब से अब तक यह 200 से अधिक बार फट चुका है।
- स्ट्रेटोवोलकानो को मिश्रित ज्वालामुखी भी कहा जाता है।
- इस ज्वालामुखीय स्थलाकृति की विशेषता एक शंक्वाकार आकृति है जो क्रमिक ज्वालामुखी विस्फोटों के दौरान जमा ज्वालामुखीय पदार्थ की परतों से बनती है।
- ज्वालामुखी स्थानिक वनस्पतियों और जीवों सहित महत्वपूर्ण स्थलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों का भी समर्थन करता है।
- एटना विभिन्न तरीकों से फूटा है, जिसमें जबरदस्त विस्फोट और बड़े पैमाने पर लावा प्रवाह शामिल हैं।

MUST READ: [Mt. Mauna Loa](#)

SOURCE: [BBC](#)

### सिल्कयारा सुरंग

संदर्भ: हाल ही में, सिल्कयारा सुरंग बचाव अभियान अपने 16वें दिन में चला गया।

पृष्ठभूमि:-

- उत्तरकाशी-यमनोत्री मार्ग पर स्थित सिल्कयारा टनल में मजदूरों के फंसने से यह हादसा हुआ।
- यह घटना सिल्कयारा की ओर के प्रवेश द्वार से लगभग 270 मीटर की दूरी पर हुआ।
- राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF), राज्य आपदा राहत बल (SDRF) और पुलिस बहु-एजेंसी बचाव कार्यों में मुख्य लोगों में से हैं।

इस सुरंग के बारे में:-

- स्थान: उत्तराखंड
- इस सुरंग की कुल लंबाई 4.5 किमी है।

- इसका उद्देश्य सिल्क्यारा को उत्तरकाशी जिले के डंडाल गांव से जोड़ना है।
- डबल-लेन सुरंग को चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत सबसे लंबी सुरंगों में से एक माना जाता है।
- इसका लक्ष्य उत्तरकाशी से यमुनोत्री धाम तक की यात्रा को 26 किलोमीटर कम करना है।
- सिल्क्यारा की ओर से 2.3 किमी सुरंग का निर्माण किया गया है, जबकि बारकोट छोर से 1.6 किमी सुरंग का काम पूरा हो चुका है।
- इस सुरंग के लगभग 400 मीटर हिस्से का निर्माण अभी बाकी है।
- सिल्क्यारा सुरंग चार धाम परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग के ब्रह्मखाल-यमुनोत्री खंड पर सिल्क्यारा और डंडालगांव के बीच चल रहे निर्माण का हिस्सा है।
  - चार धाम परियोजना: यह दिसंबर 2016 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य चार धाम के चार तीर्थ स्थलों-केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाना है।

**MUST READ:** [Char Dham Highways](#)

**SOURCE:** [TIMES OF INDIA](#)

### न्यूजीलैंड

**संदर्भ:** हाल ही में क्रिस्टोफर लक्सन ने न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली।

**पृष्ठभूमि:-**

- शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता गवर्नर जनरल सिंडी कियो ने की।

**न्यूजीलैंड के बारे में:-**



**IMAGE SOURCE:** [Nations Online](#)

- यह दक्षिण प्रशांत महासागर में एक द्वीप देश है, जो पोलिनेशिया का दक्षिण-पश्चिमी भाग है।
- यह अपने निकटतम पड़ोसी ऑस्ट्रेलिया से 1,000 मील (1,600 किमी) दक्षिण-पूर्व में स्थित है।
- इस देश में दो मुख्य द्वीप शामिल हैं - उत्तरी और दक्षिणी द्वीप - और कई छोटे द्वीप, उनमें से कुछ मुख्य समूह से सैकड़ों मील दूर हैं।
- इसकी राजधानी वेलिंग्टन है।
- इस देश का ऑकलैंड का सबसे बड़ा शहरी क्षेत्र है।
- न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप के बीच में पर्वत श्रृंखलाओं की एक 'रीढ़ (spine)' है, जिसके दोनों ओर हल्की ढलान वाली कृषि भूमि है।
- मध्य उत्तरी द्वीप पर ज्वालामुखीय पठार का प्रभुत्व है, जो एक सक्रिय ज्वालामुखीय और थर्मल क्षेत्र है।
- विशाल दक्षिणी आल्प्स दक्षिण द्वीप की रीढ़ है। दक्षिणी आल्प्स के पूर्व में ओटागो और साउथलैंड के घुमावदार खेत और विशाल, सपाट कैंटरबरी मैदान हैं।

**भारत-न्यूजीलैंड संबंध:-**

- ऐतिहासिक संबंध: भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक, मैत्रीपूर्ण और बढ़ते संबंध हैं। हमारे संबंध 1800 के दशक से चले आ रहे

हैं, 1850 के दशक में ही भारतीय क्राइस्टचर्च में बस गए थे।

- राजनीतिक संबंध: भारत और न्यूजीलैंड के बीच राष्ट्रमंडल, संसदीय लोकतंत्र और अंग्रेजी भाषा के संबंधों में निहित सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।
- आर्थिक संबंध: इंडिया एनजेड बिजनेस काउंसिल (आईएनजेडबीसी) और इंडिया एनजेड ट्रेड अलायंस (आईएनजेडटीए) दो प्रमुख संगठन हैं जो भारत-एनजेड व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।
- सांस्कृतिक संबंध: दिवाली, होली, रक्षाबंधन, बैसाखी, गुरुपर्व, ओणम, पोंगल आदि सहित सभी भारतीय त्योहार पूरे न्यूजीलैंड में बहुत उत्साह के साथ मनाए जाते हैं।

**अवश्य पढ़ें:** भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध

**SOURCE:** [AIR](#)

### मृत सागर

**संदर्भ:** हाल ही में, गाजा क्षेत्र से निकाले गए 400 बच्चों के लिए मृत सागर के पास एक नया स्कूल खोला गया।

**पृष्ठभूमि:-**

- गाजा में युद्ध शुरू होने के एक महीने बाद, इजराइल के शिक्षा मंत्री योव किश ने पहली से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए तामार क्षेत्रीय परिषद (मृत सागर के किनारे) में स्थापित पहले स्कूल का आधिकारिक उद्घाटन समारोह आयोजित किया, यह उनके लिए था जिनको युद्ध के समय घरों से निकाला गया था।

**मृत सागर के बारे में:-**

- मृत सागर दक्षिण-पश्चिमी एशिया में इजराइल और जॉर्डन के बीच भूमि से घिरी नमक की एक झील है।
- मृत सागर, जिसे साल्ट सी (Salt Sea) भी कहा जाता है।
- इसकी भूमि पर ऊंचाई सबसे कम है और यह दुनिया का सबसे निचला जल भंडार है। (वैश्विक समुद्र-स्तर में वृद्धि और प्रभाव)
- मृत सागर का जल सामान्य रूप से समुद्र के पानी की तुलना में लगभग दस गुना अधिक खारा है।
- यह लवणता एक कठोर वातावरण बनाती है जिसमें पौधे और जानवर नहीं पनप सकते, इसलिए इसका नाम है।
- यह भूमध्य सागर के पूर्व में और गलील सागर (Sea of Galilee) के दक्षिण में स्थित है।
- यह जॉर्डन रिफ्ट घाटी में स्थित है।
- यह मुख्य रूप से जॉर्डन नदी द्वारा पोषित होती है, जो उत्तर से झील में प्रवेश करती है।
- यह 306 मीटर गहरी है, जो दुनिया की सबसे गहरी अति लवणीय झील है।
- नैदानिक अध्ययनों से पता चला है कि इसका जल और कीचड़, जस्ता और ऑक्सीजन युक्त हवा की उच्च खनिज सांद्रता सोरायसिस (psoriasis) और अन्य त्वचा स्थितियाँ, अस्थमा, गठिया, उच्च रक्तचाप और अन्य सहित विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उपचार कर सकती है।

**MUST READ:** [Deep-Sea Mining](#)

**SOURCE:** [NEWSX](#)





## पर्यावरण और पारिस्थितिकी



### अरलम वन्यजीव अभयारण्य

**संदर्भ:** हाल ही में, संदिग्ध माओवादियों ने अरलम वन्यजीव अभयारण्य में वन निगरानीकर्ताओं पर खुली गोलीबारी की।

**पृष्ठभूमि:-**

- वन अधिकारियों के अनुसार, पांच संदिग्ध माओवादियों के एक समूह ने निगरानी करने वालों को देखकर आसमान की ओर गोलीबारी की, जिसके बाद माओवादी भाग गए और छिप गए।
- इससे कोई हताहत नहीं हुआ।

**अरलम वन्यजीव अभयारण्य के बारे में:-**

- क्षेत्रफल: लगभग 55 वर्ग किलोमीटर
- स्थान: केरल का उत्तरी भाग।
- यह पश्चिमी घाट में स्थित है।
- यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है जो अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है।
- अरलम वन्यजीव अभयारण्य आधिकारिक तौर पर वर्ष 1984 में स्थापित किया गया था।
- अभयारण्य पश्चिमी घाट क्षेत्र की विविध वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण के प्राथमिक उद्देश्य से बनाया गया था।
- अभयारण्य विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवरों की प्रजातियों का घर है, जिनमें कई स्थानिक और दुर्लभ प्रजातियाँ भी शामिल हैं।
- **वनस्पति:** इसमें पश्चिमी तट के उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन, पश्चिमी तट के अर्ध-सदाबहार वन, दक्षिण भारतीय नम पर्णपाती वन, दक्षिणी पहाड़ी की चोटी पर सदाबहार वन और यहां तक कि वृक्षारोपण भी शामिल है।
- **फ़्लोरा:** आर्टोकार्पस हेटरोफिलस (कटहल), बिशोफिया जावानिका (बिस्कोफिया पेड़), कैलोफिलम एलाटम (मरमंजल), कैनेरियम स्ट्रिक्टम (ब्लैक डैमर) आदि।
- **जीव-जंतु:** हाथी, बाघ, तेंदुए, मालाबार विशाल गिलहरियाँ, भौंकने वाले हिरण, और विभिन्न पक्षी प्रजातियाँ पाई जाती है।
  - यह अभयारण्य अपनी तितली विविधता और तितली प्रवास के लिए जाना जाता है जिसे दिसंबर में देखा जा सकता है।

**अवश्य पढ़ें:** मुदमलाई टाइगर रिजर्व

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### हाथी गलियारा

**संदर्भ:** हाल ही में विशेषज्ञों ने केंद्र सरकार द्वारा भारत के हाथी गलियारों पर प्रकाशित रिपोर्ट में कई विसंगतियों को उजागर किया है।

**पृष्ठभूमि:-**

- विशेषज्ञ का कहना है कि हाथी गलियारे की रिपोर्ट विसंगतियों से ग्रस्त है, जिससे इंसानों के साथ संघर्ष बढ़ सकता है।

**हाथी गलियारों के बारे में:-**

- हाथी गलियारे संकीर्ण और अक्सर रैखिक मार्ग होते हैं जो हाथी को उपयुक्त और सुरक्षित प्राकृतिक आवासों में जाने में सक्षम बनाते हैं।
- एशियाई हाथियों की लंबी अवधि की स्वभाव के कारण, उन्हें व्यापक पोषण संबंधी आवश्यकता होती है, जिसके लिए उपयुक्त आवासों से संपर्क की आवश्यकता होती है।
- इसके अतिरिक्त, प्रजातियों की जनसंख्या बायोलॉजी और आनुवंशिकी प्रजातियों की दीर्घकालिक व्यवहार्यता के लिए आबादी में अबाधित जीन प्रवाह की गारंटी देती है।
- आज एशिया में अधिकांश हाथियों के आवासों के खंडित परिदृश्य में, गलियारे पोषण, जनसांख्यिकीय और आनुवंशिक जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- ये गलियारे अक्सर मानव बस्तियों से घिरे होते हैं, जिससे जब हाथी इन क्षेत्रों से गुजरते हैं तो मानव-हाथी संघर्ष होते हैं।

**महत्व:-**

- इन गलियारों का महत्व इस तथ्य में निहित है कि उनमें से 69.3% का उपयोग हाथियों द्वारा नियमित रूप से, या तो पूरे वर्ष या मौसमी

रूप से किया जाता है, और 24.7% का उपयोग कभी-कभी किया जाता है।

- इनमें से कई गलियारे उच्च पारिस्थितिक महत्व के हैं, क्योंकि वे हाथियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाते हैं और इन स्तनधारियों की स्वस्थ आबादी को बनाए रखने में मदद करते हैं।

#### हाथी गलियारों की सुरक्षा के तरीके:-

- हाथी गलियारों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए, आवास के और अधिक विखंडन और मानव-हाथी संघर्षों में वृद्धि को रोकने के लिए कानूनी सुरक्षा उपाय आवश्यक हैं।
- राज्य सरकारें इन गलियारों को राज्य हाथी गलियारों के रूप में सीमांकित और नामित करने का बीड़ा उठा सकती हैं, जिससे उन्हें वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम जैसे प्रासंगिक कानूनों के तहत कानूनी सुरक्षा मिल सकेगी।
- इसके अलावा, गलियारे की भूमि पर स्थानीय निर्भरता को कम करने, संभावित रूप से उन्हें ग्राम रिजर्व वन या सामुदायिक रिजर्व में बदलने के लिए स्थानीय समुदायों और सरकारों के साथ जुड़ना आवश्यक है।

#### हाथियों के बारे में:-

- हाथी प्रमुख प्रजाति हैं।
- ये भारत के प्राकृतिक विरासत पशु हैं।
- भारत में जंगली एशियाई हाथियों की संख्या सबसे अधिक है।
- भारत में हाथियों की सबसे अधिक आबादी कर्नाटक में है।

#### सुरक्षा की स्थिति:-

- संकटग्रस्त प्रजाति के आईयूसीएन लाल सूची:-
  - एशियाई हाथी: लुप्तप्राय (हाथी संरक्षण)
  - अफ्रीकी वन हाथी: गंभीर रूप से लुप्तप्राय
  - अफ्रीकी सवाना हाथी: लुप्तप्राय
- प्रवासी प्रजातियों का कन्वेंशन (सीएमएस): परिशिष्ट I
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची

अवश्य पढ़ें: नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व में लुप्तप्राय एशियाई हाथी

SOURCE: [DOWN TO EARTH](#)

#### केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

**संदर्भ:** हाल ही में, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के लंबे समय तक संपर्क में रहने से बच्चे श्वसन संबंधी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं।

#### पृष्ठभूमि:-

- राष्ट्रीय राजधानी में PM10 और PM2.5 का स्तर सामान्य स्तर से 5 गुना अधिक है।

#### केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के बारे में:-

- स्थापित: वर्ष 1974 में
- मंत्रालय: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1974 के तहत स्थापित एक वैधानिक संगठन है।
- इसे वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1981 के तहत शक्तियां और कार्य दिए गए।
- यह एक क्षेत्रीय गठन के रूप में कार्य करता है और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 प्रावधानों के अनुरूप पर्यावरण और वन मंत्रालय को तकनीकी सेवाएं प्रदान करता है।
- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974, और वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 में परिभाषित इसकी प्राथमिक भूमिकाओं में शामिल हैं: (वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए पहल और उपाय)
  - जल प्रदूषण को रोकने, नियंत्रित करने और कम करके विभिन्न क्षेत्रों में जलधाराओं और कुओं की स्वच्छता को बढ़ावा देना।
  - वायु गुणवत्ता को बढ़ाना और देश भर में वायु प्रदूषण को रोकना, नियंत्रित करना या कम करना।

### राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय बोर्ड के कार्य:-

- जल और वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण तथा वायु की गुणवत्ता में सुधार से संबंधित किसी भी मामले पर केंद्र सरकार को सलाह देना।
- राज्य बोर्ड की गतिविधियों का समन्वय करना और उनके बीच विवादों का समाधान करना।
- राज्य बोर्डों को तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करना, जांच और शोध और प्रायोजित करना।
- जल और वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण या कमी पर कार्यक्रम में लगे व्यक्तियों के प्रशिक्षण की योजना बनाना और व्यवस्थित करना।
- जनसंचार माध्यमों के माध्यम से जल और वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण या कमी पर एक व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना;

### केंद्र शासित प्रदेशों के लिए राज्य बोर्ड के रूप में केंद्रीय बोर्ड के कार्य:-

- किसी भी उद्योग को चलाने के लिए किसी भी परिसर या स्थान की उपयुक्तता के संबंध में केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को सलाह देना, जिससे किसी जलधारा या कुएं के प्रदूषित होने या वायु प्रदूषण होने की संभावना हो।
- सीवेज और व्यापार अपशिष्टों के उपचार और ऑटोमोबाइल, औद्योगिक संयंत्रों और किसी भी अन्य प्रदूषणकारी स्रोत से उत्सर्जन के लिए मानक निर्धारित करना।
- भूमि पर सीवेज और व्यापारिक अपशिष्टों के निपटान के लिए कुशल तरीके विकसित करना; सीवेज, व्यापार अपशिष्ट और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के उपचार के विश्वसनीय और आर्थिक रूप से व्यवहार्य तरीकों का विकास करना।
- केंद्र शासित प्रदेशों के भीतर किसी भी क्षेत्र या क्षेत्रों को वायु प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्रों या वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत अधिसूचित किए जाने वाले क्षेत्रों के रूप में पहचानना।
- परिवेशीय जल और वायु की गुणवत्ता का आकलन करना, और उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और वायु एवं जल प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और कमी के लिए कदम उठाने के लिए अपशिष्ट जल उपचार प्रतिष्ठानों, वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, औद्योगिक संयंत्रों या विनिर्माण प्रक्रियाओं का निरीक्षण करना।

**अवश्य पढ़ें:** वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM)

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### अनुकूलन गैप रिपोर्ट, 2023

**संदर्भ:** हाल ही में अनुकूलन गैप रिपोर्ट 2023 जारी की गई।

### रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:-

- सार्वजनिक बहुपक्षीय (जैसे विश्व बैंक) और द्विपक्षीय स्रोतों (एक विकसित से विकासशील देश की ओर) से जलवायु अनुकूलन वित्त प्रवाह 2021 में 15 प्रतिशत घटकर लगभग 21 बिलियन डॉलर हो गया।
- यह उन प्रतिज्ञाओं के बावजूद है जो ग्लासगो में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन में पार्टियों के 26 वें सम्मेलन में 2019 अनुकूलन वित्त सहायता को 2025 तक प्रति वर्ष लगभग 40 बिलियन डॉलर तक दोगुना करने के लिए की गई थीं।
- अनुकूलन वित्त गैप बढ़ रहा है।
- अनुकूलन वित्त की आवश्यकताएँ वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक अनुकूलन वित्त प्रवाह की तुलना में 10-18 गुना अधिक हैं।
- विकासशील देशों के लिए अनुमानित अनुकूलन लागत और ज़रूरतें पिछले अनुमानों की तुलना में काफी अधिक हैं, इस दशक में प्रति वर्ष 215 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 387 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संभावित केंद्रीय सीमा है।
- जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के छह में से पांच दलों ने कम से कम एक राष्ट्रीय अनुकूलन योजना, रणनीति या नीति स्थापित की है, और उनमें से आधे से भी कम के पास दो या अधिक राष्ट्रीय उपकरण हैं, जो प्रारंभिक उपकरणों को बदलने या अद्यतन करने का काम करते हैं।
- अनुकूलन योजना और कार्यान्वयन स्थिर प्रतीत होता है।

### अनुकूलन गैप रिपोर्ट 2023 के बारे में:-

- द्वारा प्रकाशित: UNEP
- यह एक वार्षिक UNEP फ्लैगशिप प्रकाशन है।
- यह 2014 से प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जा रहा है।

- **उद्देश्य:** UNFCCC सदस्य देशों के वार्ताकारों और व्यापक UNFCCC निर्वाचन क्षेत्र को वैश्विक और क्षेत्रीय स्तरों पर जलवायु अनुकूलन की स्थिति और रुझानों के बारे में सूचित करना।
- यह इन जलवायु अनुकूलन प्रयासों को तेज करने के विकल्पों की खोज करता है।
- AGR UNEP, UNEP कोपेनहेगन जलवायु केंद्र (UNEP-CCC) और विश्व अनुकूलन विज्ञान कार्यक्रम (WASP) द्वारा सह-निर्मित है।
- UNEP की अन्य प्रमुख रिपोर्ट:-
  - उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट, वैश्विक पर्यावरण आउटलुक

**अवश्य पढ़ें:** जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना

**SOURCE:** [DOWN TO EARTH](#)

### पैनकोरियस सेबेस्टियानी

**संदर्भ:** हाल ही में जंपिंग स्पाइडर की एक नई प्रजाति 'पैनकोरियस सेबेस्टियानी' की खोज की गई है।

**पृष्ठभूमि:-**

- इसकी खोज पश्चिमी घाट से की गई है।

**पैनकोरियस सेबेस्टियानी के बारे में:-**

- **नामकरण:** इसका नाम दिवंगत स्पाइडर टैक्सोनोमिस्ट पी.ए.सेबेस्टियन के नाम पर पैनकोरियस सेबेस्टियानी रखा गया है।
- **वितरण:** दक्षिण पूर्व एशिया।
  - अब तक इसका वितरण भारत में पूर्व और उत्तरपूर्वी क्षेत्रों तक ही सीमित था।
- नई प्रजाति सबसे पहले दक्षिण से रिपोर्ट की गई है।
- नर और मादा लाल भूरे रंग का आवरण प्रदर्शित करते हैं।
- इनका पेट पीले रंग का होता है जिस पर काले धब्बे और पोस्टरोमेडियल रूप से शेवरॉन के आकार के निशान होते हैं।
- यह जंपिंग स्पाइडर जीनस पैनकोरियस साइमन और साल्टिसिडे परिवार से संबंधित है।
- केवल दो राज्यों, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में साल्टिसिडे प्रजातियों की उच्च संख्या की सूचना मिली है, जबकि पश्चिमी घाट और पूर्वोत्तर भारत जैसे जैव विविधता वाले हॉटस्पॉटों सहित अन्य राज्यों में अपेक्षाकृत कम संख्या में प्रजातियां हैं।

**MUST READ:** [Six spider species discovered](#)

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### अवौस मोटला (Awaous Motla)

**संदर्भ:** शोधकर्ताओं ने ओडिशा की महानदी में मीठे पानी की मछली की नई प्रजाति 'अवौस मोटला' की खोज की।

**पृष्ठभूमि:-**

- वैज्ञानिकों के एक समूह ने पाया है कि पश्चिमी ओडिशा के बाजारों में बिक रही ताजा पानी की खाने योग्य मछली वास्तव में एक अपंजीकृत प्रजाति है।
- बरहामपुर विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग और भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई), गोपालपुर द्वारा शुरू की गई एक परियोजना के प्रमुख अन्वेषक प्रोफेसर जया किशोर सेठ ने कहा, नई प्रजाति का नाम 'अवौस मोटला' रखा गया।

**अवौस मोटला के बारे में:-**

- यह प्रजाति 'अवाउस' (ऑक्सुडेसिडे) परिवार से संबंधित है।
- इस प्रकार इसका नाम अवौस मोटला रखा गया है।
- मछली का शरीर जीवंत पीले रंग का और मांसल ऊपरी होंठ वाला होता है।
- सोनपुर क्षेत्र के मछुआरों ने मछली का नाम 'मोटला' रखा है।
- प्राणी विज्ञानी ने कहा कि मछली का सेवन ताजी और सूखी दोनों तरह से किया जाता है।
- स्थानीय मछुआरे 'मोटला' को 600 रुपये प्रति किलो और सूखने पर 800 रुपये प्रति किलो बेचते हैं।
- अन्य बातों के अलावा, इसके प्रवासन पैटर्न और पोषण मूल्य का पता लगाने के लिए दीर्घकालिक शोध की आवश्यकता है, जिसके

कारण इसकी कीमत कई अन्य स्थानीय रूप से उपलब्ध मछलियों से अधिक है।

- इसकी खोज महानदी नदी से की गई थी।
- यह भारत में पूर्व की ओर बहने वाली प्रमुख प्रायद्वीपीय नदियों में से एक है।
- यह नदी छत्तीसगढ़ राज्य के धमतरी जिले में सिहावा पर्वत श्रृंखला से निकलती है।

**MUST READ:** [Zebrafish](#)

**SOURCE:** [TIMES OF INDIA](#)

### अल्कलस फॉन्टिनालिस

**संदर्भ:** शोधकर्ताओं ने हाल ही में पूर्वोत्तर भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में एक नई प्रजाति अल्कलस फॉन्टिनालिस की खोज की है।

**पृष्ठभूमि:-**

- नई प्रजातियों की पहचान आणविक, रूपात्मक और अस्थिवैज्ञानिक विशेषताओं पर आधारित है।

**एल्केलस फॉन्टिनालिस के बारे में:-**

- इस मेंढक को औपचारिक रूप से अल्कलस फॉन्टिनालिस नाम दिया गया था, जिसका अर्थ है "स्प्रिंग या फाउंटेन", जो उन छोटी नदियों या झरनों को संदर्भित करता है जहां यह मेंढक अरुणाचल प्रदेश में पाए जाते थे।
- इनकी खोज नामदाफा टाइगर रिजर्व, अरुणाचल प्रदेश में की गई थी।
- रूपात्मक विशेषताओं के अनूठे संयोजन के कारण यह नई प्रजाति अपने जन्मदाताओं से अलग दिखती है।
- इन प्रजातियों के नर में थूथन-वेंट की लंबाई 27-28 मिमी और मादा में 29.9-36.2 मिमी शामिल है।
- इसमें पृष्ठीय सतह पर क्षैतिज/अनुप्रस्थ खांचे के साथ उंगलियों और पैर की उंगलियों पर एक डिस्क होती है।
- इसकी पृष्ठीय त्वचा झुर्रीदार होती है।
- इनकी पीठ पर हल्की पृष्ठीय धारियों की एक जोड़ी होती है।
- नई प्रजाति माइटोकॉन्ड्रियल जीन खंड 12S-tVal-16S rRNA (1533 बेस जोड़े) में 7.6-25.4% का डीएनए अनुक्रम विचलन भी प्रदर्शित करती है, जो इसे इसके जन्मदाताओं से अलग करती है।
- यह मेंढक झाड़ीदार मेंढक और पानी वाले मेंढक का मिश्रण प्रतीत होता है।

**महत्व:-**

- अल्कलस फॉन्टिनालिस की खोज भारत-बर्मा क्षेत्र में जैव विविधता की हमारी समझ में महत्वपूर्ण योगदान देती है।
- यह खोज विज्ञान के लिए नई प्रजाति और भारत से एक नई जीनस की रिपोर्ट करती है। (कलिंगा मेंढक में रूपात्मक फेनोटाइपिक प्लास्टिसिटी)

**जरूर पढ़ें:** अंडमान में मेंढक की नई प्रजाति मिली

**SOURCE:** [GROUND REPORT](#)

### भारतीय साही (INDIAN PORCUPINE)

**संदर्भ:** हाल ही में, तमिलनाडु में एक भारतीय साही ने एक वयस्क नर बाघ को मार डाला।

**पृष्ठभूमि:-**

- हाल ही में नर बाघ तमिलनाडु में स्थित तिरुपुर वन प्रभाग में कजुधाकट्टी धारा में मृत पाया गया था।

**भारतीय साही के बारे में:-**

- वैज्ञानिक नाम: हिस्ट्रिक्स इंडिका
- साही बड़े, कांटेदार कृतक होते हैं।
- नुकीले कांटे या पंख वाले उनके कोट उन्हें शिकार से रक्षा करते हैं।
- वे सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले कृतक हैं।
- साही में रक्षात्मक व्यवहार का प्रदर्शन दृष्टि, गंध और आवाज पर निर्भर करता है।
- इंडियन क्रेस्टेड साही भारत में सबसे बड़ा कृतक है और भारतीय उपमहाद्वीप में व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
- ये पूरे दक्षिण-पूर्व और मध्य एशिया और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं, जिसमें भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका,

पाकिस्तान, इजराइल, ईरान और सऊदी अरब जैसे देश शामिल हैं।

- यह मुख्य रूप से चट्टानी पहाड़ियों पर रहते हैं, लेकिन उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण झाड़ियों, घास के मैदानों और जंगलों में भी पाए जाते हैं।

**सुरक्षा की स्थिति:-**

- IUCN लाल सूची: कम चिंताग्रस्त
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972: अनुसूची IV

**अवश्य पढ़ें:** एटेलोपस या हार्लेक्विन फ्रॉग

**SOURCE:** [ECONOMIC TIMES](#)

## बाघ

**संदर्भ:** हाल ही में, बाघों की कुल आबादी में 60% की वृद्धि हुई है।

**पृष्ठभूमि:-**

- निवास स्थान और जैव विविधता के नुकसान से दक्षिण पूर्व एशियाई बड़ी बिल्लियों को खतरा है।

**इनके बारे में:-**

- वैज्ञानिक नाम: पैंथेरा टाइग्रिस।
- भारतीय उप-प्रजातियाँ: पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस।
- वजन: 220-660 पाउंड।
- लंबाई: 6-10 फीट।
- पर्यावास: उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना।
- यह बिल्ली की सबसे बड़ी प्रजाति है और पैंथेरा जीनस का सदस्य है।
- वितरण: यह साइबेरियाई समशीतोष्ण जंगलों से लेकर भारतीय उपमहाद्वीप और सुमात्रा पर उपोष्णकटिबंधीय एवं उष्णकटिबंधीय जंगलों तक पाया जाता है।
- परंपरागत रूप से बाघों की आठ उप-प्रजातियों को मान्यता दी गई है, जिनमें से तीन विलुप्त हो चुकी हैं।
  - बंगाल टाइगर्स: भारतीय उपमहाद्वीप
  - कैस्पियन बाघ: मध्य और पश्चिम एशिया के माध्यम से तुर्की (विलुप्त)
  - अमूर बाघ: रूस और चीन के अमूर नदी क्षेत्र और उत्तर कोरिया
  - जावन बाघ: जावा, इंडोनेशिया (विलुप्त)
  - दक्षिण चीन बाघ: दक्षिण मध्य चीन
  - बाली बाघ: बाली, इंडोनेशिया (विलुप्त)
  - सुमात्रन बाघ: सुमात्रा, इंडोनेशिया
  - भारत-चीनी बाघ: महाद्वीपीय दक्षिण-पूर्व एशिया।
- मां और संतान के बीच संबंधों के अलावा, बाघ ज्यादातर अकेले रहते हैं।
- बाघ, साही सहित कुछ छोटे जैसे जानवरों को छोड़कर हिरण और जंगली सूअर जैसे बड़े शिकार वाले जानवरों को खाते हैं।
- **खतरा:-** आवास क्षेत्र का विनाश, आवास विखंडन और अवैध शिकार।

**संरक्षण की स्थिति:**

- भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची I
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) लाल सूची: लुप्तप्राय।
- वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परिशिष्ट I

**MUST READ:** [Tiger Estimation](#)

**SOURCE:** [DOWN TO EARTH](#)

## वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन फॉर एनिमल हेल्थ

**संदर्भ:** नई दिल्ली विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) द्वारा विश्व पशु स्वास्थ्य पर 33वें सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

**पृष्ठभूमि:-**

- सम्मेलन में भारत सहित 36 सदस्य देशों के प्रतिनिधि, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी और निजी क्षेत्र तथा निजी पशु चिकित्सा संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

**परिचय:-**

- स्थापित: वर्ष 1924 में
- मुख्यालय: पेरिस
- सदस्य: वर्ष 2018 में कुल 182 सदस्य देश
- उद्देश्य: एपिज़ूटिक रोगों को नियंत्रित करना और इस प्रकार उनके प्रसार को रोकना।
- अन्य उद्देश्यों में पारदर्शिता, साइंटिफिक जानकारी, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता, स्वच्छता सुरक्षा, पशु चिकित्सा सेवाओं को बढ़ावा देना, खाद्य सुरक्षा और पशु कल्याण शामिल हैं।
- विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH), पशु रोग नियंत्रण का समन्वय, समर्थन और प्रचार करने वाला एक अंतर-सरकारी संगठन है।
- यह पहले ऑफिस इंटरनेशनल डेस एपिज़ूटीज़ (ओआईई) था।
- इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा एक संदर्भ संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- WOAH संयुक्त राष्ट्र प्रणाली पर निर्भर नहीं है, इसकी स्वायत्तता संस्थागत और वित्तीय दोनों है, और इसकी गतिविधियाँ इसके अपने संवैधानिक ग्रंथों द्वारा शासित होती हैं।
- WOAH को विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा एक संदर्भ संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त है और वर्ष 2022 में कुल 182 सदस्य देश शामिल हुए।
- इसका नया सदस्य राष्ट्र सेंट लूसिया है।
- WOAH 45 अन्य अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों के साथ स्थायी संबंध बनाए रखता है और हर महाद्वीप पर इसके क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

**कार्य:-**

- **अंतर्राष्ट्रीय मानक स्थापित करना:** संगठन विभिन्न पशु रोगों के नियंत्रण और रोकथाम के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों और दिशानिर्देशों को विकसित तथा अपडेट करता है।
- **सूचना विनिमय:** यह पशु रोगों पर जानकारी के लिए एक वैश्विक संदर्भ बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो सदस्य देशों को बीमारी के प्रकोप और निगरानी पर जानकारी साझा करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।
- **क्षमता निर्माण:** OIE पशु रोगों के प्रबंधन और नियंत्रण के लिए सदस्य देशों को उनकी क्षमता निर्माण में सहायता करता है। इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, तकनीकी सहायता और पशु चिकित्सा सेवाओं की स्थापना शामिल है।
- **पशु चिकित्सा शिक्षा और शोध:** संगठन पशु रोगों की समझ और प्रबंधन में सुधार के लिए पशु स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में शोध और शिक्षा को बढ़ावा देता है।
- **आपातकालीन प्रतिक्रिया:** OIE सदस्य देशों को पशु रोग के प्रकोप के प्रबंधन और प्रतिक्रिया में सहायता करता है, जिसमें रोग नियंत्रण उपायों और संकट प्रबंधन पर मार्गदर्शन प्रदान करना शामिल है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** OIE वैश्विक स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा मुद्दों को संबोधित करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करता है।
- **अवश्य पढ़ें:** जलीय पशु रोगों के लिए राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम

SOURCE: [AIR](#)**पेंटब्रश स्विफ्ट तितली**

**संदर्भ:** हाल ही में, हिमाचल प्रदेश में पहली बार पेंटब्रश स्विफ्ट तितली की तस्वीर खींची गई।

**पृष्ठभूमि:-**

- हिमाचल प्रदेश राज्य भारत में पाई जाने वाली तितली प्रजातियों में से 25% का घर है; 2022 में राज्य वन विभाग द्वारा शुरू की गई जंगली भट्टियात परियोजना द्वारा तितलियों की 120 प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है।

**पेंटब्रश स्विफ्ट बटरफ्लाई के बारे में:-**

- इसका वैज्ञानिक नाम बाओरिस फ़ारी है।
- यह हेस्परिडी परिवार से संबंधित है।
- इस प्रजाति के लार्वा बांस और कुछ अन्य घास प्रजातियों को खाते हैं।
- ये पूर्वोत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में फैली हुई है।
- इनकी पहचान ऊपरी अग्र पंख कोशिका में दो अलग-अलग स्थानों के आधार पर की जाती है।
- पर्यावास के नुकसान और लार्वा मेजबान पौधों की कमी तितली की आबादी में गिरावट का प्रमुख कारण है।
- संरक्षण की स्थिति:-
  - वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची IV
- पेंटब्रश स्विफ्ट (बाओरिस फ़ारी) हेस्परिडे परिवार से संबंधित है और इसे 2022 में भट्टियाट वन रेंज द्वारा शुरू किए गए जंगली भट्टियाट परियोजना के तहत किए गए एक क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान देखा गया और इसकी फ़ोटो ली गई थी। (अटापका पक्षी अभयारण्य)

अवश्य पढ़ें: केरल बर्ड एटलस (KBA)

SOURCE: [THE HINDU](#)

### एटनबरो इकिडना

संदर्भ: हाल ही में, इंडोनेशिया में एक मायावी एटनबरो इकिडना को फिर से खोजा गया।

पृष्ठभूमि:-

- छह दशकों तक गायब रहने के बाद विलुप्त होने की आशंका वाली एक मायावी इकिडना को इंडोनेशिया के एक दूरदराज के हिस्से में फिर से खोजा गया है, इस अभियान में पेड़ पर रहने वाले झींगा की एक नई प्रजाति भी मिली।

एटनबरो इकिडना के बारे में:-

- एटनबरो की लंबी चोंच वाली इकिडना (Attenborough's long-beaked echidna) एक स्तनपायी (mammal) जीव है, जिसका नाम ब्रिटिश नेचुरलिस्ट डेविड एटनबरो के नाम पर रखा गया है।
- इसे आखिरी बार 1961 में देखा गया था।
- इकिडनास रात्रिचर और शर्मिले होते हैं, जिससे उन्हें सर्वोत्तम समय में ढूंढना मुश्किल हो जाता है।
- एटनबरो लंबी चोंच वाली इकिडना को इंडोनेशिया के पापुआ क्षेत्र के बेहद सुदूर साइक्लोप्स पर्वत के बाहर कभी भी दर्ज नहीं किया गया है।
- ये एक प्राचीन पशु वंश के अंतिम बचे अवशेष हैं।
- यह एक मोनोट्रीम है: अंडे देने वाले स्तनधारियों का एक क्रमिक रूप से अलग समूह जिसमें प्लैटिपस भी शामिल है।
- यह इकिडना प्रजाति इसलिए विशेष है क्योंकि यह मोनोट्रीम की केवल पांच शेष प्रजातियों में से एक है, यह इस जीव के पेड़ की उल्लेखनीय शाखा की एकमात्र संरक्षक है।

संरक्षण की स्थिति:-

- IUCN: गंभीर रूप से लुप्तप्राय

अवश्य पढ़ें: H5N1 वायरस/बर्ड फ़्लू

SOURCE: [THE HINDU](#)

### ओडोनाटा प्रजातियाँ

संदर्भ: मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में एक हालिया सर्वेक्षण में 50 ओडोनाटा प्रजातियों की पहचान की गई है।

पृष्ठभूमि:-

- हाल ही में मुदुमलाई टाइगर रिजर्व (एमटीआर) में शुरू हुए दो दिवसीय ओडोनाटा सर्वेक्षण के पहले दिन लगभग 50 ओडोनाटा (ड्रेगनफलीज़ सहित कीट क्रम) प्रजातियों की पहचान की गई थी।

ओडोनाटा प्रजाति के बारे में:-

- यह उड़ने वाले कीड़ों का एक समूह है जिसमें ड्रेगनफ़्लाइज़ और डैम्पफ़्लाइज़ शामिल हैं।
- ये विश्व स्तर पर फैले हैं, जिसमें उष्णकटिबंधीय क्षेत्र से लेकर साइबेरिया और उत्तरी अमेरिका के बोरीयल के जंगल शामिल हैं, जहां ये सबसे अधिक संख्या में और विविध हैं।



- यह कीड़ों के प्राचीन गणों में से एक है।
- ओडोनाटा एक विविध समूह है, जिसकी 6,000 से अधिक ज्ञात प्रजातियाँ हैं।
- सभी ओडोनाटा में जलीय लार्वा होते हैं जिन्हें नायड (निम्फ) कहा जाता है।
- उनमें से सभी, लार्वा और वयस्क, मांसाहारी हैं।
- वयस्क निकल सकते हैं लेकिन शायद ही कभी चल पाए।
- इनके पैर शिकार पकड़ने के लिए विशेष होते हैं।
- ये लगभग पूरी तरह से कीटभक्षी हैं।
- सबसे बड़ा जीवित ओडोनेट विशाल मध्य अमेरिकी हेलीकॉप्टर डैमसेल्फ मेगालोप्रेपस कोएरुलेटस है।
- इनके पेट लगभग हमेशा किसी भी पंख से अधिक लंबा होते हैं।
- इनके मस्तिष्क का 80% से अधिक भाग दृश्य जानकारी का विश्लेषण करने के लिए समर्पित है।
- ये दिन में सक्रिय और अक्सर आकर्षक रंग वाले, और अधिकतर पानी के पास उड़ते हुए देखे जाते हैं। (भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII))

अवश्य पढ़ें: ब्लैक बक

SOURCE: [THE NEW INDIAN EXPRESS](#)

#### माइसेना क्लोरोफोस

संदर्भ: एक दुर्लभ बायोलुमिनसेंट मशरूम, माइसेना क्लोरोफोस को हाल ही में देखा गया।

पृष्ठभूमि:-

- **संदर्भ का दृष्टिकोण:** हाल ही में शोधकर्ताओं और वन विभाग की एक टीम को कन्याकुमारी वन्यजीव अभयारण्य (केकेडब्ल्यूएलएस) में एक दुर्लभ बायोलुमिनसेंट मशरूम मिला है।

माइसेना क्लोरोफोस के बारे में:-

- माइसेना क्लोरोफोस माइसेनेसी परिवार में एगारिक कवक की एक प्रजाति है।
- इसका वर्णन पहली बार 1860 में किया गया था।
- यह कवक भारत, जापान, ताइवान, पोलिनेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील सहित उपोष्णकटिबंधीय एशिया में पाया जाता है।
- जापान में, इस मशरूम को याकोह-टेक, या "नाइट-लाइट मशरूम" के रूप में जाना जाता है।
- बोनिन द्वीप समूह में इसे "ग्रीन पेपे" कहा जाता है।
- इसका कैप शंक्वाकार या चपटी होता है।
- यह मृतपोषी है।
- यह एक बायोलुमिनसेंट कवक है।
- विश्व में बायोलुमिनसेंट कवक की लगभग 103 प्रजातियाँ हैं, जिनमें से सात भारत में पाई जाती हैं।

अवश्य पढ़ें : औषधीय कवक

MUST READ: [Medicinal Fungi](#)

SOURCE: [THE NEW INDIAN EXPRESS](#)

#### लेमरू हाथी गलियारा (LEC)

संदर्भ: केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने हाल ही में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के लेमरू एलिफेंट कॉरिडोर (एलईसी) और उसके आसपास के 40 कोयला ब्लॉकों की नीलामी नहीं की जाएगी।

पृष्ठभूमि:-

- मंत्रालय ने कहा कि राज्य सरकार के अनुरोध पर एलईसी से परे के क्षेत्रों को भी खनन से छूट देने पर विचार किया गया है।

लेमरू हाथी रिजर्व के बारे में:-

- स्थान: छत्तीसगढ़ का कोरबा जिला।

- रिजर्व का उद्देश्य मानव-पशु संघर्ष और संपत्ति के विनाश को कम करना है।
- इसके अतिरिक्त इसका उद्देश्य हाथियों को स्थायी आवास प्रदान करना है।
- इससे पहले, राज्य सरकार ने अक्टूबर 2020 में वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (डब्ल्यूएलपीए) की धारा 36 ए के तहत रिजर्व (संरक्षण रिजर्व) को अधिसूचित किया था।
- यह रिजर्व हाथी गलियारे का हिस्सा है जो लेमरू (कोरबा), बादलखोल (जशपुर) और तमोरपिंगला (सरगुजा) को जोड़ता है।

#### भारत में हाथी अभयारण्य:-

- देश में 33 अधिसूचित हाथी रिजर्व (ईआर) हैं, जो 14 राज्यों में फैले हुए हैं।

#### महत्व:-

- उत्तरी छत्तीसगढ़ अकेले 240 से अधिक हाथियों का घर है।
- पिछले 20 वर्षों में इस राज्य में 150 से अधिक हाथियों की मौत हुई है, जिनमें जून और अक्टूबर 2020 के बीच 16 हाथियों की मौत शामिल है।

अवश्य पढ़ें: नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व में लुप्तप्राय एशियाई हाथी

SOURCE: [HINDUSTAN TIMES](https://www.hindustantimes.com)

#### लॉड्राकॉन कार्स्टिकोला

**संदर्भ:** हाल ही में, प्रभावशाली छलावरण क्षमताओं वाली एक नई 'ड्रेगन छिपकली' प्रजाति (लॉड्राकॉन कार्स्टिकोला) दक्षिण पूर्व एशिया में पाई गई थी।

#### पृष्ठभूमि:-

- जीवविज्ञानियों, पशु प्रबंधन विशेषज्ञों, आनुवंशिकीविदों और वानिकी प्रबंधकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने लाओस में "ड्रेगन छिपकली" की एक नई प्रजाति की खोज की है - जो बहुत प्रभावशाली छलावरण क्षमताओं वाली है।

#### लॉड्राकॉन कार्स्टिकोला के बारे में:-

- इस नई खोजी गई प्रजाति का नाम लॉड्राकॉन कार्स्टिकोला या खम्मौने कार्स्ट ड्रेगन है।
- इसकी पहली बार खोज अगस्त 2022 में हुई थी, जब पौधों का सर्वेक्षण कर रही एक वनस्पतिशास्त्री टीम ने पास के कार्स्ट चट्टानों पर एक "असामान्य" दिखने वाली छिपकली देखी थी।
- खम्मौने कार्स्ट ड्रेगन को "मध्यम आकार" माना जाता है, जिसकी लंबाई लगभग 1 फुट (लगभग 30 सेंटीमीटर) होती है।
- इसमें एक त्रिकोणीय सिर, लंबे और पतले उपांग उपांग (Appendage), साथ ही नीली-भूरी आंखें और मोटे तौर पर बनावट वाले स्केल होते हैं।
- इनका शरीर काला होता है, पीठ पर कुछ बड़ी सफेद धारियां होती हैं एवं सिर और अंगों के बाकी हिस्सों पर सफेद रंग के धब्बे होते हैं।
- इनका पेट और गले के नीचे का स्थान नीले रंग का होता है।
- छिपकलियों का मुख्य आहार चींटियाँ शायद होती है।
- इनमें असाधारण छलावरण क्षमताएं होती हैं।
- यह मुख्य भूमि एशियाई उपपरिवार ड्रेकोनिने से संबंधित है।
- इस उपपरिवार में लगभग 256 प्रजातियाँ शामिल हैं जो पूरे एशिया में रहती हैं।
- स्थानीय लोगों ने छिपकलियों को "दुर्लभ" बताया, जो दोपहर में सबसे अधिक सक्रिय होती हैं और पूरी तरह से चट्टानों तक ही सीमित होती हैं।

अवश्य पढ़ें: भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)

SOURCE: [PHYS.ORG](https://www.phys.org)

#### ओजोन

**संदर्भ:** हाल की रिपोर्टों से पता चलता है कि ओजोन छिद्र अंततः ठीक नहीं हो सकता है।

#### पृष्ठभूमि:-

- नए शोध से पता चला है कि घातक सौर विकिरण से पृथ्वी की सुरक्षा को कमजोर करने वाले रसायनों पर वैश्विक प्रतिबंध के बावजूद, पिछले दो दशकों में अंटार्कटिक ओजोन परत में व्होल मध्य वसंत में गहरा होता जा रहा है।

### ओजोन के बारे में:-

- ओजोन ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से बनी एक गैस है।
- यह प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों उत्पाद है।
- यह पृथ्वी के समतापमंडल और क्षोभमंडल में होता है।
- स्ट्रैटोस्फेरिक ओजोन प्राकृतिक रूप से आणविक ऑक्सीजन (O<sub>2</sub>) के साथ सौर पराबैंगनी (यूवी) विकिरण के इंटरैक्शन द्वारा बनता है।
- ओजोन प्राकृतिक रूप से समताप मंडल में उत्पन्न होता है।
- लेकिन यह ओजोन धीरे-धीरे मानव निर्मित रसायनों द्वारा नष्ट हो रहा है जिन्हें ओजोन-घटाने वाले पदार्थ (ओडीएस) कहा जाता है, जिसमें क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी), हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (एचसीएफसी), हेलोन्स, मिथाइल ब्रोमाइड, कार्बन टेट्राक्लोराइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म शामिल हैं।

### ओजोन परत क्षरण के प्रभाव:-

- इसके परिणामस्वरूप मनुष्यों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जिनमें त्वचा की स्थिति, कैंसर, सनबर्न, मोतियाबिंद, तेजी से उम्र बढ़ना और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली शामिल हैं।
- जो जानवर सीधे यूवी प्रकाश के संपर्क में आते हैं उनमें त्वचा और आंखों का कैंसर विकसित हो जाता है।
- तेज यूवी विकिरण पौधों को बढ़ने, खिलने या प्रकाश संश्लेषण करने से रोकती है।
- हानिकारक पराबैंगनी किरणों के संपर्क में आने से प्लवक बहुत प्रभावित होते हैं।

### जमीनी स्तर पर ओजोन प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए किये गये प्रयास:-

- बीएस-VI मानकों को अपनाना
- दिल्ली के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) दिसंबर 2016 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा तैयार किया गया था।
  - पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण (ईपीसीए) इसके कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी है।
  - इसका उद्देश्य ओजोन प्रदूषण सहित दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता को खराब होने से रोकना है।
- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी): सरकार ने ओजोन प्रदूषण सहित 102 गैर-प्राप्ति शहरों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए यह अभियान शुरू किया।

अवश्य पढ़ें: ओजोन छिद्र का संरक्षण

SOURCE: [SCIENCE ALERT](#)

### निदिराना नोआदिहिंग

**संदर्भ:** वैज्ञानिकों ने रूपात्मक, आणविक और ध्वनिक साक्ष्यों के आधार पर अरुणाचल प्रदेश में 'म्यूजिक फ्रॉग' की एक नई प्रजाति की खोज की है, जिसका नाम 'निदिराना नोआदिहिंग' है।

### पृष्ठभूमि:-

- वैज्ञानिक, बिटुपन बोरुआ, वी दीपक और अभिजीत दास ने जूटाक्सा पत्रिका के 15 नवंबर संस्करण में प्रकाशित एक लेख में अपने निष्कर्षों का विवरण दिया।

### निदिराना नोआदिहिंग के बारे में:-

- मेंढक की इस नई प्रजाति (निदिराना नोआदिहिंग) का शरीर "मजबूत" होता है, नर की लंबाई लगभग 1.8 इंच से 2.3 इंच के बीच होती है, जबकि मादा की लंबाई लगभग 2.4 इंच से 2.6 इंच के बीच होती है।
- नई प्रजाति का नाम नोआ-दिहिंग नदी के नाम पर रखा गया, जो उस स्थान के निकट है जहां नमूनों की खोज और संग्रह किया गया था।
- मेंढकों की पीठ पर हड्डी के उभार के साथ गोल थूथन (rounded snout) और चिकनी त्वचा होती है।
- उभयचरों की एक "पीली क्रीम" रेखा होती है जिसकी सीमा गहरे भूरे रंग से उनके शरीर के केंद्र तक जाती है। उनके हल्के भूरे अंग गहरे रंग की धारियों से सुशोभित हैं।
- हल्के भूरे रंग के अंग, गहरे रंग की धारियों से सुशोभित, उनकी दृश्य विशिष्टता को और बढ़ाते हैं।
- मेंढक की इस नई प्रजाति निदिराना नोआदिहिंग की खासियत यह है कि इसमें नर और मादा दोनों ही मुखर होते हैं।
- नोआ-दिहिंग म्यूजिक फ्रॉग न केवल उनके आकार से बल्कि उनके अंडाकार पैर की उंगलियों, उनकी पीठ पर ट्यूबरकल और एक

विशिष्ट कॉल से भी पहचाने जाते हैं।

- उनकी पलकों पर अनियमित आकार और आकार के धब्बे, साथ ही उनकी मध्यम बड़ी आंखों के चारों ओर काली धारियां, उनकी अद्वितीय दृश्य विशेषताओं में योगदान करती हैं।

**खोज का महत्व:-**

- यह खोज भारत में निदिराना जीनस की उपस्थिति की पहली पुष्टि करती है, जो जापान, ताइवान, चीन, वियतनाम, लाओस और थाईलैंड के क्षेत्रों से परे अपने ज्ञात निवास स्थान का विस्तार कर रही है।

**अवश्य पढ़ें:** एटेलोपस या हार्लेक्विन मेंढक

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### डेब्रीगढ़ अभयारण्य

**संदर्भ:** हाल ही में, डेब्रीगढ़ अभयारण्य में एक दुर्लभ ग्रे वुल्फ देखा गया।

**पृष्ठभूमि:-**

- वुल्फ, भारत में अनुसूची-1 की लुप्तप्राय प्रजाति है, जिसे हाल के दिनों में पहली बार डेब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में देखा गया है।

**डेब्रीगढ़ अभयारण्य के बारे में:-**

- स्थान: बरगढ़ जिला, ओडिशा।
- अभयारण्य की पूर्वी और उत्तरी सीमाओं पर हीराकुंड जलाशय सर्दियों के महीनों के दौरान प्रवासी जलपक्षियों को आकर्षित करता है।
- डेब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों की विशेषता है, जिनमें शुष्क पर्णपाती वन, मिश्रित वन और घास के मैदान शामिल हैं।
- अभयारण्य अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है और कई वन्यजीव प्रजातियों का घर है।
- इसे 8 फरवरी 1985 को वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था।
- यह ओडिशा राज्य में वन्यजीवों और उनके आवास के यथास्थान संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है।
- प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साई के कारण इसका विशेष उल्लेख मिलता है।
- अंग्रेजों के खिलाफ अपने विद्रोह के दौरान, वीर सुरेंद्र साई ने अभयारण्य के भीतर स्थित 'बारापथरा' में अपना आधार बनाया था।
- **वनस्पति:-**
  - शुष्क पर्णपाती वन
- **जीव-जंतु:-**
  - चार सींग वाला मृग, भारतीय तेंदुआ, भारतीय हाथी, सांभर, चीतल, गौर, आदि।

**अवश्य पढ़ें:** अभयारण्य

**SOURCE:** [TIMES OF INDIA](#)

### ब्लैक स्टॉर्क

**संदर्भ:** हाल ही में ब्लैक स्टॉर्क को पहली बार हस्तिनापुर में देखा गया था।

**पृष्ठभूमि:-**

- ब्लैक स्टॉर्क, एक दुर्लभ प्रजाति, जिसे भारत के उत्तर प्रदेश में हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य में देखा गया है।

**ब्लैक स्टॉर्क के बारे में:-**

- वैज्ञानिक नाम: सिसोनिया नाइग्रा।
- परिवार: सिकोनिडे।
- यह सारस परिवार सिकोनिडे में एक बड़ा पक्षी है।
- इसका वर्णन सबसे पहले कार्ल लिनिअस ने अपने सिस्टेमा नेचुरे के 10वें संस्करण में किया था।
- 145 से 155 सेमी (57 से 61 इंच) पंखों के फैलाव के साथ इसकी कुल लंबाई औसतन 95 से 100 सेमी (37 से 39 इंच) तक होती है।
- वयस्क काले सारस के पंख मुख्यतः काले होते हैं, नीचे का भाग सफेद, लंबी लाल टांगें और लंबी नुकीली लाल चोंच होती है।
- यह एक व्यापक लेकिन असामान्य प्रजाति है।

- यह यूरोप भर में बिखरे हुए स्थानों (मुख्य रूप से पुर्तगाल और स्पेन, और मध्य और पूर्वी हिस्सों में), और पूर्व में पैलेरक्टिक से प्रशांत महासागर तक प्रजनन करता है।
- यह एक लंबी दूरी का प्रवासी है, जिसमें यूरोपीय आबादी उष्णकटिबंधीय उप-सहारा अफ्रीका में सर्दियों में रहती है, और एशियाई आबादी भारतीय उपमहाद्वीप में रहती है।
- यूरोप और अफ्रीका के बीच प्रवास करते समय, यह भूमध्य सागर को पार करने से बचता है और पूर्व में लेवंत या पश्चिम में जिब्राल्टर जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।
- एक पृथक, गैर-प्रवासी, जनसंख्या दक्षिणी अफ्रीका में पाई जाती है।
- संरक्षण की स्थिति:-

○ आईयूसीएन: कम चिंतनीय (Least Concern)

**अवश्य पढ़ें:** अटापका पक्षी अभयारण्य

**SOURCE:** [TIMES OF INDIA](https://www.timesofindia.com)

### हाइब्रिड पफिन्स

**संदर्भ:** हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि, हाइब्रिड पफिन्स 20वीं सदी में वार्मिंग के कारण उभरे होंगे।

**पृष्ठभूमि:-**

- अटलांटिक पफिन्स की दो अलग-अलग उप-प्रजातियाँ अब नॉर्वे में परस्पर प्रजनन कर रही हैं, संभवतः आर्कटिक वार्मिंग के परिणामस्वरूप कुछ पक्षियों को उनके सामान्य निवास स्थान से दूर जाना पड़ रहा है।

**हाइब्रिड पफिन्स के बारे में:-**

- वैज्ञानिक नाम: फ्रेटरकुला आर्कटिका।

**प्राकृतिक वास:-**

- प्रजनन के मौसम के दौरान वे चट्टानों पर बसेरा करते हैं।
- अटलांटिक पफिन्स वर्ष का अधिकांश समय जमीन से दूर खुले समुद्र में बिताते हैं और प्रजनन के लिए केवल तटीय क्षेत्रों का दौरा करते हैं।

**वितरण:-**

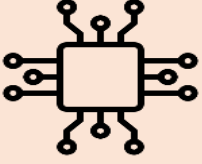
- अटलांटिक पफिन्स अटलांटिक महासागर पर रहने वाली पफिन की एकमात्र प्रजाति है।
- अन्य तीन पफिन प्रजातियाँ प्रशांत महासागर में रहती हैं।
- वे रूस के उत्तर-पश्चिम से फ्रांस तक और ब्रिटेन के समुद्र तट के चारों ओर यूरोप के तट पर फैले हुए हैं।

**भौतिक उपस्थिति:-**

- अटलांटिक पफिन एक छोटे प्राणी है।
- इनका चेहरा सफेद और आंख के नीचे एक काली धारी फैली हुई होती है।
- इनकी चोंच इनके चेहरे जितनी लंबी होती है और बगल से देखने पर आकार में त्रिकोणीय होती है।
- अटलांटिक पफिन्स मांसाहारी होते हैं।
- इनका अधिकांश आहार मछली है, साथ ही कुछ झींगा, क्रस्टेशियंस, मोलस्क और पॉलीकैएट कीड़े भी कभी-कभी खाते हैं।
- रिप्रोडक्शन (Reproduction): ये एकलिंगी पक्षी अंडे देते हैं।

**अवश्य पढ़ें:** केरल बर्ड एटलस (KBA)

**SOURCE:** [NEW SCIENTIST](https://www.newscientist.com)



## विज्ञान और प्रौद्योगिकी



### कार्बन नैनोफ्लोरेट

**संदर्भ:** हाल ही में आईआईटी बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि कार्बन नैनो फ्लोरेट आपतित सूर्य के प्रकाश को गर्मी में बदल सकता है।

**पृष्ठभूमि:-**

- आईआईटी बॉम्बे के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित कार्बन नैनोफ्लोरेट 87% की प्रभावशाली प्रकाश अवशोषण दक्षता प्रदर्शित करता है।

**कार्बन नैनोफ्लोरेट्स के बारे में:-**

- कार्बन नैनोफ्लोरेट कार्बन से बने छोटे गेंदे के फूल की तरह होते हैं।
- उनके पास कई आवृत्तियों पर सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करने और असाधारण दक्षता के साथ इसे गर्मी में परिवर्तित करने की अभूतपूर्व क्षमता है।
- कार्बन नैनोफ्लोरेट्स की उच्च दक्षता तीन गुणों से आती है:-  
वे पारंपरिक सौर-थर्मल रूपांतरण सामग्रियों के विपरीत, जो केवल दृश्य और पराबैंगनी प्रकाश को अवशोषित करते हैं, अवरक्त, दृश्यमान और पराबैंगनी प्रकाश को अवशोषित कर सकते हैं।
  - जैसे ही प्रकाश सामग्री पर पड़ता है, कार्बन कोन यह सुनिश्चित करते हैं कि बहुत कम प्रकाश वापस परावर्तित हो।
  - एक दूसरे से कुछ दूरी पर संरचना के हिस्सों में अलग-अलग भौतिक गुण होते हैं। परिणामस्वरूप, सामग्री में ऊष्मा तरंगें लंबी दूरी तक नहीं ले जाती हैं, जिससे नष्ट होने वाली ऊष्मा की मात्रा कम हो जाती है।

**कार्बन नैनोफ्लोरेट्स की बनाने की प्रक्रिया :**

- कार्बन नैनोफ्लोरेट बनाने के लिए, DFNS पाउडर को भट्टी में गर्म किया गया और चैम्बर में एसिटिलीन गैस डाली गई।
- सफेद पाउडर काला हो गया, यह संकेत है कि डीएफएनएस पर कार्बन जमा हो गया है।
- फिर उन्होंने काला पाउडर एकत्र किया और इसे एक मजबूत रसायन से उपचारित किया जिसने डीएफएनएस को भंग कर दिया, और कार्बन कण पीछे रह गए।
- जो बचे थे वे कार्बन शंकु से बने गोलाकार नैनोस्ट्रक्चर थे।
- नैनोफ्लोरेट छोटे गेंदे के फूलों से मिलते जुलते हैं।

**लाभ :-**

- कार्बन सस्ता है और नैनोफ्लोरेट जीवाश्म ईंधन को जलाए बिना, लगातार गर्मी उत्पन्न कर सकता है। (कार्बन ट्रेडिंग)
- वे घरों को गर्म करने के लिए एक स्थायी समाधान पेश कर सकते हैं।
- वे जीवाश्म ईंधन पर भरोसा किए बिना अस्पतालों में स्ट्रलाइजिंग सतहों की पेशकश करते हैं। (जलवायु परिवर्तन)

**अवश्य पढ़ें :** जलवायु परिवर्तन को कम करना

**SOURCE:** [THE HINDU](https://www.thehindu.com)

### डायबिटीज

**संदर्भ:** हाल के अध्ययनों से पता चला है कि एयर पॉल्यूशन से चेन्नई और दिल्ली में डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

**पृष्ठभूमि:-**

- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित दो अध्ययनों में चेन्नई और दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर और टाइप 2 मधुमेह की घटनाओं के बीच चिंताजनक संबंध बताया गया है।
- अध्ययन इसलिए उल्लेखनीय नहीं है क्योंकि निष्कर्ष नए हैं, वे अभूतपूर्व नहीं हैं, बल्कि इसलिए कि उन्होंने पाया है कि यह संबंध, जो पश्चिमी देशों और हाल ही में चीन में भी देखा गया है, वह शहरी भारत में भी देखने को मिल रहा है।

**डायबिटीज के बारे में:-**

- मधुमेह मेलिटस बीमारियों के एक समूह को संदर्भित करता है जो शरीर में ब्लड शुगर (ग्लूकोज) का उपयोग करने के तरीके को प्रभावित करता है।

- ग्लूकोज उन कोशिकाओं के लिए ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जो मांसपेशियों और ऊतकों का निर्माण करती हैं।
- यह एक ऐसी स्थिति है जो तब होती है जब ब्लड शुगर (ग्लूकोज) बहुत अधिक हो जाती है।
- यह तब विकसित होता है जब आपका अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन या बिल्कुल भी नहीं बनाता है, या जब शरीर इंसुलिन के प्रभावों पर ठीक से प्रतिक्रिया नहीं कर रहा होता है।
- मधुमेह सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करता है।

#### डायबिटीज के प्रकार:-

- डायबिटीज कई प्रकार का होता है। सबसे आम रूपों में शामिल हैं:-
- **टाइप 2 डायबिटीज:** इस प्रकार के साथ, शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनाता है, और/या शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन (इंसुलिन प्रतिरोध) के प्रति सामान्य रूप से प्रतिक्रिया नहीं करती हैं।
- यह डायबिटीज का सबसे आम प्रकार है।
- **प्री डायबिटीज:** ब्लड शुगर का स्तर सामान्य से अधिक है लेकिन इतना अधिक नहीं है कि आधिकारिक तौर पर टाइप 2 मधुमेह का निदान किया जा सके।
- **टाइप 1 मधुमेह:** यह प्रकार एक ऑटोइम्यून बीमारी है जिसमें आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली अज्ञात कारणों से आपके अग्न्याशय में इंसुलिन-उत्पादक कोशिकाओं पर हमला करती है और उन्हें नष्ट कर देती है।
- **गर्भावधि मधुमेह:** यह प्रकार गर्भावस्था के दौरान कुछ लोगों में विकसित होता है।

#### लक्षण:-

- बहुत प्यास लगना
- सामान्य से अधिक बार पेशाब आना
- धुंधली दृष्टि प्रदर्शित होना
- थकान महसूस होना
- अनजाने में वजन कम होना

#### प्रबंधन एवं उपचार:-

- ब्लड शुगर की निगरानी। (रोग निगरानी प्रणाली)
- मौखिक मधुमेह की दवाएँ
- इंसुलिन इंजेक्शन
- आहार प्रबंधन
- व्यायाम

#### रोकथाम:-

- शरीर का स्वस्थ वजन बनाए रखना।
- प्रत्येक दिन कम से कम 30 मिनट के मध्यम व्यायाम के साथ शारीरिक रूप से सक्रिय रहना।
- स्वस्थ आहार लेना और चीनी तथा संतृप्त वसा से परहेज करना।
- तम्बाकू का सेवन करने से बचना।
- तनाव से बचना (मानसिक स्वास्थ्य)

#### वायु प्रदूषण के बारे में:-

- वायु प्रदूषण वायुमंडल में ऐसे पदार्थों की उपस्थिति है जो मनुष्यों और अन्य जीवित प्राणियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, या जलवायु अथवा सामग्रियों को नुकसान पहुंचाते हैं। (दिल्ली और वायु प्रदूषण)
- विभिन्न प्रकार के वायु प्रदूषकों में शामिल हैं-
  - गैस: अमोनिया, कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड, मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और क्लोरोफ्लोरोकार्बन।

- पार्टिकल (Particulates): कार्बनिक और अकार्बनिक दोनों।
- जैविक अणु।

#### वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभाव:-

- यह मनुष्यों में बीमारियों, एलर्जी और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकता है।
- यह अन्य जीवित जीवों जैसे जानवरों और खाद्य फसलों को नुकसान पहुंचा सकता है।
- इससे जलवायु परिवर्तन हो सकता है और प्राकृतिक पर्यावरण को नुकसान हो सकता है।
- ओजोन रिक्तीकरण या आवास क्षरण
- खतरनाक वातावरण का निर्माण (उदाहरण के लिए, अम्लीय वर्षा)।

अवश्य पढ़ें: राष्ट्रीय स्वच्छ वायु अभियान

SOURCE: [THE HINDU](#)

#### जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप

संदर्भ: हाल ही में, नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) ने एक आश्चर्यजनक नेबुला के पहले कभी न देखे गए विवरण कैप्चर किए हैं।

#### पृष्ठभूमि:-

- नेबुला गैस और धूल का एक बादल है जो अक्सर खत्म होने वाले या विस्फोट करने वाले तारों के मलबे से बनता है।
- ये बादल नए तारों के क्राडलेस (cradles) भी हैं, जिनमें गैस और धूल तारकीय निर्माण के लिए बिल्डिंग ब्लॉक प्रदान करते हैं।

#### जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) के बारे में:-

- लॉन्च: वर्ष 2021 में
- प्रकार: ऑर्बिटर
- द्वारा लॉन्च : नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA)।
- प्रक्षेपण यान: एरियन 5 रॉकेट, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) द्वारा प्रदान किया गया।
- प्रक्षेपण स्थल: फ्रेंच गुयाना।
- उद्देश्य: शुरुआती ब्रह्मांड में बनी पहली आकाशगंगाओं को खोजना और ग्रहों की प्रणाली बनाते तारों को देखना।
- जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप विश्व का अब तक का सबसे बड़ा, शक्तिशाली और जटिल अंतरिक्ष विज्ञान टेलीस्कोप है।
- यह सूर्य की परिक्रमा करने वाली एक अवरक्त वेधशाला है।
- यह नासा का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली अंतरिक्ष विज्ञान दूरबीन है।

#### दूरबीन का कार्य:-

- यह हमारे ब्रह्मांड के इतिहास में हुए हर चरण का अध्ययन करेगा, साथ ही बिग-बैंग के बाद पहली चमकदार उद्दीप्ति के विस्तार, सौरमंडल के गठन, पृथ्वी जैसे जीवन जीने में सक्षम ग्रहों और हमारे अपने सौर मंडल के विकास का विस्तृत अध्ययन करेगा।
- यह हबल स्पेस टेलीस्कोप की खोज पर आधारित होगा।
  - **नासा का हबल स्पेस टेलीस्कोप:** यह पृथ्वी के चारों ओर कक्षा में स्थापित पहली खगोलीय वेधशाला है जिसमें पराबैंगनी से निकट-अवरक्त तक फैले प्रकाश की तरंग दैर्ध्य में छवियों को रिकॉर्ड करने की क्षमता है।
- यह ब्रह्मांड में अधिक गहराई तक देखेगा और हबल के साथ संभव होने की तुलना में समय में और भी पीछे चला जाएगा।
- यह 13.5 अरब वर्ष से भी पहले ब्रह्मांड में तारों की पहली संख्या से प्रकाश का पता लगाने का प्रयास करेगा।

अवश्य पढ़ें: एक्सोप्लैनेट

SOURCE: [SCIENCE ALERT](#)

#### शुक्र ग्रह

संदर्भ: हाल ही में शुक्र ग्रह पर आणविक ऑक्सीजन की मौजूदगी के संकेत वैज्ञानिकों को लेकर वैज्ञानिक उत्साहित हैं।

#### पृष्ठभूमि:-

- सैद्धांतिक मॉडल के अनुसार, आणविक ऑक्सीजन ग्रह के वायुमंडल में मौजूद है, और यहां तक कि शुक्र के रात्रि पक्ष में भी इसका प्रत्यक्ष रूप से पता लगाया गया है ; लेकिन जर्मन एयरोस्पेस सेंटर (डीएलआर) के भौतिक विज्ञानी हेंज-विल्हेम ह्यूबर्स के नेतृत्व वाली



एक टीम का कहना है कि दिन के समय पता लगाने का मतलब है कि हमें शुक्र के वायुमंडल की गतिशीलता और उसमें परिसंचरण पैटर्न के बारे में नई जानकारी मिली है।

#### शुक्र ग्रह के बारे में:-

- सतह का तापमान: 462 डिग्री सेल्सियस
- शुक्र के पास अपना कोई चंद्रमा और वलय नहीं है।
- पहला रिकॉर्ड: 17वीं शताब्दी ईसा पूर्व बेबीलोन के खगोलविदों द्वारा
- यह चार आंतरिक, स्थलीय (या चट्टानी) ग्रहों में से एक है।
- यह एकमात्र ग्रह है जिसका नाम महिला के नाम पर रखा गया है।
- इसका नाम प्रेम और सौंदर्य की रोमन देवी के नाम पर रखा गया है।
- सूर्य से दूरी के हिसाब से यह दूसरा ग्रह है।
- यह आकार और द्रव्यमान में सौर मंडल में छठा स्थान है।
- यह सबसे चमकीला ग्रह है।
- कार्बन डाइऑक्साइड की उच्च सांद्रता के कारण यह सौर मंडल का सबसे गर्म ग्रह है जो तीव्र ग्रीनहाउस प्रभाव उत्पन्न करने का कार्य करता है।
- हमारे सौर मंडल के अन्य ग्रहों के विपरीत, शुक्र और यूरेनस अपनी धुरी पर दक्षिणावर्त घूमते हैं।
- शुक्र को उनके द्रव्यमान, आकार और घनत्व में समानता और सौर मंडल में उनके समान सापेक्ष स्थान के कारण पृथ्वी का जुड़वां कहा जाता है।

#### शुक्र मिशन:-

- अमेरिका: मेरिनर श्रृंखला 1962-1974, पायनियर वीनस 1 और 1978 में पायनियर वीनस 2, 1989 में मैगलना (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (एनआईएसएआर))
- रूस: अंतरिक्ष यान की वेनेरा श्रृंखला 1967-1983, 1985 में वेगास 1 और 2।
- अकात्सुकी (वर्ष 2015- जापान)
- वीनस एक्सप्रेस (वर्ष 2005- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी)
- भारत: शुक्रयान (वर्ष 2024 में लॉन्च किया जाएगा।)

अवश्य पढ़ें: [एक्सप्लैनेट](#)

SOURCE: [SCIENCE ALERT](#)

#### खाज (स्कैबीज)

**संदर्भ:** हाल की रिपोर्टों से पता चलता है कि मलावी खाज (स्कैबीज) के प्रकोप से जूझ रहा है।

#### पृष्ठभूमि:-

- अफ्रीकी देश में हैजा की लहर फैलने के कुछ महीनों बाद, अस्पतालों ने संक्रामक त्वचा रोग से पीड़ित हजारों लोगों को पंजीकृत किया।

#### इसके बारे में:-

- स्कैबीज एक त्वचा रोग है जो सरकोप्टेस स्कैबी नामक परजीवी के कारण होता है जो लगभग 0.3 मिमी लंबा एक छोटा कीट होता है जिसे घुन कहा जाता है।
- मादा परजीवी त्वचा के नीचे बिल बना लेती है।
- यह संक्रमण के 2-3 घंटों के भीतर अंडे देना शुरू कर देता है और आम तौर पर प्रतिदिन 2-3 अंडे देता है।
- अंडे फूटते हैं और 10 दिनों के भीतर वयस्क घुन (इस परजीवी को संदर्भित करने वाला शब्द) बन जाते हैं।
- स्कैबीज एक अपेक्षाकृत संक्रामक संक्रमण है जो छोटे घुन (सरकोप्टेस स्कैबी) के कारण होता है।
- इसके संचरण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में त्वचा के नजदीकी संपर्क से अधिक होता है।

#### लक्षण:-

- गंभीर खुजली

- उंगलियों, कलाई, हाथ, पैर और बेल्ट क्षेत्र पर खुजली वाली रेखाएं और उभार
- शिशुओं और छोटे बच्चों में हथेलियों, पैरों के तलवों, टखनों और सिर पर बड़े दाने
- अधिक गंभीर प्रकार की खुजली, जिसे क्रस्टेड स्केबीज कहा जाता है, त्वचा को क्रस्टी और पपड़ीदार बना देती है और शरीर के बड़े हिस्से को प्रभावित करती है।

**इलाज:-**

- कई प्रकार के लोशन (आमतौर पर 5% पर्मेथ्रिन युक्त) को शरीर पर लगाकर 12-24 घंटों के लिए छोड़ दिया जाता है।
- एक सामयिक अनुप्रयोग आम तौर पर पर्याप्त होता है, हालांकि यदि घुन रहता है तो स्कैबिसाइड को एक सप्ताह के बाद फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है।
- कैलामाइन लोशन या एंटीहिस्टामाइन दवाओं के उपयोग से खुजली को कम किया जा सकता है।

**रोकथाम:-**

- खुजली की रोकथाम के लिए अच्छी स्वच्छता आवश्यक है। (गैर-संचारी रोग (एनसीडी))

**अवश्य पढ़ें:** टाइप 1 मधुमेह

**SOURCE:** [THE GUARDIAN](#)

**हेलिकोबैक्टर पाइलोरी**

**संदर्भ:** नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉलरा एंड एंटरिक डिजीज ने हाल ही में दवा प्रतिरोधी 'हेलिकोबैक्टर पाइलोरी' का जल्दी से पता लगाना संभव बना दिया है।

**पृष्ठभूमि:-**

- हेलिकोबैक्टर पाइलोरी (एच. पाइलोरी) बैक्टीरिया के एक छोटे से क्षेत्र की दो-चरणीय पीसीआर-आधारित जांच एच. पाइलोरी संक्रमण का पता लगाने में मदद कर सकती है और छह-सात घंटों में क्लैरिथ्रोमाइसिन-प्रतिरोधी बैक्टीरिया और दवा के प्रति संवेदनशील बैक्टीरिया की भी पहचान कर सकती है। इसे राष्ट्रीय हैजा और आंत्र रोग संस्थान (आईसीएमआर-एनआईसीईडी), कोलकाता के शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा विकसित किया गया है।

**हेलिकोबैक्टर पाइलोरी के बारे में:-**

- यह एक जीवाणु है जो पेट की परत को संक्रमित करता है।
- यह पेटिक अल्सर और पेट के कैंसर जैसे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मामलों से संबंधित है।
- यह विश्व की लगभग दो-तिहाई आबादी के शरीर में मौजूद है।
- अधिकांश लोगों के लिए, यह कभी भी कोई लक्षण उत्पन्न नहीं करता है।
- भारत में, एच. पाइलोरी संक्रमण 60-70% आबादी को प्रभावित करता है।
- यह आमतौर पर बचपन के दौरान होता है और यदि एंटीबायोटिक दवाओं से प्रभावी ढंग से इलाज न किया जाए तो यह जीवन भर पेट में बना रहता है।

**लक्षण:-**

- पेट में दर्द या जलन होना
- खाली पेट में और दर्द होना
- जी मिचलाना
- भूख में कमी
- बार-बार डकार आना
- सूजन
- अनजाने में वजन कम होना

**इलाज:-**

- क्लैरिथ्रोमाइसिन एक एंटीबायोटिक है जिसका उपयोग आमतौर पर एच. पाइलोरी संक्रमण के इलाज के लिए किया जाता है, लेकिन भारत में दवा प्रतिरोधी उपभेदों ने इसकी प्रभावशीलता के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

**निदान:-**

- पारंपरिक एच. पाइलौरी संक्रमण निदान और एंटीबायोटिक संवेदनशीलता परीक्षण में समय लेने वाली जीवाणु कल्चर शामिल रहती है, जिसमें कई सप्ताह लगते हैं।
- विलंबित निदान और संवेदनशीलता परीक्षण के परिणामस्वरूप अप्रभावी उपचार और एंटीबायोटिक प्रतिरोध हो सकता है।
- कोलकाता में राष्ट्रीय हैजा और आंत्र रोग संस्थान (आईसीएमआर-एनआईसीईडी) ने एच. पाइलौरी संक्रमण के निदान के लिए दो-चरणीय पीसीआर-आधारित जांच बनाई है।
- यह जांच एक विशिष्ट डीएनए भाग को बढ़ाता है, जो क्लैरिथ्रोमाइसिन प्रतिरोध से जुड़े एक महत्वपूर्ण उत्परिवर्तन को लक्षित करता है।

**खोज का महत्व:-**

- पीसीआर-आधारित जांच पारंपरिक संवर्धन विधियों का तेज़ और अधिक सटीक विकल्प प्रदान करती है, जिससे शीघ्र निदान और प्रभावी उपचार में सहायता मिलती है।
- यह परीक्षण 100% संवेदनशीलता और विशिष्टता प्रदर्शित किया है। (गैर-संचारी रोग (एनसीडी))

**MUST READ:** [Rare Diseases](#)**SOURCE:** [THE HINDU](#)**ओरियोनिड उल्का बौछार (Orionids Meteor Shower)****संदर्भ:** हाल में ओरियोनिड उल्का बौछार (Orionids Meteor Shower) की परिघटना देखी जा रही है।**ओरियोनिड उल्का बौछार के बारे में:-**

- हर साल अक्टूबर महीने में, पृथ्वी हैली धूमकेतु द्वारा छोड़े गए मलबे की पूंछ से होकर गुजरती है।
- यह धूमकेतु लगभग हर 76 वर्ष में सूर्य की परिक्रमा करता है।
- ओरियोनिड उल्कापात, एक वार्षिक घटना है जो हर साल अक्टूबर महीने में रात के आकाश को रोशन करती है।
- यह तब दिखती है जब पृथ्वी हैली धूमकेतु द्वारा छोड़े गए मलबे से गुजरती है, जिसे आधिकारिक तौर पर 1P/हैली के रूप में जाना जाता है।
- परिणाम वह है जिसे नासा "वर्ष की सबसे सुंदर बौछारों में से एक" कहता है: ओरियोनिड उल्का बौछार।
- यह बौछार 22 नवंबर तक चलती, लेकिन वहां से बाहर निकलकर देखने के लिए इंतजार न करना चाहिए, क्योंकि सप्ताह के अंत में यह अपने चरम पर पहुंचने वाली होती है।
- हैली धूमकेतु की भविष्यवाणी अंग्रेजी खगोलशास्त्री एडमंड हैली की गणना के आधार पर की गई थी।
- दिलचस्प बात यह है कि धूमकेतु का नाम इसके खोजकर्ता के बजाय इसके ऑर्बिट कैलकुलेटर के नाम पर रखा गया है।
- हैली धूमकेतु का आकार लगभग पांच गुना नौ मील है और आंतरिक सौर मंडल से गुजरने पर यह तीन से दस फीट तक सामग्री को नष्ट कर देता है।
- हैली धूमकेतु का पूर्वानुमेय रिटर्न का एक अनूठा इतिहास है और इसे पूरे इतिहास में देखा गया है, जिसे 240 ईस्वी पूर्व में देखा गया था।

**अवश्य पढ़ें:** [एक्सोप्लैनेट](#)**SOURCE:** [CNN](#)**क्रैब नेबुला****संदर्भ:** हाल ही में, नासा का जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) ने एक आश्चर्यजनक नेबुला, क्रैब नेबुला के नए दृश्य कैप्चर किया है।**पृष्ठभूमि:-**

- नासा ने क्रैब नेबुला की एक नई छवि जारी की, जिसमें इसके केंद्र में एक छोटा सफेद बिंदु स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

**क्रैब नेबुला के बारे में:-**

- क्रैब नेबुला 6,500 प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक सुपरनोवा अवशेष है।
- यह वृषभ राशि में स्थित है। (स्पेसटेक इनोवेशन नेटवर्क (स्पिन))
- एक निहारिका अंतरिक्ष में एक संरचना है जो विभिन्न सांद्रता में ज्यादातर हीलियम, धूल और अन्य गैसों से बनी होती है।
- निहारिका का शेप और साइज अलग-अलग होती है, और इस प्रकार विभिन्न आकार वाली विभिन्न प्रकार की संरचनाएँ हो सकती हैं।

- क्रेब नेबुला ने ध्यान आकर्षित करना और अतिरिक्त अध्ययन करना जारी रखा है क्योंकि वैज्ञानिक क्रेब के गहन अध्ययन के माध्यम से सुपरनोवा की स्थितियों, व्यवहार और उसके बाद के प्रभावों को समझना चाहते हैं, जो कि अपेक्षाकृत नजदीकी उदाहरण है।
- नेबुला के रूप में वस्तु की खोज का श्रेय लगभग 1731 में अंग्रेजी चिकित्सक और शौकिया खगोलशास्त्री जॉन बेविस को दिया जाता है।
- यह उन कुछ खगोलीय पिंडों में से एक है, जहां से रेडियो तरंगों से लेकर अवरक्त और दृश्य तरंग दैर्ध्य से लेकर पराबैंगनी, एक्स-रे और गामा किरणों तक, पूरे मापनीय स्पेक्ट्रम पर विकिरण का पता लगाया गया है।

**MUST READ:** [IN-SPACE](#)

**SOURCE:** [SCIENTIFIC AMERICAN](#)

### शनि ग्रह

**संदर्भ:** हाल ही में, खगोलविदों ने शनि के चारों ओर के छल्ले के गायब होने की संभावना के बारे में बताया।

**शनि ग्रह के बारे में:-**

- शनि (Saturn) सूर्य से छठा ग्रह है।
- यह हमारे सौर मंडल का दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है।
- अन्य ग्रहों की तुलना में हजारों सुंदर छल्लों/रिंग से सुशोभित शनि अद्वितीय है।
- गैस से बने विशाल बृहस्पति की तरह, शनि एक वृहद् गैस के समान है जो ज्यादातर हाइड्रोजन और हीलियम से बना है।
- मनुष्यों द्वारा खोजे गए पृथ्वी से सबसे दूर के ग्रह शनि को प्राचीन काल से ही जाना जाता है।
- इस ग्रह का नाम कृषि और धन के रोमन देवता के नाम पर रखा गया है, जो बृहस्पति के पिता भी थे।
- शनि एकमात्र ऐसा ग्रह नहीं है जिसके छल्ले हैं।
- हम जो वलय देखते हैं वे शनि को घेरने वाले छोटे-छोटे छल्लों के समूह से बने होते हैं।
- ये बर्फ और चट्टान के टुकड़ों से बने होते हैं।
- शनि का वातावरण घना होता है।
- शनि पर एक दिन मात्र 10.7 घंटे में बीतता है।
- शनि पर एक वर्ष 29 पृथ्वी वर्ष के बराबर होता है।
- शनि को प्राचीन काल से ही जाना जाता है क्योंकि इसे उन्नत दूरबीनों के बिना भी देखा जा सकता है।
- चार रोबोटिक अंतरिक्ष यान शनि का दौरा कर चुके हैं, जिनमें पायनियर 11, कैसिनी और वोयाजर 1 और 2 शामिल हैं। (एक्सोप्लैनेट)

**MUST READ:** [New Study on Ninth Planet](#)

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

### निसार

**संदर्भ:** हाल ही में, नासा, इसरो ने अगले साल की शुरुआत में NISAR के लॉन्च से पहले प्रमुख परीक्षण पूरे किए।

**पृष्ठभूमि:-**

- यह मिशन, जिसकी अवधि तीन साल है, का लक्ष्य हर 12 दिनों में पृथ्वी की सभी भूमि और बर्फ से ढकी सतहों का सर्वेक्षण करना है।

**परिचय :-**

- लॉन्च वर्ष : 2024 में
- एजेंसी: नासा और इसरो।
- एनआईएसएआर मिशन पृथ्वी के बदलते पारिस्थितिक तंत्र, गतिशील सतहों और बर्फ के द्रव्यमान को मापेगा जो बायोमास, प्राकृतिक खतरों, समुद्र के स्तर में वृद्धि और भूजल के बारे में जानकारी प्रदान करेगा और कई अन्य अनुप्रयोगों का समर्थन करेगा।
- एनआईएसएआर वैश्विक स्तर पर पृथ्वी की भूमि और बर्फ से ढकी सतहों का आरोही और अवरोही मार्गों पर 12 दिनों की नियमितता के साथ निरीक्षण करेगा, बेसलाइन 3-वर्षीय मिशन के लिए हर 6 दिनों में औसतन पृथ्वी का नमूना लेगा।
- नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन उपग्रह के लिए एक रडार, विज्ञान डेटा के लिए एक उच्च दर संचार उपप्रणाली, जीपीएस रिसेवर और एक पेलोड डेटा उपप्रणाली प्रदान करेगा।

- एनआईएसएआर नासा द्वारा लॉन्च किए गए अब तक के सबसे बड़े रिफ्लेक्टर एंटीना से लैस होगा।
- भारतीय अंतरिक्ष और अनुसंधान संगठन (इसरो) स्पेस क्राफ्ट बस, दूसरे प्रकार के रडार (जिसे S-बैंड रडार कहा जाता है), प्रक्षेपण यान और संबंधित प्रक्षेपण सेवाएं प्रदान करेगा।

**उद्देश्य:-**

- पृथ्वी की सतह में सूक्ष्म परिवर्तनों पर नज़र रखना,
- आसन्न ज्वालामुखीय विस्फोटों के चेतावनी संकेतों का पता लगाना,
- भूजल आपूर्ति की निगरानी करने में मदद करना, और
- बर्फ की चादरें किस दर से पिघल रही हैं, उस पर नज़र रखना।

**महत्व:-**

- एनआईएसएआर का डेटा विश्व भर के लोगों को प्राकृतिक संसाधनों और खतरों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद कर सकता है, साथ ही वैज्ञानिकों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और गति को बेहतर ढंग से समझने के लिए जानकारी प्रदान कर सकता है।

**अवश्य पढ़ें:** भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग

SOURCE: [THE HINDU](#)

**चंद्रयान-3**

**संदर्भ:** हाल ही में, चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण यान का क्रायोजेनिक ऊपरी चरण पृथ्वी के वायुमंडल में अनियंत्रित रूप से पुनः प्रवेश कर रहा है।

**पृष्ठभूमि:-**

- इसरो ने कहा कि संभावित प्रभाव बिंदु की भविष्यवाणी उत्तरी प्रशांत महासागर के ऊपर की गई थी।

**चंद्रयान-3 के बारे में:-**

- चंद्रयान-3, चंद्रयान-2 मिशन का उत्तराधिकारी है।
- द्वारा लॉन्च: लॉन्च व्हीकल मार्क-III (LVM3)।
- लॉन्च किया गया: सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) शार, श्रीहरिकोटा।
- इसमें एक स्वदेशी लैंडर मॉड्यूल (LM), प्रोपल्शन मॉड्यूल (PM) तथा एक रोवर शामिल है।
  - **लैंडर:** एक अंतरिक्ष यान जो किसी खगोलीय पिंड की सतह की ओर उतरता है और रुक जाता है।
  - **प्रोपल्शन मॉड्यूल:** एक बॉक्स जैसी संरचना, जिसके एक तरफ एक बड़ा सौर पैनल और शीर्ष पर एक बड़ा सिलेंडर लगा होता है।
  - **रोवर:** एक छोटा वाहन जो उबड़-खाबड़ जमीन पर चल सकता है, अक्सर अन्य ग्रहों की सतह पर उपयोग किया जाता है, यह कभी-कभी पृथ्वी से नियंत्रित किया जाता है।
- लैंडर और रोवर के पास चंद्र सतह पर प्रयोग करने के लिए साइंटिफिक पेलोड हैं।
- प्रोपल्शन मॉड्यूल का मुख्य कार्य लैंडर मॉड्यूल को लॉन्च वाहन इंजेक्शन से अंतिम चंद्र 100 किमी गोलाकार ध्रुवीय कक्षा तक ले जाना और एलएम को पीएम से अलग करना है।

**चंद्रयान-3 मिशन का उद्देश्य:-**

- चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग प्रदर्शित करना
- रोवर को चंद्रमा पर रोटेट होते हुए दिखाना और
- यथास्थान वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन करना।

**लैंडर पेलोड:-**

- तापीय चालकता और तापमान को मापने के लिए चंद्रा का सतह थर्मोफिजिकल प्रयोग (ChaSTE)
- लैंडिंग साइट के आसपास भूकंपीयता को मापने के लिए चंद्र भूकंपीय गतिविधि के लिए उपकरण (आईएलएसए)
- प्लाज्मा घनत्व और इसकी विविधताओं का अनुमान लगाने के लिए लैंगमुइर प्रोब (एलपी)
- नासा से एक निष्क्रिय लेजर रेट्रोफ्लेक्टर सरणी को चंद्र लेजर रेंजिंग अध्ययन के लिए समायोजित किया गया है।

**रोवर पेलोड:-**

- लैंडिंग साइट के आसपास के क्षेत्र में मौलिक संरचना प्राप्त करने के लिए अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस) और लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एलआईबीएस)।

#### प्रणोदन मॉड्यूल पेलोड:-

- रहने योग्य ग्रह पृथ्वी की स्पेक्ट्रो-पोलरिमीट्री (SHAPE): परावर्तित प्रकाश में छोटे ग्रहों की भविष्य की खोज हमें विभिन्न प्रकार के एक्सो-ग्रहों की जांच करने की अनुमति देगी जो रहने योग्य या जीवन की उपस्थिति के लिए योग्य होंगे।

#### GSLV-Mk III

- इसे लॉन्च व्हीकल मार्क 3 (LVM3) के नाम से भी जाना जाता है।
- यह एक तीन चरणों वाला वाहन है जिसमें दो ठोस मोटर स्ट्रैप-ऑन, एक तरल प्रणोदक कोर चरण और एक क्रायोजेनिक चरण है।
- यह भारत के परिचालन प्रक्षेपण वाहनों में सबसे भारी और सबसे छोटा है।
- वजन: 641 टन, जो पांच पूरी तरह से भरे हुए यात्री विमानों के वजन के बराबर है।
- क्षमता: जीएसएलवी 10,000 किलोग्राम वजनी उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षाओं तक ले जा सकता है।

#### MUST READ: [Gaganyaan](#)

#### SOURCE: [THE HINDU](#)

#### यूक्लिडस्पेस टेलीस्कोप

**संदर्भ:** यूरोपीय खगोलविदों ने हाल ही में लॉन्च किए गए यूक्लिड अंतरिक्ष दूरबीन से पहली छवियां जारी कीं।

#### पृष्ठभूमि:-

- विदेशी प्रक्षेपणों पर यूरोप की निरंतर निर्भरता के कारण जर्मनी के डार्मस्टेड में छवियों का विमोचन स्पेन में दो दिवसीय यूरोपीय अंतरिक्ष वार्ता के दूसरे दिन हुआ।

#### यूक्लिड स्पेस टेलीस्कोप के बारे में:-

- **लॉन्च:** 1 जुलाई, 2023।
- फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से लॉन्च किया गया।
- **प्रक्षेपण यान:** स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट।
- **द्वारा लॉन्च किया गया:** यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए)।
- **अवधि:** इस मिशन का नाममात्र परिचालन जीवनकाल 6 वर्ष होने की उम्मीद है।
- **उद्देश्य:** डार्क एनर्जी और डार्क मैटर की प्रकृति और गुणों का अध्ययन करना, जो मिलकर ब्रह्मांड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं।
- डार्क एनर्जी की खोज वर्ष 1998 में की गई थी और यह ब्रह्मांड के विस्तार के अप्रत्याशित त्वरण की व्याख्या करती है।
- यूक्लिड के मिशन का लक्ष्य इस त्वरण का अधिक सटीक माप प्रदान करना है, जिससे संभावित रूप से पूरे ब्रह्मांड के इतिहास में विविधताओं को उजागर किया जा सके।
- दूरबीन लैंग्रेंज बिंदु L2 तक यात्रा करेगी जो पृथ्वी से लगभग 1 मिलियन मील दूर है।
- लैंग्रेंज बिंदु अंतरिक्ष में स्थित वे स्थान हैं जहाँ दो विशाल पिंडों (जैसे- सूर्य और पृथ्वी) का गुरुत्वाकर्षण बल एक छोटी वस्तु (जैसे- अंतरिक्ष यान) के स्थान पर बने रहने के लिये अभिकेंद्रीय बल को संतुलित करता है।
- यह 10 अरब प्रकाश वर्ष दूर तक अरबों आकाशगंगाओं का अवलोकन करके ब्रह्मांड का 3D मैप बनाएगा, जो डार्क मैटर का बारीकी से अध्ययन करने में उपयोगी होगा।

**अवश्य पढ़ें:** भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग

#### SOURCE: [NDTV](#)

#### इंटीग्रल फील्ड अल्ट्रावॉयलेट स्पेक्ट्रोस्कोप एक्सपेरिमेंट (INFUSE)

**संदर्भ:** हाल ही में, NASA ने 'INFUSE' पेलोड मिशन लॉन्च किया।

#### पृष्ठभूमि:-

- INFUSE का मतलब इंटीग्रल फील्ड अल्ट्रावॉयलेट स्पेक्ट्रोस्कोप एक्सपेरिमेंट (INFUSE) मिशन है।
- NASA की INFUSE जांच से जगमगाता सुपरनोवा रहस्य।

#### INFUSE मिशन के बारे में:-

- द्वारा लॉन्च किया गया: NASA (भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग)
- उद्देश्य: पृथ्वी से 2,600 प्रकाश वर्ष दूर स्थित 20 हजार साल पुराने सुपरनोवा अवशेष सिग्नस लूप का अध्ययन करना।
- सिग्नस लूप शौकिया खगोलविदों और वैज्ञानिकों दोनों के लिए एक पसंदीदा स्थान है क्योंकि सिग्नस तारामंडल के पास इसका प्रमुख स्थान है, जिसे अक्सर "स्वान" कहा जाता है।
- इस विशाल सुपरनोवा के अवशेष, जिसे सिग्नस लूप या वेइल नेबुला के नाम से जाना जाता है, शोधकर्ताओं के लिए पहली बने हुए हैं।
- कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के ब्रायन फ्लेमिंग के नेतृत्व में INFUSE मिशन, तारों के जीवन चक्र में गहराई से जाना चाहता है।
- INFUSE मिशन में कुछ मिनटों के लिए 150 मील (240 किमी) की ऊंचाई से सिग्नस लूप के बारे में महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करना शामिल है। मिशन का उपकरण सिग्नस लूप से निकलने वाले प्रकाश की दूर-पराबैंगनी तरंग दैर्ध्य को कैप्चर करेगा।
- प्राथमिक उद्देश्यों में से एक यह समझना है कि सुपरनोवा हमारी आकाशगंगा में ऊर्जा कैसे रिलीज करता है।
- यह प्रकाश के रिलीज का निरीक्षण करेगा क्योंकि सुपरनोवा की विस्फोट तरंग आकाशगंगा में फैली ठंडी गैस की पॉकेट से टकराती है।
- सिग्नस लूप और उसके अवशेषों का अध्ययन करके, इन्फ्यूज मिशन तारों के जीवन चक्र में शामिल जटिल प्रक्रियाओं और आकाशगंगाओं के विकास पर उनके गहरे प्रभाव की हमारी समझ में योगदान देता है।

**अवश्य पढ़ें:** अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस)

**SOURCE:** [SCITECHDAILY](https://www.scitechdaily.com)

### लुसी मिशन

**संदर्भ:** हाल ही में, लुसी अंतरिक्ष यान ने डिकिनेश नामक क्षुद्रग्रह की अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की।

**पृष्ठभूमि:-**

- यह नासा का एक मिशन है।

**लुसी मिशन के बारे में:-**

- इसे 16 अक्टूबर, 2021 को अमेरिका के फ्लोरिडा में कैनेडी स्पेस सेंटर से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था।
- अंतरिक्ष यान को एटलस V 401 रॉकेट पर लॉन्च किया गया था।
- यह नासा का अंतरिक्ष जांच है।
- लुसी दस अलग-अलग क्षुद्रग्रहों की बारह साल की यात्रा पर नासा का एक अंतरिक्ष यान है।
- यह सूर्य से इतनी दूर जाने वाला पहला सौर ऊर्जा संचालित अंतरिक्ष यान है। (आदित्य-एल1 मिशन)
- यह अपने पहले के किसी भी जांच की तुलना में कुल आठ से अधिक क्षुद्रग्रहों का निरीक्षण करेगा।
- इसमें बृहस्पति के ट्रोजन क्षुद्रग्रह शामिल हैं।
- ये दो ढीले समूहों में सूर्य की परिक्रमा करते हैं, जिसमें एक समूह बृहस्पति से आगे होता है, और दूसरा पीछे पीछे होता है।
- क्षुद्रग्रह किसी ग्रह के साथ एक कक्षा साझा करते हैं, लेकिन जो अग्रणी (L4) और अनुगामी (L5) लैग्रेंजियन बिंदुओं पर स्थित होते हैं, उन्हें ट्रोजन क्षुद्रग्रह के रूप में जाना जाता है।
- इस मिशन का नाम 3.2 मिलियन वर्ष पुराने पूर्वज 'लुसी' के नाम पर रखा गया है, जो होमिनिन प्रजाति (जिसमें मनुष्य और उनके पूर्वज शामिल हैं) से संबंधित थे।
- अंतरिक्ष यान में दो इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर और चार कैमरे हैं।

**MUST READ:** [IN-SPACE](https://www.in-space.com)

**SOURCE:** [MSN](https://www.msn.com)

### WASP-107B

**संदर्भ:** हाल ही में, NASA द्वारा बृहस्पति के आकार का एक्सोप्लैनेट "Wasp-107b" खोजा गया।

**पृष्ठभूमि:-**

- नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप ने एक नए एक्सोप्लैनेट की खोज की है, जो बृहस्पति के आकार का है।

**Wasp-107b के बारे में:-**

- WASP-107b एक एक्सोप्लैनेट है।

- इसकी खोज वर्ष 2017 में हुई थी।
- यह तारे WASP-107 की परिक्रमा करता है।
- यह पृथ्वी से 200 प्रकाश वर्ष दूर है।
- यह कन्या राशि में स्थित है।
- पहले, वैज्ञानिकों का मानना था कि ग्रह के चारों ओर फैले विशाल गैस आवरण के कारण ग्रह आकार में विशाल था।
- इसके अलावा, वैज्ञानिकों का मानना था कि इतने विशाल गैस आवरण केवल विशाल और घने कोर के साथ ही संभव हैं।
- हालाँकि, एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि WASP-107b के कोर उतने घने नहीं हैं जितना पहले सोचा गया था।

**MUST READ:** [Space sustainability](#)

**SOURCE:** [TIMES OF INDIA](#)

### पिरोला

**संदर्भ:** दो सप्ताह की अवधि में पिरोला के मामलों में तीन गुना वृद्धि देखी गई है।

**पृष्ठभूमि:-**

- पिरोला मुख्य रूप से अमेरिका के उत्तर-पूर्व में सर सर्कुलेट कर रहा है, जहां यह HV.1 के बाद दूसरे सबसे प्रचलित संस्करण (13%) के रूप में है।

**पिरोला के बारे में:-**

- पिरोला या BA.2.86 वैरिएंट 35 म्यूटेशन के साथ COVID-19 का एक नया स्ट्रेन है, जो इम्यून इवैजेशन और वैक्सीन प्रभावकारिता के बारे में चिंता बढ़ाता है।
- यह चकत्ते, नेत्रश्लेष्मलाशोथ (कंजंक्टिवाइटिस) और डायरिया (diarrhoea) जैसे विशिष्ट लक्षण प्रदर्शित करता है।
- पिरोला वैरिएंट अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य सहित कई देशों में पाया गया है।
- तथ्य यह है कि ये मामले असंबंधित हैं, कुछ हद तक अंतरराष्ट्रीय प्रसारण का सुझाव देते हैं, जो चिंताजनक है।
- ऐसे म्यूटेशन के साथ चिंता यह है कि ये संभावित रूप से वायरस को पिछले संक्रमण या टीकाकरण से प्राप्त प्रतिरक्षा के प्रति अधिक संक्रामक या प्रतिरोधी बना सकते हैं।
- WHO ने BA.2.86 को निगरानी के तहत एक वैरिएंट के रूप में वर्गीकृत किया है।
- पिरोला वैरिएंट के स्पाइक प्रोटीन में 30 से अधिक म्यूटेशन होते हैं, यह वह प्रोटीन है जिसका उपयोग वायरस मानव कोशिकाओं से जुड़ने के लिए करता है।
- यह संकेत देता है कि पिरोला वैरिएंट अन्य ओमिक्रॉन उप-वैरिएंट की तुलना में अधिक संक्रामक हो सकता है या टीकों से बच सकता है।

**MUST READ:** [INCOVACC](#)

**SOURCE:** [TIMES OF INDIA](#)



## हेलथ

### डायरिया

**संदर्भ:** हाल ही में, पूरे ब्रिटेन में डायरिया के गंभीर मामले बढ़ रहे हैं।

**पृष्ठभूमि:-**

- एक परजीवी से संक्रमण जो लंबे समय तक चलने वाले, गंभीर डायरिया के कारण बन सकता है, पूरे ब्रिटेन में "अभूतपूर्व और निरंतर (unprecedented and ongoing)" वृद्धि देखी गई है।
- संक्रमण में यह वृद्धि अगस्त के मध्य से जारी है।

**डायरिया के बारे में:-**

- डायरिया, या "रन", तब होता है जब व्यक्ति को पतले, पानी जैसे मल का अनुभव होता है और दिन में कई बार मल त्याग करने की तत्काल आवश्यकता महसूस होती है।
- यह तीव्र या दीर्घकालिक हो सकता है।
- तीव्र दस्त तब होता है जब स्थिति 1 से 2 दिनों तक बनी रहती है।
- क्रोनिक डायरिया से तात्पर्य अधिकांश दिनों में 3 से 4 सप्ताह से अधिक समय तक दस्त रहने से है।

**कारण:-**

- रोटावायरस, नोरोवायरस और वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस सहित वायरल संक्रमण (रोग निगरानी प्रणाली)
- साल्मोनेला और ई. कोलाई सहित जीवाणु संक्रमण
- परजीवी संक्रमण
- आंत के रोग
- खाद्य इन्टॉलरेंस , जैसे लैक्टोज इन्टॉलरेंस
- किसी दवा के प्रति प्रतिकूल प्रतिक्रिया
- पित्ताशय या पेट की सर्जरी

**लक्षण:-**

- जी मिचलाना
- पेट में दर्द
- ऐंठन
- सूजन
- डिहाइड्रेशन
- बार-बार मल त्यागने की इच्छा होना
- बड़ी मात्रा में मल आना

**रोकथाम:-**

- बार-बार हाथ धोना
- छुट्टी के समय केवल बोतलबंद पानी पीना
- छुट्टियों के दौरान केवल पका हुआ खाना ही खाएं

**अवश्य पढ़ें:** गैर संचारी एवं संचारी रोग

**SOURCE:** [SCIENCE ALERT](#)

**खसरा**

**संदर्भ:** हालिया रिपोर्टों के अनुसार 2021-2022 तक खसरे से होने वाली मौतों में 43% की वृद्धि हुई है।

**पृष्ठभूमि:-**

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनाइटेड स्टेट्स सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के एक नए आकलन के अनुसार, टीकाकरण दरों में गिरावट के वर्षों के बाद, 2021-2022 तक दुनिया भर में खसरे से होने वाली मौतों की संख्या में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

**खसरे के बारे में:-**

- खसरा एक अत्यधिक संक्रामक, गंभीर वायुजनित रोग है जो एक वायरस के कारण होता है जो गंभीर जटिलताओं और मृत्यु का कारण बन सकता है।
- खसरा संक्रमित बच्चे या वयस्क के नाक और गले में पाए जाने वाले वायरस के कारण होता है।
- संक्रमित व्यक्ति के सांस लेने, खांसने या छींकने से यह आसानी से फैलता है।
- यह गंभीर बीमारी, जटिलताएँ और यहाँ तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकता है।
- खसरा किसी को भी प्रभावित कर सकता है लेकिन यह बच्चों में सबसे आम है।
- खसरा श्वसन तंत्र को संक्रमित करता है और फिर पूरे शरीर में फैल जाता है।
- इसके लक्षणों में तेज़ बुखार, खांसी, नाक बहना और पूरे शरीर पर दाने शामिल हैं।
- खसरे के टीकाकरण से 2000 और 2021 के बीच 56 मिलियन मौतें रोकी गईं।
- भले ही एक सुरक्षित और लागत प्रभावी टीका उपलब्ध है, वर्ष 2021 में, वैश्विक स्तर पर खसरे से अनुमानित 128,000 मौतें हुईं, जिनमें से ज्यादातर 5 साल से कम उम्र के बिना टीकाकरण वाले या कम टीकाकरण वाले बच्चों में से थीं।
- वर्ष 2022 में, दुनिया के लगभग 83% बच्चों को नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से उनके पहले जन्मदिन तक खसरे के टीके की एक खुराक मिली - जो 2008 के बाद से सबसे कम है।

**खतरा :-**

- टीकाकरण न होना।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करना।
- विटामिन ए की कमी होना। (खसरा, रूबेला उन्मूलन के लिए भारत की योजना)

**MUST READ:** [Ni-kshay Mitra](#)

**SOURCE:** [DOWN TO EARTH](#)

**चिकनपॉक्स**

**संदर्भ:** हाल ही में, अमेरिकी आंकड़ों ने चिकनपॉक्स टीकाकरण के लाभों को रेखांकित किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- यूके में टीकाकरण और प्रतिरक्षण पर संयुक्त समिति (JCVI) द्वारा नियमित बाल्यावस्था टीकाकरण कार्यक्रम में चेचक (वैरिसेला) टीकाकरण को शामिल करने की हालिया सिफारिश इस निवारक उपाय के संभावित लाभों को रेखांकित करती है।
- टीका सभी बच्चों को 12 और 18 महीने की उम्र में दो खुराक में दिया जाना है।
- वैक्सीन लाने पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

**चिकनपॉक्स के बारे में:-**

- चिकनपॉक्स वैरिसेला-ज़ोस्टर वायरस के कारण होने वाली बीमारी है।
- इसमें छोटे, तरल पदार्थ से भरे फफोले के साथ खुजलीदार दाने निकल आते हैं। (डेल्टा वैरिएंट चिकन पॉक्स जितना संक्रामक)
- चिकनपॉक्स उन लोगों में बहुत आसानी से फैलता है जिन्हें यह बीमारी नहीं हुई है या जिन्होंने चिकनपॉक्स का टीका नहीं लगवाया है।

**लक्षण:-**

- दाने: चिकनपॉक्स के कारण होने वाले दाने वैरिसेला-ज़ोस्टर वायरस के संपर्क में आने के 10 से 21 दिन बाद दिखाई देते हैं।
  - दाने अक्सर लगभग 5 से 10 दिनों तक रहते हैं।
  - अन्य लक्षण जो दाने निकलने से 1 से 2 दिन पहले दिखाई दे सकते हैं उनमें शामिल हैं:-

- बुखार
- भूख में कमी
- सिरदर्द
- थकान और अस्वस्थ होने की सामान्य भावना

- कारण: वैरिसेला-ज़ोस्टर नामक वायरस चिकनपॉक्स का कारण बनता है।

#### ट्रांसमिशन:-

- यह दाने के सीधे संपर्क से फैल सकता है।
- यह तब भी फैल सकता है जब चिकनपॉक्स से पीड़ित व्यक्ति खांसता या छींकता है और आप हवा की बूंदों में सांस लेते हैं।

#### इलाज:-

- चिकनपॉक्स से पीड़ित अधिकांश लोगों को सलाह दी जाती है कि वे अपने लक्षणों को तब तक प्रबंधित करें जब तक वे अपने सिस्टम से वायरस के गुजरने का इंतजार न करें।
- डॉक्टर खुजली से राहत पाने के लिए एंटीहिस्टामाइन दवाएं या टॉपिकल मलहम लिख सकते हैं, या आप इन्हें काउंटर पर खरीद सकते हैं।
- चिकनपॉक्स का टीका अनुशंसित दो खुराक प्राप्त करने वाले 98 प्रतिशत लोगों में चिकनपॉक्स को रोकता है। (वैक्सीन बनाने के दृष्टिकोण)

MUST READ: [Ramsay Hunt Syndrome](#)

SOURCE: [THE HINDU](#)

### जीका

**संदर्भ:** हाल ही में पुणे में एक 64 वर्षीय महिला जीका से संक्रमित पाई गई।

#### पृष्ठभूमि:-

- पुणे के यरवदा इलाके में एक 64 वर्षीय महिला मच्छर जनित बीमारी जीका से संक्रमित पाई गई है।
- महामारी विज्ञान विभाग (Epidemiology Department) के सह-निदेशक डॉ. प्रताप सिंह सरणीकर ने मरीज से मुलाकात की और उन्हें उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखने के संबंध में निर्देश दिये।

#### जीका के बारे में:-



IMAGE SOURCE: [share.upmc.com](#)

- जीका वायरस एक मच्छर जनित फ्लेविवायरस है।
- जीका वायरस की पहचान सबसे पहले 1947 में युगांडा में बंदरों में हुई थी।
- बाद में इसकी पहचान 1952 में युगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया में मनुष्यों में की गई।
- मनुष्यों में अधिकांश संक्रमण स्पर्शोन्मुख या हल्के लक्षणों वाले होते हैं, जिनमें बुखार, दाने और जोड़ों का दर्द शामिल हैं।

**ट्रांसमिशन:-**

- यह मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों, विशेष रूप से एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
- यह यौन संपर्क, रक्त आधान और गर्भावस्था या प्रसव के दौरान संक्रमित मां से उसके बच्चे में भी फैल सकता है।
- जीका वायरस 2015-2018 के प्रकोप के दौरान खतरनाक हो गया था जो अमेरिका में फैला था।
- इस प्रकोप की विशेषता नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफली के मामलों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि थी, जिसने विश्व स्वास्थ्य संगठन को 2016 की शुरुआत में इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के लिए प्रेरित किया।

**इलाज:-**

- जीका के लिए कोई टीका या दवा नहीं है।

**अवश्य पढ़ें:** वोल्बाचिया बैक्टीरिया का उपयोग करके डेंगू को नियंत्रित करना

**SOURCE:** [AIR](#)

**मलेरिया**

**संदर्भ:** हाल ही में, विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्वी अफ्रीका में अल नीनो से संबंधित मलेरिया संक्रमण में वृद्धि का अनुभव हुआ है।

**पृष्ठभूमि:-**

- उनका कहना है कि नए संक्रमणों का आसन्न प्रकोप (Impending outbreaks) मलेरिया नियंत्रण में प्राप्त लाभ को खत्म कर सकता है।

**मलेरिया के बारे में:-**

- यह एक जनलेवा मच्छर जनित रक्त रोग है।
- यह प्लाज्मोडियम परजीवियों के कारण होता है।
- यह मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।
- इसे रोका और इलाज भी किया जा सकता है।

**लक्षण:-**

- इसके लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर द्वारा काटे जाने के दस से पंद्रह दिन बाद शुरू होते हैं।
- इसके लक्षणों में बुखार, थकान, उल्टी और सिरदर्द शामिल हैं।
- गंभीर मामलों में, यह पीलिया, दौरा, कोमा या मृत्यु का कारण बन सकता है।

**ट्रांसमिशन:-**

- परजीवी संक्रमित मादा एनोफिलिस मच्छरों के काटने से फैलते हैं।
- मानव शरीर में, परजीवी शुरू में यकृत कोशिकाओं में गुणा करते हैं और फिर लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) पर हमला करते हैं।
- 5 परजीवी प्रजातियां हैं जो मनुष्यों में मलेरिया का कारण बनती हैं और इनमें से 2 प्रजातियां (प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम और प्लाज्मोडियम विवैक्स) सबसे बड़ा खतरा पैदा करती हैं।

**रोकथाम:-**

- उन स्थानों पर सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें जहां ये मच्छर मौजूद हो।
- शाम होने के बाद मच्छर निरोधक (डीईईटी, IR3535 या इकारिडिन युक्त) का उपयोग करना।
- कॉइल और वेपोराइजर का उपयोग करना।
- सुरक्षात्मक कपड़े पहनना।
- विंडो स्क्रीन का उपयोग करना।

**इलाज:-**

- आर्टेमिसिनिन-आधारित संयोजन चिकित्सा दवाएं जैसे आर्टेमेथर-ल्यूमफैट्रिन आमतौर पर सबसे प्रभावी दवाएं हैं।
- क्लोरोक्वीन की सिफारिश केवल पी. विवैक्स परजीवी के संक्रमण के उपचार के लिए उन स्थानों पर की जाती है जहां यह अभी भी इस दवा के प्रति संवेदनशील है।
- पी. विवैक्स और पी. ओवले परजीवियों से संक्रमण की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए प्राइमाक्वीन को मुख्य उपचार में जोड़ा जाना चाहिए।
- इस्तेमाल की जाने वाली अधिकांश दवाएँ गोली के रूप में होती हैं।

- कुछ लोगों को इंजेक्शन वाली दवाओं के लिए स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल जाने की आवश्यकता हो सकती है।

#### भारत की स्थिति:-

- भारत में, मलेरिया उन्मूलन के प्रयास वर्ष 2015 में शुरू किए गए थे।
- वर्ष 2016 में नेशनल फ्रेमवर्क फॉर मलेरिया एलिमिनेशन (एनएफएमई) के लॉन्च के बाद इन्हें तेज किया गया।
- यह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक पहल है।
- NFME डब्ल्यूएचओ की 2016-2030 मलेरिया रणनीति के अनुरूप है।
  - **WHO की 2016-2030 मलेरिया रणनीति:** WHO वैश्विक मलेरिया कार्यक्रम (GMP) का मार्गदर्शन करती है।
- **उन्मूलन पर स्थिति:** भारत में समग्र मलेरिया में निरंतर गिरावट देखी जा रही है लेकिन मलेरिया उन्मूलन जर्नी में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

**MUST READ:** [New hope for malaria vaccine](#)

**SOURCE:** [DOWN TO EARTH](#)

#### स्वाइन फ्लू

**संदर्भ:** हाल ही में, ब्रिटेन में पहली बार किसी इंसान में स्वाइन फ्लू का नया स्ट्रेन खोजा गया।

#### पृष्ठभूमि:-

- यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (UKHSA) ने सत्यापित किया कि एक व्यक्ति इन्फ्लूएंजा A H1N2v के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया, जो देश भर में सूअरों में फैलने वाले फ्लू वायरस के समान एक अलग लेकिन समान वायरस है।

#### स्वाइन फ्लू के बारे में:-

- H1N1 फ्लू, जिसे कभी-कभी स्वाइन फ्लू भी कहा जाता है, एक प्रकार का इन्फ्लूएंजा A वायरस है।
- H1N1 जैसे इन्फ्लूएंजा वायरस नाक, गले और फेफड़ों की कोशिकाओं को संक्रमित करते हैं।
- जब इस वायरस से पीड़ित कोई व्यक्ति खांसता, छींकता, सांस लेता है या बात करता है तो ये वायरस हवा में निकलने वाली बूंदों के द्वारा फैल जाते हैं।
- और फिर दूषित बूंदों में सांस लेने पर वायरस शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

#### लक्षण:-

- बुखार, लेकिन हमेशा नहीं
- मांसपेशियों में दर्द
- ठंड लगना और पसीना आना
- खाँसी आना
- गला खराब होना
- नाक बहना या बंद होना
- पानीदार, लाल आँखें
- आँख का दर्द
- शरीर में दर्द
- सिरदर्द
- थकान और कमजोरी
- दस्त
- पेट में दर्द महसूस होना, उल्टी होना, लेकिन यह वयस्कों की तुलना में बच्चों में अधिक आम है।

#### रोकथाम:-

- बार-बार हाथ धोएं।
- खांसते और छींकते समय मुंह को ढकें रहना।

- चेहरे को छूने से बचें।
- आंख, नाक और मुंह को छूने से बचें।
- सतहों को साफ और कीटाणुरहित करें।

अवश्य पढ़ें: अफ्रीकी स्वाइन बुखार

SOURCE: [SCIENCE DIRECT](#)

### न्यूमोनिया

**संदर्भ:** हाल ही में, कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने चीन में बच्चों में सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि की खबरों के बाद पूरे राज्य में अपने स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे को अलर्ट पर रखा है।

**पृष्ठभूमि:-**

- एडवाइजरी में मौसमी फ्लू पर जोर दिया गया है, जो पांच से सात दिनों तक चलने वाली एक संक्रामक बीमारी है, जो कम रुग्णता और मृत्यु दर के लिए जानी जाती है।

**निमोनिया के बारे में:-**

- निमोनिया एक संक्रमण है जो एक या दोनों फेफड़ों में वायु की थैलियों को फुला देता है।
- हवा की थैलियां तरल पदार्थ या मवाद (शुद्ध पदार्थ) से भर सकती हैं, जिससे कफ या मवाद के साथ खांसी, बुखार, ठंड लगना और सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।
- बैक्टीरिया, वायरस और कवक सहित विभिन्न प्रकार के जीव निमोनिया का कारण बन सकते हैं।

**लक्षण:-**

- सांस लेने या खांसने पर सीने में दर्द
- भ्रम या मानसिक जागरूकता में परिवर्तन (65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्कों में)
- खांसी, जिसमें कफ का उत्पन्न होना
- थकान
- बुखार, पसीना आना और कंपकंपी वाली ठंड लगना
- शरीर का तापमान सामान्य से कम (65 वर्ष से अधिक उम्र के वयस्कों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में)
- मतली, उल्टी या दस्त
- सांस लेने में कठिनाई

**खतरा:-**

- अस्पताल में भर्ती होना
- स्थायी बीमारी
- धूम्रपान
- कमजोर या दबा हुआ प्रतिरक्षा तंत्र

**रोकथाम:-**

- टीका लगवाएं (रोग निगरानी प्रणाली)
- बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं
- अच्छी साफ-सफाई करना
- धूम्रपान न करना

**इलाज:-**

- टीका: बैक्टीरिया के कारण होने वाले निमोनिया को टीकों से आसानी से रोका जा सकता है। इसे रोकने के लिए प्राथमिक टीके (न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन (पीसीवी)) की 3 खुराक दी जाती है।
- निमोनिया के मुख्य वायरल कारणों में से एक के लिए एक नया टीका विकसित किया जा रहा है।
- भारत ने सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) के तहत पीसीवी का राष्ट्रव्यापी रोलआउट शुरू किया है।

अवश्य पढ़ें: राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी)  
स्रोत: हिन्दुस्तान टाइम्स



## इतिहास, कला एवं संस्कृति



### केरल पिरावी

संदर्भ: हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल पिरवी के विशेष अवसर पर केरल के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

पृष्ठभूमि:-

- इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, अपनी परिश्रम और अपनी सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध छवि के लिए पहचाने जाने वाले, केरल के लोग लचीलापन और दृढ़ संकल्प का प्रतीक हैं।

केरल पिरवी के बारे में:-

- यह हर साल 1 नवंबर को भारतीय राज्य केरल में मनाया जाता है।
- यह वह दिन है जो 1 नवंबर, 1956 को एक अलग इकाई के रूप में केरल राज्य की स्थापना का प्रतीक है।
- केरल राज्य का गठन त्रावणकोर-कोचीन के पूर्व राज्यों को मालाबार जिले और दक्षिण केनरा जिले के कासरगोड तालुक के साथ मिलाकर किया गया था।
- इस महत्वपूर्ण घटना ने केरल में सामंती राज्यों की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था के अंत और लोकतांत्रिक शासन के एक नए युग की शुरुआत को चिह्नित किया।
- "केरल पिरावी" शब्द का अनुवाद "केरल का जन्म" है, जो इस दिन के महत्व को दर्शाता है।
- केरल पिरावी केरलवासियों के लिए अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को फिर से देखने और अपने इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को प्रतिबिंबित करने का एक अवसर है।
- यह दिन बहुत धूमधाम से मनाया जाता है और राज्य की कला, संगीत, नृत्य, साहित्य और व्यंजनों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
- इस दिन को कई स्मारक कार्यक्रमों द्वारा भी चिह्नित किया जाता है, जिसमें सांस्कृतिक परेड, लोक नृत्य और राज्य के इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियां शामिल हैं। (मोहिनीअट्टम)
- इस उत्सव का एक मुख्य आकर्षण कोवलम में आयोजित प्रसिद्ध राष्ट्रपति ट्रॉफी बोट रेस प्रतियोगिता है।
- यह लोगों के लिए एक साथ आकर अपने साझा इतिहास का जश्न मनाने और उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की आशा करने का समय है।

अवश्य पढ़ें: केरल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020

SOURCE: [AIR](#)

### प्रधानमंत्री संग्रहालय

संदर्भ: हाल ही में मेट्रो स्टेशनों से प्रधानमंत्री संग्रहालय तक शटल बस सेवा शुरू हुई।

पृष्ठभूमि:-

- आगंतुकों को मेट्रो स्टेशनों और संग्रहालय के बीच कनेक्टिविटी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था।

प्रधानमंत्री संग्रहालय के बारे में:-

- स्थान: तीन मूर्ति, नई दिल्ली।
- प्रधानमंत्री संग्रहालय आजादी के बाद से भारत के प्रत्येक प्रधानमंत्री को एक श्रद्धांजलि है।
- यह एक कथात्मक रिकॉर्ड है कि पिछले 75 वर्षों में प्रत्येक व्यक्ति ने हमारे देश के विकास में कैसे योगदान दिया है।
- यह सामूहिक प्रयास का इतिहास और भारत के लोकतंत्र की रचनात्मक सफलता का सशक्त प्रमाण है।
- तीन मूर्ति एस्टेट, जो 16 वर्षों तक भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू का घर था, प्रधानमंत्री संग्रहालय के लिए प्राकृतिक वातावरण था।

- संग्रहालय पुनर्निर्मित और नवीनीकृत नेहरू संग्रहालय भवन से शुरू होता है और श्री जवाहरलाल नेहरू के जीवन और योगदान को अद्यतन तकनीक के साथ उन्नत रूप से प्रदर्शित करता है।
- नए पैनोरमा में एक खंड शामिल है जो बड़ी संख्या में उनके द्वारा प्राप्त दुर्लभ उपहारों को प्रदर्शित करता है।
- आधुनिक भारत की गाथा स्वतंत्रता संग्राम और एक महान संविधान के निर्माण से शुरू होती है।
- संग्रहालय यह कहानी बताता है कि कैसे हमारे प्रधानमंत्रियों ने विभिन्न चुनौतियों के माध्यम से देश को आगे बढ़ाया और देश की सर्वांगीण प्रगति सुनिश्चित की।

**महत्व:-**

- हमारे प्रधान मंत्री समाज के हर वर्ग और स्तर से आए, यह दर्शाता है कि लोकतंत्र के द्वार सभी के लिए समान रूप से खुले थे।

**अवश्य पढ़ें:** राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)

**SOURCE:** [PIB](#)

### बद्रीनाथ धाम

**संदर्भ:** हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बद्रीनाथ धाम का दौरा किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- राष्ट्रपति का श्रीनगर में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करने का कार्यक्रम है।
- हाल ही में राष्ट्रपति उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

**बद्रीनाथ धाम के बारे में:-**

- स्थान: उत्तराखंड, भारत।
- बद्रीनाथ या बद्रीनारायण मंदिर एक हिंदू मंदिर है।
- यह बद्रीनाथ शहर में स्थित है।
- यह भगवान विष्णु को समर्पित है।
- यह 4 चार धाम और छोटा चार धाम तीर्थ स्थलों में से एक है।
- इन चार धामों में शामिल हैं:-
  - बद्रीनाथ
  - केदारनाथ
  - गंगोत्री
  - यमुनोत्री
- यह मंदिर चमोली जिले में गढ़वाल पहाड़ी पर स्थित है।
- यह अलकनंदा नदी के किनारे है।
- इस मंदिर की तीन संरचनाएँ हैं: गर्भगृह (गर्भगृह), दर्शन मंडप (पूजा कक्ष), और सभा मंडप (कन्वेंशन हॉल)।
- तप्त कुंड, मंदिर के ठीक नीचे गर्म सल्फर झरनों का एक समूह है, जिसे औषधीय माना जाता है।
- बद्रीनाथ धाम, जो धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रहस्यमय सौंदर्य के संश्लेषण का प्रतीक है, पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण के दौर से गुजर रहा है।

**अवश्य पढ़ें:** खजुराहो के मंदिर

**SOURCE:** [AIR](#)

### रवीन्द्र भवन

**संदर्भ:** अनुभवी कलाकार जतिन दास ने हाल ही में रवीन्द्र भवन में दो क्यूरेटेड प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत शीर्ष सांस्कृतिक निकाय ललित कला अकादमी दो प्रदर्शनियां 'इमेजिंग द इमीडिएट- क्यूरेटिंग फ्रॉम ए नेशनल कलेक्शन' और 'द अफगान जर्नल' प्रस्तुत करने वाली हैं। इन दोनों प्रदर्शनियों को अकादमी के सहायक संपादक और प्रसिद्ध क्यूरेटर तथा कला इतिहासकार जॉनीएमएल ने तैयार किया है।
- वास्तुकार: आर. हबीब रहमान.



- स्थान: फ़िरोज़ शाह मार्ग, मंडी हाउस, नई दिल्ली
- क्षेत्रफल: 3.5 एकड़
- परियोजना वर्ष: 1961
- विचार: ऐसी इमारत जो रवीन्द्रनाथ टैगोर की जन्म शताब्दी को चिह्नित करेगी।
- रवीन्द्र भवन का निर्माण टैगोर की जन्म शताब्दी को चिह्नित करने के लिए किया गया था, जो एक कवि और उपन्यासकार होने के अलावा, एक कलाकार, नाटककार और संगीतकार थे।
- इस प्रकार यह इमारत तीन राष्ट्रीय अकादमियों का घर है: ललित कला (प्लास्टिक कला), संगीत नाटक (नृत्य, नाटक और संगीत) और साहित्य (साहित्य)।
- इमारत को तीन प्रमुख ब्लॉकों में विभाजित किया गया है- प्रशासनिक भवन, प्रदर्शनी गैलरी और थिएटर।
- प्रशासनिक ब्लॉक, जो सबसे बड़ा है, साइट पर काफी जगह घेरता है।
- साइट पर अधिकतम क्षेत्र को कवर करने के लिए वाई-आकार को बहुत सोच-समझकर चुना गया है।
- प्राकृतिक साधनों से प्रकाश व्यवस्था।
- यह इमारत टैगोर पर अध्ययन के लिए एक स्मारक संग्रहालय के रूप में भी कार्य करती है।
- यह रवीन्द्रनाथ टैगोर पर शोध अध्ययन का केंद्र भी है।
- इनमें पुरानी तस्वीरें भी शामिल हैं जो उनकी जीवनशैली को दर्शाती हैं।
- श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर की कलाकृतियों और व्यक्तिगत वस्तुओं की विस्तृत श्रृंखला बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित करती है।

**अवश्य पढ़ें:** विश्वभारती विश्वविद्यालय

**SOURCE:** [PIB](#)

### तमिल लंबाडी कढ़ाई

**संदर्भ:** हाल ही में, पोरगई आर्टिसन एसोसिएशन सोसाइटी, 60 से अधिक महिलाओं के साथ, पारंपरिक तमिल लंबाडी कढ़ाई को पुनर्जीवित कर रही है।

**तमिल लंबाडी कढ़ाई के बारे में:-**

- उत्पत्ति: तमिलनाडु। (तमिल-ब्राह्मी लिपि)
- यह लंबाडी समुदाय की सांस्कृतिक प्रथाओं और परंपराओं में निहित है।
- कई सौ साल पहले, लंबाडी आदिवासी आजीविका के लिए उत्तर पश्चिमी भारत से दक्षिण की ओर चले गए।
- वे एक खानाबदोश जनजाति थे लेकिन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में बस गए।
- सित्तिलिंगी घाटी (तमिलनाडु) भारत में लम्बाडिस की दूसरी सबसे दक्षिणी बस्ती है।
- इनके बोल्लड और कॉन्ट्रास्टिंग रंगों पर फोकस के साथ जीवंत रंग स्कीम है।
- इनकी जटिल कढ़ाई और दर्पण का कार्य जो वस्त्रों और परिधानों को सुशोभित करता है।
- ये प्रकृति, लोककथाओं और पारंपरिक मान्यताओं का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व करती है।
- पारंपरिक तमिल लंबाडी कढ़ाई डिजाइन सभी वर्गों, आयतों और वृत्तों के साथ ज्यामितीय पैटर्न हैं।
- ये स्थानीय जंगलों, पक्षियों, फलों और फूलों से भी प्रभावित हुए हैं।
- पोरगई के अधिकांश उत्पाद उनके अपने गांवों में उगाए गए जैविक कपास से बने होते हैं।

**महत्व:-**

- यह लम्बाडी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पहचान को दर्शाता है।
- यह कहानी कहने और सांस्कृतिक आख्यानों को संरक्षित करने के माध्यम के रूप में कार्य करता है।

**MUST READ:** [50 iconic Indian heritage textiles by UNESCO](#)

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

**संत मीराबाई**

**संदर्भ:** हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संत मीराबाई जन्मोत्सव में भाग लेने के लिए हाल ही में उत्तर प्रदेश के मथुरा का दौरा किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- कार्यक्रम का आयोजन संत मीराबाई की 525वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री संत मीरा बाई के सम्मान में एक स्मारक टिकट और एक सिक्का भी जारी किये।
- संत मीराबाई के बारे में:-
- मीराबाई का जन्म राजस्थान के पाली क्षेत्र के कुडकी में एक राजपूत शाही परिवार में हुआ था और उन्होंने अपनी युवावस्था मेड़ता में बिताई।
- लगभग 1600 ई.पू. तक, उनका उल्लेख भक्तमाल में किया गया था, जो दर्शाता है कि वह भक्ति आंदोलन में एक प्रसिद्ध और सम्मानित संत थीं।
- मीराबाई एक राजपूत राजकुमारी थीं जिन्होंने शाही परिवार के एक राजकुमार से शादी की थी।
- वह अछूत कहे जाने वाले संत रविदास की अनुयायी बन गईं (संत रविदास)
- उन्होंने अपना जीवन भगवान कृष्ण की भक्ति में समर्पित कर दिया।
- वह बृंदावन के गिरिधर गोपाल पंथ की शुरुआत करने वाली पहली महिला थीं और भक्ति आंदोलन में भजन की शुरुआत करने वाली पहली महिला थीं।
- उनके भजन ब्रजभाषा में रचित थे।
- **मीराबाई की पाँच शिक्षाएँ हैं:-**
  - वह जाति पदानुक्रम में विश्वास नहीं करती थी और इसके बजाय उच्च जाति मानकों पर कटाक्ष करती थी।
  - वह भगवान कृष्ण के प्रति अपनी अगाध भक्ति के कारण राज्य छोड़कर चली गईं।
  - वह राजसी परंपराओं की अनुयायी नहीं थीं।
  - उन्होंने घृणा से बचते हुए प्रेम का उपदेश दिया।
  - राजपरिवार से होने के बावजूद वह अछूत माने जाने वाले रविदास की अनुयायी बन गईं।

**अवश्य पढ़ें:** संत तुकाराम मंदिर

**SOURCE:** [AIR](#)

## रक्षा

### प्रचंड

**संदर्भ:** हाल ही में सेना का लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड ने सफलतापूर्वक अपनी उद्घाटन फायरिंग की।

**पृष्ठभूमि:-**

- ऑल इंडिया रेडियो के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, आर्मी एविएशन कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल एके सूरी ने इस बात पर जोर दिया कि बीतते वर्ष के साथ आर्मी एविएशन कोर क्षमता निर्माण और अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने के मामले में नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है।
- भारतीय सेना की सबसे युवा कोर में से एक, आर्मी एविएशन को 1 नवंबर 1986 को एक अलग शाखा के रूप में बनाया गया था।

**प्रचंड के बारे में:-**

- डिजाइन और निर्मित: हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)।
- यह मल्टी-रोल और कॉम्बैट सर्च एवं रेस्क्यू (सीएसएआर), डिस्ट्रिक्शन ऑफ़ एनिमी एयर डिफेन्स (DEAD) और काउंटर इंसर्जेंसी (CI) ऑपरेशनों का विनाश कर सकती है।
- एलसीएच को 5.8-टन श्रेणी के ट्विन इंजन इंजन, समर्पित लड़ाकू हेलीकॉप्टर के रूप में डिजाइन किया।
- इसमें पायलट और को-पायलट के लिए एक नैरो फुसेलगे (fuselage/हवाई जहाज की संरचना) और टैंडेम एक-के-पीछे-दूसरे कॉन्फ़िगरेशन की सुविधा है।
  - को-पायलट हथियार सिस्टम ऑपरेटर (WSO) भी है।
- इसका अधिकतम टेक-ऑफ वजन 5.8 टन, अधिकतम गति 268 किलोमीटर प्रति घंटा, रेंज 550 किलोमीटर है।
- इसकी सहनशक्ति तीन घंटे से अधिक है और इसकी सर्विस सीलिंग अधिकतम घनत्व ऊंचाई तक है जिससे यह 6.5 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है।
- LCH हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा निर्मित दो फ्रॉंसीसी मूल के शक्ति इंजनों द्वारा संचालित है।
- यह हेलीकॉप्टर रडार संकेतकों (सिग्नेचर) से बचाव के लिये रडार-अवशोषित तकनीकी का उपयोग करता है जिसमें क्रैश-प्रूफ संरचना एवं लैंडिंग गियर है।
- दबावयुक्त केबिन परमाणु, जैविक और रासायनिक (NBC) आकस्मिक व्यय से सुरक्षा प्रदान करता है।
- LCH दुनिया का एकमात्र लड़ाकू हेलीकॉप्टर है जो 5,000 मीटर की ऊंचाई पर हथियारों और ईंधन के काफी भार के साथ उतरने एवं उड़ान भरने में सक्षम है जो इसे सियाचिन ग्लेशियर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संचालित करने के लिए आदर्श बनाता है।

**अवश्य पढ़ें :** एशिया की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर विनिर्माण सुविधा

**SOURCE:** [AIR](#)

### मिनिटमैन 3

**संदर्भ:** हाल ही में अमेरिका ने परमाणु मिसाइल मिनिटमैन III का परीक्षण किया।

**मिनिटमैन III के बारे में:-**

- **वज़न:** 79,432 पाउंड (36,030 किलोग्राम)
- **व्यास:** 5 फीट (1.67 मीटर)
- **सीमा:** 6,000 मील से अधिक (5,218 समुद्री मील)
- **गति:** यह बहुत तेज़ चलती है, लगभग 15,000 मील प्रति घंटे
- यह बहुत ऊंचाई तक, लगभग 700 मील तक जा सकता है।
- मिनिटमैन मिसाइल प्रणाली 1950 के दशक के अंत में शुरू हुई जब उन्होंने 1960 के दशक की शुरुआत में मिनिटमैन I का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- मिनिटमैन III मिसाइल प्रणाली एक बहुत ही उन्नत और मजबूत हथियार है।

- मिनिटमैन III एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) है।
- इसे हमलों से बचाने के लिए भूमिगत साइलो में रखा जाता है।
- यह मजबूत केबलों द्वारा एक छिपे हुए नियंत्रण केंद्र से जुड़ा होता है।
- इसका डिजाइन इसे रोकना बहुत कठिन बना देता है।
- मिसाइल के हालिया परीक्षण से पता चलता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के पास एक मजबूत और शक्तिशाली हथियार है।

अवश्य पढ़ें: वरुण अभ्यास

SOURCE: [HINDUSTAN TIMES](#)

### युद्धपोत "सूरत"

संदर्भ: हाल ही में, भारतीय नौसेना के युद्धपोत "सूरत" का क्रेस्ट अनावरण समारोह आयोजित किया गया।

पृष्ठभूमि:-

- भारतीय नौसेना के नवीनतम, स्वदेशी, निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, युद्धपोत 'सूरत' का अनावरण गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा 06 नवंबर 2023 को सूरत में आयोजित एक समारोह में किया गया। इस समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार भी शामिल हुए।

सूरत के बारे में:-

- **निर्मित:** मझगांव डॉक्स शिपबिल्डर्स लिमिटेड मुंबई।
- **नामकरण:** डिस्ट्रॉयर का नाम गुजरात की वाणिज्यिक राजधानी- सूरत के नाम पर रखा गया है, जिसका एक समृद्ध समुद्री और जहाज निर्माण इतिहास रहा है।
- आईएनएस सूरत प्रोजेक्ट 15बी भारतीय नौसेना विध्वंसक का चौथा और अंतिम जहाज है।
- इन्हें प्रमुख पोत आईएनएस विशाखापत्तनम के नाम पर विशाखापत्तनम क्लास कहा जाता है।
- भारतीय नौसेना विध्वंसकों का नाम नौसेना परंपरा के अनुसार भारतीय शहरों के नाम पर रखा गया है।
- इसकी शुरुआत प्रोजेक्ट 15 से हुई, जिसके तहत तीन विध्वंसक बनाए गए: 1997 में आईएनएस दिल्ली, 1999 में आईएनएस मैसूर और 2001 में आईएनएस मुंबई।
- प्रोजेक्ट 15 के बाद तीन-विध्वंसक प्रोजेक्ट 15A आया, जिसके तहत 2014 में INS कोलकाता, 2015 में INS कोच्चि और 2016 में INS चेन्नई को चालू किया गया।
- इसके बाद 'प्रोजेक्ट 15बी' कार्यक्रम में चार अगली पीढ़ी के स्टील्थ-निर्देशित मिसाइल विध्वंसक का निर्माण शामिल है, जिनमें से 'सूरत' चौथा और आखिरी जहाज है।
- परियोजना 15-बी के अंतर्गत:-
  - पहला: आईएनएस विशाखापत्तनम।
  - दूसरा: आईएनएस मोरमुगाओ।
  - तीसरा: आईएनएस इंफाल।
  - चौथा: आईएनएस सूरत।
- जबकि आईएनएस मोरमुगाओ को 2022 में, आईएनएस इम्फाल को 2023 में और आईएनएस सूरत को 2024 में चालू किए जाने की संभावना है, ये सभी एक साल के अंतराल पर होंगे।
- सूरत जहाज को ब्लॉक निर्माण पद्धति का उपयोग करके बनाया गया है।
- इस पद्धति में दो अलग-अलग भौगोलिक स्थानों पर जहाज निर्माण शामिल है और इसे एमडीएल, मुंबई में एक साथ जोड़ा गया है।
- यह एक गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक है।
- यह पहला कैपिटल युद्धपोत है जिसका नाम गुजरात शहर के नाम पर रखा गया है।

महत्व:-

- इस युद्धपोत का निर्माण स्वदेशी अत्याधुनिक युद्धपोत निर्माण तकनीक के प्रति राष्ट्र के समर्पण और रणनीतिक सैन्य प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

**अवश्य पढ़ें:** दुनागिरी, एक प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट

**SOURCE:** [PIB](#)

### INS उत्क्रोश

**संदर्भ:** हाल ही में, पोर्ट ब्लेयर में नेवल एयर स्टेशन, आईएनएस उत्क्रोश में एलआरएमआर हैंगर और डिस्पर्सल का उद्घाटन किया गया।

**पृष्ठभूमि:-**

- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, सीडीएस, जनरल अनिल चौहान ने हाल ही में पोर्ट ब्लेयर में नेवल एयर स्टेशन, आईएनएस उत्क्रोश में एलआरएमआर हैंगर और डिस्पर्सल का उद्घाटन किया।
- ट्विन हैंगर 6000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। ड्रोनियर और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों के साथ P8I विमानों के संयोजन को समायोजित किया जा सकता है।
- यह हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करने में मदद करेगा।

**आईएनएस उत्क्रोश के बारे में:-**

- यह भारतीय सशस्त्र बलों की संयुक्त सेवा अंडमान और निकोबार कमान के तहत एक भारतीय नौसैनिक हवाई स्टेशन है।
  - नौसेना हवाई स्टेशन: एक सैन्य हवाई अड्डा, जिसमें नौसेना की संबंधित शाखा के सैन्य विमानन प्रभाग के लिए स्थायी भूमि-आधारित संचालन स्थान शामिल होता है।
- स्थान: पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- कमीशनिंग: इसे 1985 में कमीशन किया गया था।

**ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:-**

- पोर्ट ब्लेयर के हवाई क्षेत्र को 1984 में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से भारतीय नौसेना में स्थानांतरित कर दिया गया था।
- इसे शुरुआत में आईएनएस जारवा II के रूप में कमीशन किया गया था।
- 1985 में, भारत के तत्कालीन रक्षा मंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव द्वारा एयर स्टेशन को औपचारिक रूप से आईएनएस उत्क्रोश के रूप में चालू किया गया था, जिससे यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पहला नौसैनिक एयर स्टेशन बन गया।
- यह स्टेशन Do-228 समुद्री गश्ती विमान और HAL चेतक हेलीकॉप्टरों की SAR (खोज एवं बचाव) उड़ान संचालित करता है।
  - समुद्री गश्ती विमान (एमपीए): एक फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट जिसे समुद्री गश्ती भूमिकाओं में पानी के ऊपर लंबी अवधि तक संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
  - खोज और बचाव (SAR) सर्विस: विमान दुर्घटनाओं में जीवित बचे लोगों के साथ-साथ संकटग्रस्त विमान (और उनके यात्रियों) को उनकी राष्ट्रीयता की परवाह किए बिना प्रदान की जाती है।

**महत्व:-**

- स्टेशन मुख्य भूमि से कूरियर उड़ानों और पोर्ट ब्लेयर से आने-जाने वाली नागरिक उड़ानों को संभालता है।
  - यह वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ हवाई सुविधाओं को साझा करता है जो नागरिक यातायात को संभालता है।
- आईएनएस उत्क्रोश में सुविधाओं को उल्लेखनीय रूप से उन्नत किया गया है।
- रनवे को लगभग 11,000 फीट (3,400 मीटर) तक बढ़ा दिया गया है।
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा संचालित नागरिक टर्मिनल को छोड़कर, पोर्ट ब्लेयर पर अन्य सभी हवाई यातायात संचालन आईएनएस उत्क्रोश द्वारा किए जाते हैं।

**अवश्य पढ़ें:** कलवरी-क्लास पनडुब्बी आईएनएस वागिर

### जेरिको मिसाइल प्रणाली

**संदर्भ:** हाल ही में, एक इजरायली सांसद द्वारा हमास और फिलिस्तीन के बीच चल रहे युद्ध में 'जेरिको मिसाइल सिस्टम' तैनात करने का सुझाव दिया गया था।

**पृष्ठभूमि:-**

- इसने एक बार फिर पश्चिम एशिया में परमाणु हथियारों, विशेषकर जेरिको मिसाइल प्रणाली को सुर्खियों में ला दिया है।

**जेरिको मिसाइल प्रणाली के बारे में:-**

- जेरिको इजरायल का मूल बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम है, जिसे 1960 के दशक में शुरू किया गया था।
- इसका नाम वेस्ट बैंक में स्थित बाइबिल शहर के नाम पर रखा गया था।

- यह कार्यक्रम शुरू में फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी डसॉल्ट के साथ एक सहयोग था, लेकिन जब 1969 में फ्रांस पीछे हट गया, तो इजराइल ने अपना विकास जारी रखा।

#### जेरिको-1 मिसाइल प्रणाली:-

- जेरिको-1 मिसाइल प्रणाली अंततः 1990 के दशक में सेवानिवृत्त हो गई।
- इसका वजन 6.5 टन, लंबाई 13.4 मीटर और व्यास 0.8 मीटर था।
- जेरिको-1 मिसाइल प्रणाली की मारक क्षमता 500 किलोमीटर थी।
- यह 1,000 किलोग्राम का पेलोड ले जा सकता है, हालांकि इसके लक्ष्य के 1,000 मीटर के दायरे में मार करने की 50 प्रतिशत संभावना थी।

#### जेरिको-2 मिसाइल प्रणाली:-

- इसे 1980 के दशक के अंत में विकसित किया गया था।
- इसकी लंबाई 15 मीटर और व्यास 1.35 मीटर है, जबकि समान पेलोड क्षमता और रेंज 1,500 से 3,500 किलोमीटर के बीच है।
- इसकी पेलोड क्षमता जेरिको-1 के समान है।

#### जेरिको-3 मिसाइल प्रणाली:-

- यह पहली इजरायली इंटरकांटीनेंटल मिसाइल (आईसीबीएम) है।
- इसका पहली बार परीक्षण 2008 में किया गया और 2011 में सेवा में लाया गया।
- इसकी पेलोड क्षमता लगभग 1,300 किलोग्राम तक बढ़ाई गई।
- इसकी रेंज 4,800 से 6,500 किलोमीटर है।

**MUST READ:** [BrahMos Missiles](#)

**SOURCE:** [MSN](#)

### आईएनएस सुमेधा

**संदर्भ:** हाल ही में, आईएनएस सुमेधा ने नामीबिया के वॉल्विस खाड़ी में ठहराव के लिए में एक पोर्ट कॉल किया।

#### पृष्ठभूमि:-

- पश्चिम अफ्रीका और अटलांटिक महासागर में भारतीय नौसेना की मिशन-आधारित तैनाती के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए आईएनएस सुमेधा ने 10-13 नवंबर, 2023 तक नामीबिया की वॉल्विस खाड़ी में ठहराव के लिए एक पोर्ट कॉल किया।
- यह पोर्ट कॉल नामीबिया के साथ भारत के मधुर संबंधों, समुद्री सुरक्षा बढ़ाने और मित्र देशों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने की वचनबद्धता को प्रकट करता है।

#### आईएनएस सुमेधा के बारे में:-

- निर्मित: गोवा शिपयार्ड लिमिटेड।
- आईएनएस सुमेधा एक स्वदेश निर्मित नौसेना अपतटीय गश्ती पोत है।
- यह विशाखापत्तनम स्थित भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का हिस्सा है।
- यह भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला स्वदेशी नौसेना अपतटीय गश्ती पोत (एनओपीवी) परियोजना का तीसरा जहाज है।
- इसे स्वतंत्र रूप से और बेड़े संचालन के समर्थन में कई भूमिकाओं के लिए तैनात किया गया है।
- इसकी प्राथमिक भूमिका EEZ निगरानी, समुद्री डकैती रोधी गश्त, बेड़े समर्थन संचालन, अपतटीय संपत्तियों को समुद्री सुरक्षा प्रदान करना और उच्च मूल्य वाली संपत्तियों के लिए अनुरक्षण संचालन (escort operations) करना है।

#### महत्व:-

- यह एक अत्यधिक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म है जिसे विभिन्न परिचालन मिशनों के लिए तैनात किया जाता है।
- यह भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की क्षमताओं का प्रमाण है। (आईएनएस मोरमुगाओ)

**MUST READ:** [Dunagiri, a Project 17A Frigate](#)

**SOURCE:** [PIB](#)

### ओहियो क्लास पनडुब्बी

**संदर्भ:** हाल ही में, एक अमेरिकी परमाणु-संचालित ओहियो क्लास की पनडुब्बी, जो काफी दूरी तक सटीक मिसाइल हमलों के लिए सुसज्जित है, यह मध्य पूर्व के पानी में नौसेना के जहाजों के बेड़े में शामिल हो गई है।

#### पृष्ठभूमि:-

- 5 नवंबर को एक असामान्य सार्वजनिक घोषणा में, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी जिम्मेदारी के निर्दिष्ट क्षेत्र में ओहियो क्लास की पनडुब्बी के आगमन की पुष्टि की।
- मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य अभियानों को निर्देशित करने के लिए जिम्मेदार CENTCOM ने इस जानकारी को सोशल मीडिया के माध्यम से संक्षेप में साझा किया।

#### इसके बारे में:-

- यह परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों का एक वर्ग है।
- वर्तमान में ये संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना के साथ सेवा में हैं।
- ये अमेरिकी नौसेना के लिए अब तक बनाई गई सबसे बड़ी पनडुब्बियां हैं।
- ओहियो श्रेणी की पनडुब्बियों को शीत युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका को एक मजबूत और बने रहने योग्य समुद्र-आधारित रणनीतिक निवारक प्रदान करने के लिए विकसित किया गया था।
- पहली ओहियो श्रेणी की पनडुब्बी, यूएसएस ओहियो (एसएसबीएन-726), 1981 में कमीशन की गई थी।
- 1976 से 1997 के बीच कुल 18 पनडुब्बियों का निर्माण किया गया।
- इन पनडुब्बियों को विस्तारित पानी के भीतर संचालन के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- ये सामरिक निरोध (strategic deterrence), निगरानी और विशेष अभियानों सहित विभिन्न अभियानों का समर्थन करने के लिए उन्नत तकनीक से लैस हैं।
- इनमें से प्रत्येक पनडुब्बी को दो पूर्ण दल प्रदान किए जाते हैं, जिन्हें ब्लू क्रू और गोल्ड क्रू कहा जाता है, प्रत्येक चालक दल आम तौर पर 70 से 90-दिवसीय निवारक गश्त पर कार्य करता है।
- ये 30+ समुद्री मील की गति से यात्रा कर सकते हैं।
- ये अनिश्चित काल तक जलमग्न रहते हैं।

#### महत्व:-

- ओहियो श्रेणी की पनडुब्बियां संयुक्त राज्य अमेरिका के परमाणु त्रय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो परमाणु हथियारों से लैस पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलों (एसएलबीएम) के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती हैं।
- ओहियो श्रेणी की पनडुब्बियां नौसेना को गुप्त, गुप्त मंच (clandestine platform) से पहले हमले और विशेष ऑपरेशन मिशन क्षमताएं प्रदान करती हैं, और वे देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

**MUST READ:** [Submarine Vagir](#)

**SOURCE:** [ECONOMIC TIMES](#)

### 243वां कोर ऑफ इंजीनियर्स दिवस

**संदर्भ:** हाल ही में भारतीय सेना ने 243वां कोर ऑफ इंजीनियर्स दिवस मनाया।

#### पृष्ठभूमि:-

- थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने इस अवसर पर कोर के सभी रैंकों, दिग्गजों और परिवारों को शुभकामनाएं दी हैं।

#### 243वें कोर ऑफ इंजीनियर्स दिवस के बारे में:-

- भारतीय सेना कोर ऑफ इंजीनियर्स एक लड़ाकू सहायता शाखा है।
- कोर ऑफ इंजीनियर्स युद्धक इंजीनियरिंग सहायता प्रदान करता है, सशस्त्र बलों और अन्य रक्षा संगठनों के लिए बुनियादी ढांचे का विकास करता है।
- और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आबादी को सहायता प्रदान करने के अलावा हमारी विशाल सीमाओं के साथ संपर्क बनाए रखता है।
- इन कार्यों को कोर के चार स्तंभों - कॉम्बैट इंजीनियर्स, सैन्य इंजीनियर सेवा, सीमा सड़क संगठन और सैन्य सर्वेक्षण के माध्यम से निष्पादित किया जाता है।

- कोर ऑफ इंजीनियर्स के तीन समूह थे, यानी मद्रास सैपर्स, बंगाल सैपर्स और बॉम्बे सैपर्स।
- इन्हें 18 नवंबर 1932 को कोर में मिला दिया गया।
- अपनी स्थापना के बाद से, इतिहास युद्ध और शांति दोनों में कोर ऑफ इंजीनियर्स के विशाल अनुकरणीय योगदान से भरा पड़ा है।

**MUST READ:** सेना को सौंपी गई नई रक्षा प्रणालियाँ!

**SOURCE:** [AIR](#)

### IGLA-S

**संदर्भ:** हाल ही में, भारत ने रूस से एक शक्तिशाली वायु रक्षा प्रणाली इग्ला-एस की खरीद की घोषणा की।

**पृष्ठभूमि:-**

- भारत अपने शीर्ष हथियार आपूर्तिकर्ता रूस से एक शक्तिशाली विमान भेदी मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो चीन और पाकिस्तान सीमाओं पर अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगी।

**इग्ला-एस के बारे में:-**

- इग्ला-एस रूस द्वारा विकसित एक प्रमुख और अत्यधिक प्रभावी मानव-पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली (MANPADS) है।
- इग्ला-एस का विकास और निर्माण रूसी राज्य के स्वामित्व वाली रक्षा कंपनी, KBM (मशीन बिल्डिंग डिजाइन ब्यूरो) द्वारा किया गया है, जो मिसाइल प्रणालियों को डिजाइन करने में निपुण है।
- इसने 2004 में रूसी सेना के साथ सर्विस देने में जुड़ गई। (बैलिस्टिक मिसाइलों)
- इसे किसी व्यक्ति या चालक दल द्वारा दुश्मन के विमान को गिराने के लिए दागा जा सकता है।
- यह अगली पीढ़ी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है जिसे कम उड़ान वाले विमानों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह भारत को पहले आपूर्ति की गई SA-18 मिसाइलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन प्रदान करता है।
- इसे प्राकृतिक (पृष्ठभूमि) अव्यवस्था और जवाबी उपायों की उपस्थिति में, सामरिक विमान, हेलीकॉप्टर, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), और क्रूज मिसाइलों जैसे कम दूरी पर दृश्यमान हवाई लक्ष्यों के खिलाफ उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है।
- इग्ला-एस प्रणाली में 9M342 मिसाइल शामिल है, जो लड़ाकू उपकरणों का एक हिस्सा है।

**अवश्य पढ़ें:** इंटरकांटेनेटल बैलिस्टिक मिसाइल

**SOURCE:** [THE TIMES OF INDIA](#)

### हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड

**संदर्भ:** हाल ही में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड साइट का दौरा किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- यह यात्रा एक महत्वपूर्ण समय पर हुई है क्योंकि भारतीय वायु सेना ने हाल ही में 12 उन्नत Su-30MKI लड़ाकू जेट की खरीद के लिए HAL को निविदा जारी की है।

**हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बारे में:-**

- मुख्यालय: बेंगलोर, भारत।
- मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय।
- HAL एक सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय एयरोस्पेस और रक्षा फर्म है।
- विजन: एयरोस्पेस और रक्षा उद्योग में वैश्विक लीडर बनना।
- कंपनी जिसका मूल नाम हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड था, को भारत में विमान निर्माण के उद्देश्य से 23 दिसंबर 1940 को श्री वालचंद हीराचंद द्वारा तत्कालीन मैसूर सरकार के सहयोग से बेंगलोर में शामिल किया गया था।
- मार्च 1941 में, भारत सरकार कंपनी में शेयरधारकों में से एक बन गई और बाद में 1942 में इसका प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया।
- संयुक्त राज्य अमेरिका की इंटर कॉन्टिनेंटल एयरक्राफ्ट कंपनी के सहयोग से, कंपनी ने हार्लो ट्रेनर, कर्टिस हॉक फाइटर और वल्टी बॉम्बर एयरक्राफ्ट के निर्माण का अपना व्यवसाय शुरू किया।
- जनवरी 1951 में, हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में रखा गया था।



- यह मुख्य रूप से एयरोस्पेस गतिविधियों में संलग्न है और वर्तमान में विमान, डिजाइन, हेलीकॉप्टर, जेट इंजन और उनके प्रतिस्थापन भागों के निर्माण और उत्पादन में शामिल है। (डोर्नियर विमान)
- इसकी कई सुविधाएं पूरे भारत में फैली हुई हैं, जिनमें बेंगलूर, कानपुर, नासिक, कोरापुट, कोरवा, लखनऊ, कासरगोड और हैदराबाद शामिल हैं।

**अवश्य पढ़ें:** उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए)

**SOURCE:** [AIR](#)

### वज्र प्रहार

**संदर्भ:** हाल ही में, भारत-अमेरिका विशेष बल अभ्यास वज्र प्रहार शुरू हुआ।

**पृष्ठभूमि:-**

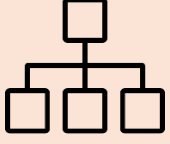
- भारतीय और अमेरिकी विशेष बलों ने हाल ही में मेघालय के उमरोई में संयुक्त प्रशिक्षण नोड में संयुक्त अभ्यास "वज्र प्रहार" शुरू किया।

**वज्र प्रहार के बारे में:-**

- दिनांक: 21 नवंबर से 11 दिसंबर, 2023।
- समयावधि: यह वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है।
- स्थान: उमरोई छावनी, मेघालय।
- वज्र प्रहार एक वार्षिक अभ्यास है जो वैकल्पिक रूप से भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष बलों द्वारा आयोजित किया जाता है।

**MUST READ:** [India-USA relations](#)

**SOURCE:** [TIMES OF INDIA](#)



## सरकारी पहल, योजनाएँ और नीतियाँ, संगठन



### कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण

**संदर्भ:** कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने नीदरलैंड को ताजे केलों की पहली परीक्षण खेप के निर्यात की सुविधा प्रदान की।

#### पृष्ठभूमि:-

- यूरोप में केले की परीक्षण खेप कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण-पंजीकृत 'आईएनआई फार्मर्स' द्वारा किया गया था, जो भारत से फलों और सब्जियों का एक शीर्ष निर्यातक है।
- नीदरलैंड के लिए केले की पहली निर्यात खेप को एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने महाराष्ट्र के बारामती से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

#### एपीडा के बारे में:-

- मंत्रालय: वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- यह 1985 में संसद द्वारा पारित कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम के तहत भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- प्राधिकरण ने प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन परिषद (पीएफईपीसी) का स्थान ले लिया।
- एपीडा को चीनी के आयात की निगरानी की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।
- एपीडा जैविक निर्यात के लिए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (National Programme for Organic Production-NPOP) के तहत प्रमाणन निकायों की मान्यता के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबी) के सचिवालय के रूप में भी कार्य करता है।
- अध्यक्ष - केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त (एपीडा ने नेफेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया)

#### कार्य:-

- वित्तीय सहायता प्रदान करके निर्यात के लिए अनुसूचित उत्पादों से संबंधित उद्योगों का विकास करना।
- निर्धारित शुल्क के भुगतान पर अनुसूचित उत्पादों के निर्यातकों के रूप में व्यक्तियों का पंजीकरण करना।
- निर्यात के उद्देश्य से अनुसूचित उत्पादों के लिए मानक और विशिष्टताएँ तय करना;
- बूचड़खानों, प्रसंस्करण संयंत्रों, भंडारण परिसरों, वाहनों या अन्य स्थानों पर मांस और मांस उत्पादों का निरीक्षण करना
- अनुसूचित उत्पादों की पैकेजिंग में सुधार।
- भारत के बाहर अनुसूचित उत्पादों के विपणन में सुधार करना।
- निर्यातोन्मुख उत्पादन का विकास और अनुसूचित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना।
- एपीडा को निम्नलिखित अनुसूचित उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन और विकास की जिम्मेदारी सौंपी गई है:
- फल, सब्जियाँ और उनके उत्पाद।
- मांस और उनके उत्पाद।
- पोल्ट्री और पोल्ट्री उत्पाद।
- डेयरी उत्पाद।
- कन्फेक्शनरी, बिस्कुट, और बेकरी उत्पाद।
- शहद, गुड़ और चीनी उत्पाद।
- कोको और उनके उत्पाद, सभी प्रकार की चॉकलेट।
- अल्कोहलिक और गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थ।
- अनाज और अनाज उत्पाद।

- ग्राउंडनट, मूँगफली, और अखरोट।
- अचार, पापड़ और चटनी।
- ग्वार गमा।
- फूलों की खेती और इनके उत्पाद।
- हर्बल और औषधीय प्लांट।
- तेल रहित चावल की भूसी।
- ग्रीन पीपर इन ब्राइन
- काजू और उनके उत्पाद।
- बासमती चावल को एपीडा अधिनियम की दूसरी अनुसूची में शामिल किया गया है।

**अवश्य पढ़ें:** कृषि अवसंरचना कोष (AIF)

**स्रोत:** AIR

### CBI

**संदर्भ:** हाल ही में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, और कथित तौर पर कई राज्यों में चल रहे एक अवैध नौकरी रैकेट का भंडाफोड़ किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- छह आरोपियों और अज्ञात लोक सेवकों तथा अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।
- यह आरोप लगाया गया था कि निजी व्यक्तियों से युक्त संगठित सिंडिकेट केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में संभावित नौकरी चाहने वालों से प्रोसेसिंग फीस या सुरक्षा जमा की आड़ में बड़ी रकम ले रहा था।

**केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के बारे में:-**

- इसकी स्थापना 194 में विशेष पुलिस प्रतिष्ठान के रूप में की गई थी।
- उद्देश्य: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान खरीद में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करना।
- बाद में, भ्रष्टाचार निवारण पर संस्थान समिति ने सीबीआई की स्थापना की सिफारिश की।
  - परिणामस्वरूप, इसे वर्ष 1963 में केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक प्रस्ताव द्वारा स्थापित किया गया था।
- वर्ष 1941 में स्थापित विशेष पुलिस प्रतिष्ठान (जो सतर्कता मामलों को देखता था) को भी सीबीआई में विलय कर दिया गया।
- बाद में, इसे कार्मिक मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया और अब इसे एक संलग्न कार्यालय का दर्जा प्राप्त है।
- सीबीआई कोई वैधानिक संस्था नहीं है।
- यह दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 से अपनी शक्तियों को प्राप्त करता है।
- CBI केंद्र सरकार की मुख्य जाँच एजेंसी है।
- CBI का नेतृत्व एक निदेशक करता है जिसकी सहायता एक विशेष/अतिरिक्त निदेशक करता है।
  - CBI के निदेशक को CVC अधिनियम, 2003 के तहत दो वर्ष के कार्यकाल की सुरक्षा प्रदान की गई है।
  - 2003 के CVC अधिनियम के अनुसार, केंद्र सरकार तीन सदस्यीय समिति की सिफारिश पर सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति करती है:
    - अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री,
    - लोकसभा में विपक्ष के नेता
    - भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनके द्वारा नामित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश।
    - यदि लोकसभा में विपक्ष का कोई मान्यता प्राप्त नेता नहीं है, तो लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल का नेता उस समिति का सदस्य होगा।
- सीबीआई अकादमी गाजियाबाद, यूपी में स्थित है और इसने 1996 में काम करना शुरू किया था।
- इसके कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में तीन क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र भी हैं।

- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत अपराधों की जांच से संबंधित सीबीआई का अधीक्षण केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के पास है।
- भारत सरकार के कार्मिक, पेंशन और शिकायत मंत्रालय में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के अन्य मामले शामिल हैं।

**कार्य:-**

- संघ सरकार के कर्मचारियों के भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और कदाचार के मामलों की जांच करना
- राजकोषीय और आर्थिक कानूनों के उल्लंघन से संबंधित मामलों की जांच करना
- पेशेवर अपराधियों के संगठित गिरोहों द्वारा किए गए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव वाले गंभीर अपराधों की जांच करना।
- भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों और विभिन्न राज्य पुलिस बलों की गतिविधियों का समन्वय करना
- राज्य सरकार के अनुरोध पर, सार्वजनिक महत्व के किसी भी मामले को जांच के लिए उठाना।
  - केंद्र सरकार किसी राज्य में ऐसे अपराध की जांच के लिए सीबीआई को अधिकृत कर सकती है, लेकिन केवल संबंधित राज्य सरकार की सहमति से।
- यह राज्य सरकारों के संदर्भ पर या उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालयों के निर्देश पर हत्या, अपहरण, बलात्कार आदि जैसे पारंपरिक अपराधों की जांच करता है।
- अपराध के आंकड़ों को बनाए रखना और आपराधिक जानकारी का प्रसार करना।
- सीबीआई भारत में इंटरपोल के "राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो" के रूप में कार्य करती है।

**MUST READ:** [CBI and ED](#)**SOURCE:** [AIR](#)**OECD**

**संदर्भ:** आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर पिछले साल 21 मिलियन टन प्लास्टिक पर्यावरण में रिसाव हो गया।

**पृष्ठभूमि:-**

- प्लास्टिक पर एक अंतरराष्ट्रीय संधि के लिए प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतर सरकारी वार्ता समिति से दो दिन पहले रिपोर्ट जारी की गई।

**आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के बारे में:-**

- स्थापना: वर्ष 1961 में
- मुख्यालय: पेरिस, फ्रांस
- कुल सदस्य: 38
- 38 सदस्य देशों में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, कनाडा, चिली, कोलंबिया, कोस्टा रिका, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आइसलैंड, आयरलैंड, इजराइल, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, मैक्सिको, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
  - भारत सदस्य नहीं है, बल्कि एक प्रमुख आर्थिक भागीदार है।
- आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो बेहतर जीवन के लिए बेहतर नीतियां बनाने का कार्य करता है।
- यह सभी के लिए समृद्धि, समानता, अवसर और खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बनाता है।
- इसका लक्ष्य ऐसी नीतियों को आकार देना है जो सभी के लिए समृद्धि, समानता, अवसर और कल्याण को बढ़ावा दें।

**संगठनात्मक संरचना:-**

- परिषद: निरीक्षण और रणनीतिक दिशा।
- समितियाँ: चर्चा और समीक्षा।
- सचिवालय: साक्ष्य और विश्लेषण।

**उद्देश्य:-**

- OECD का मुख्य उद्देश्य विश्व अर्थव्यवस्था को बढ़ाना और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना है।
- यह विभिन्न देशों की सरकारों को आम समस्याओं का समाधान खोजने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने का अवसर प्रदान करता है।
- इसमें उन लोकतांत्रिक देशों के साथ काम करना शामिल है जो सामान्य आबादी की अर्थव्यवस्था और कल्याण को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता साझा करते हैं।
- OECD का मुख्य उद्देश्य विश्व भर में सरकार का समर्थन करना है:
  - बाजार और संस्थानों के कामकाज में विश्वास बढ़ाना।
  - भविष्य में सतत आर्थिक विकास हासिल करने के लिए स्वस्थ सार्वजनिक वित्त प्राप्त करना।
  - नवाचार, स्थाई रणनीतियाँ और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की स्थिरता के माध्यम से विकास प्राप्त करना।
  - लोगों के उत्पादक कौशल को बढ़ाने के लिए संसाधन उपलब्ध कराना।

#### ओईसीडी द्वारा रिपोर्ट और सूचकांक:-

- सरकार की एक नज़र 2017 रिपोर्ट पर।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन आउटलुक।
- ओईसीडी बेहतर जीवन सूचकांक।

#### MUST READ: [Digital taxation & OECD: On a weak pillar](#)

#### SOURCE: [DOWN TO EARTH](#)

#### पीएम प्राइवेटजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) विकास मिशन

संदर्भ: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही पीएम पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) विकास मिशन लॉन्च करेंगे।

#### पृष्ठभूमि:-

- सूत्रों ने कहा कि मोदी सरकार जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए 24 हजार करोड़ रुपये की योजना शुरू करेगी।

#### पीएम पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) विकास मिशन के बारे में:-

- अपेक्षित लॉन्च: वर्ष 2023 में
- मंत्रालय: सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय।
- इस वर्ष के बजट में प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन की शुरुआत की घोषणा की गई थी।
- उद्देश्य: विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करना।
- 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पीवीटीजी की संख्या 75 है। वे लगभग 28 लाख की आबादी वाले 22 हजार 544 गांवों में रह रहे हैं।
- ये जनजातियां बिखरी हुई, सुदूर और दुर्गम बस्तियों में रहती हैं, अक्सर वन क्षेत्रों में।

#### मुख्य विशेषताएं:-

- मिशन की योजना पीवीटीजी परिवारों और बस्तियों को बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त करने की है।
- इनमें सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी, बिजली, सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण तक बेहतर पहुंच और स्थायी आजीविका के अवसर शामिल हैं।
- समूह के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अगले तीन वर्षों के लिए 15,000 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया है।
- इसे इस साल के बजट में सूचीबद्ध सात सप्तर्षि प्राथमिकताओं में से एक, 'रीचिंग द लास्ट माइल' के हिस्से के रूप में लॉन्च किया जाएगा।
- मिशन को नौ मंत्रालयों के 11 हस्तक्षेपों के अभिसरण के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।
- इसके अलावा, केंद्र मंत्री जन आरोग्य योजना, सिकल सेल रोग उन्मूलन, टीबी उन्मूलन, 100 प्रतिशत टीकाकरण, पीएम सुरक्षित मातृत्व योजना, पीएम मातृ वंदना योजना, पीएम पोषण और पीएम जन धन योजना जैसी योजनाओं के लिए संतृप्ति सुनिश्चित की जाएगी।
- **कार्यान्वयन:** पीएम-पीवीटीजी मिशन को लागू करने के लिए जिन मंत्रालयों को शामिल किए जाने की उम्मीद है उनमें ग्रामीण विकास मंत्रालय, जल संसाधन मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय शामिल हैं।

अवश्य पढ़ें: राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी)

SOURCE: [AIR](#)**'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट-2023'**

संदर्भ: हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट-2023' के उद्घाटन सत्र का नेतृत्व किया।

वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट-2023 के बारे में:-

- दिनांक: 12-13 जनवरी 2023
- "वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट" ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने के लिए विकासशील देशों से विचार उत्पन्न करने का एक मंच है, जो सस्ता, सुलभ और स्थाई होता है।
- भारत वर्चुअल प्रारूप में शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।
- इसमें उद्घाटन सत्र के बाद चार समानांतर मंत्रिस्तरीय सत्र होंगे।
- इसमें विदेश, शिक्षा, वित्त और पर्यावरण मंत्रियों के सत्र शामिल हैं।
- दोपहर में चार और समानांतर मंत्रिस्तरीय सत्र आयोजित किए जाएंगे।
- इसके उद्घाटन सत्र का विषय - एक साथ, सबके विकास के लिए, सबके विश्वास के साथ रखा गया है। इसके समापन सत्र का विषय - ग्लोबल साउथ: टुगेदर फॉर वन फ्यूचर रखा गया है।
- आकाशवाणी संवाददाता की रिपोर्ट है कि शिखर सम्मेलन भारत की अध्यक्षता के दौरान विभिन्न जी20 बैठकों में हासिल किए गए प्रमुख परिणामों को ग्लोबल साउथ के देशों के साथ साझा करने पर केंद्रित होगा।
- भारत ने 12-13 जनवरी 2023 को दो दिवसीय वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन की मेजबानी की।
- शिखर सम्मेलन वर्चुअल प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 10 सत्र थे।
- इसमें ग्लोबल साउथ के 125 देशों के नेताओं और मंत्रियों की भागीदारी देखी गई। भारत ने विकासशील विश्व की प्राथमिकताओं, दृष्टिकोणों और चिंताओं पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्रित करने के लिए इस अद्वितीय शिखर सम्मेलन का आयोजन किया।
- यह विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि दुनिया स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा तक सस्ती पहुंच, जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकियों और आर्थिक विकास की चुनौतियों से चिह्नित कठिन दौर से गुजर रही है।

महत्व:-

- यह शिखर सम्मेलन समय पर इस बात की याद दिलाता है कि ग्रह की तीन-चौथाई से अधिक आबादी के लिए क्या खतरा है, जो हमारे सामने आने वाले कई परस्पर जुड़े जोखिमों के हानिकारक प्रभाव के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है।

अवश्य पढ़ें: भारत और G20 प्रेसीडेंसी

SOURCE: [AIR](#)**एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय**

संदर्भ: हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मयूरभंज जिले के कुलियाना में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन किया।

पृष्ठभूमि:-

- ओडिशा में स्वीकृत 87 नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में से अकेले मयूरभंज जिले में 19 विद्यालय हैं, प्रत्येक ब्लॉक में एक, जो भारत के किसी भी जिले के लिए सबसे बड़ा है।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के बारे में:-

- एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय देशभर में भारतीय आदिवासियों (अनुसूचित जनजाति, एसटी) के लिए मॉडल आवासीय विद्यालयों के लिए भारत सरकार की एक योजना है।

EMRS का उद्देश्य:-

- प्रत्येक ईएमआरएस में नामांकित सभी छात्रों का व्यापक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से प्रासंगिक विकास।
- छात्रों को अपने स्कूल से, अपने घरों से, अपने गाँव से और अंत में बड़े संदर्भ में परिवर्तन एजेंट बनने के लिए सशक्त बनाया जाएगा।
- कक्षा XI और XII और कक्षा VI से X के छात्रों को उपलब्ध कराई जाने वाली शैक्षिक सहायता पर अलग-अलग ध्यान केंद्रित करें, ताकि उनकी विशिष्ट ज़रूरतें पूरी की जा सकें।
- छात्र जीवन की शिक्षा, भौतिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण का समर्थन करें।

**मुख्य विशेषताएं:-**

- EMRS की शुरुआत वर्ष 1997-98 में हुई।
- यह जनजातीय मामलों के मंत्रालय के प्रमुख हस्तक्षेपों में से एक है।
- यह स्कूल न केवल शैक्षणिक शिक्षा पर बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।
- प्रत्येक स्कूल की क्षमता 480 छात्रों की है, जो कक्षा VI से XII तक के छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है।
- एसटी छात्रों के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में " संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदान " के माध्यम से धन के प्रावधान के साथ स्थापित किए गए हैं।
- ईएमआरएस की स्थापना एक आवश्यक विशेषता के रूप में भूमि की उपलब्धता के साथ संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की मांग पर आधारित है।
- ईएमआरएस को चलाने के लिए नवोदय विद्यालय समिति के समान जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त समाज होगा।
- योजना में स्कूल भवन के अलावा छात्रावास और स्टाफ क्वार्टर, खेल के मैदान, कंप्यूटर लैब और शिक्षक संसाधन कक्ष भी शामिल हैं।

**महत्व:-**

- ईएमआरएस अनुसूचित जनजाति (एसटी) के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रभावित कर सकता है।

**अवश्य पढ़ें:** जनजातीय ज्ञान प्रणालियों को एकीकृत करना

**SOURCE:** [AIR](#)

**डॉ एसएस बद्दीनाथ**

**संदर्भ:** हाल ही में प्रधानमंत्री ने शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ. एसएस बद्दीनाथ के निधन पर शोक व्यक्त किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ. एस.एस बद्दीनाथ का चेन्नई में निधन हो गया।

**डॉ. एसएस बद्दीनाथ के बारे में:-**

- वह शंकर नेत्रालय के संस्थापक थे।
- बीमारी के कारण वह 83 वर्ष के थे।
- उनका जन्म 24 फरवरी 1940 को हुआ था।
- डॉ. एस.एस. बद्दीनाथ ने 1962 में मद्रास मेडिकल कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।
- उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की।
- वर्ष 1970 में भारत लौटने के बाद, उन्होंने अड्यार में स्वैच्छिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ काम किया।
- वह शंकर मठ से निकटता से जुड़े हुए थे क्योंकि उन्होंने अपने आध्यात्मिक गुरु चन्द्रशेखर सरस्वती स्वामीगल की मोतियाबिंद सर्जरी की थी।
- उन्होंने 1978 में मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की एक इकाई के रूप में शंकर नेत्रालय की स्थापना की।
- जिस संस्थान की उन्होंने स्थापना की वह प्रतिष्ठित, आधुनिक चिकित्सा की प्रगति का प्रतीक बन गया है।

**उपलब्धियाँ:-**

- वह इसके प्राप्तकर्ता थे:-
  - पद्म श्री: वर्ष 1983 में
  - पद्म भूषण: वर्ष 1999 में (पद्म पुरस्कार)

**जरूर पढ़ें:** पद्म पुरस्कार विजेता शांति देवी

**SOURCE:** [THE NEW INDIAN EXPRESS](#)

**संविधान दिवस**

**संदर्भ:** हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में एक सभा को संबोधित किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि संवैधानिक दिवस उन दूरदर्शी नेताओं को याद करने का एक उपयुक्त अवसर है जिन्होंने

लोकतंत्र की रीढ़ कहे जाने वाले भारतीय संविधान का निर्माण किया।

#### संविधान दिवस के बारे में:-

- भारत का संविधान भारत का सर्वोच्च कानून है।
- इसे 26 नवंबर 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था।
- संविधान दिवस संविधान के अनुसमर्थन (ratification) का प्रतीक है, जबकि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, भारत के संविधान की स्थापना का प्रतीक है।
- संविधान को अपनाने से ब्रिटेन से पूर्ण स्वतंत्रता की ओर परिवर्तन हुआ क्योंकि इससे भारत के गवर्नर-जनरल के रूप में लॉर्ड माउंटबेटन की भूमिका समाप्त हो गई।
- स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद, 299 निर्वाचित सदस्यों वाली संविधान सभा ने राष्ट्र की नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- 2015 तक, इस दिन को भारत में कानून दिवस के रूप में मान्यता दी गई थी।
- 2015 में बी.आर. की 125वीं जयंती के अवसर पर अम्बेडकर के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया।
- उद्देश्य: नागरिकों को अपने दैनिक जीवन में संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने और उनका पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना, राष्ट्र का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांतों की गहरी समझ को बढ़ावा देना।

#### समयरेखा:-

- 6 दिसंबर 1949 को संविधान सभा का गठन किया गया और इसकी पहली बैठक 9 दिसंबर को हुई। राजेंद्र प्रसाद को इसका अध्यक्ष और एच सी मुखर्जी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- 29 अगस्त, 1947 को मसौदा समिति ने अंबेडकर को अपना अध्यक्ष और छह अन्य सदस्यों - मुंशी एन गोपालस्वामी अय्यंगर, खेतान, मित्तर, मुहम्मद सादुल्ला, अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर को नियुक्त किया।
- संविधान सभा के सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 को दस्तावेज़ की दो हस्तलिखित प्रतियों (हिंदी और अंग्रेजी में एक-एक) पर हस्ताक्षर किए।
- 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान विधानसभा द्वारा अपनाया गया था।
- 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया।

अवश्य पढ़ें: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

SOURCE: [AIR](#)

#### विकसित भारत संकल्प यात्रा

संदर्भ: हाल ही में, विकसित भारत संकल्प यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

#### पृष्ठभूमि:-

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में आउटरीच कार्यक्रम विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ वर्चुअली बातचीत की।

#### विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में:-

- लॉन्च: वर्ष 2023 में

#### उद्देश्य:-

- वंचितों तक पहुंचना - यह अभियान कमजोर लोगों तक पहुंच प्रदान करता है, जो विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हैं जिन्होंने इसका अभी तक लाभ नहीं उठाया है।
- जानकारी उपलब्ध करवाना और योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- नागरिकों से सीखना - व्यक्तिगत आख्यानों और अनुभवों (stories/ experience) को साझा करने के माध्यम से सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्तकर्ताओं के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव।
- विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान विवरण के माध्यम से संभावित लाभार्थियों का नामांकन।

#### मुख्य विशेषताएं:-

- इसका उद्देश्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देना और प्रचारित करना है।



- यात्रा के माध्यम से जिन योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा उनमें आयुष्मान भारत; PMJAY पीएम बालिका कल्याण अन्न योजना; अन्य चीजों के अलावा, दीन दयाल अंत्योदय योजना।
- विशेष रूप से डिजाइन की गई पाँच IEC (सूचना, शिक्षा और संचार) वैन सरकार के प्रमुख कल्याण कार्यक्रमों का संदेश देंगी।
- 25 जनवरी 2024 तक 2.55 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों और 3,600 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों को कवर करने का लक्ष्य है।
- तालमेल बनाने के लिए, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और जनजातीय मामलों के मंत्रालय महत्वपूर्ण अनुसूचित जनजाति आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नोडल मंत्रालय होंगे।
- शहरी क्षेत्रों के लिए, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और आवास तथा शहरी मामलों के मंत्रालय नोडल मंत्रालय होंगे। भारत सरकार प्रभावी समन्वय के लिए राज्यों/जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त करने का प्रस्ताव करती है।

**अवश्य पढ़ें:** डिजिटल इंडिया कार्यक्रम

**SOURCE:** [AIR](#)

### मेरी माटी मेरा देश अभियान

**संदर्भ:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्तव्य पथ पर मेरी माटी मेरा देश अभियान की अमृत कलश यात्रा के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिये।

**मेरी माटी मेरा देश अभियान के बारे में:-**

- अमृत कलश यात्रा: 1 सितंबर से 31 अक्टूबर 2023
- केंद्र सरकार ने भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाते हुए 'आजादी का अमृत महोत्सव' की भव्य परिणति के रूप में 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान शुरू किया है।
- इस अभियान के तहत अगस्त में देश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र की गई मिट्टी का उपयोग दिल्ली में कर्तव्य पथ के किनारे एक उद्यान विकसित करने के लिए किया जाएगा।
- छोटे शहरी निकायों से मिट्टी कलश बड़ी नगर पालिकाओं एवं निगमों में समारोहपूर्वक जाए जाएंगे।
- इस पहल का उद्देश्य शहीदों के बलिदान का सम्मान और स्मरण करना है।
- इसमें स्वतंत्रता सेनानी, रक्षा कर्मी और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और राज्य पुलिस के सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

**पांच सूत्री एजेंडा:-**

- शिलाफलकम स्थापना: राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वालों के नाम से स्मारक बनाए जाएंगे।
- प्रतिबद्धता की प्रतिज्ञा: स्मारक स्थलों पर लोगों द्वारा एक गंभीर प्रतिज्ञा ली जाएगी।
- वसुधा वनधन: प्रत्येक ग्राम पंचायत या गांव स्वदेशी प्रजातियों के 75 पौधे लगाकर 'वसुधा वनधन' में भाग लेंगे।
- वीरों का वंदन: स्वतंत्रता सेनानियों और दिवंगत स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को आदर-सत्कार किया जाएगा।
- राष्ट्रीय ध्वज फहराना: राष्ट्रीय ध्वज शान से फहराया जाएगा और राष्ट्रगान एक सुर में गूजेगा।

**अवश्य पढ़ें:** रक्षा अधिग्रहण परिषद

**SOURCE:** [AIR](#)

## स्पोर्ट्स

### एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

**संदर्भ:** हाल ही में भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में कोरिया को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

**पृष्ठभूमि:-**

- सलीमा टेटे (6', 36'), नवनीत कौर (36'), वंदना कटारिया (49') और नेहा (60') भारत के लिए स्कोरर रहीं।

**एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के बारे में:-**

- दिनांक: 27 अक्टूबर - 5 नवंबर, 2023
- स्थान: रांची, झारखंड।
- महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सातवें संस्करण के सभी मैच मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोर्टफ हॉकी स्टेडियम में खेले गए।
- भारतीय हॉकी टीम महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 खिताब के लिए पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, कोरिया गणराज्य, जापान, मलेशिया और थाईलैंड के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की।
- भारतीय महिला हॉकी टीम, विश्व नंबर 7, एशियाई हॉकी चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ रैंक वाली टीम है।
- महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2010 और 2011 और फिर 2013 में आयोजित की गई थी।
- इसे वर्ष 2016 में द्विवार्षिक आयोजन बनाया गया।
- भारत ने तीन बार फाइनल में जगह बनाई है - 2013, 2016 और 2018, लेकिन 2016 में सिर्फ एक बार फाइनल में चीन को हराकर जीत हासिल की।

**टीम इंडिया:-**

- गोलकीपर: सविता पुनिया (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम
- डिफेंडर: निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान)
- मिडफील्डर: निशा, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, मोनिका, ज्योति, बलजीत काऊ
- फॉरवर्ड: लालरेम्मिसयामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया
- रिजर्व खिलाड़ी: शर्मिला देवी, वैष्णवी विट्टल फाल्के
- गोलकीपर सविता पुनिया एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का उनकी डिफेंडी के रूप में काम करेंगी।

**अवश्य पढ़ें:** शतरंज ओलंपियाड

**SOURCE:** [THE INDIAN EXPRESS](https://www.theindianexpress.com)

### आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023

**संदर्भ:** हाल ही में, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने 19 नवंबर, 2023 को अहमदाबाद में फाइनल में भारत को हराकर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 की ट्रॉफी जीती।

**पृष्ठभूमि:-**

- ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने चौथे विकेट के लिए 192 रन की साझेदारी की।

**आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के बारे में:-**

- दिनांक: 5 अक्टूबर 2023 - 19 नवंबर 2023।
- क्रिकेट विश्व कप पहली बार पूर्णतः भारत में आयोजित किया गया।
- इसमें दस भाग लेने वाले देश 50-ओवर वर्चस्व के लिए प्रतिस्पर्धा किये।
- यह चतुष्कोणीय एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ODI) प्रतियोगिता का 13वां संस्करण था।
- यह पिछले संस्करण के समान प्रारूप में लड़ा गया था, जिसमें 48 मैच खेले जाने थे।

- मूल रूप से 2023 की शुरुआत में निर्धारित, COVID महामारी के कारण इसमें देरी हुई क्योंकि क्रिकेट के व्यस्त कैलेंडर के बीच क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट को पीछे कर दिया गया।
- शुरुआत में इसके फरवरी और मार्च 2023 के बीच होने की उम्मीद थी, लेकिन अधिकारियों ने जुलाई 2020 में घोषणा की कि क्वालीफिकेशन प्रक्रिया में व्यवधान पैदा करने वाले COVID प्रतिबंधों के कारण इसे पीछे कर दिया जाएगा।
- प्रतिस्पर्धी देश: भारत (मेजबान), इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, नीदरलैंड, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका।
- जिन शहरों में टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा:-
  - अहमदाबाद, कोलकाता, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली, लखनऊ, धर्मशाला, चेन्नई, हैदराबाद

अवश्य पढ़ें: [स्पोर्ट्स कोड](#)

SOURCE: [THE HINDU](#)

### आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल 2023

संदर्भ: हाल ही में, ISSF विश्व कप फाइनल 2023 का प्रतिस्पर्धी चरण शुरू हुआ।

पृष्ठभूमि:-

- आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल 2023 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष और महिला स्पर्धाओं के साथ शुरू हुआ।

आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल 2023 के बारे में:-

- दिनांक: 18 नवंबर से 26 नवंबर, 2023 तक।
- स्थान: दोहा, कतर।
- इस प्रतियोगिता में 13 भारतीय निशानेबाज विभिन्न शूटिंग विषयों में शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।
- इस सीजन के समापन समारोह में इस साल के विश्व कप सर्किट के शीर्ष 15 निशानेबाज 12 शूटिंग स्पर्धाओं में भाग लेंगे।
- भारत वर्तमान में तीन स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य पदक के साथ विश्व कप पदक तालिका में तीसरे स्थान पर है।
- चीन सात स्वर्ण पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है।
- सर्बिया भारत के समान स्वर्ण और एक अतिरिक्त रजत पदक के साथ दूसरे स्थान पर है।
- भारतीय दल का नेतृत्व एशियाई खेल 2022 में कई पदक विजेता ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और पूर्व विश्व नंबर एक रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल करेंगे।
- इन दोनों के अलावा, टीम में पेरिस ओलंपिक 2024 के कोटा धारक मेहुली घोष, अखिल श्योराण, सरबजोत सिंह, अनीश भानवाला और एशियाई खेल 2022 की कांस्य पदक विजेता रमिता जिंदल शामिल हैं।
- टोक्यो ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन टीम के एक अन्य प्रमुख सदस्य हैं।

अवश्य पढ़ें: [स्पोर्ट्स कोड](#)

SOURCE: [AIR](#)

## विविध

### राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

**संदर्भ:** हाल ही में, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की शुरुआत की।

**राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के बारे में:-**

- राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों को सम्मानित करने के लिए 56 पुरस्कार शामिल हैं।
- प्रस्तावित 56 पुरस्कार उन लगभग 300 विज्ञान पुरस्कारों से काफी कम हैं जो केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा दिए जाते थे।
- ये पुरस्कार 2024 में शुरू होंगे।
- पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष 11 मई को की जाएगी, जिस दिन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस होता है।
- इन्हें 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर सम्मानित किया जाएगा।
- इन्हें राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति द्वारा दिया जाएगा।

**पात्रता:-**

- सरकारी, निजी क्षेत्र के संगठनों में काम करने वाले वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद्/अन्वेषकों या किसी भी संगठन से इतर काम करने वाला कोई भी व्यक्ति, जिसने विज्ञान, प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार के किसी भी क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान या नवाचार या अविष्कार के संदर्भ में विशिष्ट योगदान दिया हो, वे पुरस्कार प्राप्त करने के पात्र होंगे।
- विदेश में रहकर भारतीय समुदायों या समाज को लाभ पहुंचाने में असाधारण योगदान देने वाले भारतीय मूल के लोग भी पुरस्कार के पात्र होंगे।

**श्रेणियाँ:-**

श्रेणियाँ: 3 विज्ञान रत्न, 25 विज्ञान श्री, 25 विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर, और 3 विज्ञान टीम।

- विज्ञान रत्न (वीआर) पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में की गई जीवन भर की उपलब्धियों और योगदान को मान्यता देगा।
- विज्ञान श्री (वीएस) पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान को मान्यता देगा।
- विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर (वीवाई-एसएसबी) पुरस्कार 45 वर्ष की आयु तक के युवा वैज्ञानिकों को मान्यता देगा और प्रोत्साहित करेगा जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है।
- विज्ञान टीम (वीटी) पुरस्कार तीन या अधिक वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं/अन्वेषकों की एक टीम को दिया जाएगा, जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में एक टीम के रूप में काम करके असाधारण योगदान दिया हो।

**बनावट:-**

- सभी पुरस्कारों में एक सनद और एक पदक होगा। (पद्म पुरस्कार)

**जरूर पढ़ें:** पद्म पुरस्कार विजेता शांति देवी

**SOURCE:** [THE HINDU](https://www.thehindu.com)

### शारजाह अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला

**संदर्भ:** शारजाह अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले (एसआईबीएफ) का 42वां संस्करण वर्तमान में चल रहा है।

**पृष्ठभूमि:-**

- SIBF के वर्तमान संस्करण में 109 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 2,033 प्रकाशकों की प्रभावशाली भागीदारी है।
- पुस्तक मेले में इंडिया पब्लिशिंग एक जीवंत और हलचल भरा केंद्र है, जो देश की समृद्ध साहित्यिक विविधता का प्रतिनिधित्व करता है।

**शारजाह अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला 2023 के बारे में:-**

- दिनांक: 1- 12 नवंबर, 2023।
- आयोजक: शारजाह पुस्तक प्राधिकरण (एसबीए)।
- स्थान: शारजाह एक्सपो सेंटर, संयुक्त अरब अमीरात। (भारत और यूई के बीच सीईपीए)

- थीम: "वी स्पीक बुक्स"
- 12-दिवसीय एजेंडा एक व्यापक सांस्कृतिक, रचनात्मक और मनोरंजक कार्यक्रम है।
- 69 देशों के 215 मेहमानों द्वारा 1,700 से अधिक गतिविधियों का नेतृत्व किया जा रहा है, जो विभिन्न प्रकार की रुचियों और आयु समूहों को पूरा करते हैं।
- इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 600 लेखकों की भागीदारी है जो अपने नवीनतम कार्यों पर हस्ताक्षर करने के लिए उपस्थित हैं।
- दक्षिण कोरिया इस वर्ष एसआईबीएफ में सम्मानित अतिथि के रूप में मुख्य भूमिका निभा रहा है।
- यह महोत्सव साहित्य, कला, प्रौद्योगिकी और संस्कृति को कवर करते हुए दक्षिण कोरिया के अद्वितीय ज्ञान और सांस्कृतिक परिदृश्य पर प्रकाश डालता है।

#### ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:-

- महामहिम डॉ. शेख सुल्तान बिन मुहम्मद अल-कासिमी के संरक्षण में 1982 में शुरू हुआ 10 दिवसीय कार्यक्रम एक प्रमुख साहित्यिक कार्यक्रम है जो पूरे मध्य पूर्व, एशिया और अफ्रीका में लिखित कार्य को दर्शाता है।
- पुस्तक मेला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेला माना जाता है और वर्ष 2021 में 2.4 मिलियन आगंतुकों ने इसमें भाग लिया।
- इस कार्यक्रम में पुस्तक पर हस्ताक्षर, कार्यशालाएं और पैनल चर्चा की एक श्रृंखला भी शामिल है।

#### महत्व:-

- यह बताया गया है कि पिछले शारजाह अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लेने वाले यूके और यूरोपीय प्रकाशकों ने कहा कि यह मेला उनके लिए नए व्यावसायिक अवसर लेकर आया है।

#### अवश्य पढ़ें: भारत-यूईई संबंध

SOURCE: [AIR](#)

### नागरिक उड्डयन महानिदेशालय

**संदर्भ:** हाल ही में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

#### पृष्ठभूमि:-

- मई 2023 से नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) इन यात्री-केंद्रित नियमों के लिए एयरलाइनों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख हवाई अड्डों पर अनुसूचित घरेलू एयरलाइनों का निरीक्षण कर रहा है।
- निरीक्षण के दौरान, यह पाया गया कि एयर इंडिया संबंधित CAR के प्रावधानों का अनुपालन नहीं कर रहा था।

#### नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के बारे में:-

- मंत्रालय: नागरिक उड्डयन मंत्रालय।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय नागरिक उड्डयन मंत्रालय का एक संलग्न कार्यालय है।
- भारत के विभिन्न हिस्सों में इसके क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

#### कार्य:-

- यह नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में नियामक संस्था है जो मुख्य रूप से सुरक्षा मुद्दों से निपटती है।
- यह भारत से/भारत के भीतर/से हवाई परिवहन सेवाओं के विनियमन और नागरिक हवाई नियमों, हवाई सुरक्षा और उड़ान योग्यता मानकों के प्रवर्तन के लिए उत्तरदायी है।
- यह नागरिक विमानों के पंजीकरण के लिए जिम्मेदार है।
- यह हवाई अड्डों के प्रमाणीकरण के लिए जिम्मेदार है।
- यह पायलटों, विमान रखरखाव इंजीनियरों, हवाई यातायात नियंत्रकों और उड़ान इंजीनियरों को लाइसेंस देने और उस उद्देश्य के लिए परीक्षाएं और जांच आयोजित करने के लिए जिम्मेदार है।
- यह एक उत्प्रेरक एजेंट के रूप में कार्य करके विमान और विमान घटकों के स्वदेशी डिजाइन और निर्माण को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है।
- यह खतरनाक माल की ढुलाई के लिए ऑपरेटरों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मंजूरी देने, खतरनाक माल की ढुलाई के लिए प्राधिकरण

जारी करने आदि के लिए जिम्मेदार है।

- यह अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के साथ सभी नियामक कार्यों का समन्वय भी करता है।

#### विमानन सुरक्षा रैंकिंग:-

- वर्ष 2022 में, DGCA ने अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के समन्वित सत्यापन मिशन (या ऑडिट) में महत्वपूर्ण छलांग लगाई जो नवंबर 2022 में आयोजित किया गया था।
- परिणामस्वरूप, भारत का प्रभावी कार्यान्वयन स्कोर पिछले 69.95% से बढ़कर लगभग 85.49% हो गया है, जिससे 193 अनुबंधित राज्यों के बीच भारत की सुरक्षा निगरानी रैंक 102 से 48 हो गई है।

अवश्य पढ़ें: नागरिक उड्डयन उद्योग में सुधार

SOURCE: [AIR](#)

### भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम दिवस

सन्दर्भ: हाल ही में भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग दिवस मनाया गया।

#### आयोजन की मुख्य बातें:-

- दिनांक: 07 नवंबर, 2023
- स्थान: ढाका, बांग्लादेश।
- द्वारा आयोजित: बांग्लादेश के ITEC पूर्व छात्र संघ (IAAB) के सहयोग से ढाका में भारतीय उच्चायोग।
- ढाका में भारतीय उच्चायोग ने आईटीईसी दिवस मनाने के लिए बांग्लादेश के आईटीईसी पूर्व छात्र संघ (आईएबी) के सहयोग से एक समारोह का आयोजन किया।
- 15 सितंबर को ITEC दिवस के रूप में नामित किया गया है।
- बांग्लादेश के कृषि मंत्री डॉ. मुहम्मद अब्दुर रज्जाक इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- विशिष्ट अतिथियों के अलावा, समाज के सभी क्षेत्रों से लगभग 180 ITEC पूर्व छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- कुछ प्रतिष्ठित आईटीईसी पूर्व छात्रों ने भी दर्शकों के साथ अपने प्रशिक्षण अनुभव साझा किए।
- कार्यक्रम का समापन एक छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ।

#### भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग दिवस के बारे में:-

- संस्था: वर्ष 1964 से
- ITEC भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है।
- इसे 1964 में भारत के विकास सहायता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में स्थापित किया गया था।
- भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम की स्थापना 15 सितंबर 1964 को भारतीय मंत्रिमंडल के एक निर्णय द्वारा भारत सरकार की सहायता के द्विपक्षीय कार्यक्रम के रूप में की गई थी।

#### विशेषताएँ:-

- ITEC कार्यक्रम मूलतः द्विपक्षीय प्रकृति का है।
- हालाँकि, हाल के वर्षों में, ITEC संसाधनों का उपयोग क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय संदर्भों जैसे अफ्रीका के लिए आर्थिक आयोग, राष्ट्रमंडल सचिवालय, UNIDO, ग्रुप ऑफ 77 और G-15 जैसे सहयोग कार्यक्रमों के लिए भी किया गया है।
- यह दुनिया भर के 160 से अधिक देशों को भारत के विकास अनुभव और तकनीकी प्रगति का लाभ प्रदान कर रहा है।
- प्रत्येक वर्ष कृषि, लेखा, लेखा परीक्षा, सुशासन प्रथाओं, प्रबंधन, लघु और मध्यम उद्यमों, ग्रामीण विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य, संसदीय मामले, न्यायपालिका, चुनाव प्रबंधन, आईटी, डेटा एनालिटिक्स, रिमोट सेंसिंग, नवीकरणीय ऊर्जा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख भारतीय संस्थानों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए ITEC भागीदार देशों को 10,000 से अधिक प्रशिक्षण स्लॉट की पेशकश की जाती है।
- आज तक, 5,000 से अधिक युवा बांग्लादेशी पेशेवरों ने ITEC कार्यक्रमों के तहत भारत में ऐसे पाठ्यक्रमों में भाग लिया है।

#### ITEC/SCAAP कार्यक्रम के घटक:-

- ITEC भागीदार देशों के नामांकित व्यक्तियों का भारत में प्रशिक्षण (नागरिक और रक्षा)।
- परियोजनाएँ और परियोजना-संबंधी गतिविधियाँ जैसे व्यवहार्यता अध्ययन और परामर्श सेवाएँ (भारत की साइबर अवसंरचना)

- विदेशों में भारतीय विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति
- स्टडी टूर
- ITEC भागीदार देशों के अनुरोध पर उपकरणों के उपहार/दान और
- आपदा राहत के लिए सहायता

**महत्व:-**

- ITEC कार्यक्रम की स्थापना के संबंध में निर्णय इस अंतर्निहित विश्वास पर आधारित था कि "न केवल आम तौर पर आयोजित आदर्शों और आकांक्षाओं के आधार पर बल्कि ठोस आर्थिक नींव पर भी आपसी चिंता और अंतर-निर्भरता के संबंध स्थापित करना आवश्यक था।"
- तकनीकी और आर्थिक सहयोग को एकीकृत और कल्पनाशील विदेश नीति के आवश्यक कार्यों में से एक माना जाता था।"

**अवश्य पढ़ें:** अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

**SOURCE:** [AIR](#)

### राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

**संदर्भ:** हाल ही में आयुष मंत्रालय ने पंचकुला में 8वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया।

**पृष्ठभूमि:-**

- केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा हजारों साल पुरानी संस्कृति का हिस्सा है और प्राचीन काल से भारत के समाज, शिक्षा, सेवा और जीवनशैली में मौजूद रही है।

**राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के बारे में:-**

- राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस प्रतिवर्ष धनतेरस पर मनाया जाता है जो भगवान धन्वंतरि की जयंती है।
- ऐसा माना जाता है कि भगवान धन्वंतरि चिकित्सा के लिए हिंदू भगवान हैं और भगवान विष्णु के अवतार हैं।
- यह विश्व स्तर पर चिकित्सा के सबसे प्राचीन और समग्र दृष्टिकोणों में से एक के रूप में आयुर्वेद को बढ़ावा देने और वैश्वीकरण करने के लिए मनाया जाता है।
- 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2023 उत्सव का विषय "एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद" है और टैगलाइन "हर दिन सभी के लिए आयुर्वेद" है।
- भारत में पहली बार राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 28 अक्टूबर 2016 को मनाया गया था।

**राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उद्देश्य:-**

- राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का उत्सव आयुर्वेद को मुख्यधारा में बढ़ावा देने की एक पहल है।
- इसके उद्देश्यों में मानव कल्याण के लिए आयुर्वेद की शक्ति और इसके अद्वितीय उपचार सिद्धांत पर ध्यान केंद्रित करना भी शामिल है।
- आयुर्वेद रोग रुग्णता और मृत्यु दर के बोझ को भी कम करता है।
- यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति और कार्यक्रमों में योगदान करने के लिए आयुर्वेद की क्षमता का भी पता लगाता है।
- इसका उद्देश्य आम जनता के बीच जागरूकता की भावना पैदा करना और सभी जीवित प्राणियों की भलाई के लिए समाज में उपचार के आयुर्वेदिक सिद्धांतों को बढ़ावा देना भी है।

**महत्व:-**

- राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस आयुर्वेद और इसके लाभों के बारे में अधिक जानने और पूरक तथा वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में इसके उपयोग को बढ़ावा देने का एक अवसर है।
- इस दिन पूरे भारत में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, सेमिनार और प्रदर्शनियाँ शामिल हैं।

**अवश्य पढ़ें:** केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद

**SOURCE:** [AIR](#)

### अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2023

**संदर्भ:** भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2023 का 42वां संस्करण हाल ही में शुरू हुआ।

**पृष्ठभूमि:-**

- हाल ही में नवंबर महीने की 27 तारीख तक चलने वाले मेले का उद्घाटन केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल की।

**अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के बारे में:-**

- दिनांक: 14 - 27 नवंबर 2023

- समय: मेले का समय प्रातः 10 बजे से शाम 7.30 बजे तक रहेगा।
- स्थान: प्रगति मैदान, नई दिल्ली।
- भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) का 42वां संस्करण अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह कन्वेंशन सेंटर (आईईसीसी) के नवनिर्मित हॉल में आयोजित किया जाएगा।
- यह चौदह दिवसीय मेला है।
- थीम: थीम वसुधैव कुटुंबकम है।
- विषय सतत विकास और कल्याण प्राप्त करने के लिए व्यापार में परस्पर जुड़ाव और सहयोग के महत्व पर बल देता है।
- G20 के अनुरूप, थीम विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्राचीन बुद्धि और शक्ति, प्रमुख सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर दृष्टिकोण और राय एवं वैश्विक आर्थिक नीतियों को आकार देने में भाग लेने को साझा करती है।
- प्रतिभागी: इस मेले में भारत और विदेश से तीन हजार से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे।
- अफगानिस्तान, बांग्लादेश, ओमान, मिस्र, नेपाल, थाईलैंड, तुर्की, वियतनाम, ट्यूनीशिया, किर्गिस्तान, लेबनान, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात सहित 13 देशों के प्रतिनिधि विदेशों से इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।
- व्यापार मेले के पहले पांच दिन व्यवसाय श्रेणी के लिए आरक्षित होंगे और आम जनता के लिए, यह इस महीने की 19 तारीख से खुला रहेगा।
- बिहार और केरल भागीदार राज्य हैं जबकि दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश फोकस राज्य हैं।
- आगंतुक व्यापार मेले के टिकट ऑनलाइन और चुनिंदा 55 मेट्रो स्टेशनों से भी खरीद सकते हैं। दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए मेले में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।
- इसमें व्यावसायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक आयामों का एक विस्तृत स्पेक्ट्रम है जो एक साथ जुड़े हुए हैं जहां आगंतुक और प्रदर्शक, सोशल एक्टिविटी, मार्केटिंग प्रोफेशनल, सामाजिक कार्यकर्ता, गैर सरकारी संगठन आदि अपनी आवश्यकताओं और उद्देश्यों को पूरा करते हैं।

#### महत्व:-

- कई सरकारी संगठन जनता के बीच अपने कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस मंच का उपयोग करते हैं।
- भारत की संघीय सरकार के लगभग सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस मेगा आयोजन में भाग लेते हैं। आईआईटीएफ 2023 विविध क्षेत्रों में देश की नवीनतम निर्यात क्षमता को प्रदर्शित करेगा, खासकर तब जब हम जी20 में भारत की अध्यक्षता का जश्न मना रहे होंगे। (मुक्त व्यापार समझौता व्यवस्था)

अवश्य पढ़ें: नई विदेश व्यापार नीति

SOURCE: [AIR](#)

#### सी बकथॉर्न

संदर्भ: भौगोलिक संकेतक (GI) टैग के बाद लद्दाख सी बकथॉर्न के अधिक उत्पादन पर नजर रखे हुए है।

#### पृष्ठभूमि:-

- आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, लद्दाख में सालाना कम से कम 600 टन सी बकथॉर्न बेरीज की कटाई की जाती है।

#### सी बकथॉर्न के बारे में:-

- वैज्ञानिक नाम: हिप्पोफ्रे रम्नोइड्स
- सी बकथॉर्न (हिप्पोफ्रे एल) एक झाड़ी (Shrub) है जो नारंगी-पीले रंग की खाने योग्य बेरी पैदा करती है।
- भारत में यह आमतौर पर हिमालय क्षेत्र में वृक्ष रेखा के ऊपर लद्दाख और स्पीति के ठंडे रेगिस्तान जैसे शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है।
- हिमाचल प्रदेश में इसे स्थानीय तौर पर छरमा कहा जाता है।

#### उपयोग:-

- पेट, हृदय और त्वचा की समस्याओं का इलाज
- इसके फल और पत्तियां विटामिन, कैरोटीनॉयड और ओमेगा फैटी एसिड से भरपूर होते हैं।
- इनसे सैनिकों को ऊंचाई पर अभ्यस्त होने में मदद मिलती है।



- ईंधन की लकड़ी और चारे का महत्वपूर्ण स्रोत।
- मृदा अपरदन को रोकता है
- नदियों में गाद जमा होने से रोकता है
- पुष्प जैवविविधता को संरक्षित करने में मदद करता है।
- जूस, जैम, पोषण संबंधी कैप्सूल आदि बनाने में उपयोग किया जाता है।

**अवश्य पढ़ें:** जलकुंभी (Water Hyacinth)

**SOURCE:** [THE TRIBUNE](#)

### राष्ट्रीय प्रेस दिवस

**सन्दर्भ:** हाल ही में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया।

**पृष्ठभूमि:-**

- प्रतिवर्ष 16 नवंबर को स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की स्मृति में 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मनाया जाता है।

**राष्ट्रीय प्रेस दिवस के बारे में:-**

- यह भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) के सम्मान में मनाया जाता है।
- भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की स्थापना 4 जुलाई 1966 को संसद द्वारा की गई थी।
- यह दिन भारत में स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति को चिह्नित करने के लिए है।

**पत्रकारिता की नैतिकता को बनाए रखने के अधिकार का विकास:**

प्रथम प्रेस आयोग, 1956:

- वर्ष 1956 में, प्रथम प्रेस आयोग ने पत्रकारिता की नैतिकता को बनाए रखने की जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए वैधानिक अधिकार से संपन्न एक निकाय बनाने का निर्णय लिया।
- वर्ष 1966 में 16 नवंबर को इसका गठन किया गया था।
- परिषद की स्थापना के उपलक्ष्य में तब से प्रतिवर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है।
- भारतीय प्रेस के सामने आने वाले कई मुद्दों को उठाने के लिए विभिन्न सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं।

**अवश्य पढ़ें:** एशिया-प्रशांत प्रसारण संघ

**SOURCE:** [AIR](#)

### राष्ट्रीय बाल दिवस

**संदर्भ:** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय बाल दिवस पर बच्चों को बचपन से ही दूसरों की मदद करने और पर्यावरण के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना रखने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

**पृष्ठभूमि:-**

- राष्ट्रपति ने बाल दिवस पर राष्ट्रपति भवन में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

**राष्ट्रीय बाल दिवस के बारे में:-**

- भारत में बाल दिवस को 'बाल दिवस' के नाम से भी जाना जाता है।
- बाल दिवस देश में वार्षिक उत्सव है जो 14 नवंबर को भारत के पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर मनाया जाता है।
- इसका उत्सव 1956 से शुरू होता है, जब संयुक्त राष्ट्र के अनुरूप इस दिन को 20 नवंबर को 'सार्वभौमिक बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता था।
- लेकिन, 1964 में पंडित नेहरू की मृत्यु के बाद, यह निर्णय लिया गया कि इस समारोह को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाए।
- पं. नेहरू का बच्चों के प्रति प्रेम जगजाहिर था।
- बच्चों के बीच उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें 'चाचा नेहरू' कहा जाता था।
- ऐसा कहा जाता है कि वह उन्हें देश की भविष्य की संपत्ति मानते थे, जिनके लिए सर्वांगीण शिक्षा उनके करियर और देश के लिए महत्वपूर्ण होगी। (प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई))

- इस प्रकार, पं. नेहरू भविष्य की कई पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बन गये।
- उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जैसे अग्रणी वैज्ञानिक संस्थानों की भी स्थापना की।

**महत्व:-**

- यह दिन बच्चों के अधिकारों के लिए है और उनकी जरूरतों और आवाजों को प्राथमिकता देता है। (किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2021)
- यह आने वाले वर्षों में बच्चों को देश का बेहतर नागरिक बनाने में सक्षम बनाने के लिए उनकी शिक्षा की आवश्यकता के बारे में जागरूकता भी बढ़ाता है।

**अवश्य पढ़ें:** भारत में बाल विवाह

**SOURCE:** [AIR](#)

**मनोहर पर्रिकर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार**

**संदर्भ:** हाल ही में, इसरो के डॉ. मथवराज को गोवा सरकार के पहले 'मनोहर पर्रिकर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार' के लिए चुना गया था।

**पृष्ठभूमि:-**

- डॉ. मथवराज ने चंद्रयान 3 मिशन के संचालित वंश प्रक्षेपवक्र (powered decent trajectory) को डिजाइन किया था जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरा था।
- इस पुरस्कार के लिए सरकार को 106 आवेदन प्राप्त हुए थे, और भारत के पूर्व परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अनिल काकोडकर, जिन्होंने युवा वैज्ञानिकों के चयन की विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता की, ने 14 आवेदकों को शॉर्टलिस्ट किया।

**मनोहर पर्रिकर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार के बारे में:-**

- पुरस्कार प्रस्तुति तिथि: 13 दिसंबर 2023
- इस दिन डॉ. मनोहर पर्रिकर की जयंती रहती है।
- यह पुरस्कार एनआईओ में मनोहर पर्रिकर विज्ञान महोत्सव में प्रदान किया जाएगा।
- डॉ. अनिल काकोडकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने डॉ. मथवराज को पुरस्कार के लिए चुना, जिन्होंने चंद्रयान-3 मिशन के संचालित वंश प्रक्षेपवक्र (powered decent trajectory) को डिजाइन किया था।

**बनावट :-**

- इस पुरस्कार में 5 लाख रुपये और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है, जो वर्तमान में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सर्वोच्च नकद पुरस्कार है।

**अवश्य पढ़ें:** प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पीबीएसए)

**SOURCE:** [THE HINDU](#)

**ब्रिटिश अकादमी बुक पुरस्कार**

**संदर्भ:** हाल ही में, भारत में जन्मी लेखिका नंदिनी दास को ब्रिटिश अकादमी बुक पुरस्कार 2023 का विजेता नामित किया गया है।

**पृष्ठभूमि:-**

- नंदिनी दास ने अपनी पुस्तक 'कोर्टिंग इंडिया: इंग्लैंड, मुगल इंडिया एंड द ओरिजिन्स ऑफ एम्पायर' के लिए पुरस्कार जीता।

**परिचय:-**

- इसकी स्थापना 2013 में हुई थी।
- द्वारा दिया गया: ब्रिटिश अकादमी
- पुरस्कार राशि: £25,000
- उद्देश्य: गैर-काल्पनिक साहित्यों के सर्वोत्तम कार्यों को पुरस्कृत करना और उनका जश्न मनाना।
- ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार को पहले नायेफ अल-रोधन पुरस्कार के नाम से जाना जाता था।
- 49 वर्षीय भारतीय मूल की लेखिका और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अंग्रेजी संकाय में प्रोफेसर नंदिनी दास ने वैश्विक सांस्कृतिक समझ के लिए 2023 ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार जीता।
- उनकी विजेता पुस्तक का शीर्षक "कोर्टिंग इंडिया: इंग्लैंड, मुगल इंडिया, एंड द ओरिजिन्स ऑफ एम्पायर" है, जो 17वीं शताब्दी की शुरुआत में भारत में पहले अंग्रेजी राजदूत सर थॉमस रो पर ध्यान केंद्रित करके ब्रिटिश साम्राज्य की उत्पत्ति की निरीक्षण करती है।

- अन्य शॉर्टलिस्टेड कार्य: पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट में क्रिस मांजपरा द्वारा लिखित "ब्लैक घोस्ट ऑफ एम्पायर: द लॉन्ग डेथ ऑफ स्लेवरी एंड द फेल्योर ऑफ इमैन्सिपेशन" नामक कार्य भी शामिल था।

अवश्य पढ़ें: पद्म पुरस्कार

SOURCE: [THE NEW INDIAN EXPRESS](#)



**IAS BABA**



# Prelims Test Series 2024

**20  
Tests**

**7 Subject wise Tests**

**3 Current Affairs Tests**

**5 Full Length (GS) Tests**

**5 Full Length (CSAT) Tests**

**As per latest UPSC pattern**

**₹1999/-**  
+GST

**ENGLISH & हिंदी**

**ONLINE & OFFLINE**

**Starts 25th February**

**ADMISSION OPEN**

**Bengaluru | Delhi | Lucknow | Bhopal**

## MAINS

### PAPER 1

#### सिनेमा के दृष्टिकोण से समाज (SOCIETY THROUGH CINEMA'S LENS)

##### GS I – संस्कृति

**संदर्भ:** फिल्में शक्तिशाली सांस्कृतिक कलाकृतियाँ हैं जो समाज को प्रतिबिंबित और प्रभावित करती हैं। भारतीय सिनेमा न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि भारतीय समाज, संस्कृति और मूल्यों का प्रतिबिंब भी है। वे दर्पण के रूप में कार्य करती हैं जो किसी विशेष संस्कृति या समय अवधि के मूल्यों, विश्वासों और मानदंडों को दर्शाती हैं।

##### फिल्मों और समाज

##### संस्कृति और मूल्यों का प्रतिबिंब

- **सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व:** फिल्मों में अक्सर किसी समाज की संस्कृति को प्रतिबिंबित करती हैं, उसकी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक मानदंडों को प्रदर्शित करती हैं। उदाहरण – कंतारा
- **वैल्यू और विश्वास:** फिल्म निर्माता सामाजिक मूल्यों का पता लगाने और उन्हें चुनौती देने के लिए फिल्मों का इस्तेमाल करते हैं, सदाचार, नैतिकता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर विभिन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। उदाहरण - जय भीम

##### सामाजिक मुद्दे और जागरूकता

- **सामाजिक टिप्पणी:** फिल्मों में सामाजिक टिप्पणी के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती हैं, ये भेदभाव, असमानता, गरीबी और पर्यावरणीय चिंताओं जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं। उदाहरणार्थ- द ग्रेट इंडियन किचन
- **एडवोकेसी और सक्रियता:** कुछ फिल्मों में स्पष्ट रूप से सामाजिक परिवर्तन की वकालत करने के लिए बनाई जाती हैं, जो दर्शकों को कुछ विषयों पर कार्रवाई करने या गंभीर रूप से सोचने के लिए प्रेरित करती हैं। उदाहरण - थापड़

##### सांस्कृतिक रुझान और फैशन

- **फैशन पर प्रभाव:** फिल्म के पात्र और उनकी शैलियाँ अक्सर फैशन के रुझान को प्रभावित करती हैं, जिससे लोगों के कपड़े पहनने और समाज में खुद को पेश करने के तरीके पर असर पड़ता है।
- **सांस्कृतिक प्रतीक:** फिल्म सितारे सांस्कृतिक प्रतीक बनते हैं, जो न केवल फैशन बल्कि जीवनशैली विकल्पों और व्यवहारों में भी रुझान को आकार देते हैं।

##### सांस्कृतिक विविधता और प्रतिनिधित्व

- **विविध परिप्रेक्ष्य:** फिल्मों में विविध परिप्रेक्ष्यों और संस्कृतियों को प्रदर्शित करने, विभिन्न पृष्ठभूमियों के लिए समझ और सराहना को बढ़ावा देने की शक्ति होती है।
- **प्रतिनिधित्व:** विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने में फिल्म उद्योग के प्रयास (या इसकी कमी) उन समूहों के प्रति सामाजिक धारणाओं और दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं।

##### रूढ़िवादिता का निर्माण

- **मीडिया में रूढ़िवादिता:** फिल्मों में वंश, लिंग, जातीयता या अन्य विशेषताओं के आधार पर कुछ समूहों के बारे में सार्वजनिक धारणाओं को आकार देकर रूढ़िवादिता को कायम रखती हैं।
- **चुनौतीपूर्ण रूढ़िवादिता:** इसके विपरीत, फिल्मों में व्यक्तिगत और समुदायों के अधिक सूक्ष्म और प्रामाणिक चित्रण प्रस्तुत करते हुए रूढ़िवादिता को चुनौती देती हैं और ब्रेक करती हैं।

##### व्यवहार और दृष्टिकोण पर प्रभाव

- **सांस्कृतिक प्रभाव:** लोकप्रिय फिल्मों में सामाजिक दृष्टिकोण और व्यवहार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं, जिससे लोगों के सोचने और कार्य करने के तरीके पर असर पड़ता है।
- **सोशल मूवमेंट:** फिल्मों में सामाजिक आंदोलनों में योगदान देती हैं या उन्हें प्रतिबिंबित करती हैं, हाशिये पर पड़े समुदायों की आवाज़ को बढ़ाती हैं और बदलाव की वकालत करती हैं।

**पलायनवाद और मनोरंजन (Escapism and Entertainment)**

- **मनोरंजन वैल्यू:** फिल्में पलायनवाद का एक रूप प्रदान करती हैं, जिससे लोग अस्थायी रूप से वास्तविक जीवन की चुनौतियों से अलग हो जाते हैं और काल्पनिक दुनिया में डूब जाते हैं।
- **मनोरंजन में सांस्कृतिक रुझान:** फिल्म शैलियों और कहानी कहने में बदलते रुझान अक्सर प्राथमिकताओं और रुचियों में व्यापक सामाजिक बदलाव के साथ सरेखित होते हैं।

**भारतीय सिनेमाघरों का विकास****मूक युग (1896-1930)**

- भारतीय सिनेमा की यात्रा 1896 में मुंबई में लुमियर ब्रदर्स की पहली स्क्रीनिंग के साथ शुरू हुई। शुरुआती फिल्में छोटी, मूक होती थीं और अक्सर पौराणिक कहानियों को दर्शाती थीं।
- दादा साहब फाल्के को उनकी फिल्म "राजा हरिश्चंद्र" (1913) के लिए भारतीय सिनेमा का जनक माना जाता है, जिससे भारत में फीचर फिल्मों की शुरुआत हुई।
- मूक फिल्मों के साथ लाइव संगीत भी होता था और कहानी कहने का तरीका भारतीय पौराणिक कथाओं से काफी प्रभावित था।

**स्वतंत्रता-पूर्व और प्रारंभिक टॉकीज़ (1930-1947):**

- 1930 के दशक में 1931 में "आलम आरा" की रिलीज़ के साथ भारतीय सिनेमा में बोलने वाली फिल्म की शुरुआत हुई।
- इस उद्योग का विस्तार हुआ और फिल्मों ने सामाजिक मुद्दों को संबोधित करना शुरू कर दिया। 1930 और 1940 के दशक में बॉम्बे टॉकीज़ और न्यू थिएटर्स जैसे प्रमुख स्टूडियो का उदय हुआ।

**स्वर्ण युग (1950-1960)**

- स्वतंत्रता के बाद का युग भारतीय सिनेमा के "स्वर्ण युग" का गवाह बना। सत्यजीत रे, बिमल रॉय और गुरु दत्त जैसे फिल्म निर्माताओं ने यथार्थवादी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की एक नई लहर पेश की।
- सत्यजीत रे की "पाथेर पांचाली" (1955) ने भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई।

**मसाला फ़िल्में और समानांतर सिनेमा (1970-1980 के दशक)**

- 1970 और 1980 के दशक में एक्शन, ड्रामा, रोमांस और संगीत के मिश्रण वाली व्यावसायिक फिल्मों में मसाला फिल्मों का बोलबाला था। इस दौर में अमिताभ बच्चन मेगास्टार बनकर उभरे।
- 1980 के दशक में क्षेत्रीय सिनेमा का भी उदय हुआ, जिसमें के बालाचंद्र (तमिल सिनेमा) और अदूर गोपालकृष्णन (मलयालम सिनेमा) जैसे फिल्म निर्माताओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

**वैश्वीकरण और आधुनिक युग (1990-वर्तमान)**

- 1990 के दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था का उदारीकरण देखा गया, जिससे फिल्म वित्तपोषण, उत्पादन और वितरण में बदलाव आया।
- बॉलीवुड को वैश्विक पहचान मिली और भारतीय फिल्में अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लेने लगीं।
- मणिरत्नम, राम गोपाल वर्मा और करण जौहर जैसे फिल्म निर्माता कहानी कहने के लिए एक आधुनिक और शैलीबद्ध दृष्टिकोण लेकर आए।
- वर्ष 2000 और उसके बाद स्वतंत्र सिनेमा का उदय हुआ, जिसमें फिल्म निर्माताओं ने नई शैलियों और कथाओं के साथ इस्तेमाल किया।

**डिजिटल युग और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म (2010-वर्तमान)**

- डिजिटल तकनीक और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के आगमन ने फिल्मों के निर्माण, वितरण और उपभोग के तरीके को बदल दिया है।
- सामग्री-संचालित और छोटे बजट की फिल्मों सहित विभिन्न प्रकार की फिल्मों को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सफलता मिली।
- बॉलीवुड और क्षेत्रीय सिनेमा के बीच की रेखा धुंधली हो गई है, विभिन्न उद्योगों की फिल्मों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है।

## PAPER 2

### कॉपीराइट लॉ

#### GS II – भारतीय संविधान

**संदर्भ:** कॉपीराइट का तात्पर्य बौद्धिक संपदा के मालिक के कानूनी अधिकार से है। सरल शब्दों में कहें तो कॉपीराइट कॉपी करने का अधिकार होता है। इसका मतलब यह है कि उत्पादों के मूल निर्माता और वे जिस किसी को भी प्राधिकरण देते हैं, उनके पास ही काम को पुनः प्रस्तुत करने का विशेष अधिकार होता है।

कॉपीराइट कानून मूल सामग्री के रचनाकारों को एक निश्चित समय के लिए उस सामग्री का आगे इस्तेमाल करने और उसकी नकल करने का विशेष अधिकार देता है। एक बार कॉपीराइट समाप्त हो जाने पर, कॉपीराइट वाली वस्तु सार्वजनिक डोमेन बन जाती है।

#### कॉपीराइट उल्लंघन के संबंध में कानूनी प्रावधान उपलब्ध हैं:

- कॉपीराइट लेखकों के उनकी रचनाओं पर अधिकारों की निश्चित न्यूनतम सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जिससे रचनात्मकता की रक्षा होती है और उसे पुरस्कृत किया जाता है।
- 1957 का कॉपीराइट अधिनियम, मूल साहित्यिक, नाटकीय कार्यों, संगीत और कलात्मक कार्यों और सिनेमैटोग्राफ फिल्मों और ध्वनि रिकॉर्डिंग को अनधिकृत इस्तेमाल से बचाता है।
- मूल साहित्यिक, नाटकीय, संगीत या कलात्मक कृतियों को लेखक के जीवन काल के साथ-साथ 60 वर्ष से अधिक यानी उसकी मृत्यु के 60 वर्ष बाद तक सुरक्षा प्राप्त होती है।
- संयुक्त लेखकत्व के मामले में, कॉपीराइट शब्द को उस लेखक के संदर्भ के रूप में समझा जाना चाहिए जो अंततः समाप्त हो जाता है।
- यह प्रत्येक प्रसारक को प्रसारण रिप्रोडक्शन का अधिकार देता है जो प्रसारण वर्ष पूरा होने के बाद अगले कैलेंडर वर्ष की शुरुआत से 25 वर्षों तक वैध होता है।
- कॉपीराइट बोर्ड अधिनियम कॉपीराइट बोर्ड की स्थापना का प्रावधान करता है और केंद्र सरकार को विवादों के निपटारे, लाइसेंस देने आदि के लिए इसका गठन करने का अधिकार देता है।
- कॉपीराइट का उल्लंघन करने पर कारावास की सजा हो सकती है, जिसे 3 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

#### अधिनियम से जुड़े मुद्दे

- कॉपीराइट तब बनता है जब कला या संगीत या साहित्य का एक भाग किसी माध्यम पर तय किया जाता है, बशर्ते वह मूल हो।
- ट्रेडमार्क कानून के विपरीत, कॉपीराइट अधिनियम के तहत इसे लागू करने के लिए कॉपीराइट को आवश्यक पूर्व शर्त के रूप में पंजीकृत करना अनिवार्य नहीं है।
- कला या संगीत या साहित्य का भाग मौलिक है या नहीं, यह कानून का एक और जटिल प्रश्न है।
- यह सवाल है कि क्या कॉपीराइट अधिनियम की धारा 52 में कॉपीराइट उल्लंघन के अपवादों को रेखांकित करने वाले सभी प्रावधानों के तहत कॉपीराइट किए गए कार्य का उपयोग स्वीकार्य है।
- उदाहरण के लिए, यदि कोई कार्य 2000 के डिजाइन अधिनियम के तहत सुरक्षा के लिए योग्य है, तो एक निश्चित सीमा से परे रिप्रोडक्शन होने के बाद वह कॉपीराइट अधिनियम के तहत सुरक्षा का दावा नहीं कर सकता है।
- कॉपीराइट उल्लंघन का निर्धारण करने के लिए अदालत को मामले-दर-मामले के आधार पर पर्याप्त समानता का परीक्षण लागू करने की आवश्यकता होगी।

#### सुप्रीम कोर्ट के फैसले

- नित प्रो इंटरनेशनल बनाम एनसीटी राज्य में, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि कॉपीराइट अधिनियम की धारा 63 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन का अपराध एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध है।
- पीठ ने माना कि यदि अपराध तीन साल और उससे अधिक की कैद से दंडनीय है, लेकिन सात साल (3-7 वर्ष) से अधिक नहीं, तो अपराध एक संज्ञेय अपराध है।
- परिणामस्वरूप, यह आरोपी से पुलिस के साथ जमानत बांड भरने का अधिकार छीन लेता है और मामले-दर-मामले के आधार पर न्यायिक निर्धारण के लिए जिम्मेदारी अदालतों पर डाल देता है।

सी.आर.पी.सी. संज्ञेय अपराध को ऐसे अपराध के रूप में परिभाषित करता है जिसके लिए पुलिस अधिकारी दोषी को बिना वारंट के गिरफ्तार कर सकता है और अदालत की उचित अनुमति के बिना जांच शुरू कर सकता है। ये ऐसे अपराध हैं जो आमतौर पर बहुत गंभीर होते हैं और स्वभाव में जघन्य होते हैं जैसे बलात्कार, हत्या, अपहरण, दहेज हत्या आदि।

**निष्कर्ष**

कॉपीराइट कानून को किसी देश के लिए सुरक्षा का एक आवश्यक कानून माना जाता है क्योंकि यह उसकी राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता है। हालाँकि, किसी भी देश में साहित्यिक, नाटकीय, संगीत या कलात्मक कार्यों को जितना अधिक संरक्षण दिया जाता है, बुद्धिमान रचना (intelligent creation) की संख्या स्वचालित रूप से उतनी ही अधिक होती है, अर्थात् इसकी प्रसिद्धि उतनी ही अधिक होती है। इस प्रकार, अंतिम विश्लेषण में, हम कह सकते हैं कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास के लिए यह बुनियादी सुविधाएं हैं।

**मानवीय सहायता (HUMANITARIAN AID)****GS II – अंतर्राष्ट्रीय संबंध**

**संदर्भ:** मानवीय सहायता संकट में लोगों को दी जाने वाली सहायता है, जैसे युद्ध, अकाल या प्राकृतिक आपदा। इसे सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय संस्थानों द्वारा प्रदान किया जा सकता है।

**मानवीय सहायता की जरूरत**

- जान बचाने हेतु
- विश्व भर में समान विकास प्राप्त करना
- सतत विकास प्राप्त करना

**चुनौतियां**

- सहायता का वितरण एक जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया हो सकती है। सभी जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है, खासकर संघर्ष क्षेत्रों या दूरदराज के इलाकों में।
- लगाए गए प्रतिबंध और आतंकवाद विरोधी नियम व्यवहार में मानवीय सहायता को असंभव बना सकते हैं या इसे एक आपराधिक कृत्य बना सकते हैं।
- सहायता संगठनों में समुदाय के भरोसे की कमी बनाम मशहूर हस्तियों और प्रसिद्ध व्यक्तियों पर उनका अत्यधिक भरोसा मुख्य चुनौतियों में से एक है।

**समस्याएँ**

- मानवीय सहायता ऐसे संसाधन प्रदान कर सकती है जिनका उपयोग सशस्त्र समूह अपने अभियानों को बनाए रखने या नए लड़ाकों की भर्ती के लिए कर सकते हैं। इससे संघर्ष लंबा खिंचता है और शांति मिलना और भी मुश्किल होता है।
- जब सहायता इस तरह से की जाय कि स्थानीय बाजारों को दरकिनार हो जाए, तो यह लोकल मार्किट को कमजोर और मूल्य मुद्रास्फीति को उजागर करता है। इससे लोगों के लिए बुनियादी जरूरतें वहन करना मुश्किल होता है और सहायता एजेंसियों के प्रति नाराजगी पैदा होती है।
- यदि सहायता अच्छी तरह से लक्षित या प्रबंधित नहीं है, तो यह उन लोगों के बीच कल्चर डेपेंसी उत्पन्न हो जाती है जिनकी मदद करने का उद्देश्य रखते हैं। इससे लोगों के लिए संकट के बाद अपने जीवन और आजीविका का पुनर्निर्माण करना मुश्किल होता है।
- मानवीय सहायता सरकार और स्वयं सहायता एजेंसियों दोनों द्वारा भ्रष्टाचार का लक्ष्य हो सकती है। इससे सहायता उन लोगों से दूर हो सकती है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है और सहायता में जनता का विश्वास कम हो सकता है।
- यदि सहायता निष्पक्ष रूप से वितरित नहीं की जाती है, तो यह समुदाय के भीतर मौजूदा असमानताओं को बढ़ा सकती है। इससे नाराजगी और संघर्ष हो सकता है।

**इसमें शामिल अंतर्राष्ट्रीय संगठन हैं:**

- UNDP मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रयासों में शामिल है।
- UNHCR एक संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम है जो दुनिया भर में शरणार्थियों, शरण चाहने वालों और राज्यविहीन व्यक्तियों को सुरक्षा और सहायता प्रदान करता है।
- UNICEF एक संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम है जो विकासशील देशों में बच्चों और माताओं को मानवीय और विकासात्मक सहायता प्रदान करता है।

**मानवीय सहायता पर भारत की स्थिति क्या है?**

- वसुदेव कुटुंबम के अपने सिद्धांत के साथ भारत हमेशा हिंद महासागर क्षेत्र में सहायता प्रदान करने वाला पहला देश रहा है।
- उदाहरण: नेपाल भूकंप में इसकी सहायता करना। महामारी के दौरान श्रीलंका को सहायता देने में इसकी भूमिका होना। इसका कार्य मालदीव की रक्षा करना है जब उसका राष्ट्रपति भवन बंद हो।
- हालाँकि जब भी मैं विदेशी देशों से सहायता स्वीकार करने की बात करता हूँ तो भारत सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला देश होता है लेकिन



आमतौर पर ऐसा नहीं होता है। उदाहरण के लिए इसने केरल बाढ़ के दौरान संयुक्त अरब अमीरात द्वारा दी गई सहायता को अस्वीकार कर दिया।

### संयुक्त राष्ट्र का युद्धविराम की मध्यस्थता पर मार्गदर्शन

#### GS II – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

#### शांति के लिए संयुक्त राष्ट्र का महत्व

- संयुक्त राष्ट्र राजनयिक वार्ता और संघर्ष समाधान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। अपने विभिन्न निकायों, जैसे सुरक्षा परिषद, महासभा और संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण मामलों के कार्यालय जैसी विशेष एजेंसियों के माध्यम से, यह विवादों के शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए परस्पर विरोधी पक्षों के बीच बातचीत और वार्ता की सुविधा प्रदान करता है।
- संयुक्त राष्ट्र संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में शांति-रक्षा मिशन की तैनाती करता है। मिशन में सदस्य देशों के सैन्य, पुलिस और नागरिक कर्मी शामिल होते हैं जो युद्धविराम की निगरानी करने, सुलह वार्ता को सुविधाजनक बनाने और शांति समझौतों के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिये कार्य करते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र के मध्यस्थ और विशेष दूत विवाद में शामिल पक्षों के साथ जुड़कर, बातचीत की सुविधा प्रदान करके और शांतिपूर्ण समाधानों को बढ़ावा देकर संघर्षों को बढ़ने से रोकने के लिए कार्य करते हैं। अंतर्निहित तनावों को पूर्ण रूप से संघर्ष में बदलने से पहले उन्हें संबोधित करने में निवारक कूटनीति के प्रयास महत्वपूर्ण हैं।
- संयुक्त राष्ट्र, शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) जैसी एजेंसियों के माध्यम से, संघर्ष से प्रभावित आबादी को महत्वपूर्ण मानवीय सहायता प्रदान करता है। इस सहायता में विस्थापित लोगों के लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षा शामिल है, जिससे पीड़ा कम करने और स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।
- संयुक्त राष्ट्र संघर्ष के बाद के समाजों में कानून और न्याय के शासन को बढ़ावा देता है। यह देशों को कानूनी और न्यायिक संस्थानों को स्थापित करने और मजबूत करने में मदद करता है, जो शिकायतों को हल करने और संघर्षों को फिर से भड़कने से रोकने के लिए आवश्यक हैं।
- संयुक्त राष्ट्र हथियारों की उपलब्धता को कम करने और संघर्षों को बढ़ने से रोकने के लिए निरस्त्रीकरण और अप्रसार प्रयासों पर काम करता है। परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि (एनपीटी) और एंटी-कार्मिक खानों के उपयोग, भंडारण, उत्पादन और हस्तांतरण पर प्रतिबंध और उनके विनाश पर कन्वेंशन (ओटावा संधि) जैसी संधियाँ युद्ध के प्रभाव को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित पहल इसके उदाहरण हैं।
- संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और सम्मेलनों को कायम रखता है और लागू करता है जो संघर्षों के दौरान राज्यों के आचरण को नियंत्रित करते हैं। इसमें जिनेवा कन्वेंशन शामिल है, जो सशस्त्र संघर्षों के दौरान नागरिकों और लड़ाकों को सुरक्षा प्रदान करता है।

#### संयुक्त राष्ट्र युद्धविराम लाने में अप्रभावी क्यों है?

- वैश्विक व्यवस्था को दो मानदंडों को प्रतिबिंबित करना चाहिए: पहला, आज की प्रमुख शक्तियों के बीच विचारों का अभिसरण और दूसरा, इसे वैश्विक सार्वजनिक हित प्रदान करने का भी प्रयास करना चाहिए, अर्थात् इसमें बाकि विश्व के लिए स्लाबिलिटी (salability) होना चाहिए।
- हालाँकि, सत्ता के समीकरण स्थायी नहीं होते, बदलते रहते हैं। आखिरकार, इसी तरह वैधता खत्म हो जाती है।
- शीत युद्ध के बाद, हमने (संघर्षों को सुलझाने में) किसी भी प्रकार की सार्थक भूमिका निभाने की संयुक्त राष्ट्र की क्षमता में धीरे-धीरे गिरावट देखी। इजराइल संकट उनमें से एक है।
- प्रमुख शक्तियों में गंभीर मतभेद विकसित होने के कारण, उन्होंने यूएनएससी जैसे निर्णय लेने वाले निकायों में अपनी बनी हुई सदस्यता के साथ संयुक्त राष्ट्र के लिए कोई भी सार्थक कार्रवाई करने में सक्षम होना असंभव बना दिया है।

#### संयुक्त राष्ट्र स्थापना का इतिहास

- 1920: राष्ट्र संघ एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन था जिसकी स्थापना 10 जनवरी 1920 को पेरिस शांति सम्मेलन के परिणामस्वरूप हुई थी, जिसने प्रथम विश्व युद्ध को समाप्त कर दिया था।
- 1941: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, 26 देशों के प्रतिनिधियों ने अटलांटिक चार्टर पर हस्ताक्षर किए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और भविष्य के युद्धों को रोकने के लिए युद्धोत्तर संगठन की स्थापना का आह्वान किया गया।
- 1945: 26 जून को 51 देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर हस्ताक्षर के बाद संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की गई। संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर में स्थित है।
- संयुक्त राष्ट्र अपने संस्थापक सदस्यों के बहुमत द्वारा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसमर्थन के बाद 24 अक्टूबर, 1945 को आधिकारिक तौर पर

अस्तित्व में आया।

- 1946: संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली बैठक जनवरी 1946 में लंदन में हुई। सभा संयुक्त राष्ट्र की मुख्य नीति निर्धारण और प्रतिनिधि संस्था है।
- 1947: संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना की, जो संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख न्यायिक अंग है।
- 1948: संयुक्त राष्ट्र ने मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा को अपनाया, जो मौलिक मानव अधिकारों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है जिन्हें विश्व भर में संरक्षित किया जाना चाहिए।
- पिछले कुछ वर्षों में, संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्य देश शामिल हो गए हैं और इसने शांति स्थापना, मानवीय सहायता और मानवाधिकारों सहित कई वैश्विक मुद्दों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

### निष्कर्ष

यह स्वीकार करना आवश्यक है कि संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता सदस्य देशों की सहयोग की इच्छा और अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति की अंतर्निहित जटिलताओं से सीमित हो सकती है। संघर्ष क्षेत्रों में शांति लाने के लिए या तो प्रमुख शक्तियों को आम सहमति बनानी होगी या संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख निकायों में मतदान के पैटर्न में सुधार की आवश्यकता है।

## भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और उच्च शिक्षा

### GS II – शिक्षा

**संदर्भ:** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) को विश्व स्तर पर भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली के मुकुट रत्न के रूप में मान्यता प्राप्त है। वास्तव में, ये अक्सर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने जाने वाले एकमात्र भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान हैं। उन्होंने भारत और विदेशों में उच्च तकनीक और संबंधित क्षेत्रों में नेताओं को प्रशिक्षित किया है।

### भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की स्थिति

- भारत में 580 मिलियन लोगों के साथ 5-24 वर्ष की आयु वर्ग में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी है, जो शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ा अवसर दर्शाती है।
- भारत विश्व की दूसरी सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणाली है, जिसमें 50,000 शैक्षणिक संस्थानों (1,057 विश्वविद्यालयों सहित) में लगभग 38 मिलियन छात्र हैं।
- इसका लक्ष्य 2035 तक सकल नामांकन दर को मौजूदा 26.3% से दोगुना कर 50% करना है।
- भारत वैश्विक स्तर पर (चीन के बाद) अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है।

### भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र में मुद्दे और चुनौतियाँ

- **उपस्थिति पंजी:** उच्च शिक्षा में भारत का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) केवल 25.2% है जो विकसित और अन्य प्रमुख विकासशील देशों की तुलना में काफी कम है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जीईआर में कोई समानता नहीं है। पुरुषों के लिए जीईआर (26.3%), महिलाओं के लिए (25.4%), एससी (21.8%) और एसटी (15.9%) है।
- **पहुंच का अभाव:** भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों तक पहुंच की कमी है। इससे शैक्षिक अवसरों में भारी शहरी-ग्रामीण अंतर होता है।
- **फैकल्टी का अभाव:** कई उच्च शिक्षा संस्थानों में योग्य और अनुभवी शिक्षकों की कमी है। देश में छात्र-से-शिक्षक अनुपात (30:1) है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका (12.5:1), चीन (19.5:1) और ब्राजील (19:1) की तुलना में है।
- **पुराना पाठ्यक्रम:** कई संस्थानों में पाठ्यक्रम अक्सर पुराना है और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है, जिससे छात्र क्या सीखते हैं और जॉब मार्केट में सफल होने के लिए उन्हें क्या चाहिए, के बीच अंतर उत्पन्न होता है।
- **अनुसंधान और नवाचार का अभाव:** अनुसंधान एवं विकास में भारत का निवेश भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 0.6% से 0.7% पर स्थिर बना हुआ है। यह अमेरिका (2.8), चीन (2.1), इजराइल (4.3) और कोरिया (4.2) जैसे देशों के व्यय से कम है। हालांकि भारत ने अनुसंधान और नवाचार में प्रगति की है, फिर भी अधिक निवेश की आवश्यकता है वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करना है।

**नियामक मुद्दे:** भारतीय शिक्षा प्रबंधन को अति-केंद्रीकरण, नौकरशाही संरचनाओं और जवाबदेही, पारदर्शिता और व्यावसायिकता की कमियों की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। संबद्ध कॉलेज और छात्रों की संख्या में वृद्धि के परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कार्यों का बोझ काफी बढ़ गया है और शिक्षाविदों और अनुसंधान पर मुख्य ध्यान कम हो गया है।

### आईआईटी का इतिहास

- आईआईटी की अवधारणा की कल्पना भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पहले अध्यक्ष सर जोगेंद्र सिंह ने की थी।
- नेहरू ने संस्थानों के एक नेटवर्क की कल्पना की जो भारत के औद्योगिक और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के लिए इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान कर सके।
- पहला भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) 1951 में पश्चिम बंगाल के खड़गपुर में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना सोवियत संघ की सहायता से की गई थी।
- खड़गपुर भविष्य के आईआईटी के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य किया और विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में डिग्री कार्यक्रमों के साथ शुरुआत की।
- पिछले कुछ वर्षों में, आईआईटी ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को विकसित और विविधतापूर्ण बनाया है। स्नातक बी.टेक कार्यक्रमों के अलावा, उन्होंने स्नातकोत्तर में एम.टेक, एम.एससी और पीएचडी कार्यक्रम शुरू किए।
- आईआईटी ने विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अनुसंधान और नवाचार पर भी बल दिया है।

### सरकार द्वारा हाल ही में की गई पहल

- शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन और समावेशन कार्यक्रम (EQUIP) को हाल ही में अगले पांच वर्षों (2019-2024) में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार के लिए पांच वर्षीय दृष्टि योजना के साथ लॉन्च किया गया है।
- वर्ष 2022 तक शिक्षा में बुनियादी ढांचे और प्रणालियों को पुनर्जीवित करना (आरआईएसई), भारतीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान बुनियादी ढांचे को उपलब्ध कराकर भारत को एक शिक्षा केंद्र बनाना है।
- वर्ष 2018 में जारी यूजीसी के लर्निंग आउटकम-आधारित पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) दिशानिर्देशों का उद्देश्य यह निर्दिष्ट करना है कि स्नातकों से उनके अध्ययन कार्यक्रम के अंत में क्या जानने, समझने और करने में सक्षम होने की उम्मीद की है। इसका उद्देश्य विद्यार्थी को सक्रिय शिक्षार्थी और शिक्षक को एक अच्छा सुविधाप्रदाता बनाना है।

ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक्स नेटवर्क (जीआईएन), कार्यक्रम भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने के लिए दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, उद्यमियों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों को आमंत्रित करना चाहता है।

### निष्कर्ष

इन मुद्दों के समाधान के लिए भारत सरकार और विभिन्न हितधारकों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने, संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार और अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ाने की पहल शामिल है। हालाँकि, इन चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता, नीतिगत सुधार और उच्च शिक्षा में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता होगी।

### राज्य अपने राज्यपालों के विरुद्ध न्यायालय में

#### GS II – भारत का संविधान

**संदर्भ:** गैर-भाजपा शासित राज्यों की एक श्रृंखला ने अपने राज्यपालों पर महत्वपूर्ण विधेयकों को कानून में पारित करने में अनुचित देरी करने के लिए गैर-मौजूद विवेक का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अधर में लटके विधेयकों में सार्वजनिक स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा, लोकायुक्त और सहकारी समितियां जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

#### राज्य के विधेयकों पर राज्यपाल की शक्ति

##### अनुच्छेद 200

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 200 किसी राज्य की विधानसभा द्वारा पारित विधेयक को सहमति के लिये राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को रेखांकित करता है, जो या तो सहमति दे सकता है, सहमति को रोक सकता है या राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिये विधेयक को आरक्षित कर सकता है।
- राज्यपाल सदन या सदनों द्वारा पुनर्विचार का अनुरोध करने वाले संदेश के साथ विधेयक को वापस भी कर सकता है।

##### अनुच्छेद 201

- इसमें कहा गया है कि जब कोई विधेयक राष्ट्रपति के विचार के लिये आरक्षित होता है, तो राष्ट्रपति विधेयक पर सहमति दे सकता है या उस पर रोक लगा सकता है।
- राष्ट्रपति विधेयक पर पुनर्विचार करने के लिये राज्यपाल को उसे सदन या राज्य के विधानमंडल के सदनों को वापस भेजने का निर्देश भी दे सकता है।

#### राज्यपाल के पास उपलब्ध विकल्प:

- वह सहमति दे सकता है या विधेयक के कुछ प्रावधानों या विधेयक पर स्वयं पुनर्विचार करने का अनुरोध करते हुए इसे विधानसभा को वापस भेज सकता है।
- वह राष्ट्रपति के विचार हेतु विधेयक को आरक्षित कर सकता है।
- आरक्षण अनिवार्य है जहाँ राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता है। हालाँकि राज्यपाल विधेयक को आरक्षित भी कर सकता है यदि यह निम्नलिखित प्रकृति का हो:
  - संविधान के प्रावधानों के खिलाफ
  - राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (DPSP) का विरोध
  - देश के व्यापक हित के खिलाफ
  - गंभीर राष्ट्रीय महत्व का
  - संविधान के अनुच्छेद 31A के तहत संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से संबंधित हो।
- दूसरा विकल्प सहमति को रोकना है, ऐसा आरोप विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लगाया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर केरल के राज्यपाल ने विधान सभा द्वारा पारित आठ से अधिक विधेयकों पर महीनों नहीं, बल्कि वर्षों तक अपनी सहमति रोक रखी है। आठ में से तीन विधेयक दो साल से अधिक समय से राज्यपाल के आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

### सुप्रीम कोर्ट का रुख

- 1972 में दुर्गा पद घोष बनाम पश्चिम बंगाल राज्य के फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 200 में "जितनी जल्दी हो सके" की व्याख्या करते हुए इसका अर्थ "परिहार्य देरी के बिना जितनी जल्दी हो सके" के रूप में व्याख्या की है।
- पंजाब सरकार द्वारा दायर हालिया याचिका में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल पर राजकोषीय और राज्य-संबद्ध कॉलेजों सहित विषयों से संबंधित सात प्रमुख विधेयकों को दबाए रखने का आरोप लगाया है, जिसमें कहा गया है कि राज्यपालों को इस तथ्य से अनजान नहीं होना चाहिए कि वे लोगों द्वारा नहीं चुने गए हैं।
- केंद्र-राज्य संबंधों पर 1988 की सरकारिया आयोग की रिपोर्ट में विधेयक का मसौदा तैयार और इसके निपटान के लिए समय सीमा तय करते समय राज्यपाल के साथ परामर्श करने का सुझाव दिया गया था।

### राज्यपालों की विवेक शक्ति

शमशेर सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्य के औपचारिक प्रमुख के रूप में "राज्यपाल अपने मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर संविधान द्वारा या उसके तहत प्रदत्त अपनी सभी शक्तियों और कार्यों का इस्तेमाल करता है, सिवाय उन क्षेत्रों के जहां संविधान के तहत या उसके तहत राज्यपाल को अपने कार्यों का प्रयोग अपने विवेक से करना आवश्यक है।" विधेयक की सहमति या वापसी में राज्यपाल के पद पर बैठे व्यक्तियों का विवेक शामिल नहीं है।

### संवैधानिक विवेक

- जब उन्हें भारत के राष्ट्रपति के विचार के लिए विधेयक को आरक्षित करना होता है, तो राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह के बिना स्वयं निर्णय ले सकते हैं।
- जब उन्हें राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करनी हो तो वह अपने विवेक से कार्य कर सकते हैं।
- जब उन्हें केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के रूप में अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है, तो वह अपने विवेक से कार्यवाही कर सकते हैं।
- जब उन्हें खनिज अन्वेषण के लिए लाइसेंस से अर्जित रॉयल्टी के रूप में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम सरकार द्वारा एक स्वायत्त जनजातीय जिला परिषद को देय राशि का निर्धारण करना होता है।
- जब वह प्रशासनिक एवं विधायी मामलों के संबंध में जानकारी लेने के लिए मुख्यमंत्री को फोन करता है।

### परिस्थितिजन्य विवेक

- जब चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के बाद या जब पदधारी की कार्यालय में मृत्यु हो जाती है तो उसे मुख्यमंत्री नियुक्त करना होता है।
- जब वह राज्य विधान सभा में विश्वास साबित करने में असमर्थता पर मंत्रिपरिषद को बर्खास्त करता है।
- जब वह बहुमत खो देने पर राज्य विधान सभा को समय पर भंग करता है।

**निष्कर्ष**

संविधान निर्माताओं को इस बात का अनुमान नहीं था कि अनुच्छेद 200 के तहत राजपाल किसी विधेयक पर कोई कार्रवाई किये बिना अनिश्चितकाल तक के लिये उसे अपने पास रख सकता है। राज्यपाल की ओर से टालमटोल एक नई घटना है जिसके लिये संविधान के ढाँचे में कुछ नए बदलाव किये जाने की आवश्यकता है। इसलिये सर्वोच्च न्यायालय को देश में संघवाद के हित में विधानसभा द्वारा पारित विधेयक पर निर्णय लेने के लिये राज्यपालों हेतु एक उचित समय सीमा निर्धारित करनी चाहिये।

**जबरन विस्थापन (FORCED DISPLACEMENT)****GS II – मानव संसाधन****GS III – आंतरिक सुरक्षा**

**संदर्भ:** संयुक्त राष्ट्र शरणार्थियों को उन लोगों के रूप में परिभाषित करता है जो उत्पीड़न, संघर्ष या हिंसा के कारण अपने देश से भागने पर मजबूर होना पड़ा है। एक शरणार्थी को जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक राय या किसी विशेष सामाजिक समूह की सदस्यता के कारण उत्पीड़न का डर होता है। इसमें सबसे अधिक संभावना रहती है कि वे घर नहीं लौट सकते हैं या ऐसा करने से डरते हैं। युद्ध और जातीय, जनजातीय और धार्मिक हिंसा शरणार्थियों के अपने देशों से भागने के प्रमुख कारण होते हैं।

**विस्थापन का कारण**

- **संघर्ष और युद्ध:** जब क्षेत्र में हिंसा और युद्ध छिड़ जाता है तो लोग अक्सर अपने घरों से भागने पर मजबूर हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें अपनी सुरक्षा और अपने परिवारों की सुरक्षा का डर होता है। यूक्रेनियन विस्थापन इसका प्रमुख उदाहरण है।
- **उत्पीड़न:** राजनीतिक मान्यताओं, धर्म, जातीयता, नस्ल, राष्ट्रीयता या किसी विशेष सामाजिक समूह की सदस्यता जैसे कारकों पर आधारित उत्पीड़न लोगों को शरणार्थी बनने के लिए मजबूर करता है। उदाहरण के लिए - रोहिंया मुसलमान।
- **मानवाधिकार उल्लंघन:** अत्याचार, भेदभाव और बुनियादी स्वतंत्रता से इनकार सहित घोर मानवाधिकार उल्लंघन, व्यक्तियों या समुदायों को अन्य देशों में शरण लेने के लिए प्रेरित करता है। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानी लोगों के विस्थापन का उदाहरण रहा है।
- **पर्यावरणीय आपदाएँ:** भूकंप, तूफान, बाढ़ और सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाएँ लोगों को उनके घरों से विस्थापित करती हैं। इसे अक्सर "पर्यावरणीय विस्थापन" या "जलवायु शरणार्थी" कहा जाता है।
- **आर्थिक कठिनाई:** आर्थिक अस्थिरता और अत्यधिक गरीबी भी लोगों को शरणार्थी बनने के लिए प्रेरित करती है। वे बेहतर आर्थिक अवसरों और रहने की स्थिति की तलाश में अपना गृह देश छोड़ देते हैं।
- **राजनीतिक अस्थिरता:** तख्तापलट, सरकारी उत्पीड़न और लोकतांत्रिक शासन की कमी सहित राजनीतिक अस्थिरता, शरणार्थी संकट का कारण बनती है क्योंकि लोग अधिक स्थिर वातावरण चाहते हैं। उदाहरण में कांगो शरणार्थी।

**मेजबान देशों पर जबरन विस्थापन का प्रभाव**

- **संसाधन और सेवाओं पर दबाव:** शरणार्थियों की अचानक आमद मेजबान समुदायों के संसाधनों पर महत्वपूर्ण दबाव डालती है और मौजूदा बुनियादी ढांचे पर अत्यधिक बोझ हो जाता है, जिससे शरणार्थियों और मेजबान समुदाय के सदस्यों दोनों के लिए कमी और पहुंच कम हो सकती है।
- **सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक गतिशीलता:** शरणार्थियों के आगमन से मेजबान समुदायों के भीतर सामाजिक तनाव और सांस्कृतिक गतिशीलता पैदा हो सकती है। भाषा, धर्म और रीति-रिवाजों में अंतर गलतफहमी और संघर्ष उत्पन्न कर सकता है।
- **जॉब के लिए प्रतिस्पर्धा में वृद्धि:** शरणार्थियों की उपस्थिति मेजबान समुदायों में रोजगार के अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा को उजागर करती है। मेजबान समुदाय के कुछ सदस्य शरणार्थियों को नौकरियाँ छीनने या वेतन कम करने वाला मान सकते हैं, जिससे तनाव और नाराजगी बढ़ती है।

**भारत में वर्तमान शरणार्थी स्थिति**

- भारत शरणार्थियों के विविध समूहों का घर है, जिनमें बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी इलाकों से बौद्ध चकमा, नेपाल से भूतानी, म्यांमार से मुस्लिम रोहिंया और सोमालिया, सूडान और अन्य उप सहारा अफ्रीकी देशों की छोटी आबादी शामिल है।
- संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (Nations High Commissioner for Refugees- UNHCR) के अनुसार, 2011 में भारत में 204,600 शरणार्थी, शरण चाहने वाले और 'अन्य चिंताजनक' लोग थे।
- ये अफगानिस्तान के 13,200 लोगों, म्यांमार के 16,300 लोगों, विभिन्न अन्य देशों के 2,100 लोगों और लगभग 100,000 तिब्बतियों तथा 73,000 श्रीलंकाई तमिलों की दो पुरानी आबादी से बने थे। यूएनएचसीआर ने उनमें से 31,600 को वित्तीय सहायता दी।
- 2011 के अंत में, म्यांमार के सशस्त्र बलों द्वारा बढ़ते उत्पीड़न के बाद रोहिंया ने भारत के पूर्वोत्तर में आना शुरू कर दिया।

- गृह मंत्रालय के अनुसार, लगभग 14,000 रोहिंग्या शरणार्थी हैं।
- अन्य शरणार्थियों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान से अहमदिया, शिया, हजारों शामिल हैं।

### विस्थापन के बारे में आँकड़े

- जबरन विस्थापन पर UNHCR के आँकड़ों के अनुसार, उत्पीड़न, संघर्ष, हिंसा के कारण होने वाली परेशानियों और मानवाधिकारों के उल्लंघन तथा सार्वजनिक व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली घटनाओं की वजह से वर्ष 2022 में रिकॉर्ड 108.4 मिलियन लोगों, जिनमें लगभग 30% बच्चे थे, को अपने घरों को छोड़कर भागने पर मजबूर होना पड़ा।
- वर्ष 2022 में विस्थापन का मुख्य कारण यूक्रेन में फरवरी 2022 में शुरू हुआ वृहत पैमाने पर युद्ध था, यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से सबसे तीव्र और सबसे बड़े विस्थापन संकटों में से था।
- वर्ष 2022 के अंत तक कुल 11.6 मिलियन यूक्रेनी लोग विस्थापित हुए, जिनमें 5.9 मिलियन लोग अपने देश के भीतर और 5.7 मिलियन लोग पड़ोसी व अन्य देशों में चले गए।
- संघर्ष और हिंसा के अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक आपदाओं के कारण भी भारी संख्या में विस्थापन हुए।
- जलवायु आपदाओं के कारण वर्ष 2022 में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या 32.6 मिलियन रही और करीब 8.7 मिलियन लोग वर्ष के अंत तक स्थायी रूप से विस्थापित हो गए।
- वर्ष 2022 में सभी आंतरिक विस्थापनों में से आधे से अधिक (54%) आपदाओं के कारण हुए।

### निष्कर्ष

जबरन विस्थापन के मूल कारणों को संबोधित करने के लिए संघर्षों को हल करने और शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों की आवश्यकता है। कूटनीतिक बातचीत, मध्यस्थता और शांति निर्माण की पहल अंतर्निहित मुद्दों को हल करके आगे के विस्थापन को रोकने में मदद कर सकती है।

## CAG का महत्व

### GS II – शासन और सामाजिक मुद्दे

**संदर्भ:** भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) सरकार के कामकाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और वित्तीय अखंडता सुनिश्चित करके लोकतांत्रिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। CAG यह सुनिश्चित करके विधायिका और कार्यपालिका के बीच शक्तियों के पृथक्करण को बनाए रखने में मदद करता है कि सरकार की वित्तीय गतिविधियाँ विधायी इरादों के साथ संरेखित हों। अपने ऑडिट निष्कर्षों और सिफारिशों के माध्यम से, सीएजी सुशासन प्रथाओं को बढ़ावा देता है और सरकार को अपने संचालन को सुव्यवस्थित करने, अक्षमताओं को कम करने और वित्तीय अनुशासन का पालन करने में मदद करता है।

### भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्य, कर्तव्य एवं शक्तियाँ

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) एक संवैधानिक पदाधिकारी है, जो संसद/विधानमंडल और कार्यकारियों से स्वतंत्र है। CAG इसके लिए जिम्मेदार है:

- भारत सरकार और राज्य सरकारों के मंत्रालयों और विभागों का ऑडिट।
- केंद्र और राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य स्वायत्त निकायों तथा प्राधिकरणों का ऑडिट जो सरकारी निधि से वित्तपोषित होता है।
- संघ या राज्यों की प्राप्तियों का ऑडिट।
- लेखा भंडार और स्टॉक का ऑडिट।
- कंपनियों और निगमों का ऑडिट।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक राज्य सरकार के खातों के संकलन, चयनित श्रेणियों के कर्मचारियों के पेंशनभोगियों के लाभों को अधिकृत करने, अधिकांश राज्य सरकारों के राज्य सरकार के कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों के रखरखाव के लिए भी उत्तरदायी है।

ये लेखापरीक्षा और लेखांकन कार्य भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग (आईए और एडी) द्वारा किए जाते हैं जो भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के अधीन कार्य करता है।

### सीएजी की शक्तियों पर सीमा

- **रिपोर्ट तथ्योत्तर होना:** यानी व्यय किए जाने के बाद और सिस्टम तथा प्रक्रियाओं में सुधार के लिए इसका केवल संभावित मूल्य होता है।
- **गुप्त सेवा खर्च:** ऐसा व्यय सीएजी के दायरे से बाहर होता है और वह कार्यकारी एजेंसियों द्वारा किए गए व्यय का विवरण नहीं मांग सकता है, लेकिन उसे सक्षम प्रशासनिक प्राधिकारी से एक प्रमाण पत्र स्वीकार करना होता है कि खर्च इतना किया गया है।
- **पीपीपी निवेश में वृद्धि:** इस कानून के बाद से, सरकार ने पीपीटी (सार्वजनिक-निजी-हस्तांतरण) और बीओटी (बिल्ड-ओन-ट्रांसफर)

मॉडल के माध्यम से निजी क्षेत्र के साथ अपनी भागीदारी बढ़ा दी है। हालाँकि, नियमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है और CAG के पास PPP (सार्वजनिक निजी भागीदारी) निवेश का ऑडिट करने की शक्ति नहीं है।

- **एनजीओ, पीआरआई और यूएलबी ऑडिट के दायरे से बाहर होना:** एनजीओ और निर्वाचित स्थानीय निकायों को दिए गए फंड की ऑडिटिंग का कोई प्रावधान नहीं है। इसके अलावा, वर्तमान में CAG के पास PRIs और ULBs का ऑडिट करने का पूर्ण अधिकार नहीं है। अधिकांश राज्यों में, वित्त विभाग के अधीन कार्य करने वाले परीक्षक स्थानीय निकायों के खातों का ऑडिट करते हैं।
- **डीआरडी भी ऑडिट योग्य न होना:** (जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण) आज ग्रामीण विकास के लिए बड़ी रकम का प्रबंधन कर रहे हैं, फिर भी वे सीएजी ऑडिट के दायरे से बाहर हैं।
- **दस्तावेजों को अस्वीकार करना:** अपने कार्यों को पूरा करने के लिए प्रासंगिक दस्तावेजों को प्राप्त करना और उसके आधार पर रिपोर्ट तैयार करना लेखापरीक्षा विभाग के लिए कभी भी आसान नहीं रहा है। यह कई मामलों में भी शामिल रहा है जहां सीएजी को आवश्यक दस्तावेज देने से इनकार कर दिया गया था और न्यायपालिका द्वारा सीएजी की शक्तियों को बहाल करना पड़ा था। अतीत में, CAG अधिकारियों द्वारा मांगे गए लगभग 30% दस्तावेज उन्हें देने से इनकार कर दिए गए हैं।
- **नियुक्ति का तरीका:** सीएजी के लिए वर्तमान चयन प्रक्रिया पूरी तरह से सरकारी मशीनरी के लिए आंतरिक है; किसी भी बाहरी व्यक्ति को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि क्या मानदंड लागू किए जाते हैं, नामों को कैसे शॉर्टलिस्ट किया जाता है और अंतिम चयन कैसे किया जाता है। इस उच्च संवैधानिक पदाधिकारी के चयन के लिए मानदंड, पसंद का क्षेत्र और प्रक्रियाओं पर स्पष्टता का अभाव है।

**ऑडिट शब्द परिभाषित न होना:** 'ऑडिट' शब्द को न तो संविधान में और न ही सीएजी अधिनियम, 1971 में परिभाषित किया गया है। हम अब तक 150 वर्षों के इतिहास, परंपरा, मौजूदा प्रावधानों और अंतरराष्ट्रीय अभ्यास से चल रहे हैं। सीएजी ने उपरोक्त रिपोर्टों में अपनी नीति नहीं बनाई है और केवल सरकार के भीतर विभिन्न स्तरों पर आंतरिक रूप से अनुशासित नीतिगत नुस्खों पर कार्य किया है।

#### CAG से सम्बंधित संवैधानिक प्रावधान

- अनुच्छेद 148: यह मोटे तौर पर CAG नियुक्ति, शपथ और सेवा की शर्तों से संबंधित है।
- अनुच्छेद 149: यह मोटे तौर पर CAG के कर्तव्यों और शक्तियों से संबंधित है।
- अनुच्छेद 150: अनुच्छेद 150 कहता है कि संघ और राज्यों को खातों का विवरण राष्ट्रपति के अनुसार (CAG की सलाह पर) रखना होगा।
- अनुच्छेद 151: ऑडिट रिपोर्ट: अनुच्छेद 151 कहता है कि संघ के खातों से संबंधित CAG की रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपी जाएगी, जो संसद के प्रत्येक सदन के पटल पर रखी जाएगी।

#### लेखापरीक्षा के व्यापक उद्देश्य

लेखापरीक्षा के व्यापक उद्देश्य मुख्य रूप से मूल्यांकन के माध्यम से वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक प्रशासन की वैधता, नियमितता, मितव्ययिता, दक्षता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करना है:

- क्या वित्तीय विवरण ठीक से तैयार किए गए हैं, सभी प्रकार से पूर्ण हैं और पर्याप्त खुलासे (वित्तीय लेखापरीक्षा) के साथ प्रस्तुत किए गए हैं;
- क्या संविधान के प्रावधानों, लागू कानूनों, उसके तहत बनाए गए नियमों और विनियमों तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विभिन्न आदेशों और निर्देशों का अनुपालन किया जा रहा है (अनुपालन लेखापरीक्षा); और
- किस हद तक कोई गतिविधि, कार्यक्रम या संगठन आर्थिक रूप से, कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से संचालित होता है (प्रदर्शन लेखापरीक्षा)।

#### CAG द्वारा किये जाने वाले ऑडिट के प्रकार

- विनियामक ऑडिट: विनियामक ऑडिट यह सुनिश्चित करने के लिए एक ऑडिट है कि क्या खर्च किया गया पैसा उस उद्देश्य के लिए अधिकृत था जिसके लिए वे खर्च किए गए थे और यह भी कि किया गया व्यय कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुरूप था।
- अनुपूरक ऑडिट (Supplementary Audit): गोपनीय जानकारी का पता लगाने के लिए CAG द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षकों द्वारा वाणिज्यिक ऑडिट किए जाने के बाद भी CAG सार्वजनिक उपक्रमों में पूरक ऑडिट करता है।
- औचित्य ऑडिट: यह इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि किया गया व्यय सार्वजनिक हित में है या नहीं अर्थात् यह अनुचित व्यय और सार्वजनिक धन की बर्बादी के मामलों की पहचान करने के लिए व्यय की केवल जांच से आगे बढ़कर इसकी बुद्धिमत्ता और अर्थव्यवस्था पर सवाल उठाता है।
- दक्षता ऑडिट: जैसा कि नाम से पता चलता है, दक्षता ऑडिट इस सवाल का जवाब देता है कि क्या निवेश किया गया पैसा इष्टतम परिणामी है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निवेश को प्राथमिकता दी जाए और उसके सबसे लाभदायक उपयोग में लगाया जाए।
- निष्पादन ऑडिट: निष्पादन लेखापरीक्षा जबाब देती है कि क्या नरेगा जैसे सरकारी कार्यक्रमों ने न्यूनतम लागत पर वांछित उद्देश्यों को प्राप्त किया है और इच्छित लाभ दिए हैं। यह आम तौर पर किसी विशेष नीति/योजना के गुण-दोषों पर ध्यान नहीं देता है, बल्कि योजना को लागू करने की प्रभावशीलता और उसमें मौजूद किसी भी कमी पर ध्यान देता है।
- पर्यावरण ऑडिट: पर्यावरण के संरक्षण और प्रबंधन के संबंध में भारत के सामने आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह सीएजी के

लिए चिंता का एक अपेक्षाकृत नया क्षेत्र है। महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान करने और सभी हितधारकों को शामिल करके संभावित समाधान सुझाने के लिए सीएजी द्वारा जैव-विविधता, नदियों के प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन जैसे पर्यावरणीय मुद्दों पर 100 से अधिक ऑडिट आयोजित किए गए हैं।

### निष्कर्ष

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सरकारी कार्यों की वित्तीय अखंडता को बनाए रखने, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने और सार्वजनिक धन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बेहतर प्रशासन में योगदान देता है और यह सुनिश्चित करता है कि नागरिकों के लाभ के लिए सार्वजनिक संसाधनों का कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए।

## विश्व के लिए कौशल भारत

### GS II – मानव संसाधन

### GS III – वृद्धि और विकास

**संदर्भ:** हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया भर में कुशल कार्यबल के अग्रणी आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरने की भारत की क्षमता पर बल दिया। वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में भारत की यात्रा इसकी कुशल जनशक्ति की क्षमता के दोहन पर निर्भर है। इससे न केवल भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने में मदद मिलेगी बल्कि इसकी आर्थिक वृद्धि में भी तेजी आएगी क्योंकि यह दशक के अंत तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होगा। तकनीकी परिवर्तन और नवाचार ने नौकरियों के स्वभाव और उनके लिए आवश्यक कौशल में भारी बदलाव लाया है। भारत का लक्ष्य खुद को दुनिया की स्किल कैपिटल बनाना है।

**भारत विश्व की कौशल राजधानी" कैसे बन सकता है।**

- **जनसांख्यिकीय लाभांश:** भारत की 65% जनसंख्या 15 से 59 वर्ष के आयु वर्ग में है, और भारत की औसत कामकाजी आयु 28 वर्ष है, जो दुनिया में सबसे कम उम्र है, और 2050 तक यह सबसे युवा बनी रहेगी। इसी समय, अन्य देशों की जनसंख्या बढ़ रही है, यूरोपीय संघ में औसत कामकाजी आयु 44-48 वर्ष है। इसलिए, भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठा सकता है।
- **विविध कार्यबल:** भारत की विविध सांस्कृतिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि के परिणामस्वरूप कौशल और दृष्टिकोण की एक विस्तृत श्रेणी वाला कार्यबल तैयार होता है। विश्व कौशल प्रतिस्पर्धा में, भारतीय कार्यबल का स्किल ग्रुप दुनिया में 11वें स्थान पर है।
- **भाषा अनुकूलन क्षमता:** भारतीयों में भाषा अनुकूलन क्षमता अच्छी होती है। भारत में अंग्रेजी व्यापक रूप से बोली और समझी जाती है, जिससे कार्यबल के लिए वैश्विक व्यवसायों के साथ बात करना और सहयोग करना आसान हो जाता है।

**इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए संरचनात्मक सुधार की क्या आवश्यकता है?**

- **NSDC मुद्दा:** यह ध्यान दिया गया है कि एनएसडीसी कार्यक्रम उन लोगों के लिए केवल 12% रोजगार प्रदान कर रहे हैं जिन्होंने इसके अल्पकालिक पाठ्यक्रम पूरे कर लिए हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रशिक्षण की अवधि बहुत कम और नियामक घाटा है, दोनों ही अनिवार्य हैं कि निजी क्षेत्र को बेहतर ढंग से शामिल करने की आवश्यकता है।
- **उद्योग अग्रणी शैक्षणिक पाठ्यक्रम:** Google का कहना है कि भारत में 85% स्नातक रोजगार योग्य नहीं हैं, शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक उद्योग वातावरण में आवश्यक कौशल के बीच अंतर को दर्शाता है। इसलिए, औद्योगिक विकास के अनुसार पाठ्यक्रम को नियमित रूप से संशोधित किया जाना चाहिए।
- **कौशल में निजी और सरकारी समन्वय:** कॉर्पोरेट कुशल श्रम शक्ति का प्रमुख लाभार्थी हैं, जबकि भारत की संगठित क्षेत्र की केवल 36% कंपनियाँ ही इन-फर्म प्रशिक्षण आयोजित (ज्यादातर बड़ी कंपनियाँ) करती हैं। इसलिए, यह पहचानने की आवश्यकता है कि सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित लेकिन उद्योग ड्राइव मॉडल सबसे अच्छा कार्य करता है क्योंकि कंपनियाँ सरकारों की तुलना में मांगों को बेहतर ढंग से समझती हैं।

**कौशल विकास के लिए सरकार द्वारा की गई पहल**

**प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना**

- प्रमुख प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) वर्ष 2015 में आईटीआई के माध्यम से और प्रशिक्षुता योजना के तहत अल्पकालिक प्रशिक्षण, कौशल प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी।
- वर्ष 2015 से सरकार ने इस योजना के तहत 10 मिलियन से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया है।

**संकल्प और स्ट्राइव**

- संकल्प कार्यक्रम जो जिला-स्तरीय कौशल पारिस्थितिकी तंत्र पर केंद्रित है और स्ट्राइव परियोजना जिसका उद्देश्य आईटीआई के प्रदर्शन में सुधार करना है, अन्य महत्वपूर्ण कौशल हस्तक्षेप हैं।

**कौशल विकास में अनिवार्य सीएसआर व्यय**

- कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अनिवार्य सीएसआर खर्च के कार्यान्वयन के बाद से, भारत में निगमों ने विविध सामाजिक परियोजनाओं में 100,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है।



- इनमें से लगभग 6,877 करोड़ रुपए कौशल और आजीविका वृद्धि परियोजनाओं में खर्च किए गए। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, ओडिशा, कर्नाटक और गुजरात शीर्ष पांच प्राप्तकर्ता राज्य थे।

#### कौशल विकास के लिए तेजस पहल:

- हाल ही में, दुबई एक्सपो, 2020 में प्रवासी भारतीयों को प्रशिक्षित करने के लिए एक स्किल इंडिया इंटरनेशनल प्रोजेक्ट TEJAS (ट्रेनिंग फॉर एमिरेट्स जॉब्स एंड स्किल्स) लॉन्च किया गया था।
- परियोजना का उद्देश्य भारतीयों के कौशल, प्रमाणन और विदेशी रोजगार तथा भारतीय कार्यबल को संयुक्त अरब अमीरात में कौशल और बाजार की आवश्यकताओं के लिए सक्षम करने के लिए मार्ग बनाना है।

#### निष्कर्ष

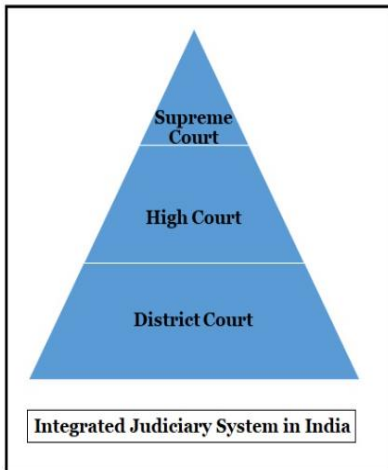
हालाँकि भारत में क्षमता है, लेकिन इस क्षमता को पूरी तरह से साकार करने और वैश्विक कौशल परिदृश्य में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे के विकास में निरंतर प्रयास महत्वपूर्ण हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों तथा निजी क्षेत्र के बीच निरंतर सहयोग आवश्यक है।

### भारतीय न्यायपालिका का पुनरुद्धार

#### GS II – न्यायपालिका

##### संदर्भ: सर्वोच्च न्यायालय की संरचना

- भारत में एकल संविधान की दृष्टि से न्यायपालिका की एकल एकीकृत प्रणाली है, इसका उद्घाटन 28 जनवरी 1950 को किया गया था।
- यह भारत के संघीय न्यायालय का स्थान लेता है और केंद्रीय तथा राज्य दोनों कानूनों को लागू करता है।
- संविधान के भाग V में अनुच्छेद 124 से 147 सर्वोच्च न्यायालय (एससी) के संगठन, स्वतंत्रता, अधिकार क्षेत्र, शक्तियों, प्रक्रियाओं आदि से संबंधित हैं।
- यह भारतीय संविधान के संरक्षक और मौलिक अधिकारों के संरक्षक के रूप में कार्य करता है।
- सुप्रीम कोर्ट के 3 क्षेत्राधिकार हैं, मूल, अपीलीय और सलाहकार।
- यह एक संवैधानिक न्यायालय के साथ-साथ अपील न्यायालय के रूप में भी कार्य करता है।



##### सुप्रीम कोर्ट में सुधार की आवश्यकता क्यों:

- व्यापक क्षेत्राधिकार :** सर्वोच्च न्यायालय केंद्र और राज्यों के साथ-साथ दो या दो से अधिक राज्यों के बीच मामलों की सुनवाई करता है; साथ ही दीवानी और आपराधिक अपील पर नियम; और राष्ट्रपति को कानूनी और तथ्यात्मक सलाह प्रदान करता है।
- जटिलता:** सुप्रीम कोर्ट में विभिन्न प्रकार की बेंच हैं जैसे डिवीजन बेंच, पूर्ण बेंच और संवैधानिक बेंच और विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के लिए विविध क्षेत्राधिकार हैं।
- औचित्यहीन मामले :** कुछ मामले बहुत महत्वपूर्ण या अत्यावश्यक नहीं होते हैं, इस प्रकार अदालत का अधिक समय और संसाधन लगते हैं।
- अदालतों पर बोझ:** सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों का भारी स्टॉक है, जो इसकी दक्षता और न्याय की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के 34 न्यायाधीशों के समक्ष 79,813 मामले लंबित हैं।
- न्याय में देरी :** न्याय में देरी न्याय न मिलने के समान है। न्याय में देरी का एक मुख्य कारण यह है कि अदालती मामलों की स्थापना उसके स्वभाव से अधिक होती है।

- **अत्यधिक बोझ:** जनहित याचिकाओं की बढ़ती संख्या ने न्यायपालिका पर बोझ डाल दिया है, जो पहले से ही लंबित मामलों को संभालने के लिए संघर्ष कर रही है।
- **अधिकांश कैदी विचाराधीन:** भारतीय जेलों में अधिकांश कैदी विचाराधीन हैं, जो तब तक जेलों में ही बंद रहते हैं जब तक कि उनके मामले का कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं निकल जाता।
- **हस्तक्षेप:** न्यायपालिका की अपनी सीमाओं को लांघने और सरकार की कार्यकारी और विधायी शाखाओं के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए भी आलोचना की गई है।
- **क्षेत्रीय असंतुलन:** शीर्ष अदालत को अपने निकट के उच्च न्यायालयों, जैसे पंजाब और हरियाणा, इलाहाबाद और दिल्ली से अधिक अपीलें प्राप्त होती हैं, जबकि दूर स्थित अदालतों में पहुंच और लागत में कठिनाइयों के कारण कम अपीलें दायर की गईं।

### संवैधानिक प्रावधान

- अनुच्छेद 145 : इसमें कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष पीठ जिसमें कम से कम 5 न्यायाधीश शामिल होते हैं।
- अनुच्छेद 143 : संविधान की व्याख्या या न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति जैसे कानून के महत्वपूर्ण प्रश्न से जुड़े मामलों से निपटते हैं।
- अनुच्छेद 137 : यह सर्वोच्च न्यायालय को न्यायिक समीक्षा का अधिकार देता है जिसके माध्यम से वह किसी भी कानून को असंवैधानिक होने पर या मौलिक अधिकारों का अपमान करने पर शून्य घोषित कर सकता है।
- अनुच्छेद 13 : जो कानून मौलिक अधिकारों के विपरीत हैं उन्हें न्यायपालिका द्वारा शून्य घोषित कर दिया जाता है।
- अनुच्छेद 50 : यह न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करना सुनिश्चित करता है।

### आगे की राह

- 10वें और 11वें विधि आयोग ने SC को 2 प्रभागों संवैधानिक प्रभाग और कानूनी प्रभाग में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा।
- सुप्रीम कोर्ट ने एक राष्ट्रीय अपील न्यायालय बनाने का सुझाव दिया जो विशेष अनुमति याचिकाओं को संभालेगा और इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट को संवैधानिक और सार्वजनिक कानून मामलों पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देगा।
- 229वें विधि आयोग की रिपोर्ट में गैर-संवैधानिक मुद्दों की सुनवाई के लिए 4 क्षेत्रीय पीठ (दिल्ली, चेन्नई या हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई) स्थापित करने की सिफारिश की गई थी।

## PAPER 3

### साइबर हमले

#### GS III – आंतरिक सुरक्षा

**संदर्भ:** साइबर हमले को किसी संगठन या व्यक्ति द्वारा किसी अन्य संगठन या व्यक्ति के सिस्टम की जानकारी चुराने या नष्ट करने की दुर्भावनापूर्ण गतिविधि या नियोजित प्रयास के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। साइबर हमलों के लिए अपराधियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न तरीके, मैलवेयर, रैनसम वेयर, फ़िशिंग, डिनायल ऑफ़ सर्विस, मैन इन द मिडल अटैक आदि हो सकते हैं।

#### साइबर हमलों का कारण

- व्यवसायिक वित्तीय विवरण प्राप्त करने हेतु।
- ग्राहक की वित्तीय जानकारी प्राप्त करने हेतु (उदाहरण के लिए- बैंक विवरण)।
- उत्पाद डिजाइन या व्यापार रहस्य प्राप्त करने हेतु।
- विभिन्न ग्राहकों या कर्मचारियों के लॉगिन क्रेडेंशियल और ईमेल पते हासिल करने हेतु।
- संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी हासिल करना या चोरी करने हेतु।
- कोई सामाजिक या राजनीतिक मुद्दा बनाने हेतु।
- व्यापारिक प्रतिस्पर्धियों को नष्ट करने हेतु।

#### भारत पर हालिया साइबर हमले

- **एम्स:** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पर हमला 23 नवंबर 2022 को सामने आया था। इस हमले से लगभग 40 मिलियन मरीजों का डेटा उजागर हुआ था।
- **CDSL:** भारत की दूसरी सबसे बड़ी डिपॉजिटरी, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) ने अपने कुछ सिस्टम पर मैलवेयर हमले का पता लगाया था।

**आईपीसीए प्रयोगशालाएँ:** भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनियों में से एक, आईपीसीएस को रैनसम हाउस नामक साइबर अपराध और एकसटोरशन ग्रुप (extortion group) ने प्रभावित किया था। इस समूह ने अपने सिस्टम से 500 गीगाबाइट डेटा चुराने का दावा किया है।

#### साइबर हमलों से निपटने में चुनौतियाँ:

- लोगों में जागरूकता की कमी
- खराब बुनियादी ढाँचा और साइबर सुरक्षा अधिकारियों की कमी
- अपराध करने वाले व्यक्ति की दूरदर्शिता के कारण क्षेत्राधिकार संबंधी समस्याएं उत्पन्न होना

#### संस्थागत उपाय

- आईटी अधिनियम, 2000 प्राथमिक कानून है जो भारत में साइबर हमलों से निपटता है।
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, 2013 राष्ट्रीय साइबरस्पेस की सुरक्षा के लिए दृष्टि और रणनीतिक दिशा प्रदान करती है।
- राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (NCIIPC) को महत्वपूर्ण के संबंध में एक राष्ट्रीय नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।
- सूचना अवसंरचना संरक्षण।
- CERT-in आवश्यकता पड़ने पर कंप्यूटर सुरक्षा खतरों के खिलाफ प्रतिक्रिया देने के लिए एक राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है।

#### निष्कर्ष

डेटा इकॉनमी का नयी सामग्री है और वर्तमान भू-राजनीतिक माहौल में भारत के पास लगातार बढ़ते साइबर हमलों से निपटने के लिए मजबूत कानूनी उपाय और प्रौद्योगिकी समर्थन होना चाहिए।

### राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति

#### GS III – आंतरिक सुरक्षा

**संदर्भ:** राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) क्या है?

- राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (NSS) एक व्यापक दस्तावेज है जो किसी देश के सुरक्षा उद्देश्यों एवं उन्हें प्राप्त करने के उपायों को बताता है।
- यह विभिन्न जिम्मेदारियों के कार्यान्वयन की काम करने वाली एजेंसियों के लिए जवाबदेही शुरू करते हुए पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों

और अवसरों को परिभाषित करता है।

- इसका मतलब है कि एनएसएस सेना के साथ-साथ महत्वपूर्ण रक्षा और सुरक्षा सुधारों का मार्गदर्शन करेगा, समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा, खतरों और उन्हें संबोधित करने के लिए रोडमैप का समग्र दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

### एनएसएस की आवश्यकता

- एनएसएस वित्तीय और आर्थिक सुरक्षा, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, सूचना संबंधी खतरे, महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना (Critical Information Infrastructure) में सुनम्यता, आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान और पर्यावरणीय मुद्दों सहित समकालीन चुनौतियों के व्यापक स्पेक्ट्रम को शामिल करने के लिए तैयार है।
- विभिन्न पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों की जटिल प्रकृति, विशेष रूप से बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच, नए एनएसएस की आवश्यकता है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा को घरेलू और बाहरी खतरों पर काबू पाने के लिए राज्य की बलपूर्वक शक्ति के उपयोग तक सीमित नहीं किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, आर्थिक और सामाजिक शिकायतों से घरेलू शांति और स्थिरता को खतरा उत्पन्न हो सकता है।
- बिना सोचे-समझे की गई प्रतिक्रिया से शिकायतों का समाधान नहीं हो सकता है, जबकि बलपूर्वक शक्ति का उपयोग स्थिति को सुधारने के बजाय बढ़ा देता है। उदाहरण के लिए, भारत में वामपंथी उग्रवाद की जड़ें जनजातीय आबादी के लगातार शोषण में निहित हैं।
- इसी तरह, हमारी सीमाओं की संवेदनशीलता बढ़े पैमाने पर तस्करी और वर्जित व्यापार से जुड़ी हुई है। अवैध व्यापार के चलाने वालों को संबोधित किए बिना केवल बढ़ी हुई सैन्य क्षमताओं के माध्यम से ऐसे खतरों से नहीं निपटा जा सकता है।
- तेजी से वैश्वीकृत दुनिया में काम कर रहे एक आधुनिक राज्य के लिए, क्या घरेलू है और क्या बाहरी है, के बीच की लाइन तेजी से धुंधली होती जा रही है। उदाहरण के लिए, आतंकवाद घरेलू सुरक्षा के लिए खतरा है लेकिन इसके बाहरी संबंध भी हो सकते हैं। इस प्रकार, घरेलू और बाहरी हस्तक्षेप का संयोजन आवश्यक हो सकता है।
- केवल एक व्यापक एनएसएस के भीतर ही घरेलू और बाहरी आयामों के बीच ऐसे जटिल अंतर-संबंधों का विश्लेषण किया जा सकता है और समन्वित नीति प्रतिक्रियाएं तैयार की जा सकती हैं।

### पिछला प्रयास और बाधाएँ

- असफल प्रयास: भारत ने पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति विकसित करने के तीन प्रयास किए हैं, लेकिन सभी असफल रहे।
- राजनीतिक झिझक (Political Hesitation): कुछ लोग अनुमान लगाते हैं कि रक्षा प्रबंधन में जवाबदेही के बारे में चिंताओं से प्रेरित राजनीतिक स्तर पर झिझक ने रणनीति को जारी करने में बाधा उत्पन्न की होगी।
- विभिन्न विचार: राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की अनुपस्थिति के बारे में रणनीतिक समुदाय के भीतर अलग-अलग विचार रहे हैं, जिसमें सामंजस्यपूर्ण सरकारी प्रयासों की कमी से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का जानबूझकर खुलासा न करना शामिल है।

### वैश्विक मिसालें

- एनएसएस के साथ स्थापित राष्ट्र: मजबूत सैन्य और सुरक्षा बुनियादी ढांचे वाले विकसित राष्ट्र राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियों को बनाए रखते हैं, जिन्हें समय-समय पर अद्यतन किया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और रूस ने अपना एनएसएस प्रकाशित किया है।
- चीन की व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा: चीन के पास बारीकी से एकीकृत व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति है, जो उसकी शासन संरचना से मजबूती से जुड़ी हुई है।
- पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति: पाकिस्तान ने हाल ही में अपने राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों और प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए 2022-2026 के लिए एक राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का अनावरण किया।

### निष्कर्ष

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियाँ किसी देश के सुरक्षा तंत्र का मार्गदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि देश के हितों की रक्षा के लिए संसाधनों का प्रभावी ढंग से आवंटन किया जाए। वे राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सरकारी एजेंसियों, सैन्य बलों और अन्य हितधारकों के लिए एक साथ काम करने के लिए एक ब्लूप्रिंट के रूप में कार्य करते हैं।

### डीपफेक

#### GS III – विज्ञान और प्रौद्योगिकी

#### संदर्भ: डीपफेक क्या हैं?

- डीपफेक यथार्थवादी दिखने वाली, एआई-जनित सामग्री को संदर्भित करता है, आमतौर पर छवियाँ या वीडियो जो मूल सामग्री को नई,

अक्सर बनाई गई सामग्री से हेरफेर या बदल दिया जाता है।

- "डीपफेक" शब्द "डीप लर्निंग" और "फेक" का संयोजन है।
- यह शब्द तब लोकप्रिय हुआ जब एक Reddit योगदानकर्ता ने अश्लील वीडियो में लोगों के शरीर पर मशहूर हस्तियों के चेहरे लगाने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध AI-संचालित सॉफ्टवेयर का उपयोग किया।
- हाल ही में सोशल मीडिया पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक वीडियो वायरल होने के बाद डीपफेक फिर से खबरों में आ गया है। इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि डीप फेक नवीनतम और "गलत सूचना का अधिक खतरनाक और हानिकारक रूप" है, जिससे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को निपटने की जरूरत है।
- शोधकर्ताओं ने साइबर अपराधियों और स्कैमर्स द्वारा डीपफेक उपयोग में 230% की वृद्धि देखी है, और भविष्यवाणी की है कि प्रौद्योगिकी कुछ वर्षों में फ़िशिंग की जगह ले लेगी।

### डीपफेक तकनीक कैसे काम करती है?

- इस तकनीक में जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क (जीएन) नामक मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करके छवियों और वीडियो को संशोधित करना या बनाना शामिल है।
- एआई-संचालित सॉफ्टवेयर स्रोत सामग्री से विषयों की गतिविधियों और चेहरे के भावों का पता लगाता और सीखता है और फिर इन्हें किसी अन्य वीडियो या छवि में नकली बना देता है।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि बनाया गया डीपफेक यथासंभव वास्तविक के लगभग समान है कि नहीं, निर्माता स्रोत छवियों के एक बड़े डेटाबेस का उपयोग करते हैं। यही कारण है कि सार्वजनिक हस्तियों, मशहूर हस्तियों और राजनेताओं के अधिक डीपफेक वीडियो बनाए जाते हैं।
- डेटासेट का उपयोग एक सॉफ्टवेयर द्वारा नकली वीडियो बनाने के लिए किया जाता है, जबकि दूसरे सॉफ्टवेयर का उपयोग इसमें जालसाजी के संकेतों का पता लगाने के लिए किया जाता है।
- दो सॉफ्टवेयर के सहयोगात्मक कार्य के माध्यम से, नकली वीडियो तब तक प्रस्तुत किया जाता है जब तक कि दूसरा सॉफ्टवेयर पैकेज जालसाजी का पता नहीं लगा पाता।
- इसे "अनसुपरवाइज्ड लर्निंग" के रूप में जाना जाता है, जब मशीन-भाषा मॉडल स्वयं सीखते हैं। यह विधि अन्य सॉफ्टवेयर के लिए डीपफेक की पहचान करना कठिन बना देती है।

### डीपफेक द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ

- 'लायर्स डिविडेंड' को बढ़ावा देता है- लायर्स डिविडेंड उस स्थिति को संदर्भित करता है जब एक अवांछनीय सत्य को डीपफेक या नकली समाचार के रूप में खारिज कर दिया जाता है। नेता डीपफेक को हथियार बना सकते हैं और मीडिया और सच्चाई के एक वास्तविक टुकड़े को खारिज करने के लिए नकली समाचार और वैकल्पिक-तथ्यों का उपयोग कर सकते हैं। उदाहरण- डोनाल्ड ट्रंप डीपफेक वीडियो। डीपफेक वास्तविकता और नकली के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं। लोग हकीकत को झूठ मानकर खारिज करने लगते हैं।
- चुनाव जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास का क्षरण - छेड़छाड़ की गई सामग्री, संभवतः एक यथार्थवादी नकली वीडियो के रूप में, सार्वजनिक धारणा को बदलने और लोकतांत्रिक हानि उत्पन्न करने के लिए तथ्य के रूप में प्रस्तुत की जाती है। उदाहरण के लिए - कैपिटल हिल हिंसा, 2021 को डीप फेक मीडिया का उपयोग करके भड़काया गया था।
- महिलाओं के खिलाफ अपराध- डीपफेक का इस्तेमाल महिलाओं की गरिमा और पवित्रता पर हमला करने के लिए एक हथियार के रूप में किया जा रहा है। एआई कंपनी डीपट्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, 90% से अधिक डीपफेक वीडियो अश्लील प्रकृति के होते हैं।
- कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा देना- ISIS और अल-कायदा जैसे गैर-राष्ट्र अभिनेता लोगों के बीच राष्ट्र-विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए नकली वीडियो का इस्तेमाल करते हैं। उदाहरण के लिए- फर्जी वीडियो जिसमें सशस्त्र बलों को 'संघर्ष क्षेत्रों में अपराध' करते हुए दिखाया गया है।
- साइबर अपराधों में वृद्धि- साइबर अपराधी फ़िशिंग हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी और पहचान की चोरी को अंजाम देने के लिए डीपफेक तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। उदाहरण: यू.के. ऊर्जा कंपनी के सीईओ को धोखेबाजों को €2,20,000 हस्तांतरित करने के लिए डीपफेक ऑडियो का उपयोग करके धोखा दिया गया था।

### भारत और विश्व भर में डीपफेक विनियमन

भारत

- भारत में ऐसे विशिष्ट कानून या नियम नहीं हैं जो डीपफेक तकनीक के उपयोग पर प्रतिबंध या विनियमन करते हों।
- मानहानि और स्पष्ट सामग्री प्रकाशित करने से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (2000) की धारा 67 और 67ए डीपफेक के मामलों में लागू की जाती हैं।
- भारत के आईटी नियम, 2021 के लिए आवश्यक है कि नकली या डीप फेक का उपयोग करके बनाई गई सभी कंटेंट को 36 घंटों के भीतर मध्यस्थ प्लेटफार्मों द्वारा हटा दिया जाए।
- भारतीय दंड संहिता (1860) की धारा 500 में मानहानि के लिए भी सजा का प्रावधान है।

#### संयुक्त राज्य अमेरिका

- अमेरिका ने डीपफेक तकनीक का मुकाबला करने के लिए होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) की सहायता के लिए द्विदलीय डीपफेक टास्क फोर्स अधिनियम पेश किया।

#### यूरोपीय संघ

- यूरोपीय संघ ने दुष्प्रचार पर अभ्यास संहिता को अद्यतन किया है जिसे डीपफेक के माध्यम से दुष्प्रचार के प्रसार को रोकने के लिए 2018 में पेश किया गया था।
- यूरोपीय संघ ने सामग्री निर्माण के स्रोतों और प्रक्रियाओं का विश्लेषण करने में सहायता के लिए तथ्य-जांचकर्ताओं के एक स्वतंत्र नेटवर्क के निर्माण के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

#### चीन

- चीन ने दुष्प्रचार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से डीप सिंथेसिस पर व्यापक विनियमन पेश किया है।

#### निष्कर्ष

सोशल मीडिया बिचौलियों को अपनी साइटों पर डीपफेक का पता लगाने और रिपोर्ट करने के लिए एआई-जनित सामग्री को वॉटरमार्क करने जैसी तकनीक विकसित करनी होगी। उदाहरण के लिए- माइक्रोसॉफ्ट का वीडियो प्रमाणक गलत सूचना से लड़ने के लिए एक नई एंटी-डीप फेक तकनीक है। इसके अतिरिक्त, डीपफेक तकनीक के दुर्भावनापूर्ण उपयोग को संबोधित करने के लिए कानूनी ढांचे की आवश्यकता के बारे में भी चर्चा होनी चाहिए।

### समावेशी विकास और \$5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था

#### GS III – अर्थव्यवस्था

संदर्भ : G20 शेरपा बैठक में भारतीय प्रतिनिधि अमिताभ कांत ने आश्वासन दिया कि भारत 2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जिसकी विकास दर 8% से 9% होगी। हालांकि, विडंबना यह है कि यह वृद्धि प्रति व्यक्ति आय या किसी अन्य मानव विकास सूचकांक में वृद्धि की बात नहीं करती है।

#### भारत के विकास के पक्ष में कारक

- मजबूत संबंध और विविध अर्थव्यवस्था: पिछले 50 वर्षों में, भारत की अर्थव्यवस्था का लगातार विस्तार हुआ है। अर्थव्यवस्था व्यापक रूप से विविध है, और इसके अन्य देशों के साथ उपयोगी व्यापार संबंध हैं।
- प्रौद्योगिकी अपनाना: भारत में नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने की जबरदस्त होड़ लगी है। विनिर्माण और वित्त उद्योगों में अडॉप्ट करने की दर में वृद्धि हुई है। इससे उत्पादन में वृद्धि हुई जबकि उत्पादन लागत कम हुई और उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ी। इन तत्वों ने लाभप्रदता को बढ़ावा दिया, जिससे नवाचार में अधिक निवेश हुआ।
- ऑफशोरिंग अवसर: कोविड-19 ने कार्यस्थल लोकाचार में दूरस्थ टीमों की ओर एक दीर्घकालिक मूवमेंट को उजागर किया। इससे भारत को लाभ हो रहा है क्योंकि विकसित देशों के निगमों के लिए भारतीय नागरिकों के साथ सहयोग करना अधिक किफायती रहा है।
- जनसांख्यिकीय लाभांश: 356 मिलियन युवाओं के साथ, भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है। 64% की कामकाजी आबादी के साथ, भारत में न केवल सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है, बल्कि एक बड़ा ग्राहक आधार भी है जिसे व्यवसाय सफलतापूर्वक लक्षित कर सकते हैं।
- नवीकरणीय ऊर्जा: भारत की स्थापित विद्युत क्षमता पहले से ही अपनी लगभग 40% बिजली गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करती रही है। नवीकरणीय ऊर्जा में इस रूपांतरण के साथ, व्यवसायों और उपभोक्ताओं दोनों को कम भुगतान करना होगा, और देश आयात पर कम निर्भर होगा।

#### संभावित चुनौतियाँ

- धन का संकेंद्रण (Concentration of Wealth): ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 में भारत के शीर्ष 1% के पास कुल संपत्ति का 40.5% से अधिक का स्वामित्व था, जबकि 50% के पास 3% संपत्ति थी। लेकिन विडंबना यह है कि यह कम संसाधन वाले नागरिक

ही हैं जो प्रस्तावित 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए निवेश का वित्तपोषण कर रहे हैं: कुल वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) का लगभग 64% आबादी के निचले 50% और शीर्ष 10% से आया है। जीएसटी का 3% योगदान दिया। ऐसी संभावना है कि विकास केवल कुछ ही लोगों को होता है।

- गरीबी और भुखमरी: पीएम नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल तक बढ़ा रहे हैं क्योंकि वह नहीं चाहते कि कोई भी नागरिक भूखा सोए। इसका मतलब यह है कि 2028 में भी 80 करोड़ भारतीयों को भुखमरी से बचने के लिए मुफ्त खाद्यान्न मिलेगा। इसलिए यह वृद्धि गरीबी रेखा से नीचे के नागरिकों को इससे बाहर आने में मदद नहीं कर सकती है।
- कौशल की आवश्यकता: इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पहचाने गए उपकरणों और क्षेत्रों के लिए अत्यधिक कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है, जो 80 करोड़ हाशिए पर रहने वाले नागरिकों के मूल निवासी नहीं हैं।
- प्रति व्यक्ति आय: जापान की प्रति व्यक्ति आय \$34000 और चीन की प्रति व्यक्ति आय \$13000 है। हालाँकि चीन ने विश्व जीडीपी रैंकिंग में जापान को पीछे छोड़ दिया है, चूँकि प्रति व्यक्ति आय जनसंख्या की भलाई का एक गहन सूचकांक है, इसलिए जापान को चीन से बेहतर माना जाता है। जबकि 2022 में भारत की प्रति व्यक्ति आय चीन की तुलना में 2,400 डॉलर काफी कम है।

### 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से कैसे सुधार होगा?

**असमानता सूचकांक:** विश्व आर्थिक मंच असमानता सूचकांक (अधिक मूल्य कम असमानता) के अनुसार भारत का मूल्य 21.9 है। चीन और जापान की वैल्यू 50 से भी ज्यादा है।

### क्या 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी से गहराएगा बंटवारा?

#### जापान की कहानी

- 40 वर्षों तक, जापान विनिर्माण और निर्यात द्वारा संचालित दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था।
- जापानी आबादी खर्च कम कर रहे है, जिससे निर्यात कम हो गया और सरकारी प्रोत्साहन समाप्त हो गए।
- जैसे ही अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर आ गई, जापान के नेतृत्व ने सार्वजनिक रूप से चीन की बढ़त का स्वागत किया, यह कहते हुए कि (तत्कालीन) सबसे अधिक आबादी वाले देश से निरंतर मांग केवल जापान के निर्यात के लिए अच्छी हो सकती है।
- इस अहंकार-मुक्त 'सक्रियता' ने यह सुनिश्चित किया है कि जापान पिछले 14 वर्षों से विश्व जीडीपी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर बना हुआ है।
- आज जापान सकल घरेलू उत्पाद के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- हालाँकि, विकास के साथ श्रमिक 'वेतनभोगी' नौकरियों की उम्मीद में ग्रामीण इलाकों और उपनगरों से शहरों की ओर चले गए, लेकिन कई लोगों ने पाया कि उच्च विकास वाले क्षेत्रों में आने वाली तकनीकी सुनामी के लिए उन्हें प्रशिक्षित नहीं किया गया था। वे वित्तीय पतन और सामाजिक अलगाव के बीच में फंस गए।
- आज कथित तौर पर हर 20 मिनट में आत्महत्या से एक मौत हो रही है।
- लगभग 15 लाख जापानियों ने वर्षों से अपना घर नहीं छोड़ा है, जो गंभीर सामाजिक अलगाव का एक रूप है जिसे हिकिकोमोरी कहा जाता है।
- बूढ़े माता-पिता रविवार को आने वाली अभिनेत्रियों को 'मॉम' और 'पाप' कहने के लिए किराए पर लेते हैं क्योंकि उनकी अपनी बेटियाँ अब उनसे मिलने नहीं आती हैं।
- हर दिन, मृत लोगों को उनकी मृत्यु के कुछ दिनों या हफ्तों बाद छोटे अपार्टमेंट में खोजा जाता है; इन्हें कोडोकुशी या एकाकी मृत्यु कहा जाता है।
- जैसे-जैसे उच्च-मूल्य वाली औद्योगिक अर्थव्यवस्था केंद्र में आई, व्यक्तिगत और व्यावसायिक रिश्तों की शक्ति खत्म हो गई और बहु-पीढ़ीगत परिवार और सामाजिक संरचना विखंडित हो गई।

#### निष्कर्ष

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि असमानता और आर्थिक विकास के बीच संबंध जटिल और संदर्भ-निर्भर है। कुछ लोगों का तर्क है कि असमानता का मध्यम स्तर नवाचार और निवेश के लिए प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है, जबकि अत्यधिक असमानता दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं के लिए हानिकारक हो सकती है। संक्षेप में, एक स्थाई और समावेशी \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए असमानता को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। शिक्षा, सामाजिक गतिशीलता और अवसरों तक समान पहुंच को बढ़ावा देने वाली नीतियां अधिक संतुलित और लचीली आर्थिक प्रणाली में योगदान कर सकती हैं।

जलवायु अनुकूल कृषि (सीएसए)

GS III – कृषि

**संदर्भ:** 21वीं सदी में मानव जाति के समक्ष विद्यमान दो सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं- जलवायु परिवर्तन (climate change) और खाद्य असुरक्षा (food insecurity)। जलवायु परिवर्तन के कुछ जारी प्रभाव जैसे हीट वेव्स, आकस्मिक बाढ़, सूखा और चक्रवात जीवन और आजीविका को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं। जबकि, जनसंख्या विस्तार और आहार परिवर्तन दोनों ही खाद्य की मांग में वृद्धि में योगदान दे रहे हैं। कृषि उत्पादन पर पर्यावरण का प्रभाव कठिनाई को और बढ़ा ही रहा है। जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप पारंपरिक कृषि पद्धतियाँ कम उत्पादक होती जा रही हैं। इस परिदृश्य में सीएसए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि खाद्य मांग को पूरा करने के लिए 2050 तक कृषि उत्पादन में 60% की वृद्धि लाने की तीव्र आवश्यकता है।

### जलवायु-स्मार्ट कृषि क्या है?

- खाद्य और कृषि संगठन के अनुसार, जलवायु-स्मार्ट कृषि सतत विकास का समर्थन करने और जलवायु परिवर्तन के तहत खाद्य सुरक्षा की सुरक्षा के लिए खाद्य और कृषि प्रणालियों को बदलने का एक दृष्टिकोण है।
- इसका लक्ष्य तीन मुख्य उद्देश्यों की पूर्ति करना है:
  1. कृषि उत्पादकता और आय में सतत रूप से वृद्धि करना
  2. जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन और प्रत्यास्थता का निर्माण करना
  3. ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन को कम करना और/या उन्हें समाप्त करना
- जलवायु-स्मार्ट प्रथाओं के आयामों में जल-स्मार्ट, मौसम-स्मार्ट, ऊर्जा-स्मार्ट और कार्बन-स्मार्ट प्रथाएं शामिल हैं।
- वे उत्पादकता में सुधार करते हैं, भूमि क्षरण से निपटते हैं और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं।

### सीएसए का महत्व

- **खाद्य सुरक्षा:** यह जलवायु-लचीली कृषि फसल की पैदावार पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करके स्थिर और पर्याप्त खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करती है। सीएसए का महत्व पारिस्थितिक स्थिरता बनाए रखते हुए कृषि उत्पादन बढ़ाने की क्षमता में निहित है।
- **आर्थिक स्थिरता:** जलवायु-लचीली प्रथाएं किसानों को चरम मौसम की घटनाओं, फसल विफलताओं और अन्य जलवायु-संबंधी चुनौतियों से जुड़े जोखिमों को कम करके स्थिर आय बनाए रखने में मदद करती हैं।
- **बदलती परिस्थितियों के लिए अनुकूलन:** अनुकूलन क्षमता बढ़ाने वाली प्रथाओं को लागू करके, जैसे कि फसल विविधीकरण और जल प्रबंधन, कृषि बढ़ते तापमान, परिवर्तित वर्षा पैटर्न और अधिक बार होने वाली चरम मौसम की घटनाओं से उत्पन्न चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकती है।
- **जैव विविधता संरक्षण:** विविध और लचीली कृषि प्रणालियाँ जैव विविधता के संरक्षण में योगदान करती हैं। विभिन्न प्रकार की फसलों को शामिल करके और कृषि-पारिस्थितिकी प्रथाओं का उपयोग करके, किसान ऐसे आवास बना सकते हैं जो पौधों और जानवरों की प्रजातियों की एक श्रृंखला का समर्थन करते हो, जिससे समग्र पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य में वृद्धि होती हो।
- **जल प्रबंधन:** कुशल जल प्रबंधन प्रथाएं, जलवायु-लचीली कृषि का एक प्रमुख घटक, पानी की कमी के मुद्दों को हल करने में मदद करती हैं। सिंचाई प्रणालियों को अनुकूलित करके, वर्षा जल संचयन को लागू करके और जल-उपयोग दक्षता में सुधार करके, कृषि बदलते वर्षा पैटर्न को अनुकूलित कर सकती है और सूखे के प्रभाव को कम कर सकती है।
- **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का शमन:** देश में सभी मीथेन उत्सर्जन के 73% के लिए कृषि जिम्मेदार है। जलवायु-लचीला कृषि अक्सर उन प्रथाओं के साथ संरेखित होती है जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के शमन में योगदान करती हैं। उदाहरण के लिए, संरक्षण जुताई, कृषि वानिकी और जैविक खेती मिट्टी में कार्बन जमा कर सकती है, जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिल सकती है।

### निष्कर्ष

सीएसए में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, किसानों को सशक्त बनाने और नवाचार, लचीलापन और स्थिरता का विलय करके हमारे नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने की क्षमता होती है। बदलती जलवायु के सामने, सीएसए का मार्ग एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे विश्व के लिए प्रेरणा और परिवर्तन के स्रोत के रूप में सामने आता है।

### शहरी प्रदूषण से निपटने के लिये विद्युतीकरण की राह

#### GS III – पर्यावरण

**संदर्भ:** भारत के कई शहरों में इस वर्ष कई बार खराब वायु गुणवत्ता की स्थिति उत्पन्न हुई, जिससे लाखों लोगों के लिये साँस लेना अस्वास्थ्यकर हो गया। दिल्ली के प्रदूषण के बारे में दो महत्वपूर्ण अध्ययन (वर्ष 2015 में 'शहरी उत्सर्जन' शीर्षक अध्ययन और वर्ष 2018 में 'TERI' द्वारा आयोजित एक अध्ययन) ने प्रकट किया कि शहरों में धुंध (smog) का एक बड़ा कारण PM2.5 और PM10 नामक सूक्ष्म कण से उत्पन्न प्रदूषण है। ये कण मुख्यतः वाहनों और निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न होते हैं।

#### वाहन उत्सर्जन डेटा



- शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण वाहनों का उत्सर्जन है।
- आमतौर पर वाहनों से होने वाला उत्सर्जन वायु गुणवत्ता के श्वसन स्तर पर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 का 20-30% योगदान देता है।
- साथ ही भारत में कुल ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन का लगभग 8% परिवहन क्षेत्र से होता है और दिल्ली में यह 30% से अधिक है।
- परिवहन क्षेत्र कुल उत्सर्जन का एक-चौथाई हिस्सा है, जिसमें से सड़क परिवहन तीन-चौथाई उत्सर्जन ( कुल वैश्विक CO2 उत्सर्जन का 15%) के लिये जिम्मेदार है।
- इसका सबसे बड़ा हिस्सा यात्री वाहन हैं, जो लगभग 45% CO2 उत्सर्जित करते हैं।
- यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2050 में वार्षिक जीएचजी उत्सर्जन 90% अधिक होगा।

#### ग्रीन फ्रेट कॉरिडोर

- कुछ एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों को ग्रीन फ्रेट कॉरिडोर घोषित करने से देश में प्रदर्शन प्रभाव पड़ेगा।
- भारत में ग्रीन फ्रेट कॉरिडोर बनाने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन में तेजी, मांग एकत्रीकरण, आपूर्तिकर्ता तत्परता और एक विवेकपूर्ण जोखिम आवंटन रणनीति की आवश्यकता है।
- ऐसे गलियारे पहले भारी ट्रकों की आवाजाही वाले मार्गों पर 500 किलोमीटर के छोटे हिस्सों में विकसित हो सकते हैं। नवोन्मेषी वित्तीय उपकरण, चार्जिंग बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहन, उद्यमशीलता प्रयासों की सुविधा और देश में एक अनुकूल नियामक वातावरण भारत में ट्रक विद्युतीकरण के लिए महत्वपूर्ण सफलता ला सकता है।

#### ग्रीन फ्रेट कॉरिडोर के पहलू

- **सतत परिवहन साधन:** पर्यावरण के अनुकूल परिवहन के साधनों को बढ़ावा देना, जैसे कि इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड ट्रक, ट्रेन और जहाज, जो पारंपरिक डीजल-संचालित वाहनों की तुलना में कम उत्सर्जन उत्पन्न करते हैं।
- **ऊर्जा दक्षता:** माल परिवहन में ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं का कार्यान्वयन, जिसमें ऊर्जा खपत को कम करने के लिए ईंधन-कुशल वाहनों का उपयोग, अनुकूलित रूटिंग और लोड समेकन शामिल है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत:** माल परिवहन परिचालन की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए सौर या पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का एकीकरण। इससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और परिवहन गलियारे के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिल सकती है।
- **इंटरमॉडल कनेक्टिविटी:** इंटरमॉडल परिवहन समाधानों को बढ़ावा देना जो दक्षता को अनुकूलित करने और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए विभिन्न तरीकों (जैसे, सड़क, रेल, समुद्री) को सहजता से एकीकृत करता है। इसमें विभिन्न परिवहन ऑपरेटरों और बुनियादी ढांचा प्रदाताओं के बीच बेहतर समन्वय शामिल हो सकता है।
- **उत्सर्जन कटौती रणनीतियाँ:** ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, वायु प्रदूषक और माल परिवहन से जुड़े अन्य पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए रणनीतियों को अपनाना। इसमें उत्सर्जन मानकों का कार्यान्वयन, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के लिए प्रोत्साहन और वैकल्पिक ईंधन का उपयोग शामिल हो सकता है।

#### भारत में उत्सर्जन कम करने की पहल

##### भारत स्टेज-IV (BS-IV) से भारत स्टेज-VI (BS-VI) उत्सर्जन मानदंडों में बदलाव:

- मोटर वाहनों सहित आंतरिक दहन इंजन और स्पार्क-इग्निशन इंजन उपकरण से वायु प्रदूषकों के उत्पादन को विनियमित करने के लिए सरकार द्वारा भारत चरण (बीएस) उत्सर्जन मानक निर्धारित किए गए हैं।
- केंद्र सरकार ने आदेश दिया है कि वाहन निर्माताओं को 1 अप्रैल 2020 से केवल बीएस-VI (बीएस6) वाहनों का निर्माण, बिक्री और पंजीकरण करना होगा।

##### वर्ष 2025 तक भारत में इथेनॉल सम्मिश्रण का रोडमैप:

- इस रोडमैप में अप्रैल 2022 तक E10 ईंधन आपूर्ति हासिल करने के लिए इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के क्रमिक रोलआउट और अप्रैल 2023 से अप्रैल 2025 तक E20 के चरणबद्ध रोलआउट का प्रस्ताव है।

##### हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन को तेजी से अपनाने और विनिर्माण (FAME) योजना:

- फेम इंडिया योजना का उद्देश्य सभी वाहन खंडों को प्रोत्साहित करना है।
- **योजना के दो चरण:**
  - चरण I: यह वर्ष 2015 में शुरू हुई और 31 मार्च, 2019 को पूरी हुई।
  - चरण II : यह अप्रैल, 2019 से शुरू होकर 31 मार्च, 2024 तक पूरी होगी।

**राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन:**

- इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी, नीति और विनियमन में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ भारत के प्रयासों को संरेखित करते हुए कार्बन उत्सर्जन में कटौती करना और ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के उपयोग को बढ़ाना है।

**निष्कर्ष**

ग्रीन फ्रेट कॉरिडोर का उद्देश्य माल की आवाजाही में आर्थिक दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच संतुलन बनाना है। हरित प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करके, लॉजिस्टिक्स को अनुकूलित करके और सहयोग को बढ़ावा देकर, ये गलियारे माल परिवहन के पर्यावरणीय फुटप्रिंट को कम करना चाहते हैं और व्यापक स्थिरता लक्ष्यों में योगदान करते हैं।

**पराली जलाना (STUBBLE BURNING)****GS III – पर्यावरण**

**संदर्भ:** हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से सीमांत किसानों के लिए फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों की लागत का वित्तपोषण करने में विफलता के बारे में प्रश्न किया। पराली जलाने से तात्पर्य फसल काटने के बाद खेतों में बचे हुए भूस, डंठल और फसल के अवशेषों को जानबूझकर आग लगाने की प्रथा से है। यह भारत सहित दुनिया के कुछ हिस्सों में एक आम कृषि पद्धति है। किसान अक्सर खेतों को जल्दी से खाली करने और अगले रोपण सीजन के लिए तैयार करने के लिए पिछली फसल के अवशेषों को जला देते हैं। हालाँकि, पराली जलाने के कई पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी निहितार्थ हैं, जिससे इसके प्रभाव को लेकर चिंताएँ और चर्चाएँ होती हैं।

**पराली जलाने का कारण**

- **खेतों को जल्दी साफ करना:** फसल काटने के बाद, किसान अक्सर अगले रोपण सीजन की तैयारी के लिए खेतों को जल्दी से साफ करना चाहते हैं। शेष फसल अवशेषों को हटाने और अगली फसल के लिए खेत तैयार करने के लिए पराली जलाना एक त्वरित और लागत प्रभावी तरीका है।
- **जुताई में आसानी:** जली हुई पराली के बाद राख रह जाती है, जिसके बारे में कुछ किसानों का मानना है कि इससे अगली रोपाई के लिए खेतों की जुताई करना आसान हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि राख प्राकृतिक उर्वरक के रूप में काम करती है।
- **कीट और रोग नियंत्रण:** किसानों का मानना है कि पराली जलाने से उन कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है जो बचे हुए फसल अवशेषों में मौजूद होते हैं। ऐसा माना जाता है कि आग अगली फसल के लिए संक्रमण के संभावित स्रोतों को खत्म कर देती है।
- **सस्ता:** कटाई के मौसम के बाद खेत को साफ करने के लिए इसे सबसे सस्ते तरीकों में से एक माना जाता है।
- **श्रमबल की कमी:** पराली निकालने के लिए महंगे श्रम का उपयोग संभव नहीं है, खासकर पंजाब और हरियाणा में जहां खेतों का आकार बड़ा होता है।
- **सभी ठूठों को साफ करता है:** फसल के प्रकार के आधार पर खेत में मशीनीकृत हार्वेस्टर के उपयोग से फसल की 10-30 सेमी की ठूठे रह जाती है, जो पहले मैनुअल कटाई के मामले में नहीं रहती थी।
- **कम फसल अवशेष:** फसल अवशेषों का कम वाणिज्यिक और आर्थिक मूल्य, प्रसंस्करण की उच्च लागत के साथ मिलकर, किसानों के लिए इसका मूल्य कम कर देता है।

**पराली जलाने के प्रभाव**

- **वायु प्रदूषण:** पराली जलाने से PM2.5 और PM10 सहित बड़ी मात्रा में कण हवा में फैलते हैं। ये बारीक कण श्वसन तंत्र में गहराई तक प्रवेश करते हैं, जिससे श्वसन संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं और मौजूदा स्वास्थ्य स्थितियां खराब होती हैं। पराली जलाने से कार्बन डाइऑक्साइड (CO<sub>2</sub>), मीथेन (CH<sub>4</sub>), और नाइट्रस ऑक्साइड (N<sub>2</sub>O) जैसी ग्रीनहाउस गैसों निकलती है। ये गैसों ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं।
- **स्वास्थ्य पर प्रभाव:** पराली जलाने के दौरान उत्पन्न धुएं में प्रदूषक तत्व होते हैं जो श्वसन समस्याओं का कारण बनते हैं या बढ़ा सकते हैं, जिससे अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियाँ हो सकती हैं।
- **मृदा स्वास्थ्य:** पराली जलाने से मिट्टी से कार्बनिक पदार्थ नष्ट हो जाते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता और संरचना प्रभावित होती है। इससे समय के साथ मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है।
- **जैव विविधता:** पराली जलाने से होने वाली तीव्र गर्मी विभिन्न पौधों और जानवरों की प्रजातियों के आवासों को नुकसान पहुंचा सकती है या नष्ट कर सकती है, जिससे जैव विविधता प्रभावित हो सकती है।

## CAPITAL'S NIGHTMARE

Stubble burning could contribute anywhere between 12% and 60% to Delhi's air pollution

**One ton of stubble, on burning, releases**

2 kg of SO<sub>2</sub>  
3 kg of particulate matter  
60 kg of CO  
1,460 kg of CO<sub>2</sub>  
199 kg of ash

### Health Impact

- Winter crop-burning triggers heavy pollution in Delhi
- Can aggravate and trigger respiratory diseases
- Results in loss of soil nutrient and kill soil organisms



### पराली जलाने को कम करने की रणनीतियाँ

- कृषि उपकरणों को बढ़ावा देना:** पंजाब ने उन यांत्रिक उपकरणों के लिए सब्सिडी प्रदान करने की योजनाएं शुरू की हैं जो उर्वरता में सुधार के लिए फसल अवशेषों को मिट्टी में मिला सकते हैं। कृषि-उपकरणों के लिए सह-स्वामित्व मॉडल को बढ़ावा देना जो ऐसे उपकरणों को किसानों के लिए सुलभ बना सके।
- जागरूकता को बढ़ावा:** किसानों को फसल अवशेषों के मूल्य और निष्कर्षण तथा पैकेजिंग में कृषि उपकरणों के उपयोग को समझना चाहिए।
- बिजली उत्पादन:** राज्य सरकारों को राजकोषीय हस्तक्षेप और प्राथमिकता के माध्यम से बायोमास-आधारित बिजली संयंत्रों की स्थापना को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उदाहरण- बायोमास सह-फायरिंग।
- अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना:** पंजाब कृषि विश्वविद्यालय धान के भूसे का एक प्रकार विकसित कर रहा है जिसमें सिलिका की मात्रा कम है, जिससे यह बायोमास-आधारित बिजली संयंत्रों में उपयोग के लिए उपयुक्त हो जाएगा।
- जैव ईंधन उत्पादन:** राज्य सरकारों को, केंद्र सरकार के उचित नीतिगत हस्तक्षेप के साथ-साथ जैव ईंधन के उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।
- औद्योगिक अनुप्रयोग:** बायोमास गोलों को व्यावसायिक रूप से औद्योगिक बॉयलरों के लिए मुख्य ईंधन के रूप में बेचा जा सकता है और कोयले की जगह ली जा सकती है। सूक्ष्म स्तंभीकरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और इसके स्थानीय उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- फसल अवशेष संग्रहण तंत्र:** फसल अवशेषों के संग्रहण, भंडारण और वाणिज्यिक बिक्री के लिए एक समान विकेन्द्रीकृत तंत्र बनाना चाहिए।

### छत्तीसगढ़ मॉडल

- गौठान एक समर्पित 5 एकड़ का भूखंड है, जो प्रत्येक गांव द्वारा साझा किया जाता है।
- यहां, सभी अप्रयुक्त पराली (छत्तीसगढ़ी में पैरा) को पराली दान (लोगों द्वारा देना) के माध्यम से एकत्र किया जाता है और ग्रामीण युवाओं द्वारा जैविक उर्वरक में बदला जाता है।

## SMOKED OUT EVERY YEAR

Burning of crop residue by farmers in northern India every October  
pollution in Delhi-NCR before winter



### Why harmful for air

One ton of stubble on burning releases

2 kg of SO<sub>2</sub>  
3 kg of PM  
60 kg of CO  
1,460 kg of CO<sub>2</sub>  
199 kg of ash

### Loss of valuable nutrients

Paddy straw contains (per hectare)

339 kg Nitrogen  
6 kg Phosphorus  
140 kg Potassium  
11 kg Sulphur

### पराली जलाने पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

- अदालत ने पंजाब सरकार से पूछा कि वह सीमांत किसानों के लिए फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों की लागत का वित्तपोषण क्यों नहीं कर सकती।
- पंजाब ने जवाब दिया कि मशीनों के लिए जनशक्ति और ईंधन का मुद्दा एक चुनौती थी।

अदालत ने चेतावनी दी कि धान की खेती से पंजाब में जल स्तर कम हो जाएगा और पानी बचाने एवं प्रदूषण कम करने के लिए धान के अलावा अन्य फसलें अपनाने का सुझाव दिया।

### निष्कर्ष

पराली जलाने के प्रभावों को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें नियामक उपाय, तकनीकी नवाचार और स्थाई कृषि प्रथाओं के लिए समर्थन शामिल है। पराली जलाने के पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी परिणामों के बारे में किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाने के प्रयास भी सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण हैं।

## PAPER 4

### आरबीआई गवर्नर

#### GS III – अर्थव्यवस्था

#### GS IV – नेतृत्व गुण

**संदर्भ:** आरबीआई गवर्नर के रूप में वेंकटरमन ने इराक-कुवैत युद्ध के कारण गंभीर भुगतान संतुलन संकट को दूर करने के लिए स्वर्ण भंडार गिरवी को गिरवी रखने सहित नवीन उपायों को लागू करते हुए एक चुनौतीपूर्ण वित्तीय परिदृश्य को पार कर लिया। उनके नेतृत्व गुण, सुधार के प्रति प्रतिबद्धता और गतिशील राजनीतिक बदलावों में लचीलापन उनकी प्रभावशाली विरासत को परिभाषित करता है।

#### मुख्य विचार

- **आरबीआई गवर्नर के रूप में वेंकटरमन के समक्ष चुनौतियाँ:** वेंकटरमन ने इराक-कुवैत युद्ध के कारण भुगतान संतुलन की गंभीर समस्या से जूझ रहे एक चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान आरबीआई गवर्नर की भूमिका निभाई। स्थिति ने विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए स्वर्ण भंडार की शिपिंग सहित अपरंपरागत उपायों की मांग की।
- **उठाए गए असाधारण कदम:** भुगतान संतुलन संकट को दूर करने के लिए, वेंकटरमन के नेतृत्व में आरबीआई ने भारत के बाहर रखे गए सोने के भंडार को गिरवी रखकर लगभग 405 मिलियन अमरीकी डालर ऋण लिया। इस असामान्य कदम ने एक जटिल वित्तीय परिदृश्य से निपटने में दृढ़ संकल्प और नवीनता का प्रदर्शन किया।
- **गतिशील राजनीतिक माहौल:** केंद्र सरकार में बार-बार होने वाले बदलावों की पृष्ठभूमि ने आरबीआई और उसके गवर्नर की वित्तीय जिम्मेदारियों में जटिलता बढ़ा दी। वेंकटरमन ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का उपयोग करने और आवश्यक विदेशी मुद्रा जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **आईएमएफ की भूमिका और रुपये का अवमूल्यन:** वेंकटरमन के नेतृत्व में आरबीआई ने सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से संपर्क किया। प्रारंभिक अनुरोध सीमित शर्तें प्रदान करते हुए प्रतिपूरक और आकस्मिक वित्तपोषण सुविधा (सीसीएफएफ) से संबंधित था। इसके अतिरिक्त, सरकार ने आरबीआई के परामर्श से जून 1991 में दो चरणों में रुपये का तेजी से अवमूल्यन करने का निर्णय लिया।
- **सुधार पहल:** वेंकटरमन एक सुधारक थे जिन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों की शुरुआत की और दोहरी विनिमय दर की ओर बढ़ते हुए विनिमय दर प्रणाली में बदलाव लाए। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए एक मजबूत भूमिका की वकालत की जहां दक्षता बरकरार रखी जा सके।
- **नेतृत्व गुण:** वेंकटरमन के नेतृत्व गुणों में तेज दिमाग, जटिल समस्याओं से निपटने की क्षमता, विविध दृष्टिकोणों को सुनने की इच्छा और महत्वपूर्ण निर्णय लेने का साहस शामिल था।

#### प्रमुख चुनौतियां

- **भुगतान संतुलन संकट:** वेंकटरमन को इराक-कुवैत युद्ध जैसे बाहरी कारकों के कारण गंभीर भुगतान संतुलन समस्या का सामना करना पड़ा। यह चुनौती वित्तीय अंतर को पाटने और भुगतान दायित्वों में डिफॉल्ट से बच निकलने की थी।
- **गतिशील राजनीतिक परिवर्तन:** केंद्र सरकार में बार-बार होने वाले परिवर्तनों ने वित्तीय निर्णय लेने में जटिलता की एक अतिरिक्त परत जोड़ दी। वेंकटरमन ने आरबीआई की जिम्मेदारियों को पूरा करते हुए इन परिवर्तनों को अंजाम दिया।

#### जटिल अन्वेषण

- **संकट में नवोन्मेषी नेतृत्व:** स्वर्ण भंडार भेजने और अपरंपरागत उपायों का पता लगाने के वेंकटरमन के निर्णय ने वित्तीय संकट के दौरान नवोन्मेषी नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिससे भुगतान दायित्वों में डिफॉल्ट को रोका जा सका।
- **राजनीतिक परिवर्तनों को नेविगेट करना:** केंद्र सरकार में लगातार बदलावों के बीच वित्तीय जिम्मेदारियों का प्रबंधन करना वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक गतिशील राजनीतिक वातावरण को नेविगेट करने की वेंकटरमन की क्षमता को प्रदर्शित करता है।
- **वित्तीय लचीलेपन के लिए सुधार पहल:** वेंकटरमन का ध्यान बैंकिंग क्षेत्र के सुधारों और दोहरी विनिमय दर प्रणाली पर है, जिसका उद्देश्य अशांत समय के दौरान वित्तीय लचीलापन बढ़ाना है, जो एक दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रदर्शन करता है।

#### प्रमुख नियम और वाक्यांश

- **क्षतिपूर्ति और आकस्मिक वित्तपोषण सुविधा (सीसीएफएफ):** आयातित वस्तुओं की कीमत में अचानक वृद्धि या निर्यात कीमतों में अचानक गिरावट का सामना करने वाले देशों की सहायता के लिए बनाई गई एक आईएमएफ सुविधा है। आरबीआई ने सहायता के लिए आईएमएफ से संपर्क किया, शुरुआत में सीसीएफएफ पर ध्यान केंद्रित किया।
- **दोहरी विनिमय दर प्रणाली:** वेंकटरमन ने दोहरी विनिमय दर प्रणाली की ओर बदलाव की शुरुआत की, जिससे देश की मुद्रा के मूल्य

के प्रबंधन के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया।

- **विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए सोना गिरवी रखना:** वेंकटरमणन के तहत आरबीआई ने भुगतान संतुलन संकट के दौरान भारत के बाहर रखे गए सोने के भंडार को गिरवी रखकर लगभग 405 मिलियन अमेरिकी डॉलर उधार लिए हैं।

**निष्कर्ष:** एक महत्वपूर्ण वित्तीय अवधि के दौरान एस वेंकटरमणन का नेतृत्व साहस, नवीनता और लचीलेपन का उदाहरण है। उनके योगदान को स्वीकार करते हुए, राष्ट्र सुधार पहलों पर कार्य कर सकता है, विश्व स्तर पर सहयोग कर सकता है और स्थिर तथा लचीले आर्थिक भविष्य के लिए विवेकपूर्ण वित्तीय नीतियों को बनाए रख सकता है।



## Practice Questions



Q1) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|          |           |
|----------|-----------|
| त्योहार  | राज्य     |
| छठ पूजा  | बिहार     |
| उत्तरायण | छत्तीसगढ़ |
| ओणम      | कर्नाटक   |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

चुनावी बांड के माध्यम से डोनेशन केवल ईसीआई के साथ बताए गए पार्टी बैंक खाते में जमा किया जाता है।

कथन-II:

हेपेटाइटिस ई के लिए कोई विशिष्ट उपचार या टीका नहीं है।

चुनावी बांड व्यक्तिगत रूप से या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से खरीदे जा सकते हैं।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q3) कार्बन नैनो फ्लोरेट्स के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- नैनोफ्लोरेट छोटे गेंदे के फूलों से मिलते जुलते हैं।
- ये कार्बन और हाइड्रोजन से बने होते हैं।
- इनमें कई आवृत्तियों पर सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करने और इसे गर्मी में परिवर्तित करने की अभूतपूर्व क्षमता होती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 1
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1 और 3
- केवल 2

Q4) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|                        |       |
|------------------------|-------|
| अंतरिक्ष टेलीस्कोप     | संगठन |
| केप्लर स्पेस टेलीस्कोप | NASA  |

|                           |      |
|---------------------------|------|
| एस्ट्रोसैट                | ISRO |
| जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप | NASA |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q5) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

डीप ओशन मिशन भारत सरकार की हरित अर्थव्यवस्था पहल का समर्थन करने के लिए एक मिशन-मोड परियोजना है।

कथन-II:

समुद्र से ऊर्जा और मीठे पानी का दोहन इस मिशन के स्तंभों में से एक है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q6) अरलम वन्यजीव अभयारण्य के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- यह कर्नाटक के उत्तरी भाग में स्थित है।
  - यह पूर्वी घाट में स्थित है।
  - यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 3
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1 और 3
- केवल 2

Q7) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|           |                              |
|-----------|------------------------------|
| मिसाइल    | प्रकार                       |
| त्रिशूल   | एंटी टैंक                    |
| अग्नि-III | सतह से हवा में मार करने वाली |
| अमोघा     | सतह से सतह तक                |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो

- c) सभी तीन  
d) कोई नहीं

Q8) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) एक सिविल लॉ है।

कथन-II:

यह 1 जुलाई 2005 को लागू हुआ।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है  
b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है  
c) कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है  
d) कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q9) मिनिटमैन III के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मिनिटमैन III एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) है।  
2. इसे हमलों से बचाने के लिए भूमिगत साइलो में रखा जाता है।  
3. इसका डिजाइन इसे रोकने में आसान बनाता है।  
ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- a) केवल 1  
b) केवल 1, 2 और 3  
c) केवल 1 और 2  
d) केवल 3

Q10) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

|                             |        |
|-----------------------------|--------|
| रिपोर्ट                     | संगठन  |
| विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट | IQAir  |
| वैश्विक पर्यावरण आउटलुक     | UNCTAD |
| विश्व जनसंख्या की स्थिति    | UNEP   |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- a) केवल एक  
b) केवल दो  
c) सभी तीन  
d) कोई नहीं

Q11) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

अडैप्टेशन गैप रिपोर्ट, 2023 UNEP द्वारा प्रकाशित की गई है।

कथन-II:

यह एक द्वि-वार्षिक प्रकाशन है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है

b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है

c) कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है

d) कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q12) क्यूबा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अंग्रेजी क्यूबा की प्रमुख भाषा है।  
2. यह दक्षिण अमेरिका में स्थित है।  
3. यह द्वीपसमूह का सबसे बड़ा एकल द्वीप है।  
ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- a) केवल 2  
b) केवल 1, 2 और 3  
c) केवल 1 और 3  
d) केवल 3

Q13) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

|                    |                   |
|--------------------|-------------------|
| नौसेना के युद्धपोत | प्रकार            |
| आईएनएस सिंधुविजय   | फ्रिगेट्स         |
| आईएनएस मैसूर       | पनडुब्बियां       |
| आईएनएस विक्रमन     | एयरक्राफ्ट कैरियर |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- a) केवल एक  
b) केवल दो  
c) सभी तीन  
d) कोई नहीं

Q14) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

प्रधानमंत्री संग्रहालय नई दिल्ली में स्थित है।

कथन-II:

यह केवल भारत के प्रथम प्रधान मंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि देता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है  
b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है  
c) कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है  
d) कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q15) नीति आयोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके पास नीतियां लागू करने का अधिदेश होता है।  
2. इसका मुख्यालय मुंबई में है।  
3. यह योजना के लिए 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण पर केंद्रित है।  
ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- a) केवल 3  
b) केवल 1, 2 और 3



- c) केवल 3  
d) केवल 2

Q16) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

राजस्व खुफिया निदेशालय तस्करी से निपटने के लिए कानून और प्रक्रियाओं में खामियों को दूर करने का उपाय सुझाता है।

कथन-II:

यह नशीले पदार्थों की तस्करी के बारे में खुफिया जानकारी एकत्र करता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-I कथन-II की सही व्याख्या है  
b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II सही स्पष्टीकरण नहीं है  
c) कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है  
d) कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q17) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 20 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक बच्चे को दिया जाता है।

कथन-II:

इसमें एक पदक, 1,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण पत्र और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है  
b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है  
c) कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है  
d) कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q18) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

|        |                    |
|--------|--------------------|
| नदी    | उद्गम              |
| हिंडन  | विंध्य रेंज        |
| यमुना  | यमुनोत्री ग्लेशियर |
| तीस्ता | शिवालिक पहाड़ियाँ  |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- a) केवल एक  
b) केवल दो  
c) केवल तीन  
d) कोई नहीं

Q19) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|                |       |
|----------------|-------|
| वीनस मिशन      | देश   |
| वीनस एक्सप्रेस | यूरोप |
| वेगास          | यूएसए |

|        |     |
|--------|-----|
| मैगेलन | रूस |
|--------|-----|

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- a) केवल एक  
b) केवल दो  
c) सभी तीन  
d) कोई नहीं

Q20) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

एनआईए आतंकवाद से जुड़ी सभी सूचनाओं का एक डेटाबेस है।

कथन-II:

यह रक्षा मंत्रालय के अधीन है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है  
b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है  
c) कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है  
d) कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q21) क्षय रोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- जो लोग संक्रमित हैं लेकिन (अभी तक) बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं वे इसे फैला नहीं सकते हैं।
  - क्षय रोग रोकथाम योग्य और इलाज योग्य है।
  - यह केवल फेफड़ों को प्रभावित करता है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- a) केवल 2  
b) केवल 1, 2 और 3  
c) केवल 1 और 2  
d) केवल 3

Q22) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|  |                      |
|--|----------------------|
| संगठन  | मुख्यालय             |
| विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ)     | रोम, इटली            |
| खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ)                   | जिनेवा, स्विट्जरलैंड |
| संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO) | वियना, ऑस्ट्रिया     |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- a) केवल एक  
b) केवल दो  
c) सभी तीन  
d) कोई नहीं

Q23) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

नागरिक उड्डयन निदेशालय (डीजीसीए) हवाई यातायात नियंत्रकों को लाइसेंस देने के लिए उत्तरदायी है।

कथन-II:

यह विमान के स्वदेशी डिजाइन और निर्माण को बढ़ावा देता है।  
उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q24) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- इसकी स्थापना 1990 में हुई थी।
  - इसका मुख्यालय मुंबई में है।
  - यह मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 3
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 2 और 3
- केवल 1

Q25) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

| रोग       | के कारण                 |
|-----------|-------------------------|
| हैजा      | विब्रियो हैजा           |
| प्लेग     | यर्सिनिया पेस्टिस       |
| कुष्ठ रोग | माइकोबैक्टीरियम लेप्राई |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q26) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

जेरिको-1 मिसाइल प्रणाली की मारक क्षमता 500 किलोमीटर है।

कथन-II:

जेरिको-2 मिसाइल सिस्टम पहली इजरायली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q27) अवौस मोटला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- इसकी खोज महानदी नदी से हुई थी।
  - इसकी कीमत स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कई अन्य मछलियों से कम है।
  - यह प्रजाति 'अवौस' (ऑक्सुडेर्सिडे) परिवार से संबंधित है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?
- केवल 2
  - केवल 1, 2 और 3
  - केवल 1 और 3
  - केवल 3

Q28) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

| संगठन | मुख्यालय  |
|-------|-----------|
| RBI   | नई दिल्ली |
| SEBI  | मुंबई     |
| CBI   | पुणे      |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q29) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

एपीडा कृषि मंत्रालय के अधीन है।

कथन-II:

अनुसूचित उत्पादों की पैकेजिंग में सुधार करना इसके कार्यों में से एक है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q30) IIP के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- यह त्रैमासिक प्रकाशित होता है।
  - यह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
  - इसका आधार वर्ष 2011-2012 है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 2
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 2 और 3
- केवल 3

Q31) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

|       |              |
|-------|--------------|
| संगठन | मुख्यालय     |
| OPEC  | यूएई         |
| WTO   | टोक्यो       |
| FAO   | स्विट्जरलैंड |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q32) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

शील्ड ज्वालामुखी गैर-विस्फोटक विस्फोट और तेजी से बहने वाला लावा उत्पन्न करते हैं।

कथन-II:

डोम ज्वालामुखी द्वारा उत्पादित लावा गाढ़ा और चिपचिपा होता है, जिसका अर्थ है कि यह तेजी से नहीं बहता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q33) ब्लैक होल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- ब्लैक होल एक ऐसी खगोलीय वस्तु है जिसका गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र इतना शक्तिशाली होता है कि कोई भी चीज़, यहाँ तक कि प्रकाश भी, गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से बच नहीं सकता है।
- यह अंतरिक्ष का एक क्षेत्र है जिसका गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र इतना तीव्र है कि कोई भी पदार्थ या विकिरण बच नहीं सकता है।
- यह थर्मोडायनामिक्स में बिल्कुल एक आदर्श काले निकाय की तरह है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 2
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1 और 3
- केवल 3

Q34) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

|                               |                         |
|-------------------------------|-------------------------|
| प्रजाति                       | IUCN स्थिति             |
| जेनकिन का अंडमान स्पाइनी क्रू | कम चिंतनीय              |
| जंगली उल्लू                   | गंभीर रूप से लुप्तप्राय |
| हिमालयी बटेर                  | संवेदनशील               |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q35) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

पीएम पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) विकास मिशन जनजातीय मामलों के मंत्रालय के अधीन है।

कथन-II:

इस मिशन का उद्देश्य विशेष रूप से आदिवासी समूह सी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q36) अरोरा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- उत्तरी गोलार्ध में इस घटना को नॉर्दन लाइट्स (ऑरोरा ऑस्ट्रेलिस) कहा जाता है।
- यह विशेष रूप से पृथ्वी ग्रह पर देखी जाने वाली घटना है।
- दक्षिणी गोलार्ध में इसे सॉउथर्न लाइट्स (ऑरोरा बोरेलिस) कहा जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 2
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 2 और 3
- कोई नहीं

Q37) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

|                     |                    |
|---------------------|--------------------|
| अभ्यास              | देश                |
| हैंड-इन-हैंड अभ्यास | भारत और चीन        |
| टेबल टॉप            | भारत और बांग्लादेश |
| ईस्टर्न ब्रिज       | भारत और नेपाल      |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q38) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

हैली धूमकेतु लगभग हर 56 वर्ष में सूर्य की परिक्रमा करता है।

कथन-II:

हैली धूमकेतु की भविष्यवाणी अंग्रेजी खगोलशास्त्री एडमंड हैली की गणना के आधार पर की गई थी।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है**

Q39) आसियान के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1 आसियान का आदर्श वाक्य "एक दृष्टिकोण, एक पहचान, एक समुदाय" है।

2 7 अगस्त को आसियान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

3 आसियान सचिवालय इंडोनेशिया, जकार्ता में है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 2
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1 और 3**
- केवल 3

Q40) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

|               |        |
|---------------|--------|
| अंतरिक्ष मिशन | एजेंसी |
| RISAT-2BR1    | ISRO   |
| Mariner 3     | NASA   |
| Pioneer       | JAXA   |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो**
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q41) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

अल्जाइमर रोग एक मस्तिष्क विकार है जो समय के साथ ठीक हो जाता है।

कथन-II:

इससे मस्तिष्क की कोशिकाएं खराब और नष्ट हो जाती हैं।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है**

Q42) नाइओबियम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- यह संक्षारणरोधी है।
- इसमें उच्च अतिचालकता गुण होता है।

3. हवा के संपर्क में आने पर यह आमतौर पर ढांकता हुआ ऑक्साइड की परतें बनाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 2
- केवल 1, 2 और 3**
- केवल 2 और 3
- केवल 1

Q43) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|             |                        |
|-------------|------------------------|
| रोग         | का कारण                |
| प्लेग       | यर्सिनिया पेस्टिस      |
| चिकनपॉक्स   | वैरीसेला-ज़ोस्टर वायरस |
| स्माल पॉक्स | वेरियोला वायरस         |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन**
- कोई नहीं

Q44) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

जब कोई संक्रमित व्यक्ति सांस लेता है, खांसता है या छींकता है तो खसरा आसानी से फैलता है।

कथन-II:

खसरा केवल बच्चों को ही प्रभावित कर सकता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है**
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q45) शनि ग्रह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- शनि सूर्य से सातवां ग्रह है।
- यह हमारे सौर मंडल का दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है।
- यह एक विशाल गैस की तरह है जो अधिकतर हाइड्रोजन और हीलियम से बना है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 2
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 2 और 3**
- केवल 3

Q46) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|                     |                                 |
|---------------------|---------------------------------|
| नोबेल पुरस्कार 2023 | स्थापना                         |
| रसायन विज्ञान       | कैटालिन कारिको, डू वीसमैन       |
| मेडिसिन             | मौगी जी. बावेडी, लुईस ई. ब्रूस, |

|        |  |
|--------|--|
|        | एलेक्सी आई. येकिमोव                              |
| भौतिकी | पियरे एगोस्टिनी, फ्रेन्क क्रॉसज़, ऐनी एल'हुइलियर |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q47) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2011 में की गई थी।

कथन-II:

इसे पहले नायेफ अल-रोधन पुरस्कार के नाम से जाना जाता था।  
उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है**

Q48) एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- इन्हें "संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदान" के माध्यम से धन के प्रावधान के साथ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में स्थापित किया गया है।
- EMRS की स्थापना एक आवश्यक विशेषता के रूप में भूमि की उपलब्धता के साथ संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की मांग पर आधारित है।
- EMRS को चलाने के लिए गृह मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त सोसायटी होगी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 2
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1 और 2**
- केवल 3

Q49) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|              |                               |
|--------------|-------------------------------|
| अभ्यास       | भाग लेने वाले देश             |
| अभ्यास इंद्र | भारत और रूस                   |
| अजेय वर्रिएर | भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका |
| लमितिये      | भारत और मालदीव                |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक**

- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q50) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

लेमरू हाथी रिजर्व झारखंड के कोरबा जिले में स्थित है।

कथन-II:

यह रिजर्व हाथी गलियारे का हिस्सा है जो लेमरू (कोरबा), बादलखोल (जशपुर) और तमोरपिंगला (सरगुजा) को जोड़ता है।  
उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है**

Q51) INFUSE मिशन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- इसे JAXA द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - इसका नेतृत्व ब्रायन फ्लेमिंग ने किया था।
  - यह प्रकाश के रिलीज का निरीक्षण करता है क्योंकि सुपरनोवा की विस्फोट तरंग ठंडी गैस के पॉकेटों से टकराती है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 1
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 2 और 3**
- केवल 3

Q52) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|   |                                  |
|---|----------------------------------|
| संगठन                                     | मुख्यालय                         |
| संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए)  | ब्रुसेल्स, बेल्जियम              |
| उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो)          | न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका |
| पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक) | वियना, ऑस्ट्रिया                 |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो**
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q53) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

G20 का कोई स्थायी सचिवालय या मुख्यालय नहीं है।

कथन-II:

भारत की अध्यक्षता के दौरान, भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील ट्रोइका बनाये थे।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q54) जीका के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- जीका वायरस एक मच्छर जनित फ्लेविवायरस है।
- इसकी पहचान सबसे पहले भारत में 1947 में बंदरों में हुई थी।
- मनुष्यों में अधिकांश संक्रमण स्पर्शोन्मुख या हल्के लक्षणों वाले होते हैं, जिनमें बुखार, दाने और जोड़ों का दर्द शामिल हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 1
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1 और 3
- केवल 3

Q55) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

| नदी        | उत्पत्ति            |
|------------|---------------------|
| पेन्ना नदी | नंदी हिल्स          |
| सबरी नदी   | सिंकराम पहाड़ी रेंज |
| दिहिंग नदी | पटकाई पहाड़ियाँ     |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q56) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

पावना नदी कोलकाता से होकर बहने वाली एक प्रमुख नदी है।

कथन-II:

यह इसे पिंपरी-चिंचवड जिले से अलग करता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q57) भूकंप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- वह बिंदु जहां से ऊर्जा निकलती है, भूकंप का केंद्र कहलाता है, वैकल्पिक रूप से, इसे अवकेंद्र कहा जाता है।

2. सतह पर सभी बिंदुओं को जोड़ने वाली एक रेखा जहां तीव्रता समान होती है, आइसोसेस्मिक रेखा कहलाती है।

3. सिस्मोग्राफ, या सिस्मोमीटर, भूकंप का पता लगाने और रिकॉर्ड करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक उपकरण है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 3
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 2 और 3
- केवल 2

Q58) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

| अभ्यास      | देश               |
|-------------|-------------------|
| मित्र शक्ति | भारत एवं श्रीलंका |
| सियाम भारत  | भारत और थाईलैंड   |
| कोप इंडिया  | भारत और अमेरिका   |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q59) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

सीबीआई अकादमी यूपी के गाजियाबाद में स्थित है।

कथन-II:

सीबीआई केंद्र सरकार के कर्मचारियों के भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और कदाचार के मामलों की जांच करती है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q60) लुसी मिशन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- यह नासा का अंतरिक्ष निरीक्षण है।
- यह दस अलग-अलग क्षुद्रग्रहों की बारह साल की यात्रा पर होता है।
- यह सूर्य से इतनी दूर जाने वाला पहला सौर ऊर्जा संचालित अंतरिक्ष यान है। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 1
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 3
- केवल 2

Q61) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|                  |        |
|------------------|--------|
| फाइटर एयरक्राफ्ट | देश    |
| राफेल            | रूस    |
| तेजस             | इंडिया |
| सुखोई 30         | फ्रांस |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q62) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

M-योग ऐप विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और (आयुष मंत्रालय), भारत सरकार के बीच सहयोग का एक कार्य है।

कथन-II:

योग भी फिट इंडिया मूवमेंट का एक हिस्सा है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q63) उष्णकटिबंधीय चक्रवात के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- अप्रैल-मई और अक्टूबर-दिसंबर की अवधि चक्रवातों के लिए अनुकूल होती है।
  - इसकी विशेषता निम्न वायुमंडलीय दबाव, तेज हवाएँ और भारी वर्षा है।
  - ये थोड़े ठंडे समुद्री जल के ऊपर बनते हैं।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 3
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1 और 2
- केवल 1

Q64) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

|                |                      |
|----------------|----------------------|
| ज्वालामुखी     | प्रकार               |
| माउंट फ्रूजी   | स्ट्रेटोवोलकानो      |
| माउंट एटना     | शील्ड ज्वालामुखी     |
| माउंट वेसुवियस | सिंडर कोन ज्वालामुखी |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक

b) केवल दो

c) सभी तीन

d) कोई नहीं

Q65) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

26 जनवरी 1950 को विधानसभा द्वारा भारत का संविधान अपनाया गया।

कथन-II:

हेपेटाइटिस ई के लिए कोई विशिष्ट उपचार या टीका नहीं है।

भारत में 26 नवंबर, 2023 को कानून दिवस है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q66) माउंट एटना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- यह सिसिली के पश्चिमी तट पर है।
  - यह आल्प्स के दक्षिण में इटली की सबसे ऊँची चोटी है।
  - यह दुनिया का सबसे कम सक्रिय स्ट्रेटोवोलकानो भी है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- केवल 2
- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1 और 3
- केवल 3

Q67) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

|            |                 |
|------------|-----------------|
| अभ्यास     | देश             |
| अल नागाह   | भारत और ओमान    |
| नसीम अल बह | भारत और कतर     |
| लमितिये    | भारत और सेशेल्स |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

Q68) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

इजराइल ने 1946 में स्वतंत्रता की घोषणा की।

कथन-II:

हेपेटाइटिस ई के लिए कोई विशिष्ट उपचार या टीका नहीं है।

कतर सऊदी अरब, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात के साथ एक भूमि सीमा साझा करता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है  
 b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है  
 c) कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है  
 d) **कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है**

Q69) सिल्क्यारा सुरंग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- सुरंग की कुल लंबाई 4.5 किमी है।
  - इसका उद्देश्य सिल्क्यारा को उत्तरकाशी जिले के डंडाल गांव से जोड़ना है।
  - डबल लेन सुरंग को चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत सबसे लंबी सुरंगों में से एक माना जाता है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- a) केवल 1  
 b) **केवल 1, 2 और 3**  
 c) केवल 1 और 3  
 d) केवल 2

Q70) निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

| रोग        | के कारण                 |
|------------|-------------------------|
| प्लेग      | बोर्डेटेला पर्तुसिस     |
| काली खांसी | यर्सिनिया पेस्टिस       |
| निमोनिया   | स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- a) **केवल एक**  
 b) केवल दो  
 c) सभी तीन  
 d) कोई नहीं

Q71) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

NISAR (NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar) को साल 2024 में लॉन्च करने की योजना है।

कथन-II:

यह एर्जेसी NASA और ESA का संयुक्त प्रयास है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है  
 b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है  
 c) **कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है**  
 d) कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q72) जिम्बावे के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- इसकी राजधानी हरारे है।
  - जिम्बावे एक स्थलरुद्ध देश है।
  - जिम्बावे की सीमा बोत्सवाना से नहीं लगती है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- a) केवल 2  
 b) केवल 1, 2 और 3  
 c) **केवल 1 और 2**  
 d) केवल 3

Q73) निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

| अभ्यास        | देश                |
|---------------|--------------------|
| संप्रति       | भारत और बांग्लादेश |
| मैत्री अभ्यास | भारत और थाईलैंड    |
| युद्ध अभ्यास  | भारत और यूके       |

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

- a) केवल एक  
 b) **केवल दो**  
 c) सभी तीन  
 d) कोई नहीं

Q74) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

वज्र प्रहार साल में दो बार आयोजित किया जाता है।

कथन-II:

2023 संस्करण उमरोई छावनी, मेघालय में होगा।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है  
 b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है  
 c) कथन-I सही है लेकिन कथन II गलत है  
 d) **कथन-I गलत है लेकिन कथन II सही है**

Q75) पिरोला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- पिरोला को BA.2.86 भी कहा जाता है।
  - यह चकते, नेत्रश्लेष्मलाशोथ और दस्त जैसे विशिष्ट लक्षण प्रदर्शित करता है।
  - पिरोला वैरिएंट केवल अमेरिका में पाया गया है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- a) केवल 2  
 b) केवल 1, 2 और 3  
 c) **केवल 1 और 2**  
 d) **केवल 3**





# ALL INDIA PRELIMS TEST SERIES 2024 (AIPTS)



**New pattern** of Questions will be the main focus



**Mentorship** by Prelims Experts



**23** **Subject wise** Tests



**12** Exclusive **Current Affairs** Tests



**10** Exclusive **CSAT** Tests



**5** **Full Length GS** Tests

हिंदी

PRELIMS TEST SERIES +  
Mentorship

Available in  
Online & Offline

ADMISSION OPEN

 [www.iasbaba.com](http://www.iasbaba.com)

 [support@iasbaba.com](mailto:support@iasbaba.com)

 +919169191888